THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 190 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) शरद पूर्णिमा 2082 सोमवार, 6 अक्टूबर-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

सिरप से हुई मौतों पर केंद्र सख्त

राज्यों के साथ स्वास्थ्य सचिव की बैठक, दिए अहम निर्देश

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश और राजस्थान में कफ सिरप के चलते हुए बच्चों की मौत के बाद केंद्र सरकार एक्शन में आ गई है। केंद्र सरकार ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रधान सचिवों और स्वास्थ्य सचिवों के साथ आज एक अहम बैठक की। इस बैठक में केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के साथ उच्चस्तरीय बैठक की, जिसमें खांसी की दवाओं की गुणवत्ता और उचित उपयोग पर चर्चा हुई।

>14

यूआईडी नागरिकता का प्रमाण नहीं : सीईसी

पटना, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। भोजपुरी में बिहार के मतदाताओं का अभिवादन करते हुए देश के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने रविवार को पटना में कहा कि जिस तरह हम अपने पर्व-त्योहारों और विशेष रूप से लोक आस्था के महापर्व छठ को मनाते हैं, उसी तरह से बिहार विधानसभा चुनाव में मतदान को उत्साह के साथ मनाएं। उन्होंने मतदान की तारीखों पर फिलहाल कोई जानकारी नहीं दी, लेकिन यह जरूर कहा कि 22 नवंबर से पहले चुनाव की पूरी प्रक्रिया संपन्न करा ली जाएगी।

एसआईआर पर उठाए सवालों का जवाब दिया मुख्य चुनाव आयुक्त ने :

जो प्रत्याशी खड़े हों, वह पोलिंग एजेंट्स जरूर दें। मॉक पोल अपनी आंखों के सामने जरूर देखने कहें। मतदान के खत्म होते समय पोलिंग एजेंट्स फॉर्म 17सी भी ले लें। जिन लोगों को नगर निगम ने मकान का कोई नंबर तय नहीं किया है, वहां एक ही मकान में कई लोगों के नंबर मतदाता सूची में दर्ज होने की आशंका रहती है। क्योंकि, कुछ चिह्नित करने के लिए बीएलओ यह करते हैं। चुनाव के पहले पुनरीक्षण हर बार होता है, इसलिए उसे चुनाव के बाद कराने की मांग का कोई अर्थ नहीं है। बिहार के एसआईआर में दावा-आपत्ति का पूरा अवसर दिया गया। इस प्रक्रिया की देखरेख के लिए सभी राजनीतिक दलों ने अपने बूथ लेवल एजेंट्स दिए थे। एसआईआर में अब भी समय है कि किसी व्यक्ति या राजनीतिक दल को ऐसा लगता है कि योग्य मतदाता छूट गया है या अयोग्य मतदाता का नाम सूची में है तो वह दावा-आपत्ति कर सकता है। उनके दावे-आपत्ति का निपटारा ईआरओ स्तर से हो जाएगा।

किन्हें मिलेगा वोटर कार्ड,

आधार कार्ड पर क्या बोले सीईसी :

जिनके वोटर कार्ड के डाटा में कोई परिवर्तन होगा, उन्हें 15 दिनों के अंदर ईपिक मिल जाएगा। वोटर की जांच किस तरह करनी है, उसी के तहत जांच की गई है। जिन लोगों ने मतदाता सूची के लिए नामांकन भरा होगा, वह आधार देने के लिए बाध्य नहीं हैं। चुनाव आयोग, आधार अथॉरिटी के नियम और सुप्रीम कोर्ट के आदेश के तहत आधार न जन्मतिथि और न ही नागरिकता का प्रमाणपत्र है। सुप्रीम कोर्ट का आदेश आया तो हमने पुनरीक्षण में आधार कार्ड लेने की व्यवस्था दी। संविधान के तहत, मतदाता बनने के लिए भारत का नागरिक होना जरूरी है। वोटर जहां रहता है, उसके आसपास के बूथ का मतदाता हो सकता है। गैर-भारतीय होने के आधार पर कितने नाम कटे, इसपर मुख्य चुनाव आयुक्त ने स्पष्ट जानकारी नहीं दी। उन्होंने कहा कि सभी चिह्नित अयोग्य मतदाताओं का नाम हटाया गया है। इसकी सूची जिला निर्वाचन पदाधिकारियों के पास भी है और राजनीतिक दलों के पास भी है।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा कि एससी 2 और एससी 38 समेत बिहार में 243 सीटें हैं। दो दिनों के इस भ्रमण के पहले भी चुनाव आयोग के अधिकारियों ने पुलिस-प्रशासन के अधिकारियों के साथ ही बैठक हो चुकी है। बिहार के मुख्य निर्वाचन अधिकारी विभिन्न स्तरों पर बैठक कर चुके हैं। मुख्य सचिव, बाकी विभागीय सचिवों और डीजीपी के साथ भी बैठक कर चुके हैं।

पहली बार दिल्ली में ट्रेनिंग, मानदेय बढ़ाया जाना उपलब्धि :

मुख्य चुनाव आयुक्त ने जानकारी दी कि बूथ लेवल एजेंट्स की पहली बार चुनाव आयोग ने ट्रेनिंग की। बिहार के सभी बूथ लेवल एजेंट्स- 1 की ट्रेनिंग कुछ माह पहले ही दिल्ली में ट्रेनिंग हुई। उसके बाद बूथ लेवल ऑफिसर्स की ट्रेनिंग हुई। इसके बाद देशभर के 700 बूथ लेवल सुपरवाइजर्स-एजेंट्स की ट्रेनिंग की गई। मतदाता सूची के मामले में विशेष गहन पुनरीक्षण बड़ा टास्क था। सभी मतदाताओं के सहयोग के साथ स-समय यह पूरा हुआ।

>14

बारिश से प्रभावित किसानों को हर संभव मदद देगी मोदी सरकार : अमित शाह

मुंबई, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार महाराष्ट्र के बारिश से प्रभावित किसानों को हर संभव सहायता प्रदान करेगी। शाह ने यह बात डॉ. विठ्ठलराव विखे पाटिल कोऑपरेटिव शुगर फैक्ट्री की विस्तारित क्षमता के उद्घाटन के बाद किसानों की रैली को संबोधित करते हुए कही। इससे पहले महाराष्ट्र के एक दिवसीय दौरे पर आए केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शिरडी स्थित साईंबाबा मंदिर में रविवार को पूजा-अर्चना की। अमित शाह के साथ राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे एवं अजित पवार तथा अन्य लोग भी मौजूद रहे।

अमित शाह ने कहा, मैंने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस,

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अजित पवार के साथ विस्तृत बैठक की। प्रधानमंत्री मोदी की ओर से मैंने उन्हें आश्वासन दिया है कि जैसे ही हमें विस्तृत रिपोर्ट मिलेगी, प्रधानमंत्री मोदी महाराष्ट्र के किसानों की मदद में कोई देरी नहीं करेंगे। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार ने पिछले वर्ष की सहायता राशि में से 3,132 करोड़ रुपये जारी किए हैं, जिसमें अप्रैल 2025 में 1,631 करोड़ रुपये शामिल हैं। इसके अलावा, महाराष्ट्र सरकार ने भी 2,215 करोड़ रुपये की राहत राशि वितरित की है, जिससे 31 लाख से अधिक किसानों को लाभ मिला है। शाह ने कहा कि राज्य सरकार किसानों की परेशानी कम करने के लिए कई कदम उठा रही है। उन्होंने बताया, महाराष्ट्र सरकार ने प्रत्येक बाढ़ प्रभावित परिवार को 10,000 नकद सहायता और 35 किलो खाद्यान्न दिया है। साथ ही कर्ज वसूली पर रोक, ई-केवाईसी नियमों में अस्थायी ढील, और राजस्व कर व स्कूल फीस में राहत दी गई है। शाह ने किसानों को भरोसा दिलाया कि केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर किसानों को हर संभव सहायता और पुनर्वास प्रदान करेंगी।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस दौरान कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत का चीनी सहकारी क्षेत्र तेजी से आगे बढ़ा है। अमित शाह ने कहा कि अब चीनी मिलें ऑफ-सीजन में मल्टी-फीड एथेनॉल उत्पादन पर जोर दें। उन्होंने बताया कि एथेनॉल मिश्रण नीति से सहकारी कारखानों की आर्थिक स्थिति सुधरी है। अमित शाह ने महाराष्ट्र के किसानों को हाल की भारी बारिश से हुए नुकसान पर हर संभव मदद का आश्वासन दिया और राज्य के नेताओं की पहल की सराहना की।

शनिवार रात शिरड़ी पहुंचे अमित शाह ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और राज्य के उपमुख्यमंत्रियों एकनाथ शिंदे तथा अजित पवार के साथ शिरडी में बैठक की। सूत्रों के मुताबिक, शनिवार देर रात लगभग 45 मिनट तक चली यह बैठक महाराष्ट्र के कई हिस्सों में भारी बारिश के कारण फसलों को व्यापक पैमाने पर हुए नुकसान और प्रभावित किसानों को तत्काल वित्तीय राहत देने की आवश्यकता पर केंद्रित रही।

नेताओं ने कई विकास परियोजनाओं और प्रमुख प्रशासनिक मामलों की प्रगति की भी समीक्षा की। हाल में व्यापक स्तर पर बेमौसम और अत्यधिक वर्षा के कारण कई जिलों में फसलों को भारी नुकसान हुआ है जिसके बाद से तत्काल सरकारी सहायता की मांग बढ़ रही है। किसानों के लिए एक बड़े राहत पैकेज की घोषणा जल्द ही किए जाने की उम्मीद है।

भारतीयों के लिए 'के-वीजा क्या अमेरीकी' एच-1बी वीजा को दे पाएगा टक्कर

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिकी सरकार ने एच-1बी वीजा में कई महत्वपूर्ण बदलाव करने का ऐलान किया। इसके बाद से चीन का 'के वीजा' काफी चर्चा में आया। अमेरिका की ओर से एच-1बी वीजा के नियमों में बदलाव के ऐलान के बाद से दुनिया के कई देशों ने युवा प्रतिभाओं के लिए अपना दरवाजा खोला है। इन देशों में चीन का नाम सबसे आगे है।

चीन ने प्रतिभाशाली युवाओं को अवसर देने के लिए 'के-वीजा' लॉन्च किया। एच-1बी वीजा की फीस बढ़ाने के बाद चीन का के-वीजा सुर्खियों में आ गया है। हालांकि, युवाओं को आकर्षित करने के लिए चीन 'के-वीजा' में और भी रियायत दे रहा है। ऐसे में सबसे पहले के वीजा के नियम और फायदों के बारे में जानना जरूरी है।

चीन ने के-वीजा को लॉन्च करने का ऐलान 7 अगस्त को ही कर दिया था। 1 अक्टूबर को इसे लॉन्च किया गया, जिसके बाद से यह सुर्खियों में आने लगा। हर देश में वीजा की अलग-अलग कैटेगरी होती है, जैसे कि एजुकेशन, ट्रैवल, नौकरी समेत अन्य। इनमें से ही एक है चीन का 'के-वीजा'। इस वीजा के तहत चीन एसटीईएम (साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग और मैथ्स) की पढ़ाई कर रहे हैं या फिर इस क्षेत्र से जुड़े हैं, तो चीन इस वीजा के जरिए नई प्रतिभाओं को अवसर दे रहा है।

अमेरिका के एच-1बी वीजा का इस्तेमाल करने वाले आधे से ज्यादा लोग भारतीय हैं। इसलिए जब इस वीजा की फीस बढ़ाई गई, तो इसका सीधा असर उन भारतीयों पर होने वाला है। इसके साथ ही आपको एच-1बी वीजा तभी मिल सकता है, जब आपके पास किसी अमेरिकी कंपनी का ऑफर लेटर हो। वहीं, के-वीजा के लिए आपके पास पहले से चीनी कंपनी का ऑफर लेटर होना जरूरी नहीं है।

1 अक्टूबर को के-वीजा लॉन्च होने के बाद से सोशल मीडिया पर अलग-अलग प्रतिक्रियाएं आ रही हैं।

चीनी युवाओं में के वीजा को लेकर नाराजगी देखने को मिल रही है। चीनी युवाओं का कहना है कि अपने देश में युवा मास्टर डिग्री लेकर बैठे हैं, लेकिन उन्हें जॉब नहीं मिल रहा है और आप दूसरे देशों से लोगों को बुलाकर रोजगार देंगे।

टैरिफ के मसले पर अमेरिका और भारत के बीच बनेगी सहमति?

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने तो कह दी बड़ी बात

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। विदेश मंत्री डॉ.एस. जयशंकर ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ और ट्रेड डील के मसले पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने बताया कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार से जुड़े मुद्दों को सुलझाने के लिए लगातार बातचीत चल रही है। कौटिल्य इकोनॉमिक कॉन्क्लेव (केईसी 2025) को संबोधित करते हुए, केंद्रीय मंत्री ने भारत और अमेरिका के मजबूत संबंधों को स्वीकार किया। उन्होंने यह भी माना कि दोनों देशों के रिश्ते अब काफी परिपक्व हो चुके हैं। लेकिन, इसके साथ ही उन्होंने व्यापार और ऊर्जा सहयोग में कुछ समस्याओं पर भी ध्यान दिलाया।

जयशंकर ने बताया कि अमेरिका ने भारतीय सामानों पर 25 प्रतिशत का शुल्क लगाया है। इसके अलावा, रूस से तेल खरीदने पर भारत पर 25 प्रतिशत का एक और अतिरिक्त शुल्क लगा है। इस तरह भारत पर कुल 50 प्रतिशत का टैरिफ (शुल्क) हो गया है।

'देश में अमीरी और गरीबी की खाई को बढ़ा रही सरकार'

कांग्रेस ने केंद्र पर आरोप लगाकर किया बड़ा दावा

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस ने रविवार को सरकार पर आरोप लगाया कि केंद्र अमीरी और गरीबी की खाई को बढ़ा रहा है। पार्टी ने कहा कि यह सिर्फ अर्थव्यवस्था के लिए समस्या नहीं है, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा पर सीधा हमला है।

कांग्रेस महासचिव व संचार प्रभारी जयराम रमेश ने एक्स पर एक मीडिया रिपोर्ट साझा की। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि भारत अब अरबपतियों का नया केंद्र बनता जा रहा है और देश में अमीर लोगों की संख्या साल दर साल तेजी से बढ़ रही है। रमेश ने एक्स पर हिंदी में लिखे एक पोस्ट में कहा, एक के बाद एक रिपोर्ट भारत में धन के एक खास वर्ग के बारे में सीमित होने की चेतावनी दी जा रही है। जहां लाखों भारतीय अपनी दैनिक जरूरतों को पूरा करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं, वहीं सिर्फ 1,687 लोगों के पास देश की आधी संपत्ति है।

उन्होंने कहा, मोदी सरकार की आर्थिक नीतियों के कारण देश का पैसा कुछ खास लोगों के बीच केंद्रित हो गया है। इसके कारण हमारे देश में भारी आर्थिक असमानता पैदा हुई है। यह असमानता व्यापक सामाजिक असुरक्षा और असंतोष को जन्म दे रही है। उन्होंने कहा कि अन्य देशों में हाल की घटनाओं से पता चला है कि यही चरम आर्थिक असमानता और अपंग लोकतांत्रिक संस्थाएं राजनीतिक अराजकता की उत्प्रेरक बनी हैं।

सत्ता के गठजोड़ के कारण कुछ उद्योगपति और अधिक अमीर होते जा रहे :

रमेश ने कहा कि यह सरकार भारत को उसी रास्ते पर धकेल रही है। उन्होंने आरोप लगाया, सत्ता के गठजोड़ के कारण कुछ उद्योगपति और अधिक अमीर होते जा रहे हैं। प्रधानमंत्री की नीतियां पूरी तरह से उनके कुछ उद्योगपति मित्रों के लाभ पर केंद्रित हैं। रमेश ने दावा किया है कि भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ एमएसएमई क्षेत्र अभूतपूर्व दबाव में है। यह दबाव न केवल घरेलू नीतियों का बल्कि विदेश नीति के मोर्चे पर सरकार की विफलताओं का भी परिणाम है।

रमेश ने कहा, आम लोगों के लिए कमाई के अवसर कम होते जा रहे हैं। मुद्रास्फीति इतनी बढ़ गई है कि नौकरीपेशा लोग भी बचत के बजाय कर्ज के बोझ तले दब रहे हैं। शिक्षा और स्वास्थ्य में निवेश लगातार घट रहा है और सामाजिक सुरक्षा योजनाएं कमजोर होती जा रही हैं। उन्होंने कहा कि मनरेगा जैसी सफल योजनाएं, जिसने लाखों लोगों को सामाजिक और आर्थिक सुरक्षा प्रदान की, अब मजदूरी संकट से जूझ रही हैं। उन्होंने कहा कि श्रमिकों को समय

पर भुगतान भी नहीं मिल पा रहा।

देश में आर्थिक असमानता का बढ़ना लोकतंत्र की आत्मा पर सीधा हमला

रमेश ने कहा, देश में आर्थिक खाई का चौड़ा होगा न केवल अर्थव्यवस्था के लिए समस्या है, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा पर सीधा हमला है। जब आर्थिक शक्ति मुट्ठी भर लोगों के हाथों में केंद्रित हो जाती है, तो राजनीतिक फैसले भी उनके पक्ष में होने लगते हैं। उन्होंने कहा कि इससे सामाजिक और आर्थिक असमानता बढ़ रही है।

रमेश ने कहा कि इसका परिणाम यह हो रहा है कि लाखों लोग धीरे-धीरे लोकतंत्र और विकास की प्रक्रिया से बाहर हो रहे हैं। एम3एम हुरुन इंडिया रिच लिस्ट 2025 में शामिल लोगों की कुल संपत्ति 167 लाख करोड़ रुपये आंकी गई है। यह भारत के सकल घरेलू उत्पाद के लगभग आधे के बराबर है। सूची में 1,000 करोड़ रुपये की संपत्ति वाले 1,687 व्यक्ति शामिल हैं।

क्या करूर भगदड़ मामले में एक्टर विजय भी होंगे गिरफ्तार ?

चेन्नई, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु के करूर भगदड़ मामले के बाद से अभिनेता और टीवीके प्रमुख विजय लगातार लोगों के निशाने पर हैं। खासकर कई नेता उन्हें इस भगदड़ के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। इस सबके बीच जब तमिलनाडु के मंत्री दुराई मुरुगन से ये पूछा गया कि क्या करूर भगदड़ में 41 लोगों की मौत के मामले में विजय को गिरफ्तार किया जाएगा तो उन्होंने कहा कि बिना मतलब सरकार उनकी गिरफ्तार नहीं करेगी।

मंत्री मुरुगन ने कहा कि अगर सबूत होंगे, तो सरकार अपना कर्तव्य निभाएगी। आमतौर पर हर

पार्टी जानती है कि उनके अपने आयोजनों में कितने लोग आएंगे। पार्टी को अपने अनुमानित दर्शकों के अनुसार स्थल चुनना चाहिए। राज्य सरकार विजय को अनावश्यक रूप से गिरफ्तार नहीं करेगी।

'सीएम सर बदला लेना है तो दफ्तर आओ...', एक्टर विजय ने स्टालिन को घेरा :

राजनीतिक रैलियों के संचालन में बदलाव की मांगों का जवाब देते हुए मुरुगन ने कहा, हम एक समिति बना रहे हैं जो तय करेगी कि क्या बदलाव किए जाने चाहिए। इस कदम का उद्देश्य भविष्य में ऐसी त्रासदियों को रोकना है, जिसमें सुरक्षा प्रोटोकॉल, भीड़ सीमा और अन्य लॉजिस्टिक व्यवस्थाओं की समीक्षा शामिल होगी।

मंत्री ने सरकार का किया बचाव :

मुरुगन ने स्टैम्पेड के लिए राज्य प्रशासन की आलोचना का जवाब देते हुए कहा, हम कैसे जिम्मेदार हो सकते हैं? हमने पुलिस सुरक्षा प्रदान की, अनुमति दी, शर्तें तय की और सलाह दी। जो लोग हमें दोषी ठहरा रहे हैं, वे केवल राजनीतिक लाभ के लिए ऐसा कर रहे हैं।

मुरुगन ने कहा, आरएन रवि तमिलनाडु के राज्यपाल नहीं बल्कि वे विपक्षी नेता की तरह बोल रहे हैं, राज्यपाल कार्यालय की गरिमा और शिष्टाचार का पालन नहीं कर रहे। हम उन्हें राज्यपाल मानते नहीं हैं और न ही उनकी बातों पर ध्यान देंगे।

जांच और कानूनी कार्रवाई :

राज्य पुलिस ने टीवीके नेतृत्व पर मार्गदर्शन की अनदेखी और नियमों के उल्लंघन का आरोप लगाया। प्रमुख पार्टी नेताओं, जिनमें एन आनंद शामिल हैं, के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई शुरू की गई है। ऐसे में यह भी सवाल उठ रहा है कि क्या पार्टी अध्यक्ष विजय भी गिरफ्तार किए जा सकते हैं।

>14

समुद्री निगरानी और बचाव में सहायक बनेगा

नया गश्ती पोत 'अक्षर' : तटरक्षक बल में हुआ शामिल

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। तटरक्षक बल में एक नया गश्ती पोत आईसीजीएस अक्षर को शामिल किया गया। यह गश्ती पोत देश के समुद्री क्षेत्र की निगरानी और खोजबीन करने के अलावा बचाव संबंधी अभियानों में मददगार होगा। साठ प्रतिशत से ज्यादा स्वदेशी सामग्री वाले इस पोत का निर्माण गोवा शिपयार्ड लिमिटेड ने पूरी तरह स्वदेशी तकनीक से किया है। रक्षा मंत्रालय की अपर सचिव दीप्ति मोहित चावला ने पुडुचेरी के कराईकल में एक समारोह में पोत का जलावतरण किया। इस अवसर पर तटरक्षक बल के पूर्वी समुद्री सीमा के कमांडर एडीजी डॉनी माइकल सहित केंद्र एवं राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

यह पोत 51 मीटर लंबा यह पोत अदम्य श्रेणी के आठ तेज गश्ती पोतों में दूसरा है। पोत का वजन करीब 320 टन है और यह दो 3,000 किलोवाट डीजल इंजनों से संचालित होता है। इसकी अधिकतम गति 27 नॉट (करीब 50 किमी/घंटा) है। साथ ही इसकी रेंज 1500 समुद्री मील है। इसमें स्वदेशी रूप से विकसित कंट्रोलेबल पिच प्रोपेलर और गियरबॉक्स लगे हैं, जो समुद्र में बेहतर गतिशीलता प्रदान करते हैं। जिस पर 6 अधिकारी और 35 जवान तैनात रहेंगे।

'आईसीजीएस अक्षर' अत्याधुनिक तकनीक से लैस है, जिसमें बेहतर संचालन क्षमता के लिए स्वदेशी रूप से विकसित कंट्रोल करने योग्य पिच प्रोपेलर और गियर बॉक्स शामिल हैं।

ऑनलाइन प्लेटफॉर्म ऑक्टा एफएक्स पर ईडी का शिकंजा

800 करोड़ की संदिग्ध आय की जांच, दुबई से भारत में संचालन

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की मुंबई इकाई ऑनलाइन ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म ऑक्टा एफएक्स की जांच कर रही है। इस पर भारत से 800 करोड़ रुपये की संदिग्ध आय अर्जित करने का आरोप है। इसके प्रमोटर रूस में हैं। इसकी तकनीकी सहायता जॉर्जिया से संचालित होती है। भारत में संचालन दुबई से होता है। सर्वर बार्सिलोना में हैं।

मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, हालिया जांच सीमा पार के उन कार्यों के आधार पर हो रही है जो अपराध की आय को क्रिप्टोकरेंसी में बदलते हैं और अंतर्राष्ट्रीय भुगतान गेटवे का उपयोग करते हैं। ईडी के निष्कर्षों के अनुसार, ऑक्टा एफएक्स साइप्रस में स्थापित है। विदेशी मुद्रा, कमोडिटी और क्रिप्टोकरेंसी में काम करती है। इसने केवल नौ महीनों में अपने भारतीय कारोबार से लगभग 800 करोड़ रुपये की संदिग्ध आपराधिक आय अर्जित की।

ईडी ने कहा, इनमें से कुछ लेन-देन भारत से अवैध प्रवाह को छिपाने के लिए सिंगापुर से सेवाओं के नकली आयात के रूप में थे। एक मामले में भारत और विदेशों में 172 करोड़ रुपये की संपत्तियां कुर्क की गईं।

>14

जेल से सोनम वांगचुक ने की शांति की अपील

कहा- हिंसा में मारे गए लोगों की हो न्यायिक जांच

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। लद्दाख हिंसा के बाद जेल में बंद सोनम वांगचुक ने लेह विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई चार लोगों की मौत की स्वतंत्र न्यायिक जांच की मांग की है। उन्होंने कहा कि जब तक यह मांग पूरी नहीं हो जाती, वह जेल में रहने को तैयार हैं। वांगचुक वर्तमान में जोधपुर सेंट्रल जेल में बंद हैं। पुलिस ने उन्हें 26 सितंबर को हिरासत में लिया था।

कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) के नेता सज्जाद कारगिली ने एक्स पर पोस्ट सोनम वांगचुक का संदेश शेयर किया है। सोनम से उनके भाई कात्सेतन दोरजे ले और वकील मुस्तफा हाजी ने 4 अक्टूबर को जेल में उनसे मुलाकात की थी। सज्जाद कारगिली ने एक्स पर लिखा, जोधपुर सेंट्रल जेल से सोनम वांगचुक का संदेश..... 4 अक्टूबर को कात्सेतन दोरजे ले (सोनम वांगचुक के बड़े भाई) और अधिवक्ता मुस्तफा हाजी ने जोधपुर सेंट्रल जेल में सोनम वांगचुक से मुलाकात की। उन्होंने अपने वकील के माध्यम से कहा, मैं शारीरिक और मानसिक दोनों रूप से स्वस्थ हूं और सभी की चिंता और प्रार्थनाओं के लिए धन्यवाद देता हूं। उन लोगों के परिवारों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना, जिन्होंने अपनी जान गंवाई और जो लोग घायल हुए हैं और गिरफ्तार हुए हैं।

युवक का पीट-पीट कर मर्डरः क्रिकेट विकेट से किया हमला

रोहतक, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। रोहतक की काठमंडी के नजदीक नया पड़ाव में तीन युवकों ने क्रिकेट विकेट से पीट-पीट कर 21 साल के युवक जयदीप की हत्या कर दी। युवक जनता कॉलोनी के एक मकान में मसाला पेकिंग का काम करता था। भाई की सूचना पाकर मौके पर पहुंची बहन बोली, उसके भाई की किसी से दुश्मनी नहीं थी। एक लड़की से बात करता था। उसके मामा के लड़कों ने ही मारा होगा। जो पहले भी उसके भाई से मारपीट कर चुके हैं। हालांकि पुलिस अभी कुछ भी कहने के लिए तैयार नहीं है।

रेलवे रोड निवासी अजीत ने बताया कि उसका छोटा भाई जयदीप जनता कालोनी में मसाला पेकिंग का कार्य करता था। रविवार को सुबह नौ बजे से 12 बजे तक ड्यूटी पर आता था। रविवार को करीब पौने नौ बजे श्याम मंदिर के नजदीक सामने गली में बेहोशी की हालत में पड़ा मिला। उसे सिविल अस्पताल ले गए, जहां से पीजीआई रैफर कर दिया गया। पीजीआई में डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

सब सनातनी, अंग्रेजों ने हमें तोड़ा

मोहन भागवत बोले- अपना हिस्सा वापस लेंगे

सतना, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत मध्यप्रदेश के सतना पहुंचे। यहां उन्होंने बाबा सिंधी कैंप स्थित मेहर शाह दरबार के नए भवन का लोकार्पण किया। इस दौरान संघ प्रमुख ने वहां मौजूद लोगों को संबोधित भी किया। उन्होंने कहा कि हम सब एक हैं। सभी सनातनी और हिन्दू हैं। हमारे बीच एक अंग्रेज ने अंग्रेज ने फूट डाली है। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि आज हम खुद को अलग कहते हैं, लेकिन चाहे हम किसी भी धर्म या भाषा से जुड़े हों, सच्चाई यह है कि हम सब एक हैं, हम हिंदू हैं। चालाक अंग्रेजों ने हमसे युद्ध किया और हम पर राज किया। उन्होंने हमारी आध्यात्मिक चेतना छीन ली और हमें भौतिक वस्तुएं दे दीं। तभी से हम लोग एक दूसरे अलग मानते आए हैं। उन्होंने कहा आज सबको अच्छे दर्पण में देखकर एक होने की आवश्यकता है। जब हम आध्यात्मिक परंपरा वाला दर्पण देखेंगे तो एक दिखेंगे। ये दर्पण दिखाने वाले हमारे गुरु हैं, हमें अपना अहंकार छोड़कर स्वयं को देखना चाहिए। इससे ही समाज में बदलाव आएगा। भाषा, भूषा, भजन, भोजन, भवन, भ्रमण हमें अपना ही चाहिए। इसको आज से ही अपनाना होगा।

एक दिन हम अपना हक वापस लेंगे- भागवत

मोहन भागवत ने कहा, "कभी-कभी, जो लोग खुद को हिंदू नहीं मानते, वे विदेश चले जाते हैं, फिर भी दुनिया उन्हें हिंदू कहती है। यह उन्हें हैरान करता है, क्योंकि वे पूरी कोशिश करते हैं कि उन्हें हिंदू न समझा जाए, लेकिन सच्चाई यह है कि वे हिंदू हैं। यहां के कई सिंधी लोग पाकिस्तान नहीं गए, जो अविभाजित भारत का हिस्सा था। नई पीढ़ी को इस पर विचार करना चाहिए। वह हमारा दूसरा घर है, जहां हमारा सामान और जगह दूसरों ने ले ली थी, लेकिन एक दिन, हम उन्हें वापस ले लेंगे क्योंकि वे हमारे हक़ के हैं।"

नागपुर में भी दिया था एक होने का संदेश

संघ प्रमुख ने नागपुर में भी एक होने का संदेश दिया था। उन्होंने विजयादशमी पर कहा कि भारत को फिर से आत्मस्वरूप में खड़ा करने का समय आ गया है। उन्होंने कहा कि लंबे समय तक चले विदेशी आक्रमणों के कारण हमारी देशी प्रणालियां नष्ट हो गई थीं, जिन्हें अब समय के अनुसार, समाज और शिक्षा प्रणाली के भीतर दोबारा स्थापित करने की आवश्यकता है। डॉ। भागवत ने स्पष्ट कहा था, "हमें ऐसे व्यक्तियों को तैयार करना होगा जो इस कार्य को कर सकें। इसके लिए सिर्फ मानसिक सहमति नहीं, बल्कि मन, वाणी और कर्म में भी बदलाव लाने की आवश्यकता है। यह बदलाव किसी भी सिस्टम के बिना संभव नहीं है और संघ की शाखा यही एक मजबूत व्यवस्था है जो ये कार्य कर रही है।"

नाबालिग बच्चों का यौन शोषण करने वाला एजेंट गिरफ्तार

मुंबई, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुंबई के अंधेरी इलाके में एक व्यक्ति को नाबालिग बच्चों का लैंगिक शोषण करने की कोशिश करते हुए पकड़ा गया है। आरोपी व्यक्ति रियल स्टेट एजेंट है। घटना एमआईडीसी पुलिस थाना क्षेत्र की है। आरोपी एजेंट सीसीटीवी कैमरे और अभिभावकों की सतर्कता की वजह से पकड़ा गया। पुलिस ने आरोपी एजेंट के खिलाफ दर्ज पॉक्सो का केस दर्ज किया है। पुलिस की तरफ से मिली जानकारी के मुताबिक मुंबई के अंधेरी ईस्ट के एमआईडीसी इलाके से एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है।

जहां, एक रियल एस्टेट एजेंट ने दो नाबालिग लड़कियों के साथ उस समय लैंगिक शोषण करने के कोशिश कि, जब वे एक बिल्डिंग में खेल रही थीं। अंधेरी पूर्व के चकला इलाके में दोपहर करीब 3:15 बजे खेल रही 6 से 7 साल की दो छोटी बच्चियों के साथ एक रियल एस्टेट एजेंट ने छेड़छाड़ की। इमारत में लगे सीसीटीवी फुटेज और अभिभावकों की सतर्कता के कारण बिल्डिंग में रहने वाले लोगों ने छेड़छाड़ करने वाले एजेंट को तुरंत पकड़ लिया और उसे एमआईडीसी पुलिस के हवाले कर दिया।

प्रियंका चतुर्वेदी ने दिलीप जायसवाल के बयान को बताया शर्मनाक

कहा- चुनाव आते ही बीजेपी बेकाबू

मुंबई, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली में शिवसेना (यूबीटी) की सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने बिहार बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल के बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि बीजेपी की मानसिक दिवालियापन अब साफ नजर आने लगी है। प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि बिहार चुनाव नज़दीक आते ही बीजेपी बेकाबू होती दिख रही है और चुनाव आयोग से जुड़ी आपत्तिजनक टिप्पणियां इसका प्रमाण हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी को समझ में आ गया है कि बिहार उनके हाथ से फिसल रहा है। उन्होंने कहा कि बीजेपी ने हर संभव प्रयास किया लेकिन जनता अब सवाल पूछ रही है। लंबे समय तक केंद्र और राज्यों में सत्ता का हिस्सा रहने के बावजूद बीजेपी जनता की उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी। ऐसे में ध्यान भटकाने के लिए पार्टी नेताओं की ओर से शर्मनाक बयान दिए जा रहे हैं।

शिवसेना सांसद ने कहा कि बीजेपी नेताओं द्वारा चुनाव आयोग को लेकर दिए जा रहे बयान लोकतंत्र के लिए खतरनाक संकेत हैं। उन्होंने मांग की कि चुनाव आयोग को ऐसे सलाहकारों या नेताओं के नाम सीधे खारिज कर देने चाहिए, जो उसकी साख पर सवाल उठाते हैं। आईएएनएस को दिए बयान में उन्होंने कहा कि यह बयान न केवल राजनीति की गिरती भाषा को दर्शाता है बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की गरिमा को भी चोट पहुंचाता है।

बिहार विधानसभा चुनाव सर पर हैं ऐसे में अब माहौल गरमाने लगा है। बीजेपी के बयानों पर विपक्षी दल लगातार हमलावर हैं। प्रियंका चतुर्वेदी का यह बयान इस बात का संकेत है कि आगामी चुनाव में बीजेपी को कड़ी चुनौती मिल सकती है। विपक्ष बीजेपी को घेरने के लिए चुनाव आयोग और जनता के मुद्दों को प्रमुख हथियार बना रहा है, वहीं बीजेपी के भीतर से भी नेताओं के विवादित बयान उसकी मुश्किलें बढ़ा रहे हैं।

जबरन वसूली व अवैध गतिविधियों में होता था इस्तेमाल

मणिपुर में भारी मात्रा में हथियार बरामद, छह धराए

इंफाल, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुरक्षा बलों ने मणिपुर के कांगपोकपी और इंफाल पश्चिम जिलों से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पूर्वोत्तर राज्य के चार जिलों में जबरन वसूली और अन्य अवैध गतिविधियों में कथित संलिप्तता के लिए विभिन्न प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े छह आतंकवादियों को भी अलग-अलग अभियानों में गिरफ्तार किया गया। कांगपोकपी जिले के कोटजिम में एक हेकलर एंड कोच राइफल, मैगजीन सहित, दो बोल्ट एक्शन राइफल, दो पुल मैकेनिज्म राइफल, दो इंप्रोवाइज्ड मोर्टार और दो हैंड ग्रेनेड बरामद किए गए। सुरक्षा बलों को इंफाल पश्चिम जिले के कंगलाटोम्बी क्षेत्र में एक सब-मशीन गन, एक .303 राइफल, एक 9 मिमी पिस्तौल, एक .32 पिस्तौल, सात स्थानीय रूप से निर्मित बोल्ट एक्शन राइफल, गोला-बारूद और अन्य सामान भी मिला। अलग-अलग अभियानों में सुरक्षा बलों ने इंफाल पूर्व और पश्चिम, बिष्णुपुर और काकचिंग जिलों में छह आतंकवादियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने इम्फाल पूर्वी जिले के लाइफाम खुनौ स्थित उसके आवास से कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (पीडब्ल्यूजी) के एक कार्यकर्ता को गिरफ्तार किया।

वह घाटी क्षेत्र के अस्पतालों और जनता से जबरन वसूली में कथित रूप से शामिल था। एक अन्य पीडब्लूजी उग्रवादी, जिसे इम्फाल पूर्वी जिले के पोरोमपत क्षेत्र से पकड़ा गया था, सरकारी अधिकारियों सहित जनता से जबरन वसूली में संलिप्त था। पुलिस ने इम्फाल पश्चिम जिले के चिंगमेइरोंग ममांग लेइकाई क्षेत्र में पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के दो कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया।

दिग्विजय ने सीएम को चिट्ठी लिख कर बताईं बीएनएस की धाराएं

भोपाल, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। इंदौर के शीतला माता मार्केट इलाके में मुस्लिम वर्ग के कर्मचारियों को दुकानों से हटाने और दुकानें खाली कराने के मामले में पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को चिट्ठी लिखी है। दिग्विजय सिंह ने अपनी चिट्ठी में सीएम को भारतीय न्याय संहिता की उन धाराओं को भी बताया है, जिनके तहत ऐसे मामलों में केस दर्ज किया जा सकता है।

दिग्विजय ने लिखा कि पुलिस ने कार्रवाई के लिए जो 15 दिन का समय मांगा था उसकी समय सीमा 6 अक्टूबर को खत्म हो रही है। यदि कार्रवाई नहीं हुई तो वे कोर्ट जाएंगे। प्रिय डॉ। मोहन यादव जी, मध्यप्रदेश की आर्थिक राजधानी कहे जाने वाले इंदौर शहर में हिंदू और मुसलमान व्यापारियों के बीच साम्प्रदायिकता का जहर बोने वाली घटना की ओर आपका ध्यान दिलाना चाह रहा हूं। जहां सत्ताधारी दल भाजपा के दबाव में पुलिस आरोपियों पर मुकदमा न कर असामाजिक तत्वों को संरक्षण दे रही है।

इस घोर निंदनीय घटना की पूरे प्रदेश में ही नही, देश में भी चर्चा हो रही है। साम्प्रदायिक विभाजन करने के प्रयास की रिपोर्टिंग कर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मामला पहुंचा दिया है। दिग्विजय सिंह ने लिखा- मध्यप्रदेश पुलिस की खुफिया शाखा के माध्यम से आपको भी इस घृणित घटनाक्रम का पता चल गया होगा।

सत्ताधारी दल के नेताओं के सामने इंदौर पुलिस किस कदर बेबस है, यह एक माह से जारी घटनाक्रम से परिलक्षित होता है। अगस्त 2025 के अंतिम सप्ताह में पूर्व मंत्री स्व। लक्ष्मण सिंह गौड़ और स्थानीय विधायक व पूर्व महापौर मालिनी सिंह गौड के पुत्र एकलव्य गौड ने शीतलामाता मंदिर बाजार, इंदौर के व्यापारियों के साथ बैठक कर उन्हें मुस्लिम कर्मचारियों को दुकान से हटाने का फरमान जारी किया। साथ ही कहा कि जो भी मुस्लिम व्यापारी दुकानें लगा रहे हैं, उनसे दुकानें खाली करा ली जाएं। एकलव्य गौड़ विधायक पुत्र हिंद रक्षा संगठन नामक संस्था चलाता है और स्थानीय राजनीति में भाजपा विधायक का पुत्र होने के नाते सक्रिय है।

दार्जिलिंग में भारी बारिश से तबाही

भूस्खलन और पुल टूटने की घटना में 15 लोगों के मौत की आशंका

कोलकाता, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर बंगाल में लगातार भारी बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त है। दार्जिलिंग जिले में हुए भूस्खलन और पुल टूटने की घटनाओं में कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई है। जानकारी के मुताबिक, मिरिक और सुखिया क्षेत्रों में भूस्खलन के कारण तीन लोगों की मौत हुई है। इस हादसे के बाद दार्जिलिंग जिला पुलिस राहत और बचाव कार्य में जुटी हुई है।

वहीं कालिम्पोंग में स्थिति अब भी गंभीर बनी हुई है। लगातार बारिश से कई इलाकों का संपर्क टूट गया है और सड़क यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ है। वहीं इस घटना पर भाजपा सांसद राजू बिस्ता ने दुख जताया है। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा दार्जिलिंग और कलिम्पोंग जिलों के कई हिस्सों में अत्यधिक भारी बारिश के कारण हुए भारी नुकसान के बारे में जानकर मुझे बेहद दुख हुआ है। मौतें हुई हैं, संपत्ति का नुकसान हुआ है और बुनियादी ढांचे को भी नुकसान पहुंचा है। मैं स्थिति का जायजा ले रहा हूं और संबंधित अधिकारियों के संपर्क में हूं। एक्स पर अपने पोस्ट में उन्होंने आगे लिखा- हमने अपने भाजपा कार्यकर्ताओं को लोगों की मदद और सहायता के लिए जुटने का निर्देश पहले ही दे दिया है। हम अपने लोगों की मदद और सहायता के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। मैं अपने सभी गठबंधन सहयोगियों और क्षेत्र के अन्य राजनीतिक और सामाजिक संगठनों से भी समन्वय स्थापित करने की अपील करता हूं ताकि हम जरूरतमंद लोगों तक समय पर मदद और सहायता पहुंचा सकें।

राज्यपाल के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची तमिलनाडु सरकार, क्या है पूरा मामला?

चेन्नई, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु की राजनीति में सरकार और राज्यपाल के बीच समय-समय पर विवाद की खबरें सामने आती रहती हैं। कई बार राज्यपाल और सरकार के बीच साफ तौर पर अदावत देखने को मिली है। अब कलैगनार विश्वविद्यालय विधेयक को लेकर सरकार एक बार फिर राज्यपाल के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई है। इसमें सरकार ने राज्यपाल के फैसले को चुनौती दी है। तमिलनाडु सरकार ने राज्यपाल के खिलाफ तमिलनाडु सरकार ने एससी में याचिका दी है। इस याचिका में कलैगनार विश्व विद्या। लय विधेयक को राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए आरक्षित करने के राज्यपाल के फैसले को दी चुनौती दी गई है। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु के गवर्नर आर। एन। रवि को फटकार भी लगाई थी।

तमिलनाडु में राज्य सरकार और राज्यपाल के बीच ये अदावत कोई नयी नहीं है। पूरा विवाद विधेयकों की मंजूरी से जुड़ा हुआ है। पूरे विवाद की जड़ यूनिवर्सिटी वाइस-चांसलर विधेयक है। राज्य सरकार की तरफ से विश्वविद्यालयों के कुलपति की नियुक्ति में बदलाव को लेकर एक प्रस्ताव लाया गया था। इस प्रस्ताव के बाद राज्यपाल के बजाय कुलपति की नियुक्ति मुख्यमंत्री के हाथों में होगी। विधेयक पास होने के बाद राज्यपाल ने इसे मंजूरी नहीं दी थी। इसके बाद, विवाद तब हुआ जब आर। एन। रवि ने एक समिति का गठन किया जिसका काम वाइस-चांसलर की नियुक्ति करना था। तमिलनाडु की सरकार ने इस समिति का विरोध किया और विवाद लेकर सुप्रीम कोर्ट तक गई। जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार के फेवर में फैसला सुनाया था। इसी विवाद को लेकर अब एक बार फिर राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट की शरण ली है।

सुप्रीम कोर्ट ने भले ही राज्य सरकार के फेवर में फैसला सुनाया हो, लेकिन राज्यपाल ने इस विधेयक को मंजूरी नहीं दी है। कोर्ट ने साफ कहा था कि राज्यपाल को 1 महीने या फिर अधिकतम 3 महीने के भीतर विधेयक पर फैसला लेना होगा। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के बाद भी राज्यपाल ने अपना रुख साफ नहीं किया है। इसको लेकर पहले भी स्टालिन सरकार ने निराशा जाहिर की थी। उन्होंने कहा था कि राज्यपाल महत्वपूर्ण शिक्षा विधेयकों को टालते जा रहे हैं।

जालंधर ग्रेनेड हमले के 4 आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल

चडीगढ़, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने पंजाब के पूर्व मंत्री मनोरंजन कालिया के जालंधर स्थित आवास पर हुए ग्रेनेड हमले के मामले में खालिस्तान समर्थकों सहित चार लोगों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया है। अधिकारियों ने रविवार को इसकी जानकारी दी। यह आरोपपत्र चंडीगढ़ की एक विशेष अदालत में दायर किया गया, जिसमें दो गिरफ्तार और दो फरार आरोपियों के नाम शामिल हैं। एनआईए के अनुसार, यह हमला पंजाब में खालिस्तान समर्थक आतंकवादी गिरोह द्वारा प्रमुख नेताओं को निशाना बनाने और वसूली के जरिए प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) के लिए धन जुटाने की एक बड़ी साजिश का हिस्सा था। भाजपा नेता मनोरंजन कालिया के जालंधर स्थित आवास पर यह हमला 7 अप्रैल, 2025 की रात को हुआ था। घटना की संवेदनशीलता को देखते हुए कुछ ही दिनों बाद 12 अप्रैल को मामले की जांच का जिम्मा एनआईए को सौंपा गया था।

पाकिस्तान को रूस दे रहा जेएफ-17 फाइटर जेट का इंजन, कांग्रेस के दावे पर बीजेपी ने घेरा

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के नेता अमित मालवीय ने रविवार को उन खबरों को खारिज कर दिया जिनमें रूस की ओर से पाकिस्तान को उसके जेएफ-17 थंडर ब्लॉक लड़ाकू विमानों के लिए आरएफ-93एमए इंजन की आपूर्ति की बात कही गई थी। एक्स पर एक पोस्ट करते हुए मालवीय ने ज़ोर देकर कहा कि इंजन आपूर्ति के दावों के समर्थन में कोई आधिकारिक पुष्टि या विश्वसनीय स्रोत नहीं दिया गया है। उन्होंने कांग्रेस नेता जयराम रमेश पर एक मीडिया संस्थान की खबर को बिना जांचे गलत खबर फैलाने का आरोप लगाया। कांग्रेस नेता जयराम ने एक छोटी वेबसाइट का हवाला देते हुए दावा किया था रूस पाकिस्तान के जेट इंजन दे रहा है। मालवीय ने रमेश पर दुश्मन का पक्ष लेने और रूस द्वारा पाकिस्तान को आरडी-93एमए इंजन की आपूर्ति की खबरों को खारिज करने के बाद भारत के साथ खड़े न होने का आरोप लगाया है।

रूस ने रिपोर्टों को खारिज

रूस की ओर से उन रिपोर्टों को खारिज करने के बाद, जिनमें पाकिस्तान को इंजन देने का दावा किया गया था। अमित मालवीय ने एक्स पर लिखा, "रूस ने उन रिपोर्टों को खारिज कर दिया है, जिनमें कहा गया था कि मॉस्को, जेएफ-17 थंडर ब्लॉक लड़ाकू विमानों में लगाने के लिए पाकिस्तान को आरडी-93एमए इंजन की आपूर्ति कर रहा है। जयराम रमेश ने एक मीडिया रिपोर्ट का हवाला दिया, जिसमें पाकिस्तान समर्थक प्रचार के लिए कुख्यात एक अल्पज्ञात वेबसाइट का हवाला दिया गया था।" मालवीय ने कहा, "कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं, कोई विश्वसनीय स्रोत नहीं। और कांग्रेस के संचार प्रमुख, एक बार फिर, भारत के साथ खड़े होने के बजाय दुश्मन का साथ देने का चुनाव कर रहे हैं।

रूस की ओर से पाकिस्तान को जेएफ-17 ब्लॉक जेट विमानों के लिए आरडी-93एमए इंजन की आपूर्ति करने की पूरी तैयारी के दावों पर, एक शीर्ष रूसी सूत्र ने टाइम्स नाउ को बताया कि इस तरह की किसी भी बात की पुष्टि नहीं हुई है। सूत्र ने ऐसी रिपोर्टों को अतार्किक और गंभीर एवं पेशेवर पर्यवेक्षकों के लिए विश्वसनीय नहीं बताया।

कफ सिरप मामले पर पूर्व सीएम कमलनाथ बोले- पीड़ित परिवारों को मिले 50-50 लाख रुपये की आर्थिक मदद

इंदौर, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कहा कि छिंदवाड़ा में मिलावटी खांसी की दवा के सेवन के बाद किडनी के काम करना बंद कर देने के कारण जान गंवाने वाले बच्चों के परिवारों को मध्यप्रदेश सरकार को 50-50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान करनी चाहिए। पूर्व मुख्यमंत्री एवं छिंदवाड़ा से वर्तमान विधायक नाथ का यह बयान मुख्यमंत्री मोहन यादव नीत सरकार की ओर से 14 मृतकों के परिवारों को चार-चार लाख रुपये का मुआवजा देने की घोषणा के बाद आया है। पूर्व मुख्यमंत्री एवं छिंदवाड़ा से वर्तमान विधायक नाथ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, ''जहरीला कफ सिरप पीने से अब तक छिंदवाड़ा में 10 बच्चों की मौत हो चुकी है। दुख की इस घड़ी में मेरी भावनाएं पीड़ित परिवारों के साथ हैं।'' पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने आगे कहा, ''लेकिन यह याद रखना होगा कि यह महज दुर्घटना नहीं, बल्कि मानव निर्मित त्रासदी है। मैं मध्यप्रदेश सरकार से मांग करता हूं कि एक-एक मृत बच्चे के परिजनों को 50-50 लाख रुपये का मुआवजा दिया जाए।'

'कांग्रेस नेता कमलनाथ ने यह भी कहा कि जो बच्चे अभी भी अस्वस्थ हैं, उनके इलाज का खर्च वे अपने पास से उठा रहे हैं और सरकार की ओर से कोई उचित सहायता नहीं मिली है। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने सरकार से आग्रह किया कि सभी बीमार बच्चों के उपचार का पूरा खर्च सरकार उठाए। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने यह भी कहा कि सरकार को इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि प्रदेश में किस तरह की दवाओं की बिक्री हो रही है। उन्होंने कहा, ''नकली और जहरीली दवाओं के खिलाफ बड़े पैमाने पर अभियान चलाने की जरूरत है ताकि प्रदेश में इस तरह की त्रासदी दोबारा देखने को ना मिले।''

लद्दाख के सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की रिहाई की मांग

पत्नी की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में 6 अक्टूबर को होगी सुनवाई

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। लद्दाख में हिंसक विरोध प्रदर्शन भड़काने के आरोपी सोनम वांगचुक से जुड़ी बड़ी खबर सामने आई है। उनकी पत्नी गीतांजलि अंगमो की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट 6 अक्तूबर को सुनवाई करेगा। ये सुनवाई गीतांजलि अंगमो की उस याचिका पर होगी, जिसमें उन्होंने एनएसए के तहत उनकी हिरासत के खिलाफ और उनकी रिहाई की मांग की है। न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ इस मामले की सुनवाई करेगी। बता दें कि सोनम वांगचुक पर लद्दाख में हिंसक विरोध प्रदर्शन भड़काने का आरोप लगाया गया था। गौरतलब है कि सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि आंगमो ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर कहा था कि वांगचुक की गिरफ्तारी गैर कानूनी है और उन्हें फौरन रिहा किया जाना चाहिए। ये याचिका अनुच्छेद 32 के तहत डाली गई थी, जिसमें सुप्रीम कोर्ट से सीधे हैबियस कॉर्पस (गलत तरीके से कैद किए व्यक्ति को रिहा कराने की मांग) की अपील की जाती है। गीतांजलि का कहना है कि वांगचुक पर पाकिस्तान से संपर्क रखने का आरोप लगाया गया, जोकि गलत है। लद्दाख में जो हिंसा भड़की, उसके बाद वांगचुक को 24 सितंबर को गिरफ्तार कर लिया गया था। इस समय वांगचुक राजस्थान के जोधपुर जेल में बंद हैं। उन पर एनएस (राष्ट्रीय सुरक्षा कानून) के तहत कार्रवाई की गई है।

राष्ट्रपति को लिखी थी चिट्ठी

गीतांजलि आंगमो ने बुधवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को तीन पेज का पत्र लिखा था। उन्होंने अपने पति की रिहाई के लिए राष्ट्रपति से हस्तक्षेप करने का आग्रह किया था। उन्होंने अपने पत्र में ये आरोप लगाया था कि उनके पति को बदनाम किया जा रहा है क्योंकि वह बीते 4 सालों से लोगों के हितों के लिए काम कर रहे हैं।

सोनम वांगचुक कौन हैं?

सोनम वांगचुक एक भारतीय इंजीनियर, नवप्रवर्तक, और पर्यावरणविद् हैं, जो लद्दाख में अपने सामाजिक और शैक्षिक कार्यों के लिए प्रसिद्ध हैं। वे स्टूडेंट्स एजुकेशनल एंड कल्चरल मूवमेंट ऑफ लद्दाख (एसईसीएमओएल) के संस्थापक हैं और लद्दाख के ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा सुधार और सतत विकास को लेकर काम कर रहे हैं।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

युविचार

मन की शांति से बढकर इस संसार में कोई भी सम्पति नहीं है।

धर्म का सम्मान और मानवता को प्राथमिकता देना रेवंत रेड्डी सरकार का लक्ष्य : मंत्री अदलुरी

मंत्री ने जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र में बैठक में भाग लिया

हैदराबाद, 5 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री अदलुरी लक्ष्मण कुमार ने रविवार को कहा कि धर्म का सम्मान और मानवता को प्राथमिकता देना रेवंत रेड्डी सरकार का लक्ष्य है।

उन्होंने यह भी कहा कि मुसलमानों के लिए कब्रिस्तान आवंटित करने का राज्य सरकार द्वारा लिया गया ऐतिहासिक निर्णय कांग्रेस सरकार की ईमानदारी और राज्य के अल्पसंख्यकों के प्रति उसकी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। रविवार को जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र के रहमतनगर में आयोजित एक बैठक में, मंत्री पोन्नम प्रभाकर, गद्दाम विवेक, सांसद अनिल कुमार यादव, राज्य अल्पसंख्यक सलाहकार मोहम्मद अली शब्बीर, निगम अध्यक्ष ओबेदुल्ला कोटवाल, अजहरुद्दीन और धार्मिक नेताओं ने मुसलमानों को कब्रिस्तान की भूमि आवंटित करने के लिए संबंधित सरकारी आदेशों का अनावरण किया। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री अदलुरी लक्ष्मण कुमार ने कहा कि जिस तरह मुसलमानों को जीवन में सम्मान मिलता है, उसी तरह उन्हें मृत्यु के बाद भी सम्मान मिलना चाहिए।

उन्होंने कहा कि दशकों से लंबित कब्रिस्तानों की जमीन के मुद्दे को इस सरकार ने सुलझाया है, जो लोगों की आस्था का सम्मान है। मंत्री ने कहा, हमारी पार्टी की नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी के मार्गदर्शन में, तेलंगाना में कांग्रेस सरकार सामाजिक न्याय और अल्पसंख्यकों की उन्नति के लिए एक स्पष्ट मार्ग पर चल रही है। कांग्रेस पार्टी देश की एकमात्र पार्टी है जो कमजोर वर्गों के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि जुबली हिल्स, बंजारा हिल्स, शेखपेट और गोलकोंडा क्षेत्रों के आसपास के इलाकों में जगह की कमी के बावजूद न्याय सुनिश्चित करने के लिए निर्णय लिए गए हैं। उन्होंने बताया कि एचएमडीए और जिला कलेक्टरों के साथ मिलकर कानूनी और भौगोलिक बाधाओं को दूर किया जा रहा है।

उन्होंने कहा, हम पुराने कब्रिस्तानों के विकास के लिए विशेष धनराशि आवंटित करेंगे। हम प्रकाश व्यवस्था, जल निकासी, सड़क और जलापूर्ति के कार्य करेंगे। हम अतिक्रमण रोकने के लिए चारदीवारी का निर्माण करेंगे। हमारा लक्ष्य प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में कम से कम एक कब्रिस्तान की पहचान करना है। उन्होंने कहा कि सच्ची धर्मनिरपेक्षता धार्मिक अधिकारों की रक्षा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली जनता की सरकार धार्मिक सद्भाव का प्रतीक है। मंत्री ने आरोप लगाया कि पिछली टीआरएस सरकार के दौरान अल्पसंख्यकों की समस्याओं की उपेक्षा की गई थी, लेकिन कांग्रेस सरकार ने लोगों का विश्वास फिर से हासिल कर लिया है। उन्होंने कहा, अगर हम कोई वादा करते हैं, तो उसे पूरा करके ही दम लेते हैं।

यह कांग्रेस पार्टी की विश्वसनीयता है। उन्होंने जुबली हिल्स के मुस्लिम अल्पसंख्यकों से आगामी विधानसभा चुनावों में कांग्रेस पार्टी की जीत सुनिश्चित करने का आग्रह किया। मंत्री अदलुरी लक्ष्मण ने कहा, इंदिराम्मा के शासनकाल में जनता की सरकार ने अपना वादा निभाया और अब मुस्लिम अल्पसंख्यकों को भी कांग्रेस पार्टी में विश्वास रखते हुए आगे बढ़ना चाहिए।

केटीआर ने की सख्त कार्रवाई की मांग

जहरीली खांसी की दवा से बच्चों की मौत का मामला

हैदराबाद, 5 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में जहरीली खांसी की दवा पीने से सात बच्चों की मौत पर गहरा दुख जताया। दवा कोल्ड्रिफ में एक खतरनाक औद्योगिक रसायन पाया गया। उन्होंने कहा कि यह एक गंभीर अपराध है और इसके लिए जिम्मेदार कंपनी और अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

रामाराव ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा को टैग करते हुए कंपनी को ब्लैकलिस्ट करने और दोषियों को जेल में डालने की मांग की। उन्होंने कहा कि इससे दूसरों के लिए उदाहरण बनेगा। भाजपा की डबल इंजन सरकार मॉडल पर निशाना साधते हुए रामाराव ने गुजरात और महाराष्ट्र में भ्रष्टाचार की घटनाओं का हवाला दिया।

प्रदेश भाजपा की बैठक में कई महत्वपूर्ण मामलों पर चर्चा

जेडपीटीसी, एमपीटीसी, सरपंच के चुनावों पर पार्टी का फोकस

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा तेलंगाना प्रदेश कार्यालय में आज भाजपा प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक पार्टी प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

बैठक में पार्टी के सांसद, विधायक, विधान पार्षद और प्रदेश पदाधिकारी उपस्थित थे। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी, भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डी.के. अरुणा, भाजपा विधायक दल के नेता एलेटी महेश्वर रेड्डी, भाजपा विधान परिषद दल के नेता ए.वी.एन. रेड्डी, भाजपा कर्नाटक और तमिलनाडु राज्य प्रभारी पोंगुलेटी सुधाकर रेड्डी, पार्टी के सांसद, विधायक, विधान पार्षद और प्रदेश पदाधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में तेलंगाना राज्य में आगामी स्थानीय निकाय चुनाव, पार्टी द्वारा चलाए जाने वाले कार्यक्रमों और जन समस्याओं के समाधान जैसे मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक में कई मुद्दों पर चर्चा की गई। प्रमुख रूप से राज्य में आगामी स्थानीय निकाय चुनावों (जेडपीटीसी, एमपीटीसी, सरपंच) की तैयारी, ग्रामीण क्षेत्रों में पार्टी को और मजबूत करने के लिए कार्य करना शामिल है। इसी क्रम में जन समस्याओं का समाधान, विशेष रूप से पिछली बीआरएस सरकार के दौरान ग्राम पंचायतों को कमजोर करने वाले मुद्दों के साथ-साथ वर्तमान कांग्रेस सरकार की लापरवाही, विफलताओं, जनता से किए गए वादों को पूरा करने में विफलताओं और धोखाधड़ी का समाधान करना है।

पिछले 22 महीनों में कांग्रेस सरकार द्वारा पिछड़े वर्गों को आरक्षण देने के संबंध में किए गए षड्यंत्रों और ड्रामेबाजी के बारे में लोगों को स्पष्ट रूप से बताना और स्थानीय चुनाव न कराकर ग्रामीण शासन को कमजोर करने वाले मुद्दों के बारे में भी बताना, सांसदों, विधायकों और पदाधिकारियों से सुझाव एकत्र करना, पार्टी के लिए कड़ी मेहनत करने वाले सभी लोगों को, चाहे वे पुराने हों या नए, समान प्राथमिकता देकर पार्टी कार्यकर्ताओं को प्रेरित करना है। टीम भाजपा आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में पार्टी को अधिकतम सीटें दिलाने के लिए मिलकर काम कर रही है। बैठक को ध्यान में रखते हुए, पार्टी ने दृढ़ संकल्प के साथ काम करने और सभी वर्गों तक पहुंचने के स्पष्ट निर्णय लिए हैं। इसी प्रकार, इस बैठक में पूर्व सांसदों, विधानसभा, विधान परिषद, जिला अध्यक्षों, प्रदेश पदाधिकारियों और पूर्व पदाधिकारियों को जेडपीटीसी प्रभारी और जिला प्रभारी नियुक्त करने का निर्णय लिया गया। चुनावी तैयारियों पर भी संगठनात्मक ध्यान केंद्रित किया गया ताकि राज्य में आगामी विधानसभा चुनावों में भाजपा सत्ता हासिल कर सके। जेडपीटीसी में भाजपा के लिए बहुमत हासिल करने हेतु विशेष रणनीति तैयार की गई। प्रभारियों, पूर्व सांसदों, विधायकों, विधान पार्षदों और वरिष्ठ नेताओं के साथ चर्चा करने और चुनाव की पूरी तैयारी करने के लिए 8 अक्टूबर को एक और व्यापक बैठक होगी। बैठक में विधायकों और सांसदों ने उम्मीदवारों के चयन और निर्वाचन क्षेत्र स्तर पर समितियों के गठन पर भी सुझाव लिए। यह निर्णय लिया गया है कि जिला प्रभारी भी समितियां बनाकर उम्मीदवार चयन, प्रचार आदि कार्यक्रमों को आगे बढ़ाएंगे। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष समितियों की घोषणा करेंगे। हैदराबाद के सिकंदराबाद संसदीय क्षेत्र में जुबली हिल्स विधानसभा उपचुनाव के मद्देनजर एक विशेष एजेंडा तैयार किया गया है और यह निर्णय लिया गया है कि शहरी क्षेत्रों के नेता भी पूरी भागीदारी निभाएंगे।

मुख्यमंत्री ने पिछड़ा वर्ग आरक्षण अदालती मामले में उपमुख्यमंत्री से बातचीत की

हैदराबाद, 5 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में आगामी स्थानीय निकाय चुनावों का मामला सर्वोच्च न्यायालय पहुंच गया है। ज्ञातव्य है कि तेलंगाना सरकार ने विधानसभा में पिछड़ा वर्ग के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण लागू करने संबंधी विधेयक पारित होने के बाद आदेश जारी किए हैं। हालांकि, वंगा गोपाल रेड्डी नाम के एक व्यक्ति ने 29 सितंबर को सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया और स्थानीय निकाय चुनावों पर तेलंगाना उच्च न्यायालय के आदेशों को चुनौती दी। एक नए घटनाक्रम में, मुख्यमंत्री रेवंत और उपमुख्यमंत्री भट्टी ने फोन पर बात की। उपमुख्यमंत्री को सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई पर ध्यान केंद्रित करने का निर्देश दिया गया।

इसके बाद, उपमुख्यमंत्री भट्टी, राज्य के मंत्री और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष महेश गौड़ आज रात दिल्ली के लिए रवाना होंगे। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने भट्टी विक्रमार्का के साथ सरकार और पार्टी द्वारा उठाए जाने वाले मुद्दों पर चर्चा की। वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी इस मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट में राज्य सरकार की ओर से बहस करेंगे। तेलंगाना राज्य के स्थानीय निकाय चुनावों में पिछड़ा वर्ग आरक्षण में वृद्धि को लेकर अदालतों में गरमागरम बहस चल रही है। राज्य सरकार के हाल ही में जारी सरकारी आदेश संख्या 9 के अनुसार, जेडपीटीसी, एमपीटीसी, सरपंच और वार्ड सदस्य की 42 प्रतिशत सीटें पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षित की गई हैं। कुल आरक्षण 50 प्रतिशत की सीमा से अधिक होने का तर्क देते हुए, वंगा गोपाल रेड्डी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। उन्होंने तर्क दिया कि तेलंगाना सरकार सुप्रीम कोर्ट के पहले के फैसले के संदर्भ में आदेश का उल्लंघन कर रही है कि आरक्षण किसी भी परिस्थिति में 50 प्रतिशत से अधिक नहीं होना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट इस याचिका पर सोमवार को सुनवाई करेगा। दूसरी ओर, तेलंगाना उच्च न्यायालय बीसी आरक्षण के मुद्दे पर माधव रेड्डी द्वारा दायर याचिका पर 8 अक्टूबर को सुनवाई होगी। हाईकोर्ट पहले ही चुनाव की घोषणा पर सवाल उठा चुका है और पूछ रहा है कि जब मामला अदालत में है तो चुनाव प्रक्रिया क्यों आगे बढ़ाई जा रही है? अदालत ने राज्य सरकार के उस फैसले पर भी आपत्ति जताई है जिसमें उसने पिछड़ी जातियों के आरक्षण से संबंधित विधेयक के राज्यपाल के पास लंबित रहने के बावजूद सरकारी आदेश जारी किया है।

तेलंगाना जागृति ने बस किराया वृद्धि वापस लेने की मांग की

हैदराबाद, 5 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना जागृति के कार्यकारी अध्यक्ष एल. रूप सिंह नाइक ने ग्रेटर हैदराबाद क्षेत्र में बस किराया बढ़ाने के राज्य सरकार के फैसले को तुरंत वापस लेने की मांग की है। रविवार को कार्यालय में मीडिया को संबोधित करते हुए, रूप सिंह नाइक ने कहा कि कांग्रेस सरकार महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा के प्रावधान का सार्वजनिक रूप से जश्न मना रही है, लेकिन उसने उपलब्ध बसों की संख्या में भारी कमी कर दी है, जिससे सार्वजनिक परिवहन और भी चुनौतीपूर्ण हो गया है।

उन्होंने कहा, बस सेवा को बेहतर बनाने के बजाय, इसने यात्रियों पर भारी आर्थिक बोझ डाला है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के प्रशासन ने पहले ही त्योहारों के दौरान जनता पर अतिरिक्त खर्च बढ़ा दिया है, और अब, उसने बस किराए में भी भारी वृद्धि कर दी है। जागृति के कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा कि केवल एक स्टेशन पार करने के लिए 10 रुपये का अतिरिक्त शुल्क दैनिक आय पर निर्भर आम लोगों पर भारी बोझ डालता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यात्रियों पर इतना भारी किराया थोपना अन्यायपूर्ण है।

जागृति नेता ने कांग्रेस पार्टी की आलोचना की कि उसने चुनाव जीतने के बाद भ्रामक वादों के जरिए सभी शुल्क बढ़ा दिए हैं, जिससे वंचितों को कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। रूप सिंह नाइक ने रेवंत रेड्डी की भ्रामक नीतियों के तेलंगाना पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभाव पर चिंता जताई और कहा कि शुल्क वृद्धि के कारण आम नागरिकों को अब और भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर शुल्क बढ़ाने का फैसला वापस नहीं लिया गया, तो तेलंगाना जागृति समुदाय की भागीदारी से बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन करेगी। प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीकांत राव, युवा जागृति अध्यक्ष शिवा रेड्डी, रंगारेड्डी जिला अध्यक्ष पांडुरंगा रेड्डी, नेता सत्यनारायण, जितेंद्र, रवि राठौड़, पाले निशा, किशन नायक, कल्याण नायक और अन्य ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में भाग लिया।

तेलंगाना सरकार के बीसी आरक्षण आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती

सुप्रीम कोर्ट आज याचिका पर कर सकता है सुनवाई

हैदराबाद, 5 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। स्थानीय निकाय चुनावों में पिछड़े वर्गों (बीसी) के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण देने के तेलंगाना सरकार के आदेश को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में रिट याचिका दायर की गई है।

राजन्ना सिरसिला जिले के कोत्तापल्ली निवासी वंगा गोपाल रेड्डी ने 26 सितंबर को जारी सरकारी आदेश (जीओ) की वैधता पर सवाल उठाया। उनका तर्क है कि अनुसूचित जाति (एससी) के लिए 15 प्रतिशत और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण के साथ कुल आरक्षण 67 प्रतिशत हो गया है, जो सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्धारित 50 प्रतिशत की सीमा का उल्लंघन है।

गोपाल रेड्डी ने कहा कि पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण बढ़ाने का सरकार का औचित्य केवल एक सदस्यीय आयोग की रिपोर्ट पर आधारित था, जो न तो सार्वजनिक की गई और न ही विधानमंडल में इस पर बहस हुई। उन्होंने राज्य के संविधान के अनुच्छेद 243डी(6) और 243टी(6) के इस्तेमाल को भी 'गलत' बताया और कहा कि राज्य का अधिकार न्यायिक रूप से तय सीमा के अधीन है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि राज्य सरकार की कार्रवाई को अनुमति दी गई, तो यह कानून के शासन को कमजोर करेगी और स्थानीय स्वशासन के चुनावों में समान अवसर पर भाग लेने वाले नागरिकों के लिए पूर्वाग्रह पैदा करेगी।

टीजीएसआरटीसी ने सार्वजनिक परिवहन विस्तार की योजना बनाई

नई मेट्रो डीलक्स बसों और इलेक्ट्रिक बसों से सुविधा और पर्यावरणीय सुधार का प्रयास

हैदराबाद, 5 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी कॉरिडोर में निजी और निजी वाहनों के बढ़ते इस्तेमाल के कारण यातायात जाम और धीमी गति की समस्याएं रोजाना कर्मचारियों के लिए चुनौती बन गई हैं। इसी पृष्ठभूमि में तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीएसआरटीसी) ने सार्वजनिक परिवहन के विस्तार पर ध्यान केंद्रित किया है।

निगम ने इस महीने से आईटी कॉरिडोर में नई मेट्रो डीलक्स बसें चलाने की योजना बनाई है, जिन्हें कॉर्पोरेट और आईटी कंपनियों को किराये पर दिया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि यह विशेष रूप से रात्रि पाली में काम करने वाले कर्मचारियों के लिए मददगार होगा।

टीजीएसआरटीसी अगले दो वर्षों में हैदराबाद में 2,800 नई इलेक्ट्रिक बसें चलाने की योजना बना रही है, जिससे राजधानी क्षेत्र की सार्वजनिक परिवहन प्रणाली और अधिक हरित और यात्रियों के अनुकूल बनेगी। वर्तमान में छह डिपो पर चार्जिंग सुविधाएं उपलब्ध हैं और नौ और डिपो पर फ़ास्ट-चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जाएंगे।

ग्रेटर हैदराबाद क्षेत्र में 10 नए डिपो बनाए जाएंगे, जिनमें प्रत्येक में इलेक्ट्रिक चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर होगा। गौलीगुड़ा बस स्टैंड को भी समर्पित चार्जिंग स्टेशन के साथ सक्रिय किया जाएगा। इन प्रयासों के साथ, टीजीएसआरटीसी हैदराबाद को पर्यावरण-अनुकूल जन परिवहन के लिए एक आदर्श शहर बनाने का लक्ष्य रखती है।

ऑनलाइन ट्रेडिंग

झांसा देकर 6.32 लाख रुपये की ठगी

साइबर पुलिस ने सतर्क रहने की दी चेतावनी

हैदराबाद, 5 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के हिमायतनगर निवासी को ऑनलाइन ट्रेडिंग में भारी मुनाफा देने का झांसा देकर धोखेबाजों ने 6.32 लाख रुपये ठग लिए। पीड़ित को फेसबुक और व्हाट्सएप पर एक अज्ञात व्यक्ति का संदेश मिला, जिसने 'यूएस गोल्ड स्टॉक्स' में निवेश करने का झांसा दिया।

पीड़ित ने अमृता रेड्डी नामक एजेंट के माध्यम से ऑनलाइन मनी ट्रांसफर के ज़रिए 6.32 लाख रुपये भेजे। साइबर क्राइम पुलिस के अनुसार, धोखेबाजों ने टैक्स और निकासी शुल्क के नाम पर अतिरिक्त पैसे मांगने के साथ कानूनी कार्रवाई की धमकी भी दी। पीड़ित से 8 लाख रुपये और मांगे गए, लेकिन उसने पैसे नहीं दिए। पीड़िता ने पुलिस से संपर्क किया और मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस ने लोगों से सतर्क रहने, उच्च लाभ का वादा करने वाले अज्ञात व्यक्तियों पर विश्वास न करने और अनजान ट्रेडिंग एप या वेबसाइट डाउनलोड न करने की सलाह दी है।

ऑनलाइन शेयर ट्रेडिंग के बहाने 63 वर्षीय व्यक्ति से 43 लाख रुपये की ठगी

साइबर पुलिस ने लोगों को सतर्क रहने की दी चेतावनी

हैदराबाद, 5 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में एक 63 वर्षीय व्यक्ति को ऑनलाइन शेयर ट्रेडिंग का झांसा देकर 43 लाख रुपये की ठगी की गई। पुलिस के अनुसार, पीड़ित को व्हाट्सएप पर एक व्यक्ति ने संदेश भेजा और खुद को एक निजी वित्तीय संस्थान से जुड़ा होने का दावा किया। उसने आईपीओ आवंटन और ट्रेडिंग के अवसर प्रदान किए।

साइबर क्राइम पुलिस ने बताया कि धोखेबाज नकली डैशबोर्ड दिखाते थे, जिनमें मुनाफा और शेयर आवंटन पर छूट दिखाई जाती थी। ये सौदे पीड़ित को क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल प्लेसमेंट (क्यूआईपी) के तहत होने का दावा करते थे। पैसे देने के लिए उन्हें मनाने के लिए, धोखेबाज उनके बैलेंस से ज्यादा शेयर आवंटित करते और अंतर को बिना ब्याज वाले लोन के रूप में दिखाते। फिर खाते फ्रीज करने की धमकी देकर पैसे वापस मांगते। पीड़ित को शक होने पर उसने पैसे निकालने की कोशिश की, लेकिन उसे अनुमति नहीं दी गई। इसके बाद उसने पुलिस से संपर्क किया और मामला दर्ज कर जांच शुरू हो गई है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे ऐसे घोटालेबाजों के झांसे में न आएं जो खुद को प्रतिष्ठित वित्तीय संस्थानों या व्यापारिक फर्मों का प्रतिनिधि बताते हैं।

जन्मदिन की शुभकामनाएं

ए. व्यंश
माता : ए. पूजा
पिता : ए. गणेश

कंचनबाग में वित्तीय विवाद के कारण चाकू हमला

हैदराबाद, 5 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कंचनबाग में शनिवार रात वित्तीय विवाद के कारण एक व्यक्ति ने 30 वर्षीय शेख सैफ पर चाकू से हमला कर दिया। पीड़ित शेख सैफ, मुगलपुरा के निवासी, ने कंचनबाग निवासी अहमद बिन अब्दुल्ला बरवाज से 30,000 रुपये का कर्ज लिया था। कंचनबाग पुलिस ने बताया कि रकम चुकाने को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ और इसी दौरान अब्दुल्ला ने सैफ पर चाकू से हमला कर दिया, जिससे वह घायल हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच जारी है।

जिस मुल्क में रहो, उससे मोहब्बत करो

संभल सांसद जियाउर रहमान बर्क ने क्यों कही ये बात?

संभल, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के संभल में इन दिनों मस्जिद गिराने को लेकर विरोध देखने को मिल रहा है, तो वहीं दूसरी तरफ आई लव मोहम्मद कैंपेन को लेकर भी तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। इस बीच सपा सांसद जियाउर रहमान बर्क हयात नगर एक जश्न-ए-ग़ौसुल-वरा में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने मंच ऐ कहा कि हमारे बुजुर्गों ने इस मिट्टी के लिए जान दी है। हमारी तारीख कुर्बानियों से भरी है। इस्लाम सिखाता है, जिस मुल्क में रहो, उससे मोहब्बत करो और वफ़ा निभाओ। जियाउर रहमान बर्क ने कहा कि इस्लाम की मोहब्बत और मुल्क से वफादारी है।

वफादार हैं

और ये चीज हमें साबित करने की जरूरत नहीं है। हमें अपनी तारीख पर शर्मिंदा होने की जरूरत नहीं पड़ेगी, बल्कि फख्र महसूस करेंगे। आज हमारी जो नस्लें हैं, वो ही हमारी अपनी तारीख को भूल गए हैं।सच्चा मुसलमान देश और धर्म दोनों का सम्मान करता है। उन्होंने कहा कि हम अपने मजहब, अपने इस्लाम, अपने अक़ीदे पर मजबूती से कायम हैं। इसके साथ ही हम अपने मुल्क के लिए भी वफादार हैं। उन्होंने कहा कि हमारे बुजुर्गों ने इस मिट्टी के लिए जान दी है। हमारी तारीख कुर्बानियों से भरी है। इस्लाम सिखाता है कि जिस मुल्क में रहो, उससे मोहब्बत करो और उसकी वफ़ा निभाओ।

धार्मिक आयोजन के दौरान दो समुदायों के बीच चले ईंट-पत्थर

हापुड़, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले में दो समुदाय के बीच पथराव और मारपीट की घटना सामने आई है। जहां धार्मिक आयोजन के दौरान दो समुदायों में विवाद हो गया। इसके बाद पथराव और मारपीट हुई। गांव में तनाव को देखते हुए पुलिस को तैनात किया गया है। हापुड़ के बहादुरगढ़ थाना क्षेत्र में शनिवार देर शाम मामूली बात पर कहासुनी हो गई। देखते ही देखते दो समुदायों में टकराव की वजह बन गई। इसके बाद मौके पर जमकर पथराव हुआ। विशेष समुदाय के लोगों पर पथराव करने का आरोप लगा है। घटना के बाद से ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है। इसके चलते पुलिस की मौजूदगी में भी दोनों पक्षों में जमकर टकराव हुआ। फिलहाल स्थिति को नियंत्रण करने के लिए कई थानों की पुलिस फोर्स मौके पर मौजूद है। जिनके द्वारा स्थिति को काबू करते हुए क्षेत्र में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

नगर निगम ने 6 महीने में 156 जगहों पर अतिक्रमण को किया ध्वस्त, 16 लाख जुर्माना वसूला

बरेली, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। नगर निगम ने अतिक्रमण के विरुद्ध छह माह में तेजी से अभियान चलाया। अभियान चलाकर कई जगह अतिक्रमण ध्वस्त किया। इसके साथ ही लाखों रुपये का जुर्माना भी वसूल किया। पिछले वर्ष जितना एक साल में जुर्माना वसूला, इस बार छह माह में ही एकत्र कर लिया है। नगर निगम बोर्ड की बैठक में कुछ समय पहले पार्षदों ने शहर की सड़कों पर हो रहे अतिक्रमण को लेकर अधिकारियों को घेरा था।

इस पर सदन में काफी हंगामा भी हुआ, जिसके बाद महापौर और नगर आयुक्त ने अधिकारियों को अतिक्रमण के विरुद्ध प्रभावी अभियान चलाने के निर्देश दिए। निगम की टीम ने शहर भर में अतिक्रमण को चिह्नित कर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की। अधिकारियों के अनुसार एक अप्रैल 2025 से अब तक छह माह में 156 स्थानों पर अतिक्रमण चिह्नित कर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई। इतना ही नहीं इस कार्रवाई के दौरान अतिक्रमण करने वालों पर जुर्माना भी लगाया गया। जुर्माना लगाने से निगम ने छह माह में ही करीब 16 लाख रुपये की आय प्राप्त की, जबकि पिछले पूरे एक वर्ष के समय में निगम को 16 लाख रुपये की आमदनी अतिक्रमण पर जुर्माना लगाने से हो पाई थी।

इधर, दीपावली के चलते अतिक्रमण करने वालों को चेतावनी दी गई है। अतिक्रमण करते पकड़े जाने पर मोटा जुर्माना निगम वसूल करेगा। नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य ने बताया कि अतिक्रमण के विरुद्ध कार्रवाई लगातार चल रही है।

पटना मेट्रो की आज होगा उद्घाटन

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार दिखाएंगे हरी झंडी, प्रथम चरण में 3 स्टेशन पर किया जाएगा संचालन

पटना, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। पटना मेट्रो का इंतजार अब खत्म होने वाला है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार इसका सोमवार को उद्घाटन करेंगे। प्रथम चरण में 4.3 किलोमीटर लंबे रूट से इसकी शुरुआत हो रही है, जिसमें तीन स्टेशन - आईएसबीटी, जीरो माइल और भूतनाथ शामिल हैं। पटना मेट्रो रेल कॉरपोरेशन ने इसकी तैयारी जोर-शोर से शुरू कर दी है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री मेट्रो कॉरिडोर वन के पटना जंक्शन सहित छह भूमिगत स्टेशन और 9.35 किलोमीटर लंबे टनल का शिलान्यास करेंगे। मेट्रो रेल सेफ्टी कमिश्नर (सीएमआरएस) जनक कुमार गर्ग ने मेट्रो परिचालन के लिए पटना मेट्रो रेल कॉरपोरेशन को हरी झंडी दी। शुरुआती दौर में मेट्रो की अधिकतम रफ्तार 40 किलोमीटर प्रति घंटे रहेगी। न्यू आईएसबीटी से जीरो माइल का किराया 15 रुपए होगा और न्यू आईएसबीटी से भूतनाथ स्टेशन का किराया 30 रुपए होगा।

सिग्नल सिस्टम के अभाव में रफ्तार कम रहेगी

अभी सिग्नल सिस्टम के अभाव में रफ्तार औसत 80 किमी/घंटा से कम रहेगी, जिससे समय ज्यादा लगेगा।कॉरिडोर-2 में मेट्रो का आवाजाही शुरू होने के बाद ही सिग्नल के सहारे मेट्रो का परिचालन होगा। इसी कारण रेड लाइन पर मेट्रो को वॉकी-टॉकी के सहारे चलाया जाएगा। वहीं, जब सिग्नल के सहारे मेट्रो का आवाजाही शुरू हो जाएगा, तो यह दूरी 10 से 15 मिनट में पूरी होगी।

7 सितंबर को एलिवेटेड ट्रैक पर दौड़ी थी मेट्रो

पटना मेट्रो का पहला ट्रायल रन 3 सितंबर को हुआ था। डिपो के अंदर 800 मीटर के ट्रैक पर ट्रेन को दौड़ाया गया। इसके बाद 7 सितंबर को तीन कोच वाली ट्रेन ने डिपो से निकलकर आईएसबीटी स्टेशन से भूतनाथ स्टेशन तक 3.6 किलोमीटर का सफर एलिवेटेड ट्रैक पर तय किया। इस दौरान मेट्रो की स्पीड, सिग्नलिंग सिस्टम और ट्रैक की सुरक्षा से जुड़ी सभी चीजों की जांच हुई। ट्रायल के दौरान आने वाली तकनीकी गड़बडिय़ों को देखा गया।

छह भूमिगत स्टेशन सहित टनल का निर्माण होगा

कॉरिडोर वन में पटना जंक्शन से रुकनपुरा और मीठापुर तक 9.35 किमी में टनल बनेगा। कॉरिडोर वन में 2565.80 करोड़ से छह भूमिगत स्टेशन सहित टनल का निर्माण होना है। एजेंसी से करार कर लिया गया है। निर्माण 42 माह में पूरा करना है। कॉरिडोर वन का दो भागों में निविदा जारी हुई थी। इसके पहले भाग में रुकनपुरा, राजा बाजार और चिड़ियाघर स्टेशन बनेगा। पाटलिपुत्र एलिवेटेड स्टेशन के बाद रुकनपुरा रैप से इसपर 1147.50 करोड़ खर्च होंगे। दूसरे भाग में विकास भवन, विद्युत भवन और पटना जंक्शन स्टेशन का निर्माण होगा। साथ ही विकास भवन से पटना जंक्शन होते हुए मीठापुर रैंप तक टनल बनेगा। निर्माण पर 1418.30 करोड़ खर्च होंगे।

किराया 10 रुपए से लेकर 60 रुपए तक हो सकता है

पटना मेट्रो का किराया 5 से 6 कैटेगरी में तय किया जाएगा। कम दूरी पर ज्यादा पैसे खर्च करना पड़ सकता है। वहीं, लंबी दूर वालों को फायदा होगा। सरकार जल्द ही फेयर फिक्सेशन कमेटी का गठन करेगी। इसके बाद किराये पर आखिरी फैसला हो जाएगा। मुख्य सचिव अमृतलाल मीणा के नेतृत्व में एक कमेटी इस पर काम कर रही है।

डांस प्रोग्राम के लिए कोलकाता से पटना बुलाया, नाबालिग लड़की से गैंगरेप, सात गिरफ्तार

पटना, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार की राजधानी पटना से नाबालिग डांसर के साथ गैंगरेप की घटना सामने आई है। दरअसल, युवती को डांस प्रोग्राम के लिए कोलकाता से पटना बुलाया गया था। इसके बाद आरोपियों ने एक कमरे में बंद कर उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। इस बीच किसी ने घटना की जानकारी पुलिस को दे दी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए एक महिला सहित सात आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

पश्चिम बंगाल के कोलकाता से बीते दिनों नाबालिग डांसर को दुर्गा पूजा के अवसर पर पटना बुलाया गया था। इस दौरान उसे बेउर थाना क्षेत्र के कोऑपरेटिव कॉलोनी, विष्णुपुर पकड़ी में ठहराया गया। यहां एक नाबालिग डांसर के साथ एक-एक कर करीब 6 लोगों ने दुष्कर्म किया। इस बीच स्थानीय लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। उन्होंने पुलिस को बताया कि एक घर में अनजान लड़कियां रह रही हैं, जहां उनके साथ सामूहिक दुष्कर्म हो रहा है। इस बात की जानकारी होते ही पुलिस की एक्टिव हो गई। उन्होंने तुरंत छापेमारी कर तीन डांसर को आरोपियों के चंगुल से छुड़ाया।

कानपुर मामले पर अखिलेश का बीजेपी पर कटाक्ष

बोले- 'कट्टा नहीं, रावण बनने के लिए कर रहे थे आवेदन'

लखनऊ, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के कानपुर से रामलीला के दौरान भारतीय जनता युवा मोर्चा के नेता के द्वारा पिस्टल तानने के मामले पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कटाक्ष किया है। साथ ही बीजेपी पर निशाना भी साधा है। कानपुर की घटना पर अखिलेश यादव ने एक्स हैंडल पर लिखा, अब भाजपाई कहेंगे हमारे पट्टाधारी कार्यकर्ता महोदय जी कट्टा नहीं तान रहे थे, बल्कि रावण बनने के लिए आवेदन कर रहे थे और खलनायक की भूमिका हेतु अपने चरित्र की उपयोगिता सिद्ध कर रहे थे। इन्हें तो अभिनय की भी आवश्यकता नहीं पड़ेगी क्योंकि इनके दल में तो हर दिन का यही काम है, इस खलकर्म में तो वो बेहद सिद्ध हस्त हैं।

दरअसल, यह मामला कानपुर के सचेंडी थाना क्षेत्र भौती गांव से सामने आया है। यहां रामलीला का आयोजन किया जा रहा था। इस कार्यक्रम में बीजेपी युवा मोर्चा से जुड़े अमितेश शुक्ला कार्यक्रम में पहुंचे थे। आरोप है कि मंचन के दौरान अमितेश शुक्ला ने कलाकारों और नृत्य कर रही डांसर पर सरेआम रुपये लुटाना शुरू कर दिया। विरोध करने पर पिस्टल दिखाकर जान से मारने की धमकी दी गई।

अपर पुलिस उपायुक्त पश्चिम कपिल देव सिंह ने बताया कि सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में पिस्टल से धमकाते युवक की पहचान अमतेश शुक्ला के रूप में हुई है। पुलिस ने उसे अवैध असलहे सहित हिरासत में लेकर अभियोग पंजीकृत किया है। अभी तक किसी राजनीतिक संबंध के साक्ष्य नहीं मिले हैं। पिस्टल के स्रोत सहित अन्य तथ्यों की जांच जारी है। फिलहाल इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है, जिसे लेकर विपक्ष अब बीजेपी पर हमलावर है। हालांकि इस मामले में बीजेपी की तरफ से अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

पटना, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। वोट चोरी का मामला दिन प्रति दिन फैलता जा रहा है और आए दिन अलग-अलग राज्य और सीटों पर कांग्रेस की ओर वोट चोरी के सबूत पेश किए जा रहे हैं। महिला कांग्रेस अध्यक्ष अलका लांबा ने अब बिहार के चुनावों पर बीजेपी पर वोट चोरी का आरोप लगाया है। अलका लांबा ने कहा कि नरेंद्र मोदी और चुनाव आयोग ने बिहार में जमकर 'वोट चोरी' की है। वोट चोरी के ये कारनामे चुनाव आयोग द्वारा जारी फाइनल वोटर लिस्ट में सामने आए हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि जमुई में एक ही घर के पते पर 247 वोटर रजिस्टर कर दिए गए। मुजफ्फरपुर में एक व्यक्ति का नाम वोटर लिस्ट में 3 बार दर्ज है और फाइनल लिस्ट आने के बाद भी वोटर लिस्ट में मृतकों के नाम दर्ज हैं। लांबा ने आगे कहा कि ये कुछ मामले हैं, जो सामने आए हैं। लेकिन फर्जीवाड़े की लिस्ट लंबी है। नरेंद्र मोदी और चुनाव आयोग बिहार में 'वोट चोरी' कर लोगों का अधिकार, रोजगार और उनका भविष्य चोरी करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री याद रखें बिहार की जनता 'वोट चोरी' नहीं होने देगी और चुनावों में कड़ा सबक सिखाएगी। इसके अलावा एसआईआर पर बोलते हुए कहा कि नरेंद्र मोदी और अमित शाह के इशारे पर चुनाव आयोग द्वारा बिहार में एसआईआर के नाम पर भारी फर्जीवाड़ा किया जा रहा है।

बिहार चुनाव में हुई थी वोट चोरी

अलका लांबा एसआईआर पर ईसी-बीजेपी को घेरा

बिहार में करीब साढ़े 3 करोड़ महिला मतदाता हैं, लेकिन करीब 23 लाख महिलाओं के नाम वोटर लिस्ट से काट दिए गए हैं। ये महिलाएं आगामी विधानसभा चुनावों में वोट नहीं दे पाएंगी। हमारा मानना है, ये फैसला संविधान के खिलाफ है। बता दें कि बिहार के जिन 6 जिलों में लाखों महिलाओं के नाम वोटर लिस्ट से काटे गए हैं, उनमें गोपालगंज, सारण, बेगूसराय, समस्तीपुर, भोजपुर और पूर्णिया विधानसभा शामिल हैं। बिहार के जिन 6 जिलों में सबसे ज्यादा महिलाओं के नाम वोटर लिस्ट से काटे गए, उनमें करीब 60 विधानसभा सीटें आती हैं। साल 2020 के विधानसभा चुनाव का आंकड़ा देखें तो यहां इंडिया गठबंधन ने 25 सीटें जीती थीं या दूसरी सीटों पर करीबी मुकाबला था। लांबा का कहना है कि अब चुनाव आयोग ने एसआईआर के नाम पर इन्हीं सीटों पर भारी फर्जीवाड़ा करने का काम किया है। बिहार में जहां करीब 23 लाख महिलाओं के नाम काट दिए गए। वहीं, करीब 15 लाख पुरुषों के नाम वोटर लिस्ट से काट दिए गए।

कांग्रेस पार्टी पूरे देश में इसी 'वोट चोरी' के खिलाफ हस्ताक्षर अभियान चला रही है, जिसमें हम 5 करोड़ हस्ताक्षर जुटाएंगे। अलका ने कहा कि आज अंतिम समय में नाम जोड़ने और काटने की साजिश चल रही है, लेकिन हम इसका पर्दाफाश करके रहेंगे। नरेंद्र मोदी एक तरफ बिहार में चुनाव को प्रभावित करने के लिए महिलाओं के खाते में पैसा डाल रहे हैं। दूसरी तरफ, उन्होंने चुनाव आयोग के साथ मिलकर बिहार की करीब 23 लाख महिलाओं के नाम वोटर लिस्ट से काट दिए। नरेंद्र मोदी ने टारगेट कर महिलाओं के वोट काटे हैं और उनके अधिकार भी छीने हैं।

सीएम योगी के डेंटिंग पेंटिंग वाले बयान पर इकरा हसन का पलटवार

सपा सांसद ने कहा- 'करके दिखाइए आप'

लखनऊ, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। बरेली में आई लव मोहम्मद विवाद को लेकर हुई हिंसा के बाद सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की टिप्पणी ने राजनीतिक माहौल को गर्मा दिया है। सीएम योगी ने डेंटिंग पेंटिंग वाला बयान दिया था, जिस पर विपक्ष भड़क गया। समाजवादी पार्टी की सांसद इकरा हसन ने इस पर अब करारा जवाब दिया है। कैराना लोकसभा सीट से सांसद इकरा हसन ने मुख्यमंत्री को सीधे चुनौती दी। उन्होंने कहा, एक ऐसे पद पर रहना जिसमें आपको संविधान के जरिए आपका यह दायित्व बनता है कि आप हर मजहब, हर जाति, हर लैंग्वेज और हर कल्चर का सम्मान करें। ऐसे संवैधानिक पद पर रहते हुए जो मुख्यमंत्री जी जिस तरह की भाषा का उन्होंने इस्तेमाल किया, डेंटिंग पेंटिंग कर देंगे। यह कर देंगे। मैं उन्हें यह कहती हूं कि करके दिखाइए आप। यह देश अंतरिक्ष में नहीं है। यह भी दुनिया का ही हिस्सा है और यहां पर ऐसा नहीं चल सकता।

सपा सांसद इकरा हसन ने यह भी कहा कि केंद्र में सरकार किस तरह अपने आप को अन्य देशों में पेश करती है, यह सब सबके सामने है। उन्होंने चेतावनी दी कि प्रदेश में भले ही कुछ किया जा सकता हो, लेकिन देश के स्तर पर ऐसा नहीं चलेगा। इकरा हसन ने कहा, जो सरकार हमारी केंद्र में है, जब उन्हें दूसरे देशों में, मिडिल ईस्ट में और दूसरे देशों में जाना होता है तो किस तरीके से वह दिखावा करती है। यह भी हम सबके सामने है तो यह प्रदेश में जरूर कर सकते हैं लेकिन देश के स्तर में ऐसा कभी नहीं हो सकता। यह समाज में भेदभाव फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। इसके लिए जनता इन्हें कभी माफ नहीं करेगी। सपा सांसद इकरा हसन ने दो टूक कह दिया कि मुख्यमंत्री योगी जो कह रहे हैं,

उसे करके दिखाइए। उन्होंने बीजेपी सरकार पर समाज में भेदभाव फैलाने की कोशिश करने का आरोप लगाया। दरअसल, यह पूरा विवाद 27 सितंबर का है। सीएम योगी आदित्यनाथ श्रावस्ती में एक कार्यक्रम में शिरकत कर रहे थे। मंच से उन्होंने कहा था, कुछ लोग हैं, जिनको शांति अच्छी नहीं लगती। कल्याण अच्छा नहीं लगता। जब भी कोई हिंदू पर्व और त्योहार आता है, उनको गर्मी आने लगती है और उनकी गर्मी को शांत करने के लिए हमें डेंटिंग पेंटिंग का सहारा लेना पड़ता है।

अनियमितता और भ्रष्टाचार पर ब्रजेश पाठक सख्त

कन्नौज, रामपुर व चित्रकूट के सीएमओ के खिलाफ जांच के आदेश

लखनऊ, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य विभाग के कई अधिकारी भ्रष्टाचार व अन्य मामलों में फंस गए हैं। इसमें कन्नौज, रामपुर और चित्रकूट के सीएमओ शामिल हैं। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने विभाग के प्रमुख सचिव अमित कुमार घोष को इन सभी मामलों की जांच कराके रिपोर्ट देने के निर्देश दिए हैं। कन्नौज के सीएमओ डॉ। स्वदेश गुप्ता के खिलाफ उप मुख्यमंत्री को कई तरह की शिकायतें मिली हैं। उन पर आरोप है कि जिले में उपकरणों एवं दवाओं की खरीद की निविदा चहेती फर्मों को दिया गया।

ऐसे ही रामपुर की सीएमओ डॉ। दीपा सिंह पर आरोप है कि उन्होंने बागपत में एसीएमओ के पद पर रहते हुए पीसीपीएनडीटी एक्ट का दुरुपयोग किया। इससे अल्ट्रासाउंड सेंटरों में भ्रूण के लिंग जांच को बढ़ावा मिला। इसी तरह अक्सर मुख्यालय से अनुपस्थित रहने की शिकायत पर डिप्टी सीएम ने चित्रकूट के सीएमओ डॉ। भूपेश द्विवेदी से स्पष्टीकरण तलब किया है। उन पर उच्चादेशों की अनदेखी और दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही के भी आरोप हैं। अमेठी जिले के जगदीशपुर सीएचसी के स्थानांतरित चिकित्सा अधीक्षक डॉ। प्रदीप तिवारी के मुसाफिरखाना सीएचसी पर कार्यभार ग्रहण न करने पर इनके खिलाफ अनुशासनिक कार्रवाई के आदेश दिए गए हैं। श्रावस्ती जिला संयुक्त चिकित्सालय में तैनात डॉ। डीके गुप्ता पर महोबा जिला चिकित्सालय में तैनाती से लगातार निजी प्रैक्टिस भत्ते (एनपीए) लेते हुए प्राइवेट प्रैक्टिस करने के आरोप लगे थे।

शिकायतों की जांच में आरोप सही पाए गए। डिप्टी सीएम ने डॉ। गुप्ता की तीन वेतन वृद्धियां स्थायी रूप से रोकने के निर्देश दिए हैं। साथ ही निजी प्रैक्टिस भत्ते की वसूली ब्याज सहित करने के निर्देश दिए हैं।

उत्तर प्रदेश में जातीय गोलबंदी में जुटी कांग्रेस वोटों को साधने के लिए आयोजित होंगे सम्मेलन

लखनऊ, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस पार्टी अब सामाजिक न्याय के मुद्दे को और धार देने की तैयारी में है. पार्टी ने पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) समुदायों को एकजुट करने के लिए प्रदेश के सभी मंडलों में सामाजिक न्याय सम्मेलनों का आयोजन करने का फैसला किया है. इस अभियान की शुरुआत लखनऊ से की जाएगी. कांग्रेस का पिछड़ा वर्ग विभाग बीते कुछ समय से ओबीसी जातियों को गोलबंद करने में लगा हुआ है. अब पार्टी शीर्ष नेतृत्व के निर्देश पर इस अभियान को और तेज करने जा रही है. विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल जयसिंह ने उत्तर प्रदेश में सामाजिक न्याय से जुड़े कार्यक्रमों को गति देने के लिए स्पष्ट निर्देश दिए हैं. इसके साथ ही कांग्रेस पार्टी की प्रदेश कार्यकारिणी की घोषणा अगले सप्ताह तक होने की संभावना है. इसके बाद मंडल स्तर पर सामाजिक न्याय सम्मेलनों का सिलसिला शुरू होगा.

इन सम्मेलनों का उद्देश्य पिछड़े वर्ग के नेताओं को एक मंच पर लाना है. इसके साथ ही आम लोगों को यह बताना है कि कांग्रेस संसद से सड़क तक सामाजिक न्याय के लिए कैसे संघर्ष कर रही है. कांग्रेस पिछड़ा वर्ग विभाग के प्रदेश अध्यक्ष मनोज यादव ने बताया कि सम्मेलनों की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं. प्रदेश कार्यकारिणी की सूची तैयार करने के लिए राष्ट्रीय और प्रदेश नेतृत्व के साथ विचार-विमर्श पूरा हो चुका है. इस कार्यकारिणी में पिछड़े वर्ग की सभी जातियों को प्रतिनिधित्व दिया गया है.

चंद्रशेखर की गर्लफ्रेंड बोलीं

मेरे पास ऐसे वीडियो हैं कि मुंह छिपाता फिरेगा: वह भाजपा का दलाल, बसपा सुप्रीमो बनना चाहता था

लखनऊ, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद पर उनकी एक्स गर्लफ्रेंड डॉ रोहिणी घावरी ने कई सनसनीखेज आरोप लगाए। रोहिणी ने अपने सोशल मीडिया पेज पर 29 मिनट के वीडियो लाइव शेयर किया है। घावरी कहती हैं- चंद्रशेखर भाजपा का दलाल है। वह दलित-मुस्लिम की राजनीति करता है, जिससे बसपा को कमजोर किया जा सके। घावरी ने दावा करते हुए कहा- मेरे पास उसका ऐसा वीडियो है, जिस दिन एक्सपोज किया, मुंह छिपाता फिरेगा। अभी तो एक रिकॉर्डिंग वायरल करने वाली हूं। जिसमें वो बहन जी (बसपा सुप्रीमो मायावती) को अपशब्द कह रहा है।

कैसे चंद्रशेखर उससे शादी करने का आश्वासन देकर दलितों में जाटव-वाल्मीकि समाज को एकजुट करने का झूठा ख्वाब दिखाते थे? फिर कैसे कैसे भाजपा के साथ मिलकर दलित मूवमेंट, खासकर बसपा को कमजोर किया? बसपा सुप्रीमो मायावती को लेकर वह क्या कहते थे? घावरी के अलावा और कितने दलित युवतियों की जिंदगी बर्बाद की है? डॉक्टर रोहिणी घावरी के आरोपों पर चंद्रशेखर ने कहा- मेरे ऊपर लगाए गए सारे आरोप बेबुनियाद हैं। जो भी फोटो जारी किए जा रहे हैं। वह एआई से जनरेटेड हैं। सारे आरोपों पर कोर्ट में जवाब दूंगा।

इसने कई लड़कियों की जिंदगी बर्बाद की, अब मैं इसकी बर्बादी की वजह बनूंगी

डॉ. रोहिणी आगे इस वीडियो में दावा करते हुए कहती हैं- चंद्रशेखर ने उसकी तरह कई लड़कियों की जिंदगी बर्बाद की है। कुछ लड़कियां पीड़ित होकर भी परिवार के दबाव में बोल नहीं पाईं। कुछ लड़कियों को इसने पैसे देकर खरीद लिया। दिल्ली की एक लड़की ने तो इसके चक्कर में फंसकर सुसाइड तक कर लिया। उसके पिता इसके खिलाफ कार्रवाई करने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे हैं। मेरे पास सहारनपुर की एक और लड़की के चैट हैं। वो भी इसका शिकार बन चुकी है। इसी तरह कई लड़कियों को इसने शादी करने का झांसा देकर उनकी भावनाओं से खेल चुका है।

तभी 2020 में इसने चुपके से शादी की थी, जिससे किसी को पता न चले। लेकिन, यह न तो मुझे खरीद पाया और न ही डरा पाया। इसे लगा कि सांसद बन जाऊंगा, तो रोहिणी को दबा लूंगा। कई बार समाज को बर्बाद करने वाले से उसे बचाने वाला अधिक दोषी होता है। मैं ही इसके विनाश का कारण बनूंगी। भावनात्मक रूप से लड़कियां कमजोर होती हैं। इसी का मैंने भी खामियाजा भुगता। इसने मेरा व्यक्तिगत सुख छीना है, मैं इसका सामाजिक सम्मान छीन लूंगी। इसका सांसद बनना पहली और आखिरी सफलता है।

काली कमाई खपाने को जीएसटी अफसरों का पैंतरा रॉयल्टी बढ़ाकर खरीदे पहाड़;

लखनऊ, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में राज्यकर विभाग के अधिकारियों द्वारा जमीनों में अरबों रुपये निवेश के मामले की फाइल अभी ठीक से खुल भी नहीं सकी है कि एक और मामले ने खलबली मचा दी है। विभाग के कुछ अधिकारियों पर आरोप है कि उन्होंने अरबों की अघोषित आय को छिपाने के लिए मिर्जापुर और सोनभद्र में डोलो स्टोन, सैंड स्टोन और लाइम स्टोन से भरपूर पहाड़ ही खरीद डाले। दूसरी तरफ अंबेडकरनगर के बिल्डर के जरिये जमीनों की खरीद-फरोख्त की जांच ने भी तेजी पकड़ ली है। इसके दायरे में कई बड़े अधिकारी भी आ गए हैं। जीएसटी प्रणाली वर्ष 2017 की दूसरी छमाही में आई। इससे पहले नोटबंदी ने कमर तोड़ दी थी। इसके दो साल बाद कोरोना आ गया, जो आपदा में अवसर बना। विभागीय सूत्रों के मुताबिक इस दौरान हुई अकूत कमाई को सुरक्षित रूप से ठिकाने लगाने के लिए एक तरफ अवध के बिल्डर को ढाल बनाया गया तो दूसरी तरफ विभाग के एक प्रभावशाली गुट ने पूर्वांचल के पहाड़ों में पैसा खपाया।

डीआरआई के 'ऑपरेशन डिजीसक्रैप' से ई-वेस्ट तस्करी का भंडाफोड़

मुंबई, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुंबई के ड्रग्स और रॉ इन्वेस्टिगेशन (डीआरआई) ने ई-वेस्ट तस्करी के खिलाफ "ऑपरेशन डिजीसक्रैप" नाम से एक बड़ा अभियान चलाया। इस कार्रवाई में अधिकारियों ने पुराने और इस्तेमाल किए गए लैपटॉप, सीपीयू, मदरबोर्ड चिप्स और अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामान की भारी खेप जब्त की। अनुमानित कीमत करीब 23 करोड़ रुपये बताई जा रही है। जांच में पता चला कि इस तस्करी के पीछे सूरत स्थित एक फर्म का डायरेक्टर मास्टरमाइंड था। उसे गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

अधिकारी बता रहे हैं कि यह व्यक्ति पुराने और रीफर्बिश्ड इलेक्ट्रॉनिक सामान की खरीद, वित्तपोषण और आयात की योजना बनाने में पूरी तरह सक्रिय था। डीआरआई की जांच में सामने आया कि ये लैपटॉप और सीपीयू 'एल्युमिनियम ट्रीट स्क्रैप' के नाम पर छिपाकर भारत में लाए जा रहे थे। न्हावा शेवा पोर्ट पर जब चार कंटेनर पकड़े गए, तो इनके अंदर छिपा हुआ इलेक्ट्रॉनिक सामान मिला। इस कार्रवाई में कुल 17,760 लैपटॉप, 11,340 मिनी/बेयरबोन सीपीयू और 7,140 प्रोसेसर चिप्स समेत अन्य इलेक्ट्रॉनिक पार्ट्स जब्त किए गए। कस्टम्स एक्ट, 1962 की धारा 110 के तहत यह सामान जब्त किया गया है। सरकार की विदेश व्यापार नीति 2023, ई-वेस्ट (मैनेजमेंट) रूल्स 2022 और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी गुड्स (अनिवार्य पंजीकरण) आदेश 2021 के अनुसार पुराने और रीफर्बिश्ड इलेक्ट्रॉनिक सामान का आयात प्रतिबंधित है। इन नियमों का उल्लंघन न केवल पर्यावरण और सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए खतरा है, बल्कि घरेलू इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग को भी नुकसान पहुंचाता है।

अधिकारी बता रहे हैं कि पुराने और इस्तेमाल किए गए इलेक्ट्रॉनिक्स के आयात से न सिर्फ कचरा बढ़ता है, बल्कि इनसे निकलने वाले खतरनाक रसायन स्वास्थ्य के लिए भी नुकसानदेह होते हैं। साथ ही, इस तरह की तस्करी से भारतीय इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियों को भी बड़ा झटका लगता है, क्योंकि उनका सामान बाजार में प्रतिस्पर्धा नहीं कर पाता। डीआरआई ने कहा कि इस अभियान के जरिए उन्हें ई-वेस्ट तस्करी की नई पैठ और तरीकों का पता चला है। अधिकारियों का कहना है कि इस तरह की अवैध गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है और आगे भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

कफ सिरप कांड: ज्यादातर बच्चों को डॉक्टर प्रवीण सोनी ने लिखी थी दवा

गिरफ्तार, अब तक 14 की मौत; कंपनी पर भी केस

छिंदवाड़ा, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में कफ सिरप से अब तक 14 बच्चों की मौत के बाद हड़कंप मचा हुआ है। जांच में कोल्ड्रिफ कफ सिरप में डायएथिलीन ग्लाइकोल की मात्रा अधिक होने की पुष्टि के बाद सरकार और प्रशासन अलर्ट मोड में हैं। रात पुलिस ने कफ सिरप लिखने वाले डॉक्टर प्रवीण सोनी को गिरफ्तार कर लिया है। बता दें कि ही परासिया थाने में डॉक्टर प्रवीण सोनी और कोल्ड्रिफ सिरप बनाने वाली कंपनी श्रीसन फार्मासूटिकल के संचालकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई थी। इसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई को अंजाम देते हुए डॉक्टर प्रवीण सोनी को गिरफ्तार कर लिया। मामले में ड्रग्स एवं कॉस्मेटिक एक्ट की धारा 27(ए), बीएनएस की धारा 105 और 276 के तहत केस दर्ज किया गया है। जानकारी में सामने आया है कि छिंदवाड़ा में हुई बच्चों की मौत मामले में ज्यादातर बच्चों को डॉक्टर प्रवीण सोनी ने ही ये कफ सिरप लिखी थी। परासिया सीएचसी के बीएमओ अंकित सहलाम ने डॉक्टर प्रवीण सोनी के खिलाफ थाने में मामला दर्ज कराया था।

रिपोर्ट में चौंकाने वाला खुलासा

कप सिरप की जांच रिपोर्ट सामने आई। रिपोर्ट में चौंकाने वाला खुलासा हुआ। कोल्ड्रिफ सिरप में 46.2% डायएथिलीन ग्लाइकॉल (डीईजी) पाया गया।तमिलनाडु ड्रग्स कंट्रोल डिपार्टमेंट की लैब सिरप की जांच के बाद ये रिपोर्ट जारी की गई। डायएथिलीन ग्लाइकॉल (डीईजी) ऐसा जहरीला रसायन, जो आमतौर पर एंटी-फ्रीज और ब्रेक फ्लूइड में इस्तेमाल होता है, किडनी को पूरी तरह तबाह कर देता है। मध्यप्रदेश सरकार ने तत्काल प्रभाव से कोल्ड्रिफ सिरप और कंपनी की सभी दवाओं की बिक्री पर रोक लगा दी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने 6 राज्यों में दवा फैक्ट्रियों की गहन छानबीन शुरू कर दी है।

कैसे बनी मौत की वजह?

सितंबर में छिंदवाड़ा के परासिया और आसपास के इलाकों में बच्चे सर्दी-खांसी के इलाज के बाद गंभीर हालत में पहुंचने लगे। बुखार, उल्टी और पेशाब रुकने जैसे लक्षण दिखे। शुरुआत में 6 बच्चों की मौत हुई, जो बढ़कर 11 तक पहुंच गई। जांच में खुलासा हुआ कि डॉ। प्रवीण सोनी ने इन बच्चों को कोल्ड्रिफ सिरप प्रिस्क्राइब किया था। बायोप्सी और लैब टेस्ट में डीईजी की मौजूदगी ने सनसनी फैला दी। राजस्थान में भी इस सिरप से 1-2 बच्चों की मौत की खबरें सामने आई हैं।

पुलिस डॉ सोनी से गहन पूछताछ में जुटी है।

श्रीसन फार्मा की सप्लाई चेन और मालिकों पर शिकंजा कसने की तैयारी।

केंद्र ने बच्चों (5 साल से कम) के लिए सभी कफ सिरप्स पर सख्त चेतावनी जारी की।

मल्टीडिसिप्लिनरी जांच टीम (एनआईवी, आईसीएमआर, सीडीएससीओ, एम्स-नागपुर) मामले की तह तक जा रही है।

'कागजों में भाई को बताया मृत'

पूर्व एडीएम पर फर्जीवाड़ा कर संपत्ति हड़पने की कोशिश के आरोप, क्या है मामला?

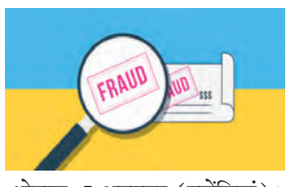

भोपाल, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जिसने प्रशासनिक तंत्र को हिला कर रख दिया है। यहां एक पूर्व अधिकारी पर आरोप है कि उन्होंने अपने ही सगे भाई को कागज़ों में मृत साबित कर पारिवारिक संपत्ति पर कब्जा करने की कोशिश की। यह साजिश रचने वाला कोई आम व्यक्ति नहीं, बल्कि पूर्व एडीएम मूलचंद किशोरे हैं, जो वर्तमान में एक निजी विश्वविद्यालय में वाइस चांसलर के पद पर कार्यरत हैं। अशोका गार्डन स्थित इकबाल नगर निवासी जोखीलाल मेहरा ने पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया कि उनके छोटे भाई मूलचंद किशोरे ने एक निजी मेडिकल कॉलेज से फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाया। इसके बाद उसी दस्तावेज के आधार पर भोपाल नगर निगम से भी आधिकारिक मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करा लिया गया। इस फर्जीवाड़े का पर्दाफाश तब हुआ, जब यह दस्तावेज जबलपुर हाईकोर्ट में चल रहे पारिवारिक संपत्ति विवाद के दौरान सामने आया।

कोर्ट में दाखिल शपथ पत्र में मूलचंद किशोरे ने दावा किया था कि उनके बड़े भाई जोखीलाल का निधन हो चुका है, और उन्होंने अपनी संपत्ति की वसीयत मूलचंद की पत्नी रेखा किशोरे के नाम कर दी है। जोखीलाल मेहरा को जब इस षड्यंत्र का पता चला, तो उन्होंने 6 सितंबर 2025 को भोपाल क्राइम ब्रांच में शिकायत दर्ज कराई। परंतु जब कोई कार्रवाई नहीं हुई, तो उन्होंने भोपाल कोर्ट का रुख किया। कोर्ट ने मामले को गंभीर मानते हुए तत्काल एफआईआर दर्ज करने के आदेश जारी किए। इसके बाद क्राइम ब्रांच ने मूलचंद किशोरे, उनकी पत्नी रेखा किशोरे, सहयोगी कृष्णा नागवंशी, संध्या मेहरा, और निजी मेडिकल कॉलेज के वरिष्ठ अधिकारी डॉ। अनिल शारदा के खिलाफ धोखाधड़ी, कूटरचित दस्तावेज तैयार करने, और आपराधिक साजिश जैसी गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया है।

भारत के पश्चिम बंगाल में बंद हैं सबसे ज्यादा विदेशी कैदी, एनसीआरबी ने जारी की चौंकाने वाली रिपोर्ट

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश भर के कई जेलों में अनगिनत कैदी बंद हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि सबसे ज्यादा विदेशी कैदी किस राज्य में हैं? राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ है। एनसीआरबी ने भारतीय जेल सांख्यिकी 2023 की रिपोर्ट जारी की है, जिसके अनुसार, सबसे ज्यादा विदेशी कैदी पश्चिम बंगाल की जेल में बंद हैं। भारत में कुल 6,956 विदेशी कैदी हैं, जिनमें से 2,508 विदेशी कैदी (लगभग 36 प्रतिशत) पश्चिम बंगाल के सुधार गृहों में कैद हैं। पश्चिम बंगाल की जेल में बंद कुल विदेशी कैदियों में ज्यादातर कैदी बांग्लादेशी हैं, जो अवैध रूप से भारत में घुस आए थे। अब उनके खिलाफ भारत में मुकदमा चल रहा है। पश्चिम बंगाल की जेल में 25,774 कैदी बंद हैं, जिनमें 9 प्रतिशत विदेशी नागरिक हैं। इनमें 778 बांग्लादेशी कैदियों के खिलाफ अपराध साबित हो चुके हैं और 1,440 के खिलाफ मामला विचाराधीन है। पश्चिम बंगाल की जेल में बंद विदेशी नागरिकों में दूसरे नंबर पर म्यांमार से आए लोग हैं। भारत और बांग्लादेश की सीमा दुनिया की पांचवी सबसे बड़ी अंतरराष्ट्रीय सीमा है, जो लगभग 5000 किलोमीटर लंबी है। इसका ज्यादातर हिस्सा पश्चिम बंगाल से लगता है।

यही वजह है कि कई बांग्लादेशी अवैध तरीके से पश्चिम बंगाल में घुस आते हैं। इन विदेशी कैदियों में कई महिलाएं भी मौजूद हैं। एनसीआरबी की रिपोर्ट के अनुसार, पश्चिम बंगाल की जेलों में क्षमता से कहीं अधिक कैदी मौजूद हैं। 2023 में कैदियों की संख्या 120 प्रतिशत आंकी गई है। राज्य की 60 जेलों की क्षमता 21,476 कादियों की है, लेकिन इनमें 25,774 कैदी बंद हैं। वहीं, राज्य की एकमात्र महिला जेल में 110 प्रतिशत से अधिक कैदी मौजूद हैं। इस जेल में कुल 796 महिला कैदी हैं, जिनमें 204 विदेशी और 12 ट्रांसजेंडर महिलाएं भी शामिल हैं।

राज्यसभा चुनाव के लिए आप ने कैंडिडेट पर लगाई मुहर, बिजनेसमैन राजिंदर गुप्ता को भेजेगी संसद

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। राज्यसभा में होने वाले उपचुनाव को लेकर आम आदमी पार्टी पूरी तरह तैयार है। पार्टी ने पंजाब में होने वाले राज्यसभा उपचुनाव के लिए उद्योगपति राजिंदर गुप्ता को उम्मीदवार घोषित किया है। यह उपचुनाव 24 अक्टूबर को होगा। गुप्ता पंजाब प्लानिंग बोर्ड के वाइस चेयरपर्सन की भूमिका निभा रहे थे। राज्यसभा उपचुनाव के लिए अपना नामांकन दाखिल करने से पहले उन्होंने इस पद से इस्तीफा दे दिया। दरअसल, लुधियाना विधानसभा उपचुनाव में जीत हासिल करने के बाद आप सांसद संजीव अरोड़ा ने इस सीट से इस्तीफा दे दिया था, जिसके बाद से यह सीट खाली हो गई थी। संजीव अरोड़ा पंजाब के उद्योग मंत्री हैं। राजिंदर गुप्ता पंजाब के एक प्रमुख उद्योगपति हैं। पार्टी सूत्रों के मुताबिक गुप्ता ने अपनी पढ़ाई हार्वर्ड से की है। वह ट्राइडेंट कंपनी के संस्थापक और सीईओ भी हैं। इसके जरिए वह कई युवाओं को रोजगार देते हैं। सूत्रों ने बताया कि पार्टी ने पंजाब और देश के प्रति उनकी सेवाओं की सराहना करते हुए उन्हें राज्यसभा में भेजने का फैसला किया है। आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल का नाम भी राज्यसभा उपचुनाव के उम्मीदवारों में शामिल होने की अटकलें लगाई जा रही थीं। हालांकि बाद में इन अफवाहों का खंडन कर दिया था।

किसानों के लिए आगे आई नासिक ग्रामीण पुलिस

सीएम फडणवीस को सौंपी 5 लाख की राशि

मुंबई, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के नाशिक ग्रामीण पुलिस दल ने इस साल राज्य में हुई अतिवृष्टि से प्रभावित किसानों और पशुधन के लिए अपनी संवेदनशीलता का परिचय देते हुए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को 5 लाख रुपये का सामाजिक उत्तरदायित्व निधि सौंपा। यह निधि पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों के संयुक्त योगदान से एकत्रित की गई।

राज्य में इस साल कई क्षेत्रों में भारी बारिश हुई, जिससे किसानों की फसलें बर्बाद हो गईं और पशुधन को भी नुकसान हुआ। इस कठिन समय में नाशिक ग्रामीण पुलिस ने न केवल अपनी ड्यूटी निभाई, बल्कि समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी का भी एहसास दिखाया। पुलिस अधीक्षक बालासाहेब पाटील ने बताया कि यह राशि सीधे आपदा प्रभावित किसानों और उनके परिवारों की मदद के लिए इस्तेमाल की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने सराहा पुलिस का प्रयास

मुंबई में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने नाशिक ग्रामीण पुलिस दल की इस पहल की सराहना की। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि इस तरह की पहल न केवल पुलिस की कर्तव्यनिष्ठा को दर्शाती है, बल्कि समाज के प्रति उनकी संवेदनशीलता को भी उजागर करती है। उन्होंने कहा कि यह योगदान सीधे आपदा प्रभावित नागरिकों की सहायता में जाएगा।

पुलिस दल ने अपने योगदान के माध्यम से यह संदेश दिया कि केवल कानून व्यवस्था बनाए रखना ही उनका काम नहीं है, बल्कि समाज के प्रति संवेदनशील होना और जरूरतमंदों की मदद करना भी उनकी प्राथमिकता है। इस पहल ने दिखा दिया कि पुलिस सिर्फ आपराधिक मामलों में ही नहीं, बल्कि सामाजिक और मानवीय संकट के समय भी आगे आ सकती है। पुलिस अधीक्षक बालासाहेब पाटील ने कहा कि भविष्य में भी नाशिक ग्रामीण पुलिस इस तरह के सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेगी। उनका कहना था कि समाज की भलाई और लोगों की मदद करना हमारी जिम्मेदारी है। अतिवृष्टि जैसी आपदाओं के समय हमें मिलकर जरूरतमंदों की मदद करनी चाहिए।

स्पेशल सेल के मालखाने में करोड़ों की चोरी मामले में चार्जशीट दाखिल

हेड कॉन्स्टेबल ने उड़ाए थे कैश-जेवरात

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस की लोधी कॉलोनी स्थित स्पेशल सेल के मालखाने में करोड़ों रुपये की नकदी और ज्वेलरी की चोरी के मामले में पुलिस ने हेड कॉन्स्टेबल के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर दी है। जांच में सामने आया कि चोरी के पीछे हेड कॉन्स्टेबल खुर्शीद का हाथ था, जिसे गिरफ्तार कर लिया गया है। खुर्शीद को हाल ही में स्पेशल सेल से स्थानांतरित कर पूर्वी जिला भेजा गया था। पुलिस के अनुसार, खुर्शीद के कब्जे से करीब 50 लाख नकद और दो करोड़ से अधिक की कीमत के गहने बरामद किए गए हैं। यह चोरी 31 मई की तड़के स्पेशल सेल के मालखाने (स्टोर) से हुई थी, जहां जब्त की गई नकदी, सोना, हथियार और नशीले पदार्थ रखे जाते हैं। जांच में पता चला कि खुर्शीद ने इस वारदात की बारीकी से योजना बनाई थी। मालखाने में पूर्व तैनाती के दौरान उसने स्टोर रूम के ताले की डुप्लीकेट चाबी बनवा ली थी। इसी चाबी की मदद से उसने रात में बिना किसी की नजर में आए चोरी को अंजाम दिया। उसकी पुलिसकर्मियों से जान-पहचान होने के कारण किसी ने उस पर शक नहीं किया। सीसीटीवी फुटेज में खुर्शीद को रात करीब दो बजे एंट्री बुक में हेरफेर करते हुए देखा गया। उसने पहचान छिपाने के लिए हेलमेट और मास्क पहन रखा था, लेकिन साथियों ने उसकी बाडी लैंग्वेज से पहचान कर ली।

खेत में नारियल की पत्तियां खाने की कोशिश कर रहा था, तभी हाथी को लगा करंट, मौत

बेंगलुरु, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के बेंगलुरु दक्षिण जिले में दुखद घटना घटी। यहां एक हाथी बिजली की तार की चपेट में आ गया। बिजली के तार के चपेट में आने से हाथी को करंट लगा और उसकी मौत हो गई। मरने वाले हाथी की उम्र 40 साल बताई जा रही है। ये दुखद घटना शुक्रवार की है। चेन्नापटना स्थित एक खेत में हाथी बिजली की तार की चपेट में आया। जानकारी के अनुसार, हाथी तब तार की चपेट में आया जब वो नारियल के पेड़ की पत्तियां खाने का प्रयास कर रहा था। इसी दौरान ऊपर से गुजर रही बिजली की लाइन से हाथी टकरा गया। वन अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि बेंगलुरु दक्षिण जिले के चेन्नापटना स्थित एक खेत में एक 40 साल के हाथी को बिजली की तार की चपेट में आने से करंट लग गया और उसकी जान चली गई। हाथी खेत में ऊपर से जा रही बिजली लाइन से टकरा गया। ऐसा तब हुआ जब वो नारियल के पेड़ की पत्तियों को खाने की कोशिश कर रहा था।

उप वन संरक्षक (डीसीएफ) ने जानकारी देते हुए बताया कि एक हाथी खेत में नारियल के पेड़ की पत्तियों को खाने का प्रयास कर रहा था। इसी दौरान ऊपर से जा रही बिजली लाइन से टकराने के बाद उसको करंट लग गया और मौके पर ही हाथी ने दम तोड़ दिया। हाथी की मौत होने की सूचना जैसे ही वन अधिकारियों को मिली वो तत्काल मौके पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी। वन विभाग ने अपने एक बयान में कहा कि हाथी की मौत के कारणों की समीक्षा की गई है। अधिकारियों ने बताया कि बिजली का करंट लगने से हर साल औसतन 14 हाथियों की जान जाती है, लेकिन इस साल यह संख्या कम हुई है। इस साल सात हाथियों की मौत दर्ज की गई। राज्य के वन मंत्री ईश्वर खांडरे ने अधिकारियों को आदेश दिया कि वन क्षेत्रों में और उसके आसपास लटके हुई बिजली के तारों की मरम्मत कराई जाए। इसके लिए बिजली आपूर्ति कंपनियों को पत्र लिखा जाए, जिससे हाथियों की ऐसी मौतों को रोका जा सके। बता दें कि हाथी की मौत की ये घटना चामराजनगर जिले के माले महादेश्वर हिल्स में एक बाघ के मृत पाए जाने के बाद सामने आई है।

गांव के मंदिर में दबंगों का कब्जा

पुजारी की भी एंट्री नहीं, बीजेपी की महिला नेता पूजा करने गई तो घसीटकर पीटा

भोपाल, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल से सटे एक गांव में कुछ लोगों ने एक मंदिर पर कब्जा कर लिया है। जिन लोगों ने कब्जा किया है वह गुर्जर समुदाय के बताए जा रहे हैं। गांव के पंडित को भी पूजा करने पर रोक लगा दी गई है। अब मामला मारपीट का सामने आया है। कुछ दबंगों ने बीजेपी की महिला नेत्री से मारपीट की है। महिला नेता ने इस मामले में थाने में शिकायत दर्ज कराई है। महिला ने बताया कि वह बीजेपी के बिलखिरिया मंडल की महामंत्री है और उसका नाम सकुन शर्मा है। महिला ने कहा कि जब वह पूजा करने के लिए मंदिर गई तो गुर्जर परिवार ने जमकर पीटा। आरोप है कि भाजपा नेत्री को सड़क पर घसीटा और चांटे मारे।

घटना सूखी सेवनिया के ओमकारा सेवनिया की सिद्ध नगर कॉलोनी की है। सकुन ने पुलिस को बताया है कि वह कॉलोनी के मंदिर में पूजा करने गई थी। इसी दौरान फोन पर किसी से बात कर रही थी, तभी आरोपी वहां पहुंचे और विवाद शुरू कर दिया और मारपीट की। सकुन ने शिकायत में बताया कि कॉलोनी के शिवजी के मंदिर में गुर्जर समाज के लोगों ने कब्जा कर रखा है। यहां रहने वाले बाह्मण समाज के लोगों को मंदिर नहीं जाने दिया जाता। उन्होंने अपनी शिकायत में कहा कि तीन दिन पहले एक अन्य पंडित परिवार को भी पीटा था। पुलिस ने तीन महिला और तीन पुरुषों के खिलाफ शिकायत दर्ज की है। महिला ने बताया कि मेरे पति कमलेश शर्मा अशोका गार्डन में रहते हैं। बेटा प्राइवेट जॉब करता है और उसका ऑफिस मिसरोद में है। आना जाना दूर पड़ता है, इसलिए उसने वहीं रूम ले रखा है। मैं गांव में अकेली रहती हूं।

महिला ने बताया कि गांव में शिवजी का मंदिर है। पिछले कुछ समय से गुर्जर समाज के लोग इस मंदिर में बाह्मण समाज के लोगों को पूजा अर्चना नहीं करने देते। यही कारण है कि दोनों समाज के लोगों में आए दिन विवाद होते रहते हैं। मैं पूजा के लिए मंदिर जा रही थी। तभी सामने रहने वाले गुर्जर समाज के एक परिवार ने मुझसे अपशब्द कहे। विरोध करने पर मारपीट की गई।

उन्होंने कहा कि आरोपी पक्ष के लोग प्रताड़ित कर बाह्मण समाज के लोगों को गांव से भगाना चाहते हैं। मैं राजनीति से जुड़ी हूं, अपने लोगों की आवाज को उठाती हूं इस कारण मुझे टारगेट किया गया है। आरोपियों पर पुलिस ने प्रभावी कार्रवाई नहीं की है, लिहाजा वे लगातार मुझे धमका रहे हैं। मामले में सूखी सेवनिया थाना पुलिस ने मारपीट के आरोप में तीन महिला और एक पुरुष के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

जूनागढ़ में कैसा चमत्कार? जबतक यज्ञ चला

तबतक बैठे रहे 3 शेर ब्राह्मण बिना डरे मां दुर्गा की करते रहे पूजा; शेरों ने किसी को छुआ तक नहीं

जूनागढ़, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। भक्ति में शक्ति है... ऐसे ही एक मामला गुजरात के जूनागढ़ जिले से सामने आया है, जहां भक्ति और उससे मिलने वाली शांति का अद्भुत संयोग देखने को मिला है। यहां विजयदशमी के मौके पर गिरनार के खोडियार माता मंदिर में यज्ञ चल रहा था, तभी तीन शेर आकर वहां बैठ गए। इस दौरान यज्ञ कर रहे ब्राह्मण बिना डरे यज्ञ करते रहे। शेरों ने उन्हें बिल्कुल भी नुकसान नहीं पहुंचाया। इस बीच वहां मौजूद एक व्यक्ति ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर अपलोड़ कर दिया। भक्ति में ऐसी शक्ति होती है कि वह हिंसक से हिंसक जीव को भी शांत कर सकती है। जूनागढ़ से इस बात को साबित करने वाला एक दृश्य सामने आया है, जिसने सभी को हैरान कर दिया। गिरनार पर्वत पर खोडियार माताजी के लिए विजयादशमी यज्ञ का आयोजन किया गया था। इस बीच तीन शेर वहां आकर बैठ गए। डीसीएफ से मिली जानकारी के अनुसार, जब दशहरा यज्ञ चल रहा था, तब तीन शेर वहां से गुजर रहे थे। मंत्रोच्चार सुनकर तीनों शेर यज्ञ कुंड के पास बैठ गए। जब तक यज्ञ चलता रहा, शेर वहां से नहीं हिले। यज्ञ कर रहे ब्राह्मण भी बिना डरे अपना काम करते रहे। यज्ञ पूरा होते ही शेर उठ खड़े हुए और आगे जंगल में चले गए। इस दौरान ऐसा लग रहा था कि मानो शेर आदि शक्ति 'मां शेरावाली' की पूजा करने मंदिर पहुंच गए हो। इस दौरान एक व्यक्ति ने घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर अपलोड़ कर दिया, जो कि अब तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो पर लोगों की तरह-तरह की टिप्पणियां भी सामने आ रही हैं। वायरल वीडियो को लेकर कुछ लोग इसे भक्ति और शक्ति की विशेष संयोग कर रहे हैं, तो कुछ मां खोडियार के आशीर्वाद से शेर भी शांत हो गए जैसी बात कह रहे हैं। हालांकि, कई लोगों ने वन्यजीव सुरक्षा नियमों को लेकर सावधानी बरतने की सलाह भी दी है।

कंधे पर ऑटो लादकर तवी नदी पार कर रहे लोग

बाढ़ में बहा था पुल, अब तक नहीं बना

जम्मू, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। कश्मीर के उधमपुर में तवी नदी पर पुल नहीं होने से लोगों परेशानी हो रही है। यहां के लोग कंधे पर ऑटो-रिक्शा लादकर नदी पार करने पर मजबूर हैं। ऐसा ही एक वीडियो उधमपुर के बंट गांव से सामने आया है। यहां के लोग कंधे पर ऑटो को लादकर नदी पार करते देखे जा सकते हैं। इन लोगों ने बताया कि मानसून के दौरान यहां जमकर बारिश हुई थी। इस दौरान एक अहम पुल बह गया। पुल बहने से उन्हें परेशानी हो रही है और हर जरूरी काम के लिए नदी में उतरकर जाना पड़ता है। वह ऐसा करने के लिए मजबूर हैं। उनके पास कोई दूसरा विकल्प नहीं हैं। इसी वजह से ये लोग ऑटो रिक्शा भी अपने कंधे पर लेकर जा रहे हैं। बंट गांव के रहने वाले एक व्यक्ति ने कहा, स्कूली बच्चे, बीमार लोग, सभी को नदी पार करानी पड़ती है। यह बहुत गहरी नदी है। किसी भी विभाग ने हमारी कोई मदद नहीं की। नदी पार करना डरावना है, लेकिन हम और क्या कर सकते हैं? बंट गांव के रहने वाले देस राज ने बताया, करीब 10 साल बाद भारी बारिश के कारण यह पुल बह गया। हम सभी ने हर विभाग से संपर्क किया। हम डीसी के पास भी गए और विधायक से भी गुहार लगाई, लेकिन किसी ने हमारी बात नहीं सुनी। मैं सरकार से अपील करता हूं कि गरीबों की आवाज केंद्र तक पहुंचे। सबसे ज्यादा दिक्कत बच्चों और बीमार लोगों को हो रही है। हमारे पास आने-जाने का कोई साधन नहीं है। यहां से समरोली तक पैदल जाने में हमें चार घंटे लगते हैं।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 6 अक्टूबर- 2025

क्या पाकिस्तान पीओके में कश्मीरियों को गुलाम बनाना चाहता है ?

अशोक भाटिया

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में हिंसक झड़पें जारी हैं। क्षेत्र में सुधार और सार्वजनिक सुविधाओं की मांग को लेकर संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी (जेएसी) की ओर से बुलाई गई हड़ताल के दौरान तीन पुलिसकर्मियों सहित कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई। इनमें अधिकतर मौतें पुलिस और सेना की फायरिंग में हुई हैं। पाकिस्तान सरकार द्वारा 38 प्रमुख मांगों को पूरा न करने पर शुरू हुआ यह विरोध प्रदर्शन सेना की ज्यादतियों के खिलाफ एक व्यापक आंदोलन में बदल गया है, जिससे यह इलाका थम-सा गया है।पाकिस्तानी दैनिक द एक्सप्रेस ट्रिब्यून के अनुसार हड़ताल के कारण पीओके में व्यापार और अन्य गतिविधियां बंद रहीं और क्षेत्र में संचार व्यवस्था बाधित रही। धीर कोट और पीओके के अन्य हिस्सों में हिंसा की घटनाएं हुईं। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि झड़पों में 172 पुलिसकर्मी और 50 नागरिक घायल हुए।

आजादी की मांग कर रहे लोगों पर पाकिस्तानी फौज ने अंधाधुंध फायरिंग की, सड़कों पर लाशें ही लाशें बिछी हुई दिखाई दीं। आप तस्वीरें देखेंगे तो कलेजा मुंह को आ जाएगा। आसिम मुनीर की फौज ने पी ओ के की पुलिस को भी नहीं बख्शा। कई पुलिस वालों को भी गोलियों से उड़ा दिया। फौज को शक है कि पुलिस के जवान पी ओ के की आवाम का साथ दे रहे हैं। हालांकि फौज की गोलियां, लाशों के ढेर, खून की नदियां पी ओ के की जनता को डरा नहीं पाईं। उल्टा हुआ, विरोध की चिंगारी शोलों में बदल गईं।

इस वक्त भी मुजफ्फराबाद और मीरपुर जैसे शहरों में हजारों लोग सड़कों पर नारे लगा रहे हैं, शहबाज शरीफ की सरकार सदमे में है। घबराकर शहबाज शरीफ ने प्रदर्शनकारियों से बात करने के लिए एक टीम को मुजफ्फराबाद भेजा लेकिन इंकलाब के नारे लगाने वाले अब इंतकाम चाहते हैं। वो पाकिस्तान की हुकूमत से बात नहीं करना चाहते, आजादी चाहते हैं। शहबाज शरीफ की हुकूमत ने प्रदर्शनकारियों पर फायरिंग के ऑर्डर दिए, लेकिन पी ओ के की लोकल पुलिस ने लोकल लोगों पर गोलियां बरसाने से इंकार कर दिया। इसलिए इस्लामाबाद से काउंटर टेररिज्म यूनिट के एक हजार हथियारबंद जवान मुजफ्फराबाद भेजे गए। पाकिस्तान रेंजर्स और आर्मी को पी ओ के में चल रही आजादी की जंग को कुचलने के लिए भेजा गया है। सरकार का हुक्म है कि प्रदर्शनकारियों को किसी भी कीमत पर मुज़फ़्फ़राबाद पहुंचने से रोका जाए। पाकिस्तानी फौज की हैवानियत दुनिया के सामने न आए, पी ओ के में लगी आग और ज्यादा न भड़के, इसलिए पाकिस्तान सरकार ने पी ओ के में इंटरनेट बैन कर दिया और मीडिया रिपोर्टिंग पर पाबंदी लगा दी है। लोगों का कहना है कि वो पिछले 78 बरस से पाकिस्तान के ज़ुल्म झेल रहे हैं लेकिन अब इंतहा हो गई। अब शहबाज शरीफ की हुकूमत और मुनीर की फौज को अपने गुनाहों का हिसाब देना होगा।

वैसे तो पाकिस्तान के मीडिया ने पी ओ के के ख़ून-खराबे को सेंसर कर दिया है लेकिन वहां के कुछ आजाद पत्रकार पी ओ के की खबरें बाकी दुनिया तक पहुंचा रहे हैं। ऐसे ही एक पत्रकार इमरान रियाज ने बताया कि पी ओ के में रेंजर्स और पुलिस की फायरिंग में बड़ी तादाद में लोग मारे गए हैं लेकिन शहबाज सरकार और मुनीर की फौज ये आंकड़ा छुपा रही है। पी ओ के की जनता अब पाकिस्तान से निजात पाने पर एलान कर चुकी है। निहत्थे लोगों पर फायरिंग के बाद भड़के हुए लोग पाकिस्तान की पुलिस पर अपना गुस्सा निकाल रहे हैं। कोटली, मीरपुर, और ददियाल में पब्लिक ने पुलिस की कई गाड़ियों को आग के हवाले कर दिया। बाघ कस्बे में भी रेंजर्स और पाकिस्तानी फौज के जवान अवाम के गुस्से का निशाना बने। पाकिस्तान की हुकूमत बातचीत की दावत दे रही हैं लेकिन इस ऑफर में कितना खोट है, इसका सबूत इस्लामाबाद से आया। इस्लामाबाद प्रेस क्लब में एक प्रोटेस्ट मीटिंग बुलाई गई थी। इस मीटिंग में पी ओ के के कुछ लोग शामिल होने वाले थे और पत्रकारों को भी कवरेज के लिए बुलाया गया था लेकिन मीटिंग शुरू होते ही इस्लामाबाद पुलिस की टीम पहुंची और उसने वकीलों और पत्रकारों को बेरहमी से पीटना शुरू कर दिया। पुलिस ने प्रेस क्लब के भीतर घुसकर लोगों को पकड़-पकड़कर पीटा। प्रेस क्लब के कैफेटेरिया में तोड़-फोड़ की। पुलिस के जवान वहां से प्रोटेस्टर्स को उठा ले गए। इस्लामाबाद में पत्रकारों की पिटाई की तस्वीरों को तो पाकिस्तान की हुकूमत रोक नहीं पाई लेकिन पी ओ के की सड़कों पर बिछी लाशों की जो तस्वीरें मैंने आपको गुरुवार रात अपने शो "आज की बात" में दिखाई। वो हमने बड़ी मुश्किल से हासिल की हैं। पाकिस्तान की हुकूमत की पूरी कोशिश है कि पाकिस्तानी फौज की गोलियों की गूंज किसी को सुनाई न दे, बेगुनाह लोगों की मौत किसी को दिखाई न दे, पी ओ के में मीडिया के जाने पर पाबंदी है, इंटरनेट पर बैन लगा दिया गया है। पहले अवाम को रोकने के लिए कंटेनर्स लगाए गए, फिर बेहिसाब गोलियां बरसाईं गईं लेकिन लाशों का अंबार भी अवाम को रोकने में नाकाम रहा।

पी ओ के में लोकल मीडिया के लोगों ने जान पर खेलकर फौजी हैवानियत की तस्वीरें भेजी हैं। पाकिस्तान के मेनस्ट्रीम मीडिया से दिल दहलाने वाली ये तस्वीरें गायब हैं। पी ओ के के लोग पूछ रहे हैं कि कहां हैं वो लोग जो मोमबत्तियां जलाते थे? कहां हैं वो लोग जो इंसानियत के पैरोकार बनते थे? वेस्टर्न मीडिया को ये खून से सनी लाशें दिखाई क्यों नहीं देतीं? मुझे लगता है कि पी ओ के की आवाज को अब ज्यादा दिन दबाया नहीं जा सकेगा। बहुत जल्द शहबाज और मुनीर के जुल्म की तस्वीरें पूरी दुनिया देखेगी। दरअसल पाक के कब्जे वाले कश्मीर में नागरिक समस्याओं का अम्बार लगा हुआ है। यहां के लोगों को पर्याप्त रोजगार के अवसर तो सुलभ कराये जाते ही नहीं हैं साथ ही मूलभूत नागरिक सुविधाओं से भी वंचित रखा जाता है। बताया जाता है किपाकिस्तानी सेना और पुलिस आये दिन उन पर अत्याचार करती रहती है। यहां नामचारे के चुनाव कराये जाते हैं और चुन-चुन कर इस्लामाबाद अपने गुर्गों को पदों पर बैठाता रहता है। अतः अक्सर इस इलाके के लोग भारत के कश्मीर के लोगों की स्थिति से अपनी तुलना करते हैं तो उनमें भारी खिसियाहट पैदा होती है। क्योंकि भारत के कश्मीरी भारतीय संविधान के साये में खुली हवा में सांस लेते हैं और अपने नागरिक अधिकारों का इस्तेमाल करते हैं। जबकि पाकिस्तान के कश्मीरियों के लिए लोकतान्त्रिक तरीके से अपनी मांगों का इजहार करना भी दुष्कर होता है। इनके द्वारा जब भी कोई आन्दोलन होता है तो उसे पुलिस व सेना द्वारा कुचल दिया जाता है और जेलें भर दी जाती हैं। अतः कभी-कभी हमें ये खबरें भी पढ़ने को मिल जाती हैं कि पाक अधिकृत कश्मीर या 'पी ओ के' के लोगों ने भारत के समर्थन में नारे लगाये। पाकिस्तानी शासक अपने कब्जे वाले कश्मीर में मानवीय अधिकारों को जिस तरह अक्सर रौंदते हैं उसका मुकाबला केवल सैनिक शासन वाले देशों से ही हो सकता है जबकि पाकिस्तान में कहने को लोकतन्त्र है। ताजा हालात ये हैं कि पीओके में पिछले कुछ दिनों से क्षेत्र की परिस्थितियों में सुधार व बेहतर सार्वजनिक सुविधाओं की मांग को लेकर इलाके की संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी हड़ताल या आन्दोलन कर रही है । अब तो इस आन्दोलन को समाप्त करने के लिए पाकिस्तानी शासकों ने सारी हदें पार कर डाली हैं और लोगों पर सरेआम पुलिस गोलियों की बौछार कराई जा रही है । आन्दोलन जब हिंसक हो गया तो तीन पुलिस वाले भी गुस्से का निशाना बने और हलाक हो गये। ये तो सरकारी आंकड़े हैं जबकि गैर सरकारी आंकड़े इससे बहुत ज्यादा बताये जा रहे हैं। एक्शन कमेटी के आह्वान पर पूरे इलाके में सभी तिजारती इदारे बन्द रहे और संचार व्यवस्था भी ठप्प रही।

कोल्ड्रिफ सिरप पर हाहाकार

तमिलनाडु की श्रीसन फार्मा कंपनी के कोल्ड्रिफ सिरप में खतरनाक केमिकल डाईएथिलीन ग्लाइकॉल (डीईजी) पाया गया है। तमिलनाडु, मध्य प्रदेश और केरल ने इस पर प्रतिबंध लगा दिया है। मध्य प्रदेश और राजस्थान में 14 बच्चों की मौत की नींद सुलाने के बाद कोल्ड्रिफ कफ सिरप पर बड़े सवाल उठने लगे हैं। तमिलनाडु के सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन ने कांचीपुरम की श्रीसन फार्मा कंपनी के 'कोल्ड्रिफ ' कफ सिरप के सैंपल लेकर जब जांच-पड़ताल की तो इसमें खतरनाक केमिकल डाईएथिलीन ग्लाइकॉल पाए जाने की पुष्टि हुई हैं। यह वही कफ सिरप है, जिसके पीने से मध्यप्रदेश और राजस्थान में 14 बच्चों की मौत हो चुकी है, कई बच्चे अब भी इस सिरप से प्रभावित बताए जा रहे हैं। तमिलनाडु, मध्य प्रदेश, राजस्थान और केरल सरकार ने इस पर बैन लगा दिया है। कई राज्यों ने भी जांच के आदेश दिए हैं। कोल्ड्रिफ कफ सिरप के कारण कई बच्चों की किडनी में इंफेक्शन फैला, जिसके बाद उनकी मौत हो गई। लापरवाही को देखते हुए मध्य प्रदेश सरकार ने छिंदवाडा जिले के डाक्टर को निलंबित कर दिया है। राजस्थान में एक और कफ सिरप और उसकी कंपनी को प्रतिबंधित किया गया है। यह भी राज्य सरकार ने लापरवाही बरतने पर स्वास्थ्य महकमें के जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कड़ा एक्शन लिया है। उत्तराखंड में भी कफ सिरप की जांच के लिए छापेमारी शुरू हो गई है। इस सिरप के पीने के बाद अब तक 14 बच्चों की मौतें हो चुकी हैं। कोल्ड्रिफ कफ सिरप में डाइएथिलीन ग्लाइकॉल की उच्च मात्रा पाई गई है। अधिकारियों ने बताया कि इस सिरप में 48.6 प्रतिशत डाइएथिलीन ग्लाइकॉल पाया गया, जो कि बेहद खतरनाक है। यह स्वास्थ्य विभाग के मानकों के खिलाफ है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सभी राज्यों को बच्चों के लिए खांसी की दवाओं का इस्तेमाल बहुत सोच-समझकर करने की सलाह दी है। मंत्रालय ने अपनी एडवाइजरी में साफ-साफ कहा है कि दो साल से छोटे बच्चों को किसी भी प्रकार का कफ सिरप नहीं दिया जाना चाहिए। पांच साल से कम उम्र के बच्चों के लिए भी सामान्य रूप से इन दवाओं से परहेज करना चाहिए। विशेषज्ञों का मानना है कि ज्यादातर बच्चों की खांसी बिना किसी दवा के भी ठीक हो जाती है। इसलिए, बच्चों को दवा देने से पहले पानी पिलाना, उन्हें आराम देना और दूसरे सहायक इलाज को प्राथमिकता देनी चाहिए। राजधानी दिल्ली की सरकार भी अब पूरी तरह से अलर्ट पर है। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज सिंह ने बताया कि यह मामला बहुत गंभीर है। इसलिए, केंद्र सरकार ने जो एडवाइजरी जारी की है, उसे दिल्ली में भी पूरी तरह से लागू करने के निर्देश हैं। अब दो साल से कम उम्र के बच्चों को खांसी की यह दवा नहीं दी जाएगी। इसके साथ ही, बाजार में एक खास कंपनी के कफ सिरप की खरीद पर भी पूरी तरह से रोक लगा दी गई है। गुजरात सरकार ने भी राज्य में बिक रही कफ सिरप में किसी हानिकारक तत्व की मौजूदगी का पता लगाने को जांच का आदेश दिया है। गुजरात के स्वास्थ्य मंत्री ऋषिकेश पटेल ने कहा कि बच्चों की मौत के बाद जांच के दायरे में आयीं कंपनियां सरकारी स्वामित्व वाली दवा खरीद इकाई गुजरात मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन लिमिटेड (जीएमएससीएल) की 'खरीदार सूची' में नहीं हैं। इसलिए इसका इस्तेमाल करने वालों पर कार्रवाई होगी।

तेल से दवाइयों तक भारत के साथ खड़ा रूस

महेन्द्र तिवारी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए टैरिफ ने वैश्विक व्यापार और कूटनीति में नई हलचल मचा दी है, लेकिन भारत और रूस के रिश्तों के संदर्भ में इसने एक अलग ही तस्वीर पेश की है। भारत पर ट्रंप प्रशासन ने 50 प्रतिशत का भारी टैरिफ लगाया, जिससे यह अनुमान लगाया जा रहा था कि भारत को झुकना पड़ेगा और वह रूस से तेल आयात कम कर देगा। अमेरिकी सोच यह थी कि इस दबाव से रूस कमजोर पड़ेगा और यूक्रेन युद्ध जैसी परिस्थितियों में उसे झटका लगेगा। लेकिन यह रणनीति उल्टी पड़ गई है। भारत और रूस की दोस्ती ने अमेरिकी उम्मीदों को गलत साबित करते हुए और अधिक मजबूती हासिल की है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने साफ संकेत दिए हैं कि उनकी सरकार भारत को टैरिफ से होने वाले नुकसान की भरपाई करेगी। सोची स्थित ब्लैक सी रिसॉर्ट में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय वल्दाई चर्चा मंच में दुनिया के करीब 140 देशों के सुरक्षा और भू-राजनीतिक विशेषज्ञों की मौजूदगी में पुतिन ने भारत-रूस संबंधों की गहराई पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच कभी कोई गंभीर विवाद नहीं रहा और हमेशा आपसी संवेदनशीलताओं का सम्मान किया गया है। पुतिन ने विशेष रूप से इस तथ्य की सराहना की कि भारत ने अमेरिकी दबाव के बावजूद रूस से तेल आयात जारी रखा है। उनके मुताबिक, यह भारत की संप्रभुता और आत्मनिर्भर नीति का परिचायक है। पुतिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भी खुलकर प्रशंसा की। उन्होंने मोदी को अपना मित्र बताते हुए उन्हें एक संतुलित, बुद्धिमान और राष्ट्रहितैषी नेता बताया। पुतिन ने कहा कि वे मोदी के साथ रिश्तों में सहज महसूस करते हैं और भरोसा करते हैं कि भारत कभी किसी बाहरी दबाव के आगे झुकेगा नहीं। भारत के लोगों के आत्मसम्मान की ओर इशारा करते हुए पुतिन ने कहा कि भारतीय अपने अपमान को कभी स्वीकार नहीं करते और यह भावना उनके राजनीतिक निर्णयों में भी झलकती है। अमेरिकी टैरिफ के संदर्भ में पुतिन का कहना था कि इससे भारत को जो नुकसान होगा, उसकी भरपाई रूस करेगा। उन्होंने कहा कि रूस भारत से अधिक कृषि उत्पाद और दवाइयां खरीदने को तैयार है। यह कदम दोनों देशों के बीच व्यापार असंतुलन को दूर करने की दिशा में भी मदद करेगा। वर्तमान में भारत रूस से बड़े पैमाने पर कच्चा तेल आयात करता है, जिससे व्यापार का संतुलन रूस के पक्ष में चला जाता है। इस असंतुलन को ठीक करने के लिए रूस अब भारत से फार्मास्यूटिकल और एग्रीकल्चरल उत्पादों की खरीद बढ़ाएगा। पुतिन ने यह भी स्पष्ट किया कि उनका यह निर्णय किसी राजनीतिक पहलू से प्रेरित नहीं है, बल्कि पूरी तरह आर्थिक कैलकुलेशन पर आधारित है। अगर भारत अमेरिकी दबाव में आकर रूसी संसाधनों से दूरी बनाता है, तो उसका आर्थिक नुकसान और बढ़ेगा।

अलग-अलग आकलनों के मुताबिक, भारत को 9 से 10 बिलियन डॉलर तक का नुकसान हो सकता है। पुतिन ने कहा कि इस स्थिति में भारत न केवल आर्थिक रूप से बल्कि घरेलू राजनीति में भी दबाव का सामना करेगा, क्योंकि भारतीय जनमानस अपनी संप्रभुता और सम्मान से कभी समझौता नहीं करता। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने हाल ही में भारत की पेटेंट दवाओं पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा की थी, जबकि जेनेरिक दवाओं को इससे बाहर रखा गया। इस निर्णय से भारत को दवा निर्यात के क्षेत्र में झटका लग सकता है। ऐसे में रूस द्वारा भारतीय दवाओं की बड़ी मात्रा में खरीद एक संतुलनकारी कदम होगा। पुतिन ने कहा कि रूस इस दिशा में ठोस उपाय करने के लिए तैयार है। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि दोनों देशों के बीच सहयोग की अपार संभावनाएं हैं, लेकिन वित्तपोषण, रसद और भुगतान जैसी तकनीकी बाधाओं को दूर करना जरूरी है। पुतिन का भाषण यह भी याद दिलाता है कि भारत और रूस के रिश्ते कोई हालिया गठजोड़ नहीं हैं, बल्कि दशकों पुराने ऐतिहासिक संबंधों की नींव पर खड़े हैं।

शरद पूर्णिमा का वैज्ञानिक-अध्यात्मिक महत्व

डा. विनोद बब्बर

शरद हमारी जिजीविषा का प्रतीक है। तभी तो मौसम का राजा बसंत है लेकिन लम्बे जीवन की कामना करते हमारे पूर्वजों ने सौ बसंत नहीं, सौ शरद मांगे। पूरा वैदिक वाङ्मय सौ शरद का उद्‌घोष करते हुए कहता है- जीवेम्‌ शरदः शतम्‌। कर्म करते हुए सौ शरद जीवित रहें। जीवन में राग, रस-रंग का प्रतीक तो बसंत है। पर उसके संघर्ष का प्रतीक तो शरद ही है। पूरे साल में सिर्फ एक रोज ही शरद पूर्णिमा का चांद सोलह कलाओं वाला होता है। कहते हैं चन्द्रमा से उस रोज अमृत बरसता है, इसलिए शरद अमरत्व का प्रतीक भी है। आध्यात्मिक दृष्टि से देखा जाये तो चन्द्र का मतलब है शीतलता। बाहर कितने भी परेशान करने वाले प्रसंग आयें लेकिन हमारा मन-मस्तिष्क ऐसा मजबूत हो कि सांसारिक बाधाएं, व्याधियां, कठिनाइयां हमें विचलित न कर सकें। यूं तो हर माह में पूर्णिमा आती है लेकिन शरद पूर्णिमा का महत्व सर्वाधिक है। वर्षा ऋतु की जरावस्था और शरद ऋतु के बाल रूप का यह सुंदर संयोग हर किसी का मन मोह लेता है। कारण स्पष्ट है- आकाश में न बादल, न ही धूल-गुबार, यानी एकदम साफ़।

ऐसे में पूर्ण चन्द्रमा की छटा निराली होती है। इसीलिए इसे उल्लास और मस्ती से भरने वाली चमचमाती, खिलखिलाती रात कहा गया है। हमारे धर्म ग्रंथों में भी इस पूर्णिमा को विशेष बताया गया है। माना जाता है कि समृद्धि वैभव की देवी लक्ष्मी का जन्म शरद पूर्णिमा के दिन हुआ था। आश्विन मास की इस पूर्णिमा को आदिकवि महर्षि वाल्मीकिजी की जयन्ती भी मनाई जाती है। यह सर्वे ज्ञात है कि महर्षि वाल्मीकि ने भगवान राम के जन्म से पूर्व ही रामायण की रचना की।माता जानकी उन्हीं के आश्रम में रही जहां उन्हें लव और कुश के रूप में दो पुत्रों का जन्म हुआ। ऋषि ने उन बालकों को अनेक विधाओं से परिपूर्ण बनाया। आश्विन मास की पूर्णिमा को शरद पूर्णिमा, रास पूर्णिमा, कोजागरी भी कहते हैं। इस रात्रि चन्द्रमा पृथ्वी के बहुत नजदीक होता है और उसकी उज्ज्वल किरणें पेय एवं खाद्य पदार्थों में पड़ती हैं तो उसे खाने वाला व्यक्ति वर्ष भर निरोग रहता है। उसका शरीर पुष्ट होता है। भगवान श्रीकृष्ण ने गीता के अध्याय15 के श्लोक 13 कहा भी गया हैः- पुष्णामि चौषधीः सर्वाः सोमो भूत्वा रसात्मकः।

अर्थात्रसस्वरूप अर्थात अमृतमय चन्द्रमा होकर सम्पूर्ण औषधियों को अर्थात वनस्पतियों को पुष्ट करता हूँ। इस दिन को कोजागरी पूर्णिमा कहने के पीछे कथा है कि शरद पूर्णिमा की रात्रि माँ लक्ष्मी आसमान में भ्रमण हुए पूछती है कि 'कौ जाग्रति'। यानी वह उन लोगों की सूची बनाती हैं जो रात में जाग रहे होते है। संस्कृत में 'कौ जाग्रति' का मतलब होता है की 'कौन जाग रहा है'।

जो भक्तजन शरद पूर्णिमा की रात्रि में जाग रहे होते हैं उन्हें देवी लक्ष्मी अपना आशीर्वाद प्रदान कर उनका कल्याण करती हैं तथा जो सो रहा होता है वहां महालक्ष्मी नहीं ठहरतीं। इसीलिए लोग जागकर चंद्रमा को अर्घ्य देते हैं । शरद पूर्णिमा को रासलीला की रात भी कहते हैं। धर्म शास्त्रों के अनुसार शरद पूर्णिमा की रात को ही भगवान श्रीकृष्ण ने गोपियों के साथ रास रचाया था।

शरद पूर्णिमा का मनोवैज्ञानिक पक्ष देखा जाए तो यही वह समय होता है जब मौसम में परिवर्तन की शुरुआत होती है और शीत ऋतु का आगमन होता है। इस दिन चन्द्रमा हमारी पृथ्वी सबसे करीब होता है। धान आदि की फसल अपने यौवन पर होती है अतः इस दिन किसान देविया शक्तियों से अच्छी फसल की कामना करते हुए उनसे आशीर्वाद मंगाता है। भारत के पूर्वोत्तर भागों विशेष रूप से बंगाल और उड़ीसा में इस दिन कुमारी कन्याएं प्रातः काल स्नान करके सूर्य और चन्द्रमा की पूजा करती हैं। माना जाता है कि इससे उन्हें योग्य पति की प्राप्त होती है। संक्षेप में कहें तो सभी अपने- अपने ढंग से स्वस्थ तन, प्रसन्न मन के साथ-साथ समृद्धि और धन चाहते हैं। यहां भी स्मरणीय है कि शरद पूर्णिमा के अगले दिन से कार्तिक का महीना आरंभ होता है जिसके चौथे दिन करवा चौथ, तत्पश्चात अहोई, तेरह को धनतेरस, अमावस्या को भारतवंशियों का सबसे प्रसिद्ध त्यौहार दिवाली, अगले दिन गोवर्धन पूजा, फिर भैया दूज सहित अनेक त्यौहार होते हैं। कार्तिक स्नान को विशेष महत्व है तो कार्तिक पूर्णिमा को गुरु नानकदेव जी का जन्मदिन, गंगास्नान, कार्तिक पूर्णिमा के नाम से पूरे भारत में मनाया जाता है।

ऐसा माना जाता है कि इस दिन चंद्रमा की किरणें विशेष अमृतमयी गुणों से युक्त रहती है। कहा जाता है कि लंकाधिपति रावण शरद पूर्णिमा की रात प्राप्त होने वाली अमृतमयी किरणों को अपनी नाभि पर ग्रहण कर प्राण ऊर्जा संचय करता था जिससे उसे पुनर्यौवन शक्ति प्राप्त होती थी। यह उन अमृतमयी किरणों का प्रभाव है कि अनेक रोग नष्ट हो जाते हैं। यही कारण है कि शरद पूर्णिमा की रात को लोग अपने घरों की छतों पर खीर रखते हैं जिससे चंद्रमा की किरणें उस खीर के संपर्क में आती है।

विज्ञान भी इस बात को स्वीकारता है कि दूध में लैक्टिक अम्ल और अमृत तत्व होता है। यह तत्व किरणों से अधिक मात्रा में शक्ति का शोषण करता है। चावल में स्टार्च होने के कारण यह प्रक्रिया आसान हो जाती है।

इससे जीवनदायिनी ऊर्जा प्राप्त होने से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। धवल चंद्र से अमृत ग्रहण करने वाली खीर में कुछ जड़ी बूटियां को मिलाकर लेने से सांस के रोगों से मुक्ति मिलती है। इसलिए इस दिन देश के विभिन्न भागों में बड़े-बड़े आयोजन होते हैं जहां जरूरतमंद रोगियों को खीर के साथ दवा निशुल्क प्रदान की जाती है।

विरोध के बाद भी 76 साल की उम्र में डी राजा फिर सीपीआई मुखिया बने !

रामस्वरूप रावतसरे

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) का 25वां राष्ट्रीय अधिवेशन हाल ही में चंडीगढ़ में संपन्न हुआ। इसमें वरिष्ठ नेता डी राजा को तीसरी बार पार्टी का महासचिव चुना गया। ये अधिवेशन 21 से 25 सितंबर 2025 तक चंडीगढ़ में राष्ट्रीय कार्यक्रम के तहत हुआ। इसमें देशभर से 800 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

इससे पहले मदुरै कॉन्ग्रेस में जब उन्हें दूसरी बार महासचिव चुना गया तब उन्होंने कहा कि अगली बार वे 75 साल के हो चुके होंगे और पार्टी उनको तीसरी बार महासचिव नहीं चुनेगी लेकिन तीसरी बार उनके चयन के बाद पार्टी के अंदर कई तरह की चर्चा शुरू हो गई। पार्टी के अंदर केरल और कुछ छोटे राज्यों की कई इकाइयों ने 75 वर्ष की आयु सीमा को सख्ती से लागू करने की माँग की थी लेकिन 76 वर्ष के हो चुके राजा को अपवाद के तौर पर फिर चुना गया।

सीपीआई इस वर्ष अपनी शताब्दी मना रही है। इसी साल पार्टी ने बड़े पदों पर नेतृत्व के लिए 75 वर्ष की आयु सीमा तय की थी लेकिन इस अधिवेशन में 'निरंतरता बनाए रखने' के नाम पर इस नियम को दरकिनार कर दिया गया। राजा ही नहीं, केंद्रीय नियंत्रण आयोग के अध्यक्ष चुने गए के नारायण भी 75 वर्ष की आयु सीमा से ऊपर हैं। गौरतलब है कि सीपीआई वही पार्टी है जिसने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर 'रिटायरमेंट' का प्रोपेगेंडा यह कहते हुए चलाया था कि 75 पार नेता को पद छोड़ देना चाहिए। इसके बाद खुद की पार्टी में ये निर्णय लिए जाने के बाद पार्टी खुद ही सवालों के घेरे में आ गई है। विपक्षियों का कहना है कि क्या यह नियम सिर्फ दूसरों पर लागू होता है?

जानकारी के अनुसार पार्टी में महासचिव पद के लिए पहले अमरजीत कौर का नाम सामने आया था। अगर उन्हें चुना जाता तो वह भारत में किसी वामपंथी पार्टी की पहली महिला प्रमुख होतीं लेकिन ऐसा नहीं हुआ। पार्टी के शीर्ष पदों पर अब भी 70 से अधिक आयु के नेता ही बने हुए हैं। जब पार्टी कॉन्ग्रेस में नए नेशनल काउंसिल और नियंत्रण आयोग के नाम प्रस्तुत किए गए तो डी राजा के चयन के बाद अधिवेशन में केरल के सीपीआई नेता राजाजी मैथ्यू थॉमस और दिल्ली इकाई के सचिव दिनेश वर्शनेय ने सार्वजनिक तौर पर राजा को दी गई छूट का विरोध किया। थॉमस ने तो मंच पर चढ़कर अपना विरोध दर्ज कराया।डी राजा सीपीआई के पहले दलित महासचिव हैं। उनसे पहले सुधाकर रेड्डी महासचिव के पद पर थे। रेड्डी ने स्वास्थ्य कारणों से इस्तीफा दिया तो 2019 में महासचिव पद संभाला था। इसके बाद उन्हें 2022 में विजयवाड़ा में हुए पार्टी कॉन्ग्रेस में फिर से चुना गया। मदुरै की पार्टी कॉन्ग्रेस में 75 वर्ष की आयु सीमा को लागू किया जाने के बाद प्रकाश करात, बृंदा करात, सूर्यकांत मिश्रा, सुभाषिनी अली, माणिक सरकार और जी रामकृष्णन जैसे वरिष्ठ नेता पोलित ब्यूरो से हट गए थे लेकिन उस समय भी केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन को अपवाद के तौर पर 79 वर्ष की आयु में पोलित ब्यूरो में जगह मिली। इसके पीछे राज्य में अगले वर्ष होने वाले चुनावों को कारण बताया गया था।

जानकारों के अनुसार सीपीआई के राष्ट्रीय सम्मेलन से पहले नेतृत्व को लेकर काफी बहस हुई। केरल और कुछ अन्य राज्यों की इकाइयाँ आयु सीमा को सख्ती से लागू करने के पक्ष में थी। वहीं उत्तर भारत के बिहार जैसी कुछ इकाइयाँ राजा को छूट देने के पक्ष में थी। दिल्ली में पार्टी का सबसे प्रमुख चेहरा होने के कारण राजा को समर्थन मिला।

वामपंथी दलों की राजनीति में सीपीआई असल में दो चेहरे लिए है। विचारधारा के स्तर पर पार्टी समानता, भागीदारी और सामाजिक न्याय की बात करते हैं लेकिन जब बात अपने संगठन की आती है तो वही पुराना नेतृत्व, वही चेहरे और वही ढाँचा बनाए रखते हैं। बात महिला राजनेताओं की हों तो सीपीआई और सीपीआई(एम) जैसे दलों में महिला महासचिव आज तक नहीं बनीं। अमरजीत कौर जैसी वरिष्ठ नेता का नाम महासचिव पद के लिए सामने तो आया लेकिन उन्हें शीर्ष पद नहीं दिया गया। इन दलों में महिला कार्यकर्ताओं की भूमिका जमीनी आंदोलनों तक सीमित है, नेतृत्व के आधार पर उन्हें स्वीकार नहीं किया जाता।

आज भी शीर्ष पदों पर पुराने नेताओं का ही बोलबाला है फिर चाहे महासचिव की बात हो तो 76 वर्षीय डी राजा के साथ, 82 वर्षीय एमए बेबी और 70 वर्ष से अधिक दीपांकर भट्टाचार्य जैसे नेता दशकों से शीर्ष पदों पर बैठे हैं। पार्टी की तय आयु सीमा को 75 वर्ष को खुद ही तोड़ा गया, फिर भी महासचिव की बारी आई तो इसे अपवाद बता दिया गया।

वामपंथी दल सत्ता पक्ष पर तो लोकतंत्र, जवाबदेही और भागीदारी के सवाल जोर शोर से उठाते हैं लेकिन खुद की पार्टी में न आंतरिक लोकतंत्र दिखता है और न नेतृत्व परिवर्तन की परंपरा नजर आती है। युवा और महिला कार्यकर्ताओं को तो सिर्फ नारे लगाने, स्टेज और दरी बिछाने तक सीमित रखा गया है।

आदमी और जानवर

डॉ. सुरेश कुमार

सरकारी दफ्तर की पीली रोशनी में टेबल पर दो फाइलें चुपचाप पड़ी थीं। एक आदमी राजकुमार चौहान की थी, दूसरी उसकी गाय 'रानी' की। दोनों ने एक ही दिन दम तोड़ा, दोनों की मौत का कारण एक ही- भूख और उपेक्षा; बस मरण का समाजीकरण अलग। बाबू ने आदमी की फाइल खोलकर लिखा- ''अवसाद से मृत्यु, उनके जीने का कोई औचित्य नहीं बचा था।'' वही रानी के पृष्ठ में लिखा गया- ''नंदी समिती जवाबदार, कैल्शियम की दवा न दी गई, गौ-पालन में लापरवाही।'' बाबू ने सिर झुकायाः ''इस देश में आदमी का भूखा मरना अपराध है, जानवर का भूखा मरना अपार संवेदना।''

चायवाले ने सुना तो बोला, ''सरकार आदमी के जीव की गिनती किस फॉर्म में करती है?'' बाबू थककर बोला, ''किसी सरकारी सर्वे में आदमी का जीव गिनना अपराध है, गाय का जीव तो सरकारी सूची में 'राष्ट्रीय गौरव' है।'' बाहर दरवाज़े के पास राजकुमार की माँ बैठी थीं—फटी चप्पल, हाथ फैला। कोई सुनता नहीं, जैसे देश की आत्मा फाइलों में बंद किसी चुनावी रजिस्टर में रुद्ध है।

घर लौटो तो सरकार मरने की खबर अखबारों में छपवाती है। आदमी-मिट्टी में, गाय—चित्रफलक पर, फाइल-दराज में। जीवन का थका हुआ क़दम आज सरकारी दस्तावेज़ से बाहर नहीं जाता। पुराने मोहल्ले में तूफ़ान सा एक शोर-सा फैला था। ''राजकुमार की भाभी कह रही थी, आदमी की मौत पर कोई मोमबत्ती नहीं जली, गाय के चबूतरे पर सैकड़ों लोग फूल रखने आ गए।'' गाँव के पुजारी ने कहा—''जानवर आज आदमी से ज़्यादा किस्मत वाले हैं। आदमी मरता है तो बरामदे में ट्रेजरी का मुँह ताकता है, जानवर मरता है तो मंदिर के घंटों के नीचे श्रद्धा बँट जाती है।'' गाँव के बच्चे स्कूल गए, मास्टर जी बोले-''बच्चों, अगर किसी दिन गाय आदमी हो जाये, या आदमी गाय, तो उसकी आत्मा कहाँ जाएगी?'' सारे बच्चे हँस पड़े, फिर एक बच्चा रो पड़ा। गाँव के सबसे बूढ़े बुज़ुर्ग ने सुन लिया, छोटे से हाथ को थामा, पूछा-''क्या हुआ बच्चा?'' बच्चा बोला-''दादा, मेरे पापा रोते हैं, उनका कोई जीव सरकारी फाइल में मिलता नहीं।'' बूढ़े ने आकाश देखा, गीत गाया— ''सुन रे जीव, सरकार में तेरा कोई नाम नहीं, तेरा दुख किसी नोटशीट में नहीं लिखा जाता।''

शहर की अदालत में आज नया केस आया था। ''राजकुमार की आत्मा गुम हो गई है, उसकी तलाश का सरकारी नोटिस जारी हो गया।'' वकील बोले-''जनाब, आदमी के जीव का मानदंड क्या है?'' सरकारी वकील बोला- ''आदमी का जीव कभी वोटर लिस्ट में भटका रहता है, कभी बेघर रजिस्टर में, कभी अस्पताल की डिस्चार्ज स्लिप पर।'' जज ने गाय की फाइल खोली, लिखा-''सरकारी स्तर पर संवेदना बड़ी चीज़ है।''

राजकुमार की माँ अदालत में खड़ी रहीं, आँसू उनकी आँखों से टपकते रहे। अदालतें गवाह मांगती रहीं, भावनाएँ ठंडी कागज़ पर आरोप बन जाती रहीं। जानवर की मौत पर देश के संविधान बदलने को तैयार है, आदमी की मौत बस फाइल में गुम हो जाती है। कौन जाने किस कागज़ पर किसका जीव दर्ज है।

गाँव की चौपाल पर फिर चर्चा शुरू हुई-''जानवर की भूख सरकार के लिए राष्ट्रीय समस्या है, आदमी की भूख सांख्यिकी डेटा।'' एक बालक आवाज़ में ताजगी लाकर बोला-''मेरे पापा कहते हैं, स्कूल जाने के लिए रोटी होना ज़रूरी है, बाक़ी पढ़ाई तो फाइल में रह गई।'' गाँव के मास्टर ने दर्द भरी धुन में कहा-''बेटा, इस देश में आदमी अगर भूखा रह जाए तो उसकी खबर बस चुनावी मसाला बनाकर छपती है।'' गाँव की स्त्रियाँ भीतर ही भीतर रोती हैं, जानवर के बाद आदमी का मरना उन्हें झकझोर दे रहा है—''मरना कोई अपराध नहीं, बस आदमी के मरने पर कोई जाँच समिति नहीं बनती।'' सबकी आंखें नम थीं, जैसे रात के तारों में भी कोई पूछ रहा हो—''कहाँ है राजकुमार का जीव?'' जवाब कहीं नहीं। शहर की सरकारी चौकी पर रात की परेड चल रही थी। एक गड़बड़झाले में नंगा आदमी भीड़ में रोता रहा, ''मेरी गाय का इलाज नहीं मिला, मेरी आत्मा कहाँ जाए?'' पास खड़ी गाय की मूर्ति बेजान थी, उसका जीव किसी सरकारी लिस्ट में था, आदमी का जीव अब कविता में या अख़बार के कॉलम में था।

एक बूढ़ा फटे कपड़े में बैठा बुदबुदाया—''जानवर बनने के बाद इंसान कोई ताकत नहीं रखता, इंसान बनने के बाद जानवर सारी ताकत खो देता है।'' सरकार तय कर रही थी, ''आदमी अगर मर जाए तो उसकी आत्मा खोजने में टैक्स लगता है, जानवर अगर मर जाए तो श्रद्धांजलि बजट पास होता है।'' कुत्ते की आंधी में पसरी तन्हाई में सबका दर्द एक जैसा था-आदमी के जीव की कोई कदर नहीं, बस गाय या कुत्ते की खबर सुबह की हेडलाइन बनती है।

शाम का उदास सूरज कभी-कभी जिंदगी से भी गहरा दर्द देता है। गाँव के डाकघर के बाहर दो पोते बैठे थे, दादा का चेहरा बह गया था-''बच्चो, आदमी की मौत गुमनामी का उत्सव है, जानवर की मौत सरकारी अवकाश।'' पोते ने देखा- ''दादा, आप रो क्यों रहे हो?'' दादा बोले- ''बेटा, मुस्कान में दर्द छुपा है, यहाँ आदमी के जानवर बन जाने का डर भी है, और जानवर का आदमी हो जाने की बेचैनी भी।'' दूर से एक गाय बगैर आवाज़ के चली गई, एक आदमी सड़क पर गुमसुम सा भागा, कोई आवाज नहीं, कोई फरियाद नहीं।

अमृत बरसाती चंद्रमा का श्वेत उत्सव

सुरेश गांधी

भारतीय संस्कृति में चंद्रमा का विशेष स्थान है। वह केवल आकाशीय पिंड नहीं, बल्कि काव्य का प्रेरणास्रोत, प्रेम का प्रतीक, औषधियों का अधिपति और जीवन का अमृत माना गया है। वर्ष में बारह पूर्णिमाएं आती हैं, लेकिन शरद पूर्णिमा उन सबमें सर्वोपरि मानी जाती है। वैसे भी भारतीय जीवनदर्शन में हर ऋतु, हर पर्व और हर तिथि का अपना गहरा महत्व है। यह वह क्षण है जब आकाश में चंद्रमा सोलह कलाओं से युक्त होकर सम्पूर्ण सौंदर्य और आभा बिखेरता है। पुराणों में वर्णित अमृत मंथन की स्मृति से लेकर श्रीकृष्ण के महारास तक, और आयुर्वेद से लेकर आधुनिक विज्ञान तक, शरद पूर्णिमा का आकर्षण केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सामाजिक, सांस्कृतिक और वैज्ञानिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

भारतीय साहित्य में चंद्रमा को सौंदर्य, प्रेम और शांति का प्रतीक माना गया है। कालिदास ने मेघदूत, 'ऋतुसंहार' और रघुवंश में चंद्रमा की आभा का अद्भुत वर्णन किया है। "प्राचीमुदेति सुभगा शरदिन्दुबिम्बा।" संत कवियों ने शरद पूर्णिमा को भक्ति और प्रेम का उत्सव कहा है। सूरदास के पदों में महारास की झलक मिलती है। तुलसीदास ने भी चंद्रमा को सुख और शांति का प्रतीक बताया है। "जैसे शरद निसि चंद चकोरहि, भए प्रेम बस रहहिं न होरहि।। **मीरा ने कृष्ण रास की स्मृति में गाया :** "आज शरद की चांदनी में, नाचो री गोपिका संग श्याम।।" इन साहित्यिक संदर्भों से स्पष्ट है कि शरद पूर्णिमा केवल धार्मिक नहीं, बल्कि काव्य, कला और सौंदर्य का भी पर्व है। मतलब साफ है यह पर्व हमें बताता है कि पूर्णता का क्षण जीवन में तभी आता है, जब हम संतुलन, जागरण और प्रेम के मार्ग पर चलते हैं। शरद पूर्णिमा केवल आस्था का पर्व नहीं, बल्कि यह प्रकृति और मानव जीवन का उत्सव है। यह हमें याद दिलाती है कि, जागरण ही समृद्धि का मार्ग है। प्रेम ही भक्ति का स्वरूप है। संतुलन ही जीवन का आधार है। चंद्रमा की शीतल किरणों में स्नान करते हुए यह रात हमें बताती है कि जीवन में शांति, संतोष और प्रेम ही वास्तविक अमृत हैं। यह पर्व केवल धार्मिक अनुष्ठान भर नहीं है, बल्कि भारतीय जीवनदर्शन का दर्पण है, जिसमें प्रकृति, स्वास्थ्य, भक्ति, प्रेम, साहित्य और लोकगीत सब एक साथ समाहित हो जाते हैं।

शुभ मुहूर्त - शरद पूर्णिमा इस वर्ष 6 अक्टूबर, सोमवार को है। पूर्णिमा तिथि प्रारंभ : 6 अक्टूबर प्रातः 08:15 बजे, पूर्णिमा तिथि समाप्ति : 7 अक्टूबर प्रातः 05:20 बजे. इस दिन चंद्रमा मीन राशि में और रेवती नक्षत्र में गोचर करेगा। ज्योतिषाचार्यों का मत है कि यह संयोग धन-समृद्धि, सुख और मानसिक शांति का वाहक होता है। ज्योतिषीय दृष्टि से यह संयोग धन, शांति और समृद्धि का कारक है। यही कारण है कि शास्त्रों में इस पूर्णिमा को "सर्वसिद्धिदायिनी" कहा गया है।

चंद्रमा और अमृत वर्षा का रहस्य

भारतीय लोकविश्वास के अनुसार शरद पूर्णिमा की रात चंद्रमा से अमृत बरसता है। चंद्रमा औषधियों का अधिपति है, और इस रात उसकी किरणें विशेष रूप से स्वास्थ्यवर्धक होती हैं। इसी विश्वास के कारण इस दिन खीर बनाकर खुले आकाश तले रखी जाती है। रात्रि में वह खीर चंद्रकिरणों से अमृततुल्य हो जाती है। प्रातः इसे प्रसाद के रूप में ग्रहण किया जाता है, जो स्वास्थ्य के लिए शुभ माना जाता है। आयुर्वेद भी मानता है कि शरद ऋतु में चंद्रमा का शीतल और औषधीय प्रभाव शरीर में पित्त दोष को शांत करता है। इसलिए यह पर्व विज्ञान और आस्था के बीच सेतु का कार्य करता है।

पौराणिक मान्यताएं-शास्त्रों के अनुसार, जो व्यक्ति शरद पूर्णिमा की रात जागकर लक्ष्मी माता का पूजन करता है, उसके घर दरिद्रता प्रवेश नहीं करती। देवी इस रात विशेष रूप से जागरण करने वालों पर अपनी कृपा बरसाती हैं। ब्रजभूमि में इस दिन का नाम है रास पूर्णिमा। मान्यता है कि इसी रात भगवान श्रीकृष्ण ने यमुना तट पर गोपियों के साथ महारास रचाया था। यह दिव्य रास केवल प्रेम का प्रतीक नहीं, बल्कि आत्मा और परमात्मा के मिलन की अद्वितीय लीला है। संत कवियों ने इसे भक्ति की सर्वोच्च अवस्था बताया है। पुराणों में सोम नामक देवता का संबंध चंद्रमा से बताया गया है। सोम ही जीवन रस है, जो वनस्पतियों और औषधियों में प्रवाहित होता है। शरद पूर्णिमा की रात उस सोम का चरमोत्कर्ष होता है।

सांस्कृतिक और लोक परंपराएं

शरद पूर्णिमा केवल पूजा और उपवास का पर्व नहीं, बल्कि भारतीय लोकजीवन का भी हिस्सा है। ग्रामीण अंचलों में स्त्रियां कजरी गीत गाती हैं और चंद्रमा की आभा में समूह बनाकर नृत्य करती हैं। बंगाल में यह रात कोजागरी लक्ष्मी पूजा के रूप में मनाई जाती है। महाराष्ट्र और गुजरात में लोग जागरण करते हैं, ढोल-नगाड़ों के साथ लोकगीत गाए जाते हैं। काशी में लोग गंगा घाटों पर दीपदान करते हैं और चंद्रमा की पूजा करते हैं। इस प्रकार यह पर्व केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक जीवन का भी महत्वपूर्ण अंग है। ब्रजभाषा में एक कजरी : "आयो रे शरद पूनम कातिक, गगन घरे पूरन चंदा। सखियन संग रस बरसावै, श्याम करत नैया वंदा।। इन गीतों में लोकजीवन का उल्लास और भक्ति दोनों झलकते हैं।

ऋतु परिवर्तन और स्वास्थ्य की दृष्टि

शरद ऋतु वर्षा के बाद का शुद्ध काल है। आकाश निर्मल हो जाता है, हवा में ताजगी आ जाती है और चंद्रमा की शीतलता तन-मन को स्फूर्ति देती है। इस समय पित्त रोग अधिक बढ़ जाते हैं। चंद्रकिरणों से संचित खीर का सेवन पित्त दोष को शांत करता है। यही कारण है कि आयुर्वेद और लोकविश्वास दोनों में इसका विशेष महत्व है।

शरद पूर्णिमा हमें याद दिलाती है कि आकाश, प्रकृति और ऋतुचक्र हमारे जीवन का हिस्सा हैं। जब हम चंद्रमा की ओर देखते हैं, तो हमें यह भी सोचना चाहिए कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ आकाश और शुद्ध वातावरण कैसे बचाया जाए।

मानसिक स्वास्थ्य

आज के युग में तनाव और अवसाद सबसे बड़ी समस्या हैं। शरद पूर्णिमा की चांदनी में बैठना, ध्यान करना और परिवार संग समय बिताना मानसिक शांति देता है। यह पर्व हमें आत्मचिंतन और आंतरिक संतुलन की ओर ले जाता है।

वास्तु शास्त्र के उपाय बढ़ाए वैवाहिक जीवन में प्यार और घर की समृद्धि

वास्तु शास्त्र में हर वस्तु और उसकी दिशा का विशेष महत्व बताया गया है। घर के हर कोने में रखी वस्तु हमारे जीवन, रिश्तों और भाग्य पर प्रभाव डालती है। आज हम बात करेंगे पति-पत्नी के कमरे में हाथी का जोड़ा रखने से जुड़े वास्तु नियमों और उससे मिलने वाले लाभों के बारे में।

पति-पत्नी के कमरे में हाथी का जोड़ा

वास्तु शास्त्र में कहा गया है कि शयनकक्ष में हाथी की मूर्ति रखने से पति-पत्नी के बीच प्यार और सम्मान बढ़ता है। हाथी का जोड़ा वैवाहिक जीवन में स्थिरता, विश्वास और सौहार्द का प्रतीक माना जाता है।

तिजोरी के पास हाथी और लक्ष्मी मां की तस्वीर

शयनकक्ष के अलावा तिजोरी के दरवाजे पर सूंड उठाए हुए दो हाथी के बीच लक्ष्मी मां की बैठी हुई तस्वीर लगानी चाहिए। साथ ही तिजोरी वाले कमरे में क्रीम या ऑफ-व्हाइट रंग कराना शुभ माना जाता है। इससे घर-परिवार में सुख-समृद्धि बनी रहती है और आर्थिक स्थिति मजबूत होती है।

आर्थिक और मानसिक लाभ के उपाय

आर्थिक संकटों से बचने के लिए हाथी के पांव के नीचे की मिट्टी को कुएं में डालना शुभ होता है। वहीं, अगर आपके घर में पढ़ने-लिखने वाले बच्चों की या घर के किसी अन्य सदस्य की याददाश्त कमजोर हैं, तो इसे बढ़ाने के लिए उस मिट्टी को घी और पानी से सानकर 6 गोलियां बनाएं। इन गोलियों पर सिंदूर लगाएं और एक डिब्बी में रखकर कमरे की दक्षिण-पश्चिम दिशा में छिपाकर रख दें।

दुश्मनों पर विजय का उपाय

अगर आप अपने दुश्मनों पर विजय पाना चाहते हैं और बिना किसी झगड़े के सब सुलझाना चाहते हैं, तो हाथी के महावत को अंकुश का दान करें।

वास्तु शास्त्र के अनुसार, इन छोटे-छोटे उपायों को अपनाकर व्यक्ति जीवन में सुख, शांति और समृद्धि प्राप्त कर सकता है। अगर आप भी यहां बताई गई किसी समस्या से परेशान हैं, तो इम टिप्स को अपनाकर देख सकते हैं।

गुरु दक्षिणा की परिभाषा बदल देगी यह एक कहानी

दुनिया हमें यही सिखाती है कि जो हमें मिला है, उसे लौटाना चाहिए लेकिन जब हम एक गुरु के सामने खड़े होते हैं तो यह गणित ही टूट जाता है।

गुरु ने मुझे क्या दिया ? वास्तव में कुछ नहीं। गुरु का देने का मूल्य इस बात में है कि उन्होंने मुझसे क्या छीन लिया- मेरी अज्ञानता, मेरा दुख मेरा भय। उन्होंने वह सब हटा दिया। गुरु ने जो मुझे दिया वह मैं स्वयं था, मेरा स्वरूप जो सदा मेरे भीतर ही था।

अब प्रश्न यह है मैं बदले में क्या दूं ? सच्ची गुरु दक्षिणा यही है कि जो कुछ मैंने उनसे पाया, उसे उसी भावना और करुणा के साथ दूसरों तक पहुंचाऊं। जैसे एक दीपक दूसरे दीप को जलाता है-पहले दीपक की ज्योति कम नहीं होती लेकिन पूरी दुनिया में उजाला फैल जाता है।गुरु दक्षिणा कोई भौतिक वस्तु नहीं, यह एक प्रवाह है, एक धारा है। एक करुणा की नदी, जो हमारे माध्यम से बहती है। यह न तो हमसे शुरू होती है और न ही हम पर समाप्त होती है इसलिए केवल गुरु दक्षिणा देने की कोशिश न करें, स्वयं गुरु दक्षिणा बन जाएं।

आपका पूरा जीवन कृतज्ञता की एक परिपूर्ण अभिव्यक्ति बन जाए। हर श्वास, हर कदम, हर मुस्कान इस उपहार का उत्सव हो जो आपने गुरु से पाया। जो प्रकाश आपने उनसे पाया उसे ही दुनिया के लिए दीपक बना दें- बस यही एकमात्र गुरु दक्षिणा पर्याप्त है। न कुछ और चाहिए, न कुछ और संभव है।

कैसे एक राजा को संत ने समझाया असली जीवन का अर्थ

काशी के एक संत उज्जैन पहुंचे। उनकी प्रशंसा सुन उज्जैन के राजा उनका अशीर्वाद लेने आए। संत ने आशीर्वाद देते हुए कहा, "सिपाही बन जाओ।"

यह बात राजा को अच्छी नहीं लगी। दूसरे दिन राज्य के प्रधान पंडित संत के पास पहुंचे। संत ने कहा, "अज्ञानी बन जाओ।"

पंडित नाराज होकर लौट आए। इसी तरह जब नगर का सेठ आया तो संत ने आशीर्वाद दिया, "सेवक बन जाओ।"

संत के आशीर्वाद की चर्चा राज दरबार में हुई। सभी ने कहा कि यह संत नहीं, कोई धूर्त है। राजा ने संत को पकड़ कर लाने का आदेश दिया। संत को पकड़कर दरबार में लाया गया। राजा ने कहा, "तुमने आशीर्वाद के बहाने सभी लोगों का अपमान किया है, इसलिए तुम्हें दंड दिया जाएगा।"

यह सुनकर संत हंस पड़े।

राजा ने इसका कारण पूछा तो संत ने कहा, "इस राज दरबार में क्या सभी मूर्ख हैं?"

राजा ने कहा, "क्या बकते हो?"

संत ने कहा, "जिन कारणों से आप मुझे दंड दे रहे हैं, उन्हें किसी ने समझा ही नहीं।"

राजा का कर्म है राज्य की सुरक्षा करना। जनता के सुख-दुख की हर वक्त चौकसी करना। सिपाही का काम भी रक्षा करना है, इसलिए मैंने आपको कहा था कि सिपाही बन जाओ। प्रधान पंडित ज्ञानी होता है। जिस व्यक्ति के पास ज्ञान हो, सब उसका सम्मान करते हैं जिससे वह अहंकारी हो जाता है। पर यदि वह ज्ञानी होने के अहसास से बचा रहे तो अहंकार से भी बचा रह सकता है। इसलिए मैंने पंडित को अज्ञानी बनने को कहा था। नगर सेठ धनवान होता है। उसका कर्म है गरीबों की सेवा करना, इसलिए मैंने उसे सेवक बनने का आशीर्वाद दिया था। संत की बातें सुन राज दरबार में मौजूद सभी लोगों की आंखें खुल गईं। राजा ने संत से क्षमा याचना की।

800 साल पुराना छाया सोमेश्वर महादेव मंदिर जहां सूर्य की किरणें शिवलिंग पर बनाती हैं चमत्कारी छाया

तेलंगाना की राजधानी से लगभग 100 किलोमीटर दूर, नलगोंडा जिले में छाया सोमेश्वर महादेव मंदिर स्थित है। यह 800 साल पुराना मंदिर केवल अपनी प्राचीनता के लिए ही नहीं, बल्कि एक अद्भुत और अनसुलझे रहस्य के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध है।

इस मंदिर के गर्भगृह में स्थापित शिवलिंग पर पूरे दिन एक स्तंभ की छाया मंडराती रहती है लेकिन आज तक कोई भी यह नहीं जान पाया है कि यह रहस्यमय छाया आखिर आती कहां से है।

विज्ञान और वास्तुकला का बेजोड़ संगम

यह मंदिर प्राचीन भारतीय वास्तुकला और विज्ञान की पराकाष्ठा का एक जीवित प्रमाण है। चूंकि यह दक्षिण भारत में शक्तिशाली चोल राजवंशों के संरक्षण में रहा, इसलिए यह उत्तर भारत के मंदिरों की तरह बड़े पैमाने पर विदेशी आक्रमणों का शिकार नहीं हुआ। यही कारण है कि यहाँ की कलात्मकता और वैज्ञानिक चमत्कार आज भी अपने मूल स्वरूप में मौजूद हैं।

क्या है मंदिर का अनसुलझा रहस्य ?

बाहर से यह रहस्य सरल लगता है लेकिन इसके पीछे गहन खगोलीय और वास्तुशिल्प ज्ञान छुपा हुआ है। मंदिर के गर्भगृह में शिवलिंग के ठीक सामने कोई स्तंभ नहीं है, फिर भी छाया शिवलिंग पर लगातार पड़ती रहती है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि जिस स्तंभ की छाया शिवलिंग को छूती हुई दिखाई देती है, वह स्तंभ शिवलिंग और सूर्य के बीच में भी नहीं है।

भौतिक विज्ञानियों का मानना है कि मंदिर के बाहरी परिसर में लगे स्तंभों की स्थिति और उनका डिज़ाइन इतना सटीक है कि वे सूर्य की गति के साथ तालमेल बिठाते हैं। दिन भर सूर्य की रोशनी से इन स्तंभों की अलग-अलग परछाइयां बनती हैं और ये सभी आपसी परछाइयां मिलकर एक अकेली, स्पष्ट छाया बनाती हैं जो सीधे शिवलिंग को स्पर्श करती है।

भौतिक विज्ञानी मनोहर शेषागिरी के अनुसार, इस मंदिर के निर्माण में पूर्व-पश्चिम दिशा की गणना, सूर्य की किरणों का सटीक विश्लेषण, और प्रकाश के परावर्तन के गहन सिद्धांतों का उपयोग किया गया था। प्राचीन कारीगरों ने स्तंभों को इस प्रकार स्थापित किया कि सूर्य दिन के किसी भी समय कहीं भी हो, उससे बनने वाली छाया हमेशा महादेव के लिंग को ही स्पर्श करेगी।

यह मंदिर न केवल एक पवित्र स्थल है, बल्कि एक ऐसी गौरवशाली सभ्यता का प्रतीक है,जहां विज्ञान और आध्यात्म एक-दूसरे के पूरक थे।

800 साल पुराने इस चमत्कार को देखने के लिए आज भी देश-विदेश से पर्यटक और श्रद्धालु नलगोंडा के इस मंदिर में आते हैं, जो पनागल बस स्टैंड से मात्र 2 किलोमीटर दूर स्थित है। यह छाया आज भी आधुनिक विज्ञान के लिए एक खुली चुनौती बनी हुई है।

सेहत के लिए सबसे खास है कार्तिक मास

कार्तिक मास हिंदू धर्म में अत्यंत पवित्र महीना माना जाता है। यह मास धार्मिक, आध्यात्मिक और स्वास्थ्य दोनों दृष्टियों से महत्वपूर्ण है। इस मास में व्रत, पूजा और दान के साथ-साथ खाने-पीने का विशेष ध्यान रखना भी आवश्यक है। पुराणों और धर्मशास्त्रों के अनुसार, कार्तिक मास में शरीर को शुद्ध और स्वस्थ रखना चाहिए ताकि साधना और भक्ति में ऊर्जा बनी रहे।

कार्तिक मास में खाने-पीने के नियम और आहार

कार्तिक मास में शुद्ध और हल्का भोजन करना, मांसाहार से परहेज करना और तुलसी व दुधी पदार्थों का सेवन करना अत्यंत शुभ है। यह न केवल शारीरिक स्वास्थ्य बनाए रखता है बल्कि आध्यात्मिक प्रगति और भक्ति में भी सहायक होता है। इस मास में शरीर, मन और आत्मा तीनों की शुद्धि करने पर विशेष ध्यान दें।

कार्तिक मास में क्या खाएं

फल और सूखे मेवे: केले, सेब, पपीता, संतरा, नारियल आदि। अखरोट, बादाम, किशमिश और पिस्ता जैसे मेवे। ये शरीर को ऊर्जा देते हैं और व्रत के दौरान कमजोरी नहीं होने देते।

दही और दूध: दूध, दही, लस्सी और पनीर का सेवन लाभकारी होता है। भगवान विष्णु को भी दूध और दूध से बने पदार्थ प्रिय हैं।

साबुत अनाज और हल्के भोजन : चावल, जौ, साबुत गेहूं, रागी आदि। हल्का और सुपाच्य भोजन शरीर को दिनभर सक्रिय रखता है।

समान्य उपवास का खाना : साबूदाना खिचड़ी, उपवास आटे से बने पकवान। आलू, कद्दू, शकरकंद और अरबी का सेवन किया जा सकता है।

तुलसी और पवित्र जड़ी-बूटियां : तुलसी की पत्तियां, हल्दी और जीरा आदि का सेवन स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है।

कार्तिक मास में क्या न खाएं

अल्कोहल और मांसाहार: कार्तिक मास में मांस, मछली, अंडा और शराब का सेवन वर्जित है। यह मास शुद्धता और भक्ति का समय है, इसलिए मांसाहारी भोजन से बचना चाहिए।

अत्यधिक मसाले और तेल: तीखे मसाले, तली हुई चीजें और ज्यादा तेल से परहेज करें। हल्का, सुपाच्य और संतुलित भोजन सर्वोत्तम है।

मोटा और भारी भोजन : चॉकलेट, केक, भारी डेजर्ट आदि से परहेज करें। भारी भोजन शरीर को सुस्त कर देता है और भक्ति व साधना में बाधा डाल सकता है।

अशुद्ध या प्रदूषित भोजन : बाहर का असुरक्षित भोजन या बिना पवित्रता के बनाए गए पकवान न लें।

कार्तिक मास में विशेष सुझाव

दिन में 2–3 बार हल्का भोजन संतुलित मात्रा में लें। तुलसी, हल्दी और पवित्र जड़ी-बूटियों का सेवन करके स्वास्थ्य और आध्यात्मिक ऊर्जा दोनों बढ़ाएं। भोजन के बाद थोड़ी देर ध्यान या प्रार्थना करना लाभकारी रहेगा।

कार्तिक मास के लिए डाइट प्लान

सुबह का नाश्ता

फल : केला, सेब, संतरा, पपीता

दूध / दही: 1 ग्लास दूध या ताजा दही

स्नैक्स : साबूदाना खिचड़ी (उपवास के लिए) या अंकुरित मूंग दाल

पानी / जूस: तुलसी-पानी या हल्का नींबू पानी

टिप्स: नाश्ते में हल्का और सुपाच्य भोजन लें। दूध और फलों से दिन की ऊर्जा प्राप्त होती है।

दोपहर का भोजन

मुख्य भोजन : चावल या जौ/साबुत अनाज

आलू, कद्दू, शकरकंद, अरबी की सब्जी (हल्का मसाला)

दाल या मूंग दाल (हल्की और सुपाच्य)

साइड : दही या पनीर की एक छोटी प्लेट

सलाद : खीरा, गाजर, मूली, हरा धनिया

टिप्स : भोजन हल्का और संतुलित रखें। अत्यधिक मसाले और तेल से बचें।

खुद पर भरोसा है : वाणी कपूर

एक इंसान को अपने सबसे खराब समय में ही पता चलता है कि वह सच में कौन है। उस वक्त आपको तय करना होता है कि क्या आप नफरत और निराशा में डूब जाएंगे, या कहेंगे 'यह मुझे तोड़ नहीं सकता ।' इस वर्ष वाणी कपूर ने अपनी प्रोफेशनल जिंदगी में कई तरह की भावनाओं का सामना किया। जहां उसे 'रेड 2' और 'मंडला मर्डर्स' के लिए खूब तारीफें मिलीं, वहीं 'अबीर गुलाल' के विवाद के कारण उसे काफी ट्रोलिंग और आलोचना का भी सामना करना पड़ा।

जब पूछा गया कि उसने इसका सामना कैसे किया, तो वाणी ने कहा, एक इंसान को अपने सबसे खराब समय में ही पता चलता है कि वह सच में कौन है । उस वक्त आपको तय करना होता है कि क्या आप नफरत और निराशा में डूब जाएंगे, या कहेंगे 'यह मुझे तोड़ नहीं सकता' । बहुत आसान होता है खुद को पीड़ित समझ लेना और सोच लेना कि सारी बुरी चीजें मेरे साथ ही होती हैं।

वाणी ने बताया कि उसकी आध्यात्मिक सोच ने उसे

इस दौर से बाहर निकलने में मदद की। उसने कहा, मैं आध्यात्मिक भी हूं और जानती हूं कि खुद को कैसे संतुलित रखना है। मुझे अपना काम पसंद है और मुझे बहुत सारा प्यार भी मिला है। बस उस वक्त एक छोटी-सी उम्मीद की किरण चाहिए होती है। बेशक बेचैनी और चिंता होती है ।

आपको हर तरफ से पूर्वाग्रह और फैसले झेलने पड़ते हैं । सोशल मीडिया की वजह से लोग अपने विचार खुलकर रखते हैं, जो कभी - कभी बहुत कठोर भी हो सकते हैं लेकिन मैंने यह सीख लिया है कि शोर में से सही प्रतिक्रिया और रचनात्मक आलोचना को अलग करना जरूरी है । फिर भी, वाणी मानती है कि कभी-कभी नकारात्मकता का असर होता है। उसने कहा, मैं भी उन प्लेटफॉर्म्स पर हूं, और कभी-कभी यह दर्द देती है कि कोई इतना बुरा क्यों होता है पर मैं बेहतर प्रतिक्रिया देना चुनती हूं। खुद से पूछती हूं कि क्या मैं हार मान लूं या आगे बढ़ें। मैं खुद पर भरोसा करती हूं और लोग भी मुझे सपोर्ट करते हैं। मैं और बेहतर काम चाहती हूं, और यही मेरी प्रेरणा है।

सभी धर्मों में भरोसा, अंधविश्वास में नहीं वाणी की वैब सीरीज 'मंडला मर्डर्स' आस्था और अंधविश्वास पर आधारित थी । निजी जिंदगी में उसका इन चीजों में कितना भरोसा है, पर उसका कहना है, मैं आध्यात्मिक हूं लेकिन अंधविश्वासी नहीं । सबके ईश्वर का सम्मान करती हूं। मेरे लिए सब धर्म बराबर हैं, सारे भगवान एक हैं। मैं एनर्जी में बहुत यकीन करती हूं। मैं मानती हूं कि पॉजिटिव और नैगेटिव एनर्जी होती हैं और हम जो एनर्जी दुनिया में भेजते हैं, वही हमें वापस मिलती है।

कैसे चुनती है फिल्में

''मेरे पास जो भी ऑफर आते हैं, उनमें से मैं वैसे रोल और किरदार चुनती हूं जिनकी कहानी अपने से जुड़ी लगती है लेकिन बतौर एक्ट्रैस मैं अपने कैरेक्टर को जज नहीं करती।'

करना चाहती है अमृता प्रीतम की बायोपिक

'अमृता प्रीतम की बायोपिक में काम करना चाहती हूं। उनकी जिंदगी बहुत ही फियरलैस लगती है। उस किरदार में एक ईमानदारी है जिसे मैं एक्सप्लोर करना चाहती हूं।

खुद को सजा नहीं देती

'फिट रहने के लिए मैं खुद को सजा नहीं देती। मैं सभी तरह का जंक फूड खाती हूं लेकिन उसे बैलेंस करने के लिए मैं ट्रेनिंग में समय देती हूं। वर्कआऊट आपकी बॉडी के लिए ही नहीं माइंड के लिए भी बहुत अहम है। मैं जिम लवर नहीं हूं लेकिन हां, फिटनैस के लिए कुछ भी करना और एक्टिव रहना जरूरी है।''

अगली फिल्में

वाणी अब सोशल ड्रामा 'सर्वगुण सम्पन्न' और रोमांटिक कॉमेडी 'बदतमीज गिल' जैसी फिल्मों में दिखेगी।

देश की पहली सुपरवूमन 'कल्याणी प्रियदर्शन'

ल में रिलीज हुई मलायलम हा फिल्म ' लोकाः चैप्टर 1- चंद्रा' प एक डार्क फैंटेसी सुपरहीरो ड्रामा है जिसने बॉक्स ऑफिस पर कमाल कर दिया है। महज 30 करोड़ रुपए के बजट में बनी फिल्म ने लगभग 300 करोड़ रुपए का बिजनैस कर लिया है जिसकी किसी को भी उम्मीद नहीं थी।

इसे डोमिनिक अरुण ने डायरैक्ट और दुलकर सलमान ने प्रोड्यूस किया है । इसमें लीड रोल किया है कल्याणी प्रियदर्शन ने और वह इस फिल्म के साथ ही भारत की पहली सुपरवूमन बन गई है।

वह मशहूर डायरैक्टर प्रियदर्शन की बेटी है जिन्हें 'हेरा फेरी', 'हंगामा', 'भूल भुलैया', ' भागम भाग' जैसी आइकॉनिक फिल्मों के लिए जाना जाता है।

कल्याणी ने अब तक के करियर में महज 7 फिल्में की हैं। एक तो अपनी एक्टिंग और दूसरी खूबसूरती के कारण, उसने सबका दिल जीत लिया है। कल्याणी ने भले ही फिल्म 'हैलो' से 2017 में एक्टिंग में डेब्यू किया हो लेकिन उसे असल पहचान मिली 2022 की हिट फिल्म 'हृदयम' से । और अब 'लोका : चैप्टर 1- चंद्रा' में एक नेकदिल 'वैम्पायर' के रोल ने कल्याणी का पूरा करियर ही पलट दिया है । इसी के साथ वह बॉक्स ऑफिस पर 200 करोड़ रुपए कमाने वाली पहली मलयालम एक्ट्रेस बन चुकी है।

कल्याणी ने साऊथ से पहले बॉलीवुड में भी काम किया था । वह ऋतिक रोशन की फिल्म 'कृष 3' में असिस्टैंट प्रोडक्शन डिजाइनर के रूप में काम कर चुकी है।

' लो का चैप्टर 1 : चंद्रा' की कहानी न केवल इस र आधारित है कि अलौकिक और जादुई शक्तियों वाले लोग हमारे बीच रहते हैं, बल्कि इसकी सारी कहानी एक महिला के इर्द-गिर्द घूमती है। जब कल्याणी से पूछा गया कि क्या वह इसे भारतीय युवतियों को प्रेरित करने वाली चीज के रूप में देखती है, वह कहती है, अगर ऐसा है, तो यह वाकई इस सबका सबसे संतोषजनक हिस्सा होगा। मैं खुद को प्रेरित करने वाली महिला नहीं मानती मैं बस एक किरदार को निभा रही थी जिसकी कहानी सुनाने के लिए मैं उत्साहित थी - लेकिन अगर युवतियां चंद्रा को देखती हैं और अपने अंदर थोड़ी और संभावना महसूस करती हैं, तो यह और भी खास हो जाता है ।'

आगे की योजना

अपने भविष्य की योजनाओं के बारे में पूछने पर वह कहती है कि एक अभिनेत्री के रूप में वह और भी कई पहलुओं को तलाशने की उम्मीद करती है ।

उसके अनुसार, मैं एक लालची अभिनेत्री हूं। मैं वह सब कुछ करना चाहती हूं जो मुझे उत्साहित करे, चाहे वे छोटी फिल्में हों जिनमें छोटे कलाकार हों, बड़े बजट की एक्शन थ्रिलर हों, प्यारी प्रेम कहानियां हों या फिर जीवन से भी बड़ी दुनियाओं वाली कहानियां ।

मेरा ध्यान हमेशा ऐसी कहानियों का हिस्सा बनने पर रहता है जो मुझे चुनौती देती हैं और दर्शकों को अलग- अलग तरह की दुनियाओं में खींच लाती हैं। 'लोका' ने मुझे खुद को आगे बढ़ाने और उस तरह के काम के प्रति समर्पित रहने का आत्मविश्वास दिया है जो मैं वास्तव में करना चाहती हूं। अगली फिल्म कल्याणी की अगली फिल्म 'मार्शल' है जिसमें साऊथ का लोकप्रिय हीरो कार्थी उसके साथ है।

सामंथा रुथ प्रभु ने छात्रों को दी खास सलाह

साउथ एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु ने आज सोशल मीडिया हैंडल पर एक खास वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में उन्होंने अपनी स्टूडेंट लाइफ को लेकर आज के छात्रों को खास सलाह दी और बताया कि उन्होंने आखिर एक छात्र के रूप में क्या कुछ सीखा और यह सबकुछ उनके लिए क्या मायने रखता है।

सामंथा का पोस्ट

सामंथा ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपने प्रशंसकों के साथ एक खास वीडियो शेयर किया। इस वीडियो में सामंथा ने कहा, 'मेरे स्कूल के दिनों की बहुत सारी यादें हैं, लेकिन आजकल के छात्रों का तनाव सुनकर दुख होता है। मुझे लगता है कि अच्छे नंबर सब कुछ नहीं हैं। स्कूल में सबसे अच्छी चीज दोस्ती, दूसरों का सम्मान और दया सीखा था।' सामंथा ने आगे कहा, 'मैंने स्कूल में किताबी बातें भूल गईं, लेकिन ये गुण आज भी मेरे काम आते हैं। ये जीवन के लिए सबसे जरूरी हैं।' फिर सामंथा ने 2023 की एनसीआरबी रिपोर्ट शेयर की, जिसमें बताया गया कि महाराष्ट्र में छात्रों की आत्महत्याओं के सबसे ज्यादा मामले हुए। उन्होंने इस पर दिल टूटने वाली इमोजी लगाई।

सामंथा का वर्कफ्रंट

सामंथा रुथ प्रभु नेटफ्लिक्स की वेब सीरीज 'रक्त ब्रह्मांड' और तेलुगु फिल्म 'मां इंति बंगाराम' में नजर आएंगी। वह वेब सीरीज 'सिटाडेलः हनी बनी' के सीजन 2 में भी नजर आएंगी। वह 'द फैमिली मैन' और 'सिटाडेलः हनी बनी' के निर्देशक राज और डीके के साथ एक प्रोजेक्ट पर काम कर रही हैं। 'रक्त ब्रह्मांड' में सामंथा के अलावा आदित्य रॉय कपूर, अली फजल, और वामिका गब्बी जैसे कलाकारों नजर आएंगे।

बहुत खुश हूं प्रोड्यूसर बन कर : हुमा कुरैशी

हुमा कुरैशी की फिल्म 'बयान' हाल ही में टोरंटो इंटरनैशनल फिल्म फैस्टिवल (टिफ) 2025 में प्रदर्शित हुई। इस फैस्टिवल में पहली बार नजर आई हुमा ने सिर्फ इस फिल्म में एक्टिंग ही नहीं की है, बल्कि वह इसकी एक्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर भी है।

हुमा ने बताया कि उसने इस फिल्म को क्यों चुना, यह फिल्म मुझे बहुत पसंद आई क्योंकि यह एक भारत - केंद्रित कहानी है लेकिन इसे वैश्विक तरीके से बताया गया है। मुझे खुशी है कि यह फिल्म 'टिफ' और बुसान इंटरनैशनल फिल्म फैस्टिवल्स में दिखाई जा रही है । मैं हमेशा से एक ग्लोबल करियर चाहती थी, जिसमें भारतीय कहानियां पूरी दुनिया तक पहुंचें।

टोरंटो में हुमा का शैड्यूल काफी व्यस्त रहा । उसने कहा, "मैंने कई देशों के कलाकारों से मुलाकात की। आने वा ले समय में फिल्मों का भविष्य क्रॉस क ल च र ल कोलैबोरेशन में है और 'टिफ' जैसे फैस्टिवल इसे संभव बनाते हैं ।

हुमा ने हाल ही में अपने भाई साकिब सलीम के साथ अपनी प्रोडक्शन कंपनी भी शुरू की। इस अनुभव के बारे में उसने कहा, "प्रोड्यूसर बनना मेरे लिए गेम चेंजर साबित हुआ । इसने मुझे फिल्म बनाने की प्रक्रिया को समझाया और विनम्रता का महत्व भी समझाया है।

प्रोड्यूसर बनने की वजह : निराशा और अवसरों की कमी

भाई बहन हुमा और साकिब ने प्रोड्यूसर बनकर अपनी कहानियां खुद बताने का फैसला किया है, बजाय इसके कि अच्छे प्रोजैक्ट्स का इंतजार करते रहें। हुमा कहती है कि उन दोनों को फिल्म इंडस्ट्री से बहुत लगाव है, लेकिन प्रोडक्शन की तरफ बढ़ने का कारण उनकी अपनी जिंदगी की सीखें हैं। उसने कहा, हम दोनों प ह ली पी ढ़ी के प्रोड्यूसर बनकर बहुत खुश हैं । यह कदम कहीं न कहीं शुरुआती दौर की निराशा से आया, जब हमें अच्छा मौका नहीं मिलता था। मैं सोचती थी कि मैं और भी बेहतर कर सकती हूं। एक एक्ट्रैस के तौर पर मैं तब ही साबित हो सकती हूं, जब मुझे काम मिलेगा।

39 साल की हुमा ने 'गैंग्स ऑफ वासेपुर', 'डेढ़ इश्किया', 'जॉली एलएलबी 2' जैसी फिल्मों में काम किया है। उसने कहा कि अब वह अपनी कहानियां खुद बनाना चाहती है, न कि सिर्फ इंतजार करना या खुद कोदुखी महसूस करना।

उसने कहा, हमने बहुत समय इंतजार करते हुए बिताया। कई बार प्रोड्यूसरों के पास जाकर उन्हें मनाने की कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हुए, जो बहुत तकलीफदेह था । मुझे लगता है कि हमारे परिवार में वह 'कुरैशी जीन' है जो 'न' सुनकर हार नहीं मानता। हम कभी खुद को शिकार नहीं बनने देते। इंडस्ट्री को बेहतर बनाने का सपना अब जब वे दोनों भाई-बहन खुद निर्माता बन गए हैं, हुमा बताती है कि वे अपनी प्रोडक्शन कंपनी को एक अच्छा और सहायक स्थान बनाना चाहते हैं । उसने कहा, "मैं नहीं चाहती कि हम उन गलतियों को दोहराएं, जो हमने दूसरों को करते देखा है।

शादी करने से लगता है डर : श्रुति हासन

श्रुति हासन अपने अभिनय के साथ का ख्याल मुझे बहुत डरावना अंग लगता है। बस यही है । लेकिन, लोकप्रिय है । वह बेबाकी से अपनी सर्जरी को लेकर बात करती है तो अपनी पर्सनल लाइफ पर भी चर्चा करने से झिझकती नहीं है । कमल हासन और सारिका की यह बड़ी बेटी 39 साल की हो चुकी है और उसकी छोटी बहन अक्षरा हासन की उम्र 33 साल है। दोनों ने ही अभी तक शादी नहीं की है।

श्रुति कई इंटरव्यूज में शादी को लेकर बात करती हुई नजर आई है। श्रुति के अनुसार उसे रिलेशनशिप्स अच्छे लगते हैं, वह रोमांस से भी लगाव रखती है लेकिन वह किसी से 'बहुत ज्यादा जुड़ने से डरती है ।

हाल ही में जब यू-ट्यूबर र ण वी र अलाहबादिया ने अपने पॉडकास्ट में उससे इस बारे में पूछा तो शादी न करने को लेकर उसने खुल कर बात की और कहा, मैंने अपने दम पर यह सब हासिल करने के लिए अपनी पूरी जिंदगी बहुत मेहनत की है, इसे एक कागज के जरिए किसी और से जोड़ने मैं कमिटमेंट में विश्वास रखती हूं, मैं वफादारी में विश्वास रखती हूं, और मैं उन सभी खूबसूरत चीजों में विश्वास रखती हूं जिनका शादी को प्रतिनिधित्व करना चाहिए।

श्रुति से जब प्रश्न किया गया कि क्या वह कभी शादी करने के करीब आई है या शादी करने वाली थी तो उ स ने कहा, हां, लेकिन शादी नहीं हुई ।

उसने बताया कि इसमें उसकी गलती नहीं थी । उन दोनों में कम्पैटेबिलिटी नहीं थी क्योंकि दोनों की भविष्य से उम्मीदें अलग थीं। वहीं बच्चों को लेकर भी उसने बताया कि वह हमेशा से मां बनना चाहती थी, लेकिन वह सिंगल मदर नहीं बनना चाहती ।

विंड एनर्जी इंजीनियरिंग में रोजगार के अवसर

विंड एनर्जी इंजीनियरिंग बहुत तेजी से बढ़ता फील्ड है, जो क्लीन, रिन्यूएबल एनर्जी उत्पन्न करने के लिए पवन ऊर्जा का इस्तेमाल करने पर फोकस करती है। जिस प्रकार से दुनिया बिजली के अधिक सस्टेनेबल सोर्स की ओर बढ़ती जा रही है, विड एनर्जी एक प्रमुख स्रोत के रूप में उभरी है, जिसमें आप एक अच्छा करियर बना सकते हैं।

विड एनर्जी इंजीनियरिंग में बैचलर डिग्री के लिए 3 से 4 वर्ष, पोस्ट ग्रैजुएट कोर्स के लिए 2 वर्ष लगते हैं। इसकी योग्यता की बात करें तो बैचलर डिग्री के लिए मान्यताप्राप्त बोर्ड से 10+2, जबकि मास्टर्स डिग्री के लिए बैचलर डिग्री जरूरी है।

विंड एनर्जी इंजीनियरिंग क्या है?

यह इंजीनियरिंग का फील्ड है, जो विड एनर्जी सिस्टम्स के डिजाइन, डिवैल्पमैंट और इंप्लीमैंटेशन पर फोकस करता है। इसमें विंड टर्बाइन्स और उनसे जुड़े घटकों, जैसे रोटर, जैनरेटर और कंट्रोल सिस्टम के डिजाइन और कंस्ट्रक्शन के साथ-साथ इन घटकों का बड़े विंड फॉर्म्स में इंटीग्रेट करना शामिल है। विंड एनर्जी इंजीनियर विंड एनर्जी सिस्टम्स की एफिशिएंसी और रिलायबिलिटी को ऑप्टिमाइज करने पर भी काम करते हैं और वे विंड फॉर्म्स की प्लानिंग और आप्रेशन में शामिल होते हैं। विड एनर्जी इंजीनियरिंग का लक्ष्य सस्टेनेबल एनर्जी उत्पन्न करने के लिए पवन ऊर्जा का इस्तेमाल करने के स्थायी और लागत प्रभावी तरीके बनाना है।

विंड एनर्जी एक क्लीन और रिन्यूएबल ऊर्जा स्त्रोत है, जो ग्रीन हाऊस गैस एमिशन को कम करने और क्लाइमेट चेंज से निपटने में मदद करता है। विंड एनर्जी इंजीनियरिंग में काम करके आप धरती के लिए अधिक सस्टेनेबल भविष्य बनाने में योगदान डाल सकते हैं।

सम्भावनाएं

विंड एनर्जी इंडस्ट्री के विकास के साथ, डिजाइन, डिवैल्पमैंट, प्रोजैक्ट मैनेजमेंट और मेंटेनेंस जैसे फील्ड्स में जॉब के विकल्प बढ़ रहे हैं। इसका मतलब यह है कि विंड एनर्जी इंजीनियरिंग के बैकग्राऊंड वाले लोगों के लिए करियर के कई रास्ते उपलब्ध हैं।

विंड एनर्जी इंजीनियरिंग के लिए स्किल्स

इसके लिए इन प्रमुख स्किल्स की आवश्यकता होती है प्रोडक्टिव; प्रॉब्लम सॉल्विग स्किल्स; सेफ्टी एवैयरनैस; इफैक्टिव कम्युनिकेशन; प्रोजैक्ट मैनेजमेंट स्किल्स; एनालिटिकल स्किल्स; इंजीनियरिंग डिजाइन, रिन्यूएबल एनर्जी सिस्टम्स की नॉलेज; किसी भी एनवायरनमैंट में काम करने की क्षमता।

कैसे बनाएं करियर

इंजीनियरिंग की डिग्री अर्जित करें: विंड एनर्जी इंजीनियरिंग के लिए इंजीनियरिंग में एक मजबूत पकड़ की आवश्यकता होती है इसलिए आप मैकेनिकल, इलैक्ट्रिकल या सिविल इंजीनियरिंग में डिग्री प्राप्त करके शुरुआत करें। विंड एनर्जी के फंडामेंटल्स को जानें विंड टर्बाइन टैक्नोलॉजी, एयरोडायनामिक्स और पावर कनवर्जन सिस्टम सहित विंड एनर्जी के फंडामेंटल्स को समझें।

प्रैक्टिकल एक्सपीरियंस प्राप्त करें

इंडस्ट्री में एक्सपीरियंस प्राप्त करने के लिए विड एनर्जी कम्पनीज में इंटर्नशिप या एंट्री लैवल जॉब की तलाश करें।

विंड टर्बाइन डिजाइन करें ब्लेड, रोटर और जैनरेटर सहित विंड टर्बाइन कम्पोनेंट्स को डिजाइन करने के लिए कम्प्यूटर एडेड डिजाइन (सी.ए.डी.) सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल करें।

विंड डाटा एनालाइज करें: विंड डाटा को एनालाइज करने और विंड टर्बाइनों की ऑप्टिमल लोकेशन, साइज और कैपैसिटी का निर्धारण करने के लिए स्टैटिस्टिकल मॉडल का इस्तेमाल करें।

पवन टर्बाइन की परफॉर्मेंस का आकलन करें

विंड टर्बाइन के प्रदर्शन का मूल्यांकन करने और किसी भी समस्या या संभावित सुधार की पहचान करने के लिए एडवांस मॉनीटरिंग सिस्टम का इस्तेमाल करें।

विनियमों का अनुपालन सुनिश्चित करें: यह सुनिश्चित करें कि विड एनर्जी प्रोजैक्ट से पर्यावरण पर होने वाला प्रभाव सुरक्षा मानकों सहित लोकल, स्टेट और फैडरल रूल्स का अनुपालन करते हैं। लगातार सीखें और नया करें विंड एनर्जी टैक्नोलॉजी में लेटेस्ट डिवैल्पमैंट पर अप टू डेट रहें और विंड टर्बाइन एफिशिएंसी और परफॉर्मेंस में सुधार के लिए नए सॉल्यूशंस का इनोवेशन करना जारी रखें।

टॉप भारतीय यूनिवर्सिटीज

आई.आई.टी. मद्रास; नैशनल इंस्टीच्यूट आफ विड एनर्जी चेन्नई; आई. आई.टी. बॉम्बे नैशनल इंस्टीच्यूट आफ टैक्नोलॉजी कर्नाटक; सरदार पटेल रिन्यूएबल एनर्जी रिसर्च इंस्टीच्यूट आनंद; आई.आई.टी. खड़गपुर; एन.आई.टी. तिरुचिरापल्ली; अमृता स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग; आई.आई.टी. दिल्ली; एन.आई.टी. वारंगल आदि।

अमीर बनना चाहते हैं तो यह है बेस्ट करियर विकल्प

कहा जाता है कि सही समय पर लिया गया सही फ़ैसला जिंदगी में तरक्की के रास्ते खोलता है। अमीर बनने का सपना तो सभी देखते है लेकिन हर कोई अमीर नहीं बन पाता है, क्योंकि इसका एक सीधा सा कारण है आपके द्वारा लिए गए फैसले ही आपका भविष्य तय करते है। कहने का मतलब सीधा सा है कि अगर सही रास्तों पर चलोगे तो जिंदगी में सफल हो पाओगे नहीं तो जिंदगी में संघर्ष तो है ही। खासकर जब हम कॉलेज में होते है तब अगर सही कैरियर विकल्प को चुन ले तो हम अमीर बन सकते है।

अगर आप भी जल्दी से अमीर बनने का सपना देख रहे है, और आप स्टूडेंट है तो इन तीन में से किसी एक फील्ड में कैरियर बना सकते है ।

वेब डिज़ाइनर

अगर आपको डिजाइनिंग का शौक है तो वेब डिज़ाइनिंग आपके लिए एक बेहतर विकल्प हो सकता है। आपको बता दें कि वेब डिजाइनिंग इंडस्ट्री में हर साल जॉब खुलते है और यहाँ अच्छे और क्रिएटिव प्रोफेशनल के लिए काम के साथ खूब सारा पैसा भी है। वेब डिजाइनिंग में आपको अपने क्लाइंट के लिए वेबसाइट डिजाईन करनी होती है, यहां आप बेहतर जॉब तो पा ही सकते है साथ ही खुद काम करके भी लाखों कमाया जा सकता है।

इन्वेस्टमेंट बैंकर

अगर आपको फाइनेंस और स्टॉक मार्केट में इंटरेस्ट है तो इन्वेस्टमेंट बैंकिंग आपके कैरियर को पंख लगा सकती है। हालांकि इस फील्ड के लिए आपको बेंकिंग, फाइनेंस स्टॉक मार्केट, इन्वेस्टमेंट ट्रेड की अच्छी जानकारी होना चाहिए। आपको बता दें कि इस फील्ड में पैसों की कोई कमी नहीं है, ये फील्ड हमेशा से ही एक हॉट कैरियर रहा है। अगर आप जल्द अमीर बनने का सोच रहे है तो इंवेस्टमेंट बैंकर बनकर आप अपना सपना पूरा कर सकते है।

सफलता का सही उपयोग करें

अपने विषय की अच्छी जानकारी, कार्य के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण और भरपूर उत्साह से सम्पन्न होते हुए भी ऐसा देखा जाता है कि कुछ लोग अपने जीवन में वह सफलता अर्जित नहीं कर पाते हैं जो कई मायनों में उनसे कमतर लोग हासिल कर लेते हैं। ऐसी स्थिति में व्यावसायिक योग्यता और दक्षता के बावजूद विफल लोगों के पास कुंठित होकर कुढ़ते रहने के अलावा कोई और चारा नहीं बचता। हालांकि, अगर थोड़ी समझदारी से काम लें और कारणों की तलाश करें तथा अपने विकास के लिए तत्पर हों तो वे भी थोड़ी देर से सही परंतु सफल हो सकते हैं।

दक्षता का सही उपयोग

सफल लोग कोई अलग काम नहीं करते हैं, वह बस वह हर काम अलग तरह से करते हैं। गौर से देखें तो योग्य लोगों के विफल होने के पीछे वजह उनकी दक्षता नहीं बल्कि सिर्फ अपनी दक्षता के प्रस्तुतिकरण में कमी होती है। इन सामान्य बातों को न सीख पाने से कहीं न कहीं आपका व्यक्तित्व कमजोर बनता है। आमतौर पर देखा जाता है कि व्यक्तित्व की कमजोरियों की वजह से बार-बार समाज में अस्वीकार किए जाने के बाद लोग हताश हो जाते हैं। फिर वही लोग कहने लगते हैं कि क्या करें ? अब हम तो ऐसे ही हैं लेकिन नहीं साहब, आपका ऐसे ही होना कोई नियति नहीं है और अगर आप समझदारी से काम लें तो अपने होने के तौर-तरीकों को थोड़ा बदल लेने में कोई नुक्सान भी नहीं है। व्यक्तित्व में बदलाव का अर्थ कोई अस्तित्व में बदलाव नहीं है बल्कि यह आपके विकास की प्रक्रिया का एक हिस्सा है।

करियर में चाहिए सफलता तो इन बातों का रखें ध्यान

करियर में आगे बढ़ने का सपना हर किसी का होता है ऐसे में आपको कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए। आज हम आपको इससे जुड़ी कुछ ख़ास बातें बताने वाले हैं। करियर में आगे बढ़ना तो सभी चाहते हैं। हम सभी को यह लगता है कि बस कैसे भी करके हमें जल्दी से प्रमोशन मिल जाएं। इसके लिए कई बार हम अपने टैलेंट के हिसाब से नई नौकरियां भी ढूंढते रहते हैं। ज़्यादातर कंपनियां मल्टी टैलेंटेड लोगों को ही हायर करना चाहती है। ऐसे में अगर आप भी अपने करियर में आगे बढ़ना चाहती हैं तो हम आपको कुछ टिप्स बताने वाले हैं।

व्यवहार पर दें ख़ास ध्यान

आपको अपनी टीम के साथ अपना रिश्ता अच्छा बनाकर रखना चाहिए। कई बार कुछ चीजों पर हमें काफी ज़्यादा गुस्सा आ जाता है। अगर ऐसा आपके साथ भी हो रहा है तो आप अपने व्यवहार को ध्यान में रखते हुए ही कुछ कदम उठाए। कई बार जल्दबाजी में लिया गया फैसला गलत साबित हो सकता है। स्थिति चाहे कितनी भी खराब क्यों न हो आपको नियंत्रण करना आना चाहिए।

बातचीत का तरीका

कोशिश करें कि आप ज्यादा से ज्यादा अपने बॉस से बातें करें। कॉरपोरेट जॉब में ऐसा करना बहुत ही ज्यादा जरूरी है। अगर आपके बाल 9-5 जॉब करके वापस घर आ जाती है तो आपका प्रमोशन नहीं होने वाला है। ना ही आपको करियर में आगे सफलता मिलने वाली है। किसी भी प्रोफ़ेशन के लिए कम्युनिकेशन स्किल्स काफी ज्यादा जरूरी है। इसलिए हमेशा अपने कम्युनिकेशन स्किल्स पर ध्यान देना चाहिए।

नई चीज़ें सीखने की लगन

अगर आपको कोई टास्क दिया गया है जो आपको बिलकुल भी नहीं आता है तो परेशान न होए और न ही अपने बॉस को यह कहे कि आपको यह काम नहीं आता है। आपको यह कहना चाहिए कि मुझे इसके बारे में जानकारी नहीं है लेकिन मैं इसमें काम करना चाहूंगी। ताकि मैं इसकी भी जानकारी प्राप्त कर सकूं। ऐसे में आपका बॉस आपसे इंप्रेस हो जाएंगे।

काम में गलती करने से बचे

आपकी एक गलती आप पर भारी पड़ सकती है। ऐसे में अगर आप अपने करियर में आगे जाना चाहती हैं तो आपको अपने काम को लेकर डेडिकेशन दिखाना होगा। इसके लिए कोशिश करें कि काम करते वक्त कोई भी गलती ना करें। गलतियां तभी होती है जब हम जल्दबाजी में काम करते हैं। जल्दबाजी में आकर काम करना बंद कर दें।

इंडियन आर्मी ग्रुप-सी भर्ती शुरू, 10वीं-ITI पास वालों के लिए शानदार मौका

भारतीय सेना में करियर बनाने की इच्छा रखने वाले युवाओं के लिए एक शानदार अवसर आया है। डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड मैकेनिकल इंजीनियर्स ने ग्रुप सी पदों पर नई भर्ती के लिए पंजीकरण शुरू कर दिया है। इस भर्ती के माध्यम से उम्मीदवारों को देशभर के विभिन्न आर्मी बेस पर नियुक्त किया जाएगा।

आवेदन 4 अक्तूबर 2025 से शुरू हो चुके हैं। उम्मीदवारों को आवेदन ऑफलाइन मोड में करना होगा। फॉर्म भेजने की अंतिम तिथि 24 अक्तूबर 2025 तय की गई है, यानी अभ्यर्थियों को कुल 20 दिनों का समय मिलेगा। उम्मीदवारों को आवेदन पत्र भरकर निर्धारित पते पर डाक के माध्यम से भेजना होगा।

भरे जाएंगे कुल इतने पद

इस भर्ती अभियान के अंतर्गत इलेक्ट्रॉनिक्स एंड मैकेनिकल इंजीनियर्स कोर में कई तरह के पदों पर नियुक्तियां होंगी। इनमें लोअर डिवीजन क्लर्क (LDC), फायरमैन, व्हीकल मैकेनिक, फिटर, वेल्डर, ट्रेड्समैन, कुक, और इलेक्ट्रीशियन जैसे पद शामिल हैं। कुल 194 रिक्तियां जारी की गई हैं। सेना में शामिल होने के इच्छुक युवाओं के लिए यह एक उत्कृष्ट अवसर है।

योग्यता और आयुसीमा

उम्मीदवारों को किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 10वीं या 12वीं उत्तीर्ण होना आवश्यक है। तकनीकी पदों के लिए संबंधित ट्रेड में आईटीआई प्रमाणपत्र अनिवार्य है। आवेदन करने के लिए न्यूनतम आयु 18 वर्ष और अधिकतम 25 वर्ष तय की गई है। आरक्षित वर्गों के उम्मीदवारों को सरकारी नियमों के अनुसार आयु में छूट मिलेगी।

आवेदन की प्रक्रिया

सबसे पहले उम्मीदवार भर्ती नोटिफिकेशन से आवेदन पत्र डाउनलोड करें।

आवेदन फॉर्म में अपनी जानकारी हस्तलिखित रूप में स्पष्ट रूप से भरें।

पासपोर्ट साइज फोटो सही स्थान पर चिपकाएं और 5 रुपये का पोस्टल स्टांप लगाएं।

भरा हुआ फॉर्म व जरूरी दस्तावेज इस पते पर भेजें - कमांडेंट, 505 आर्मी बेस वर्कशॉप, दिल्ली कैंट, नई दिल्ली - 110010

कृषि में 'ड्रोन टैक्नोलॉजी'

रोबोटिक्स और ड्रोन टैक्नोलॉजी भी आजकल बहुत तेजी से लोकप्रिय हो रही है। यही तकनीक खासतौर पर बड़ी जोत के खेतों में खाद के इस्तेमाल और कीटनाशकों के छिड़काव में अत्यंत उपयोगी है।

रोबोटिक्स और ड्रोन तकनीक से एक दवा का छिड़काव किया जा सकता है और इसमें किसानों का दवा से कोई एक्सपोजर नहीं होता। साथ ही, खाद और दवा का बिल्कुल सटीक मात्रा में इस्तेमाल

हो सकता है। इसके अतिरिक्त कैमिकल के मिट्टी और भूजल को दूषित करने की संभावना काफी कम हो जाती है। टार्टनर्सेस, ब्लू रिवर टैक्नोलॉजी, प्रेसिजन हॉक, रोबोप्लांट, आईबैक्स ऑटोमेशन, त्रिथि रोबोटिक्स इत्यादि इस सैक्टर की महत्वपूर्ण एग्रीटैक स्टार्टअप कम्पनियां हैं। कृषि उद्यमिता की चुनौतियां : यह सही है कि पिछले करीब एक दशक में एग्री स्टार्टअप कम्पनियों की बाढ़ आ गई है और इनमें विदेशी फंड जमा कर पैसा लगा रहे हैं लेकिन इनके लिए कृषि उद्यमिता की राह आसान नहीं है।

मुनाफा कमाना किसी भी कारोबार के एकड़ खेत में सिर्फ 6 मिनट में लिहाज से महत्वपूर्ण होता है। इसी तरह शिक्षा और जागरूकता दूसरा फैक्टर है, जिससे कोई भी नया उद्यमी किसानों के साथ कारोबार करने में हिचकिचाता है। किसान गरीब और कम शिक्षित होने के कारण शून्य जोखिम पर काम करना चाहता है। ऐसे में उसे किसी भी नए उत्पाद या सेवा के लिए तैयार करना कठिन होता है।

कैरियर हमेशा सिर्फ कमाई का साधन ही नहीं रहा वह सामाजिक हैसियत का आईना भी होता है

कैरियर हमेशा सिर्फ कमाई का साधन ही नहीं रहा, वह सामाजिक हैसियत का आईना भी होता है, इस बात को हम सब जानते हैं। एक जमाने में डॉक्टर और इंजीनियर बनना महज एक पेशा चुनना नहीं था बल्कि में सोशल स्टेटस हासिल करना भी था। ठीक उसी तरह से जैसे इन दिनों किसी टेक्नो स्टार्टअप का फाउंडर होना या किसी बड़ी टेक कंपनी में मैनेजमेंट में होना है। इस समय के सोशल स्टेटस कैरियर्स में डेटा साइंटिस्ट, एआई एक्सपर्ट जैसे टेक वर्ल्ड के नये डॉक्टर, इंजीनियर , फिल्म और ओटीटी से जुड़े क्रिएटिव कैरियर स्टेटस सिंबल हैं। सोशल मीडिया में बड़ा कंटेंट क्रिएटर होना भी स्टेटस है। लेकिन सबसे लोकप्रिय कैरियर स्पोर्ट्स की दुनिया से आते हैं, वह भी क्रिकेट और बैडमिंटन जैसे खेलों से। लेकिन अगर टेक्नोलॉजी की ठोस दुनिया की बात करें तो ग्रीन एनर्जी और हेल्थ केयर सेक्टर ऐसे क्षेत्र हैं, जहां कैरियर बनाना स्टेटस सिंबल है।

आईसीएस, आईएएस की शान

लेकिन आज के ये तमाम कैरियर एक दशक के पहले तक भी रोजगार के परिदृश्य में नहीं थे और अगर थे भी तो इनकी खास हैसियत नहीं थी। आजादी के बाद अलग-अलग दशकों में अलग अलग कैरियर भारत में सोशल स्टेटस सिंबल रहे हैं। अगर 1950 से 1960 के दशक तक सरकारी अफसर होना विशेषकर आईसीएस, आजादी के बाद में आईएएस और आईपीएस होना न

सिर्फ कैरियर के लिहाज से बल्कि समाज में इज्जत के लिहाज से भी शानदार था।

डॉक्टर और प्रोफेसर की प्रतिष्ठा का दौर

इसके बाद 1960 के दशक में जिन पेशों को हम समाज की नजरों में सबसे ऊंचा पेशा गिन सकते थे, उनमें डॉक्टर और प्रोफेसर की इंट्री हो गई। नेहरू युग में विज्ञान, स्वास्थ्य और शिक्षा पर खूब जोर दिया गया था, साथ ही इन पेशों की अच्छी खासी इज्जत भी बनी। सत्तर के दशक में यह हैसियत इंजीनियरों और पीएसयू में प्रोफेशनल्स होना कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण हो गया था। दरअसल 1970 का दौर भारी उद्योग और पब्लिक सेक्टर का दौर था। इसी दौर में भेल, सेल और ओएनजीसी पब्लिक उपक्रम देश की प्रतिष्ठा में चार चांद लगाने वाले उपक्रम बनकर उभरे थे। ऐसे में इन संस्थानों में इंजीनियर होना, सामाजिक रूप से गर्व की बात थी और यही वह दौर था, जब आईआईटी से निकलना भी हीरो बनने के जैसा था।

बैंक मैनेजर और रेलवे के अफसर

1980 का दशक आते-आते बैंक और वित्तीय संस्थानों में अधिकारी होना महत्वपूर्ण हो गया था। दरअसल 1980 के दशक में हर कोई अपना कारोबार जमाने या अपनी हैसियत को ऊपर उठाने के लिए बैंक से लोन लेकर आगे बढ़ रहा था। इन दिनों बड़े पैमाने पर देश में पक्के मकान बनने शुरू हुए और होम लोन का एक सिलसिला भी। जिस कारण समाज में बैंकों की भूमिका महत्वपूर्ण बन गई। 1980 के पहले बैंकों से रिश्ता बमुश्किल 20-25 फीसदी भारतीयों का था, उसके बाद 40-50 प्रतिशत लोग किसी न किसी रूप से बैंक से जुड़ने लगे। जाहिर है इस दौर में बैंक ऑफिसर होना महत्वपूर्ण हो गया था। उस दौर में बैंक मैनेजर की पूछ बहुत ज्यादा बढ़ गई थी। इसके अलावा एलआईसी में मैनेजर के पद में होना, रेलवे में बड़ा अधिकारी होना और टेलीकॉम सेक्टर में इंजीनियर होना भी शानदार था।

आईटी और एमबीए के चमकते कैरियर

फिर आया 1990 का दशक जिसमें आईटी और एमबीए सबसे महत्वपूर्ण सोशल स्टेटस बनाने वाले कैरियर बनकर उभरे। लिबरलाइजेशन के बाद भारत में पहली बार आईटी क्रांति हुई, इन्फोसिस, टीसीएस और विप्रो जैसी कंपनियों में नौकरी पाना आईएएस या आईपीएस से ज्यादा महत्वपूर्ण हो गया। आईआईएम से एमबीए और एमएनसी में जाना स्टेटस सिंबल बन गया। एनआरआई खास तौरपर अमेरिका में नौकरी भी समाज की सबसे ऊपरी प्रतिष्ठा का हिस्सा बन गया। कारपोरेट मैनेजमेंट और ग्लोबल कैरियर पढ़े-लिखे शहरी, मिडल क्लास के बीच सबसे बड़े सोशल स्टेटस सिंबल बने।

स्टार्टअप, क्रिएटिव इंडस्ट्री से एआई

लेकिन साल 2000 का दशक आते-आते स्टार्टअप और क्रिएटिव इंडस्ट्री की दुनिया चमकी। जिस कारण फ्लिपकार्ट, पेटीएम, ओला जैसे स्टार्टअप फाउंडर्स को समाज में हर कोई जानने लगा और इनकी चर्चा होने लगी। डिजिटल मीडिया, फिल्म निर्माण और फैशन इंडस्ट्री भी स्टेटस का प्रतीक बन गये। कारपोरेट लॉयर के अलावा चार्टर्ड एकाउंटेंट का पेशा भी महत्वपूर्ण सोशल स्टेटस बना। जबकि 2020 के दशक में टेक और सोशल इम्पैक्ट में एआई, रोबोटिक और डाटा साइंस ने हैसियत की जगह घेर ली और सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर्स तथा कंटेंट क्रिएटर भी बड़े पैमाने पर नोटिस लिए जाने लगे। इसी दौरान ग्रीन एनर्जी और क्लाइमेट इंटरप्रिन्योर की भी प्रतिष्ठा बढ़ी। क्रिकेट के अलावा इस दौर में सफल खिलाड़ी भी महत्वपूर्ण कैरियर माने गये।

विजय गर्ग सेवानिवृत्त प्रिंसिपल मलोट पंजाब

आरआरबी स्नातक स्तर के 5800 पदों पर भर्ती, 21 अक्तूबर से करें आवेदन

रेलवे भर्ती बोर्ड (RRB) ने स्नातक स्तर के 5800 पदों पर भर्ती की घोषणा की है। आरआरबी एनटीपीसी स्नातक स्तर 2025 के लिए आवेदन प्रक्रिया 21 अक्टूबर 2025 से शुरू होगी। आवेदन की अंतिम तिथि 20 नवंबर 2025 रात 11:59 बजे है। इच्छुक और योग्य उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

इन पदों पर होगा चयन

स्टेशन मास्टर

मालगाड़ी प्रबंधक

यातायात सहायक (मेट्रो रेलवे)

मुख्य वाणिज्य सह टिकट पर्यवेक्षक (CCTS)

कनिष्ठ लेखा सहायक सह टंकक (JAA)

वरिष्ठ लिपिक सह टंकक

कौन कर सकता है आवेदन?

स्नातक स्तर की यह भर्ती उन उम्मीदवारों के लिए है जिनके पास विश्वविद्यालय से स्नातक डिग्री या इसके समकक्ष शैक्षिक योग्यता हो और जिनकी आयु 18 से 33 वर्ष के बीच हो।

इस भर्ती का संक्षिप्त नोटिस अक्तूबर के पहले सप्ताह में रोजगार समाचार में प्रकाशित किया गया है।

चयन प्रक्रिया

आरआरबी एनटीपीसी 2025 भर्ती में उम्मीदवारों का चयन कई चरणों के माध्यम से किया जाएगा। इसमें सबसे पहला चरण सीबीटी (कंप्यूटर आधारित परीक्षा) का पहला चरण होगा, जिसके सफल उम्मीदवार सीबीटी के दूसरे चरण के लिए पात्र होंगे। इसके बाद योग्य उम्मीदवारों को टाइपिंग टेस्ट (कौशल परीक्षा) या योग्यता परीक्षा में बैठना होगा, जो उनके पेशेवर कौशल और योग्यता को परखने के लिए आयोजित की जाती है।

चरणों के अंतिम हिस्से में दस्तावेज़ सत्यापन और चिकित्सा परीक्षण शामिल हैं। दस्तावेज सत्यापन में उम्मीदवारों की शैक्षिक योग्यता, आयु, पहचान और अन्य आवश्यक प्रमाण पत्रों की जांच की जाती है। इसके बाद उम्मीदवारों का चिकित्सा परीक्षण कर उनकी शारीरिक एवं स्वास्थ्य स्थिति की पुष्टि की जाती है, ताकि रेलवे में नौकरी के लिए वे पूरी तरह फिट हों।

दिवाली से पहले चीन का निकला दिवाला

बाजार से चीनी सामान गायब, स्वदेशी चीजों ने मचाई धूम

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। नवरात्रि के बाद देश में दिवाली की तैयारी शुरू हो गई है। व्यापारी मान रहे है कि इस बार का त्योहारी सीजन भारत के व्यापार इतिहास में नया अध्याय लिखेगा। व्यापारी संगठन कैट का अनुमान है कि इस दिवाली की बिक्री 4.75 लाख करोड़ तक पहुंचेगी, जो अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा होगा। वहीं, दिल्ली के बाजारों की ही बात करें तो कारोबारियों का अनुमान है कि राजधानी में त्योहारी बिक्री 75,000 करोड़ तक पहुंच सकती है। दावा है कि इस दिवाली पर चीनी सामान के बजाए स्वदेशी आइटम की धूम मची हुई है।

क्यों बढ़ी देसी सामान की मांग?

कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स के राष्ट्रीय महामंत्री और चांदनी चौक से सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने कहा कि नवरात्रि के दौरान कैट ने विभिन्न राज्यों के 35 शहरों में व्यापारिक संगठनों से सर्वे कराया। इस सर्वे में दो प्रमुख कारण सामने आए जो इस बार के त्योहारी कारोबार को नई ऊंचाई दे रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वदेशी का आह्वान और उनका 'वोकल फॉर लोकल और लोकल फॉर ग्लोबल ' का दृष्टिकोण,

जिसमें ग्राहकों का जबरदस्त समर्थन मिला है। उन्होंने बताया कि पिछले चार वर्षों में दिवाली पर बंपर बिक्री हो रही है। कैट के अनुसार साल 2021 में 1.25 लाख करोड़, साल 2022 में 2.50 लाख करोड़, साल 2023 में 3.75 लाख करोड़ और इस साल का अनुमानित आंकड़ा 4.75 लाख करोड़ है।

कैट का दावा है कि इस बार दिवाली के मौके पर बाजारों में चीनी सामान बिल्कुल गायब हो चुके हैं। इसकी जगह स्वदेशी आइटम का दबदबा है। इस बार ग्राहक विभिन्न भारतीय उत्पादों को लेकर विशेष उत्साह दिखा रहे है।

इनमें मिट्टी के दीये, मूर्तिया, वॉल हैंगिंग्स, हैंडीक्राफ्ट, पूजन सामग्री, गृह सजावट से लेकर एफएमसीजी, इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रिकल सामान, बिल्डर्स हार्डवेयर, ऑटोमोबाइल, कपड़ा और टेपेस्ट्री, रेडीमेड वस्त्र, फर्नीचर, खिलौने, मिठाई, पर्सनल केयर प्रोडक्ट, किचनवेयर और बर्तन तक शामिल हैं। लगभग हर सेक्टर में बंपर बिक्री की संभावना है, जिसमें भारतीय कारीगर, निर्माता और व्यापारी प्रमुख भूमिका निभा रहे है।

जानकारों के मुताबिक इस बार दिवाली पर जबरदस्त कमाई हो सकती है। हो सकता है कि कमाई के पुराने रेकॉर्ड टूट जाएं। चांदनी चौक स्थित कपड़ा कारोबारी अभिषेक गनेड़ीवाला ने बताया कि मार्केट में इन दिनों दिवाली और वेडिंग शॉपिंग की धूम है। पिछले कुछ दिनों से लोगों की भीड़ बढ़ी है। उम्मीद है कि आने वाले दिनों में और तेजी आएगी।

वहीं ऑल इंडिया ज्वेलर्स एंड गोल्डस्मिथ फेडरेशन के अध्यक्ष पंकज अरोड़ा ने बताया कि सोने-चांदी की बढ़ी कीमतों की वजह से मार्केट में तेजी तो आई है। इन्वेस्टर ज्यादातर सोने और चांदी की खरीद कर रहे हैं। अगले साल तक सोने की कीमत में 10 हजार रुपये तक की और बढ़ोतरी हो सकती है।

कैट के अध्यक्ष विपिन आहूजा ने बताया कि इस साल रेकॉर्ड तोड़ बिक्री का अनुमान है। नवरात्रि से लेकर दशहरा तक बंपर बिक्री हुई है। साथ ही इस साल ' वोकल फॉर लोकल और लोकल फॉर ग्लोबल' का दृष्टिकोण, जिसमें ग्राहकों का जबरदस्त समर्थन मिला है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने राष्ट्रव्यापी वित्तीय जागरूकता अभियान शुरू किया

अहमदाबाद, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने देशव्यापी वित्तीय जागरूकता अभियान 'आपकी पूंजी, आपका अधिकार' की शुरुआत गुजरात से की। गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने संदेश भेजकर अभियान के सफल होने की शुभकामनाएं दीं। मौके पर गुजरात के वित्त मंत्री कनुभाई देसाई भी मौजूद रहे। सीतारमण ने कहा कि प्रत्येक नागरिक की बचाई गई राशि उन्हीं या उनके परिवार को लौटनी चाहिए। उन्होंने कहा, देश में कुल 1.82 लाख करोड़ राशि अनक्लेम्ड (कोई दावेदार नहीं) है। इसमें 75,000 करोड़ बैंक जमा, 14,000 करोड़ बीमा, 3,000 करोड़ म्यूचुअल फंड, 9,000 करोड़ कंपनियों में और 19,000 करोड़ शेयर के रूप में हैं। यह रकम गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए बड़ी सहायता बन सकती है। उन्होंने अभियान के तीन स्तंभों के रूप में

जागरूकता , सुलभता और कार्रवाई को रेखांकित किया। उन्होंने कहा, इनके माध्यम से नागरिकों को अपने बकाया वित्तीय दावे सरलता और पारदर्शिता से प्राप्त करने में मदद मिलेगी।

टोल प्लाजा पर अब डिजिटल भुगतान पर सिर्फ सवा गुना शुल्क

सरकार ने टोल प्लाजा पर नकद लेनदेन को हतोत्साहित करने के लिए बड़ा फैसला किया है। सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि 15 नवंबर से यदि कोई वाहन बिना वैध फास्टैग के राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के टोल प्लाजा में प्रवेश करता है, तो उसे डिजिटल भुगतान करने पर सवा गुना और नकद भुगतान पर दोगुना टोल लगेगा। अभी नकद व यूपीआई दोनों माध्यमों से भुगतान पर दोगुना शुल्क लगता है। नए नियमों से डिजिटल पेमेंट पर राहत मिलेगी। टोल संचालन में तेजी आएगी।

निफ्टी-50 एफएंडओ कांट्रैक्ट का लॉट साइज 75 से घटकर 65

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज यानी एनएसई ने निफ्टी-50 फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस (एफएंडओ) कॉन्ट्रैक्ट्स का लॉट साइज 75 से घटाकर 65 कर दिया है। यह बदलाव विशेष रूप से 30 दिसंबर के बाद समाप्त होने वाले तिमाही और छमाही अनुबंधों पर लागू होंगे। साप्ताहिक और मासिक अनुबंध उस तिथि तक मौजूदा लॉट साइज के साथ जारी रहेंगे। निफ्टी-50 का लॉट साइज घटकर 65 हो जाने के साथ बैंक निफ्टी कॉन्ट्रैक्ट साइज 35 से 30 हो जाएगा। निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज 65 से 60 हो जाएगा। निफ्टी मिडकैप सेलेक्ट 140 से घटकर 120 हो जाएगा।

जीएसटी घटी तो वितरकों के कमीशन पर कैंची चलाने लगीं बीमा कंपनियां

सरकार ने व्यक्तिगत पॉलिसियों पर जीएसटी हटा कर इनपुट टैक्स क्रेडिट यानी आईटीसी वापस ले लिया है। इसका सीधा असर बीमा एजेंटों पर पड़ रहा है। कंपनियां अब वितरकों को कम कमीशन दे रही हैं। इससे वितरकों में निराशा है। एक अक्तूबर से निवा बुपा, केयर हेल्थ और आईसीआईसीआई लोम्बार्ड ने जीएसटी सहित कमीशन माना है। इससे वितरकों की कमीशन की कमाई 18 फीसदी घट गई है। उदाहरण के लिए, 1,000 रुपये का कमीशन अब 847 का हो गया है।

यह कदम बिचौलियों को प्रभावित कर रहा, जो व्यक्तिगत जीवन और स्वास्थ्य बीमा उत्पादों से जुड़े हैं। स्वास्थ्य बीमा में कमीशन की हिस्सेदारी 15-20 फीसदी है। स्वास्थ्य बीमा का सालाना 40 से 50 हजार करोड़ रुपये का कारोबार है। इस पर करीब 1,800 करोड़ का नुकसान होने की संभावना है।

ग्राहकों को प्रीमियम में नहीं मिलेगी विशेष राहत...

बीमा कंपनियां पूरा जीएसटी लाभ ग्राहकों को दे रही हैं, लेकिन आईटीसी के नुकसान को पूरा करने के लिए वितरकों को मिलने वाला कमीशन कम कर रही हैं। जीवन बीमा कंपनियां भी इसी तरह दबाव में हैं। उद्योग ने 2023-24 में करीब 24,000 करोड़ जीएसटी भरा था। इसमें से 14,000 करोड़ का आईटीसी मिला था। अब आईटीसी नहीं मिलने के कारण कंपनियों को लगभग 15,000 करोड़ का नुकसान होगा।

इसका हिस्सा कंपनी के मुनाफे और अन्य खातों में दिखेगा। ग्राहकों को प्रीमियम में कोई खास राहत नहीं मिलेगी, क्योंकि कंपनियां अपने नुकसान को पूरा करने के लिए कीमतें प्रीमियम बढ़ा सकती हैं।

स्टार्टअप या 'तबाही का खेल'? 90% लोग इसलिए हो जाते हैं फेल

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत में स्टार्टअप का ट्रेंड बढ़ा है। इसे शुरू करना अक्सर नया करने, अमीर बनने और आजादी पाने का रास्ता माना जाता है। हालांकि, यह कहना जितना आसान है, करना उतना ही मुश्किल। 'ग्रोईजी.एआई' के संस्थापक तेज पांड्या ने लिंक्डइन पर इसे लेकर एक पोस्ट किया है। इसमें उन्होंने बताया कि कैसे नया काम शुरू करने वाले को मानसिक और आर्थिक रूप से बहुत कुछ झेलना पड़ता है। उन्होंने कहा कि 10 में से 9 स्टार्टअप फेल हो जाते हैं। ऐसा हमेशा प्रोडक्ट की वजह से नहीं होता। ज्यादातर स्टार्टअप इसलिए बंद हो जाते हैं क्योंकि उनका मालिक पहले टूट जाता है। पांड्या ने बताया कि काम करने से ज्यादा हिम्मत रखना जरूरी है। उन्होंने यह भी बताया कि कैसे संस्थापक हमेशा एक भ्रम में जीते हैं। वे सोचते हैं कि अगला फीचर, अगली मार्केटिंग या अगला बदलाव उनकी कंपनी को बचा लेगा। लेकिन, यह अनिश्चितता सालों तक चलती है। सफलता की कोई गारंटी नहीं होती। इस दौरान उन्हें अपने दोस्तों से खुद की तुलना करनी पड़ती है जो स्थिर जीवन जी रहे होते हैं। संस्थापक अक्सर बिना सैलरी के काम करते हैं। अपनी सारी कमाई बिजनेस में लगा देते हैं। तेज पांड्या ने अपनी पोस्ट में स्टार्टअप की चुनौतियों के बारे में बताया है। उन्होंने कहा, नया काम शुरू करने वाले लोग हमेशा एक भ्रम में जीते हैं। वे खुद से कहते हैं कि अगला फीचर उनकी ग्रोथ को ठीक कर देगा। वे सोचते हैं कि अगला मार्केटिंग कैंपेन नए ग्राहक लाएगा।

शेयर बाजार के लिए 9 अक्टूबर अहम

दूसरी तिमाही नतीजों से लेकर टेक्निकल फैक्टर्स तय करेंगे चाल; किस दिशा में जाएगा बाजार?

मुंबई, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। इस हफ्ते शेयर बाजार में 9 अक्टूबर की तारीख अहम है। वेल्थव्यू एनालिटिक्स के डायरेक्टर हर्षुभ शाह के मुताबिक इस दिन बाजार में बड़े मूव्स देखने को मिल सकते हैं। इसके अलावा कंपनियों के दूसरी तिमाही के नतीजे, ग्लोबल मार्केट के संकेत, विदेशी निवेशकों की खरीद-बिक्री से लेकर टेक्निकल फैक्टर्स बाजार की चाल तय करेंगे।

सपोर्ट यानी, वह स्तर जहां शेयर या इंडेक्स को नीचे गिरने से सहारा मिलता है। यहां खरीदारी बढ़ने से कीमत आसानी से नीचे नहीं जाती। इन स्तरों पर खरीदारी का मौका मिल सकता है।

रेजिस्टेंस यानी, वह स्तर जहां शेयर या इंडेक्स को ऊपर जाने में रुकावट आती है। ऐसा बिकवाली बढ़ने से होता है। अगर निफ्टी रजिस्टेंस जोन को पार करता है, तो नई तेजी आ सकती है।

ट्रेडिंग आउटलुकः क्या करें ट्रेडर्स?

अहम तारीखों पर नजरः रिपोर्ट में 9 अक्टूबर को बाजार में तेज मोमेंटम की संभावना जताई गई है। इसके अलावा 6 और 7 अक्टूबर को भी बाजार के लिए अहम तारीख बताई गई है। सपोर्ट-रेजिस्टेंस का ध्यानः बताए गए सपोर्ट लेवल के नीचे शॉर्ट ट्रेड्स पर विचार कर सकते हैं। वहीं, रेजिस्टेंस लेवल पार करने पर लॉन्ग पोजीशन लेने का मौका हो सकता है। टाइम क्लस्टर का इस्तेमालः डे ट्रेडर्स इन टाइम क्लस्टर का इस्तेमाल करके बाजार के मूवमेंट को पकड़ सकते हैं। ये समय बाजार में तेजी या गिरावट की शुरुआत का संकेत दे सकते हैं। सावधानी जरूरीः बाजार में कभी भी उतार-चढ़ाव तेज हो सकता है, इसलिए कोई भी ट्रेड लेने के बाद रिस्क मैनेजमेंट और स्टॉप-लॉस का इस्तेमाल जरूर करें।

अगला ट्रेडिंग डे (6 अक्टूबर): बाजार में हल्की तेजी की उम्मीद है। शुक्रवार के 25,904 के हाई के ऊपर ब्रेकआउट होने पर निफ्टी 25,000 तक जा सकता है। मुख्य सपोर्ट 24,800 पर है।

कारणः DII की खरीदारी FII की बिकवाली को बैलेंस कर रही है। कम VIX (10.06) नीचे की ओर जाने के डर को कम कर रहा है। बुलिश MACD + हाई वॉल्यूम से तेजी के संकेत मिल रहे हैं। RSI 58 पर है जो ओवरबॉट रिस्क से बचाता है।

पूरे हफ्ते (6–10 अक्टूबर): कुल मिलाकर तेजी की संभावना है। अगर FII बिकवाली तेज हुई तो थोड़ी गिरावट आ सकती है, लेकिन DII सपोर्ट + गिरता VIX नुकसान को सीमित रखेगा।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

गृह स्थिति	
सुर्य	कन्या
चंद्र	मीन
मंगल	तुला
बुध	तुला
गुरु	मिथुन
शुक्र	सिंह
शनि	मीन
राहु	कुंभ
केतु	सिंह

लग्नारंभ समय	
कन्या	04-52 बजे
तुला	06-57 बजे
वृश्चिक	09-07 बजे
धनु	11-21 बजे
मकर	13-28 बजे
कुंभ	15-18 बजे
मीन	16-56 बजे
मेष	18-31 बजे
वृष	20-17 बजे
मिथुन	22-17 बजे
कर्क	00-30 बजे
सिंह	02-41 बजे

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य दक्षिणायने,ऋतु- शरद
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय 06-10
भोग्य कलि वर्ष-426874 सूर्यास्त. 17-59
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126
दिशाशूल - पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
मास - आश्विन शुक्ल सोमवार 06 October
तिथि - चतुर्दशी 12-24 तक उपरान्त पूर्णिमा
नक्षत्र - पूर्वाभाद्रपद 06-16 तक उपरान्त उत्तराभाद्रपद
योग - वृद्धि 13-13 तक उप ध्रुव
करण - वणिज 12-24 तक उप विष्टी (भद्रा)
व्रत शरद पूर्णिमाव्रतं क्षीरपान
त्योहार कोजागरी व्रतं लक्ष्मींद्र पूजा

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 07-37 से 09-06 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	06-10 - 07-37	शुभ	चंचल	17-59 - 19-31	शुभ
काल	07-37 - 09-06	अशुभ	रोग	19-31 - 21-02	अशुभ
शुभ	09-06 - 10-35	शुभ	काल	21-02 - 22-33	अशुभ
रोग	10-35 - 12-04	अशुभ	लाभ	22-33 - 00-04	शुभ
उत्पात	12-04 - 13-33	अशुभ	उत्पात	00-04 - 01-35	अशुभ
चंचल	13-33 - 15-02	शुभ	शुभ	01-35 - 03-06	शुभ
लाभ	15-02 - 16-31	शुभ	अमृत	03-06 - 04-37	शुभ
अमृत	16-31 - 17-59	शुभ	चंचल	04-37 - 06-10	शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आपमें समर्पण की अद्भुत भावना आ गयी है । आपको परिवार से जुडी कई जिम्मेदारियां निभानी हैं और आप ऐसा बहुत अच्छे से करेंगे । जीवन की चुनातियों से निपटने के लिए आप अपने कौशलों को निखारने और अपनी छुपी हुई क्षमता को बाहर लाने के प्रयासों में जुटे हुए हैं । आपका सफ़र मुश्किल हो सकता है लेकिन आप इसका हरेक पल आनंद लेंगे ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आप आज किसी मनोरंजक व्यक्ति के साथ सम्बन्ध स्थापित करेंगे । उसके साथ मजेदार बातचीत से समय अच्छा गुजरेगा । इस आदमी से सीखने और प्रेरणा लेने की कोशिश करें । इससे आपको और लोगों की मन स्थिति समझने में भी मदद मिलेगी । परिवार की यात्रा में अगर अपनी मनपसंद जगह जाना है तो योजना बनाने के समय सबसे आगे रहें ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आज का दिन आपके लिए बहुत व्यस्त रहेगा ,या तो आपके पास मेहमान आयेंगे या आप किसी यात्रा पर जा सकते हैं । इसी समय आप अपने घर का नवीकरण ,नया घर खरीदने या दूसरी जगह शिफ्ट होने के बारे में भी सोच सकते हैं । हालाँकि आप पूरा दिन बहुत व्यस्त रहेंगे,फिर भी आप दिन का हरेक पल आनंद लेंगे ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डु, डे, डो,
आपकी प्रकृति उत्सुक और अदमनीय है और आप किसी भी प्रकार का नियंत्रण पसंद ना करते । आपको ऐसा करने की जरूरत भी नही है ,इसके स्तान पर ख़ुशी और प्यार दें और आपको भी बदले में खूब ख़ुशी और प्यार मिलेगा । अपनी काम की मारामारी वाली जिन्दगी में अपने सहकर्मियों के साथ किसी छोटी सी यात्रा पर जाकर रंग भर सकते हैं ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
अपने सब विचारों को एक साथ रखकर सोचें,इससे जो निष्कर्ष निकलेगा ,उससे आपको स्थितियों से निपटने में काफी मदद मिलेगी । अपने आप को उन चीजों में ना फंसने दें जिनमे आप विश्वास नही रखते । इन्हें छोड़कर आगे बढ़ जाएँ । इधर –उधर की हांकना आपकी आदत नही है ,लेकिन कई बार आपको ना चाहते हुए भी यह करना पड़ता है ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आप आसानी से आगे होने वाली बातों का अनुमान लगा लेते हैं । आपकी संचार क्षमता भी प्रभावशाली और नजरिया खुला है,इसीलिए जो आप चाहते हैं उसके लिए बहुत मेहनत करें । हमेशा गलतियाँ ढूँढने की फिराक में रहने वाले आक्रामक लोगों के साथ उलझने से बचें ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आज आप खुद को अधिक समर्पित अनुभव करेंगे और सारा लंबित काम निपटा लेंगे । ये सारा काम ख़त्म करके आपको एक तरह की संतुष्टि मिलेगी जिसे आपके अन्य करीबी भी नोट करेंगे । इसका नतीजा यह होगा की आपको घर और कार्यस्थल ,दोनों ही जगह अधिक सराहना मिलेगी ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यु,
आप अपनी बढ़ी हुई जिम्मेदारियों से परेशान हैं,लेकिन अभी आपको कोई राहत मिलती दिखाई नही दे रही । सबसे अच्छा यही है की आप शिकायत करना छोड़कर अपने कामों को पूरा करें । जितनी जल्दी पूरा करेंगे ,उतनी ही जल्दी बोझ कम होता जाएगा ।लेकिन इसका अर्थ यह भी नही है कि आपको इसे लापरवाही से पूरा करना है ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
इस समय लोग आपके बेहतरीन विचारों को सुनने –जानने के लिए बहुत उत्सुक हैं । आपको अब उनसे जो भी बात मनवानी है,आप आसानी से मनवा सकते हैं,इसके लिए कोई कसर न छोड़ें । अपनी अधिकार जताने की प्रवृति को नियंत्रण में रखें,यह आपके खिलाफ जा सकती है । अपना दिमाग खुला रखें,आपको किसी करीबी से कोई अप्रत्याशित खबर मिल सकती है ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आप उर्जा से भरे हैं और आशावादी सोच रखते हैं । कुछ दिन पहले तक जो भी चीजें बिलकुल व्यर्थ लग रही थी,आज उतनी नही दिखेंगी । आपके दृष्टिकोण की दृढ़ता और जीवनशक्ति से आपको इस स्थिति से निपटने में मदद मिलेगी । आज का दिन अपनी सोच,विचारों और इच्छाओं को खुलकर व्यक्त करने के लिए भी बहुत उपयुक्त है ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आज आप महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपने सम्बन्धियों से बात कर सकते हैं । प्यार से बातचीत करें और नम्र बने रहें । अगर आप अभी स्थिति को नही संभाल पा रहें हैं तो अभी इसे छोड़ दें । अगर मूड हल्का करना चाहते हैं तो शाम को किसी समारोह में भाग लें । आध्यात्मिकता और विश्वास पर फोकस करने से आपको सहायता मिलेगी ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आप अन्दर से डरे हुए से हैं । यह जान लें कि इन मुद्दों से घबराने की जरूरत नही है। इन वर्तमान समस्याओं के कई कारण हैं और इनके लिए दुसरे जिम्मेदार हैं,आप नहीं । ये छोटी बातें जल्दी ही सुलझ जायेंगी । अपने आपको राहत देने के लिए किसी मनोरंजक कार्यकलाप की योजना बनाएं ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

कमल के फूल जैसा टर्मिनल, सालाना 2 करोड़ यात्री भरेंगे उडान

नवी मुंबई एयरपोर्ट का उद्घाटन 8 अक्टूबर को पीएम मोदी करेंगे

मुंबई, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुंबई में हवाई यात्रा का अनुभव जल्द ही बदलने वाला है। मुंबई में दूसरा नया एयरपोर्ट यानी नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट शुरू होने वाला है। इस नए एयरपोर्ट पर यात्रियों को एक खास सुविधा मिलेगी। अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों के लिए यात्री अपनी पहली उड़ान के एयरपोर्ट पर ही इमिग्रेशन क्लियर कर पाएंगे। यह एनएमआईए शुरुआत में हर साल दो करोड़ यात्रियों को संभालने की क्षमता रखेगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 8 अक्टूबर को इस एयरपोर्ट का उद्घाटन करेंगे। इसके उद्घाटन के एक महीने के अंदर ही यहां से कमर्शियल उड़ानें शुरू हो जाएंगी।

अहमदाबाद, सूरत और हैदराबाद जैसे शहरों से मुंबई आने वाले यात्री NMIA पर ही इमिग्रेशन की प्रक्रिया पूरी कर सकेंगे। इसके बाद वे अपनी अगली कनेक्टिंग फ्लाइट पकड़ पाएंगे। यह यात्रा को बहुत आसान और सुविधाजनक बना देगा। यह सुविधा दुबई, दोहा, अबू धाबी या सिंगापुर चांगी जैसे बड़े इंटरनेशनल हब जैसी होगी।

अधिकारियों ने बताया कि इसमें एक बड़ा अंतर 'आत्मनिर्भरता' का होगा। इसका मतलब है कि ज्यादातर यात्री भारतीय एयरलाइंस से यात्रा करेंगे। वे विदेशी एयरलाइंस के लिए सिर्फ यात्री नहीं होंगे, बल्कि भारतीय एयरलाइंस को बढ़ावा मिलेगा।

दिल्ली में भी इसी तरह का एक मॉडल अपनाया जा रहा है। अमृतसर, चंडीगढ़, जयपुर, लखनऊ और वाराणसी से आने वाले यात्री। वे इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंचने से पहले ही इमिग्रेशन क्लियर कर लेंगे। यह सुविधा उनकी अंतर्राष्ट्रीय कनेक्टिंग उड़ानों के लिए होगी। इसी बीच, नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट भी इस साल के आखिर में शुरू होने की उम्मीद है। यह एयरपोर्ट मुख्य रूप से घरेलू उड़ानों पर ध्यान देगा। यहां से यात्री देश के अंदर ही एक जगह से दूसरी जगह जा सकेंगे।

अधिकारियों ने बताया कि मुंबई में दो एयरपोर्ट होने से एक बड़ा फायदा होगा। यह 'डुअल एयरपोर्ट सिस्टम' मुंबई को भारत से इंटरनेशनल पैसेंजर के लिए मुख्य प्रवेश द्वार बना देगा। इसके साथ ही यह टियर II और टियर III शहरों को भी दुनिया से बहुत अच्छे और प्रभावी तरीके से जोड़ेगा। इससे छोटे शहरों के लोगों के लिए भी अंतर्राष्ट्रीय यात्रा आसान हो जाएगी।

इस नए एयरपोर्ट का नाम दिवंगत लोकनेता दिनकर बालू (डीबी) पाटिल के नाम पर रखा जाएगा। डीबी पाटिल स्थानीय किसान नेता थे। डीबी पाटिल नवी मुंबई के पूरे इलाके में एक जाना-पहचाना चेहरा रहे हैं। उन्हें इसलिए याद किया जाता है क्योंकि उन्होंने उन परिवारों के लिए बहुत काम किया, जिनकी जमीन शहर के विकास के लिए ली गई थी। उन्होंने इन परिवारों के लिए पुनर्वास और मुआवजे की बातचीत की थी।

यह एयरपोर्ट 1160 हेक्टेयर जमीन पर फैला हुआ है। इसे सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल पर बनाया जा रहा है। इसमें अडानी एयरपोर्ट होल्डिंग्स की 74% हिस्सेदारी है। वहीं, सिडको की 26% हिस्सेदारी है। इसका डिजाइन कमल के फूल से प्रेरित है। यह भारतीय विरासत और आधुनिक टिकाऊ इंजीनियरिंग का मिश्रण है। इसे एशिया के सबसे उन्नत एयरपोर्ट्स में से एक माना जा रहा है।

इस टर्मिनल का उद्घाटन पहले चरण में किया जा रहा है। इसकी क्षमता हर साल लगभग 2 करोड़ यात्रियों को संभालने की है। यह एयरपोर्ट लगभग 8 लाख टन कार्गो (माल) भी आसानी से संभाल सकता है। जब यह एयरपोर्ट पूरी तरह से बनकर तैयार हो जाएगा, तो इसकी क्षमता और बढ़ जाएगी।

तब यह हर साल लगभग 9 करोड़ यात्रियों और 30 लाख टन से अधिक कार्गो को संभाल पाएगा। पूरा होने पर, यह एयरपोर्ट एशिया का सबसे बड़ा विमानन केंद्र बनने वाला है, जो एक बड़ी उपलब्धि होगी।

चिली और पेरू के साथ व्यापार समझौतों की बातचीत अक्टूबर-नवंबर में

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत और दक्षिण अमेरिका के दो देशों चिली और पेरू के बीच अगले दौर की बातचीत क्रमशः अक्टूबर और नवंबर में होगी। सरकार के एक अधिकारी ने यह जानकारी साझा की। अधिकारी ने बताया कि चिली के साथ पांच दिवसीय वार्ता 27 अक्टूबर को सैंटियागो में तो पेरू के साथ तीन दिवसीय बातचीत 3 नवंबर को लीमा में शुरू होगी। दोनों समझौतों पर अलग-अलग बातचीत की जा रही है।

चिली के साथ दूसरे और पेरू के साथ आठवें दौर की बातचीत होगी

भारत चिली के साथ दूसरे दौर की व्यापार वार्ता और पेरू के साथ आठवें दौर की बातचीत करेगा। भारत और चिली ने 2006 में एक अधिमान्य व्यापार समझौता (पीटीए) लागू किया था और अब वे एक व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) के लिए इसके दायरे को बढ़ाने पर बातचीत कर रहे हैं।

सीईपीए का उद्देश्य दोनों देशों के बीच मौजूदा पीटीए को आगे बढ़ाना है और इसमें डिजिटल सेवाओं, निवेश बढ़ाने और सहयोग करने,

एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम) और महत्वपूर्ण खनिजों सहित क्षेत्रों की एक व्यापक श्रृंखला को शामिल करना है। भारत और चिली के बीच द्विपक्षीय व्यापार मामूली है। 2024-25 में, चिली को भारत का निर्यात 2.46 प्रतिशत घटकर मात्र 1.15 अरब अमेरिकी डॉलर रह गया। हालांकि, आयात 72 प्रतिशत बढ़कर 2.60 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया है।

चिली को भारत का सबसे बड़ा निर्यात ऑटो और फार्मा

चिली को भारत का सबसे बड़ा निर्यात ऑटो और फार्मा है। चिली से सबसे बड़े आयात लगभग 1.58 अरब डॉलर के खनिज हैं। चिली से आयातित अन्य उत्पादों में तांबा और रसायन भी शामिल हैं। चिली एलएसी (लैटिन अमेरिकी देशों) क्षेत्र में भारत का पांचवां सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है।

चिली को भारत का निर्यात विविध है और इसमें मोटर वाहन/कार, औषधि निर्माण, रसायन, लोहा और इस्पात उत्पाद, मानव निर्मित धागा, कपड़े, सूती कपड़े, मेड-अप, आरएमजी (रेडीमेड वस्त्र), ऑटो घटक, विद्युत मशीनरी और उपकरण, चमड़े के सामान, रबर उत्पाद, एल्यूमीनियम और इससे बने उत्पाद उत्पाद और चीनी मिट्टी की वस्तुएं शामिल हैं। दूसरी ओर, पेरू लैटिन अमेरिकी और कैरेबियाई क्षेत्रों में भारत का तीसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बनकर उभरा है।

2024-25 के दौरान पेरू को भारत का निर्यात लगभग 9 प्रतिशत बढ़कर 1 अरब डॉलर हो गया। दूसरी ओर, आयात 60 प्रतिशत बढ़कर 4.98 बिलियन डॉलर पर पहुंच गया। पेरू को भारत के मुख्य निर्यात में मोटरसाइकिल और तिपहिया वाहन, पॉलिएस्टर और सूती धागे, फार्मास्यूटिकल्स, लोहा और इस्पात उत्पाद, प्लास्टिक उत्पाद, रबर, तेल और गैस उद्योग के लिए पाइप, टायर, पाइप आदि शामिल हैं। पेरू से मुख्य आयात सोना, तांबा, सिंथेटिक तंतु, कैल्शियम फॉस्फेट, ताजे अंगूर और मछली का आटा हैं।

वही नौकरी, वही सैलरी लेकिन बेंगलुरु के मुकाबले गुड़गांव ने कर दी जेब ज्यादा ढीली

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। आपको अपनी मनचाही नौकरी मिल जाती है। सैलरी भी कागज पर बहुत अच्छी लगती है। सब कुछ ठीक लगता है। लेकिन फिर आपका शहर आपकी कमाई का एक बड़ा हिस्सा खा जाता है। सच यह है कि हर जगह सैलरी एक जैसी नहीं चलती। सीए मीनल गोयल के लिए बेंगलुरु से गुरुग्राम जाना एक बड़ा सबक था। यह सबक हर महीने 10,000 रुपये का था। इससे उन्हें पता चला कि शहर कैसे आपकी बचत, जीवनशैली और जोखिम लेने की क्षमता को चुपचाप बदल देता है। जब मीनल पहली बार गुरुग्राम गईं, तो किराए ने उन्हें चौंका दिया। ऑफिस के पास एक अच्छे 1BHK का किराया करीब 25,000 रुपये था। इसमें रखरखाव और बिजली-पानी का खर्च शामिल नहीं था। हफ्ते में कुछ बार बाहर खाना खाने पर 6,000 से 8,000 रुपये खर्च हो जाते थे। इसके अलावा कैब, किराने का सामान और वीकेंड के प्लान भी थे। अचानक उनका मासिक खर्च 45,000 रुपये तक पहुंच गया।

बेंगलुरु में कहानी कुछ और थी। वहां उसी तरह का अपार्टमेंट लगभग 18,000 रुपये में मिल जाता था। किराने का सामान और खाना भी थोड़ा सस्ता था। ऑटो और कैब भी बहुत महंगे नहीं लगते थे। वहां उनका मासिक खर्च करीब 35,000 रुपये था।

पहली नजर में हर महीने 10,000 रुपये का अंतर शायद बड़ा न लगे। लेकिन अगर इसे एक साल तक देखें, तो यह एक लाख रुपये से ज्यादा हो जाता है। यह वह पैसा था जिसे बचाया जा सकता था, निवेश किया जा सकता था, या साइड बिजनेस शुरू करने में लगाया जा सकता था। मीनल कहती हैं कि इस अंतर ने उन्हें अपनी 9 से 5 नौकरी से हटकर जोखिम लेने में बहुत मदद की। इससे उन्हें ज्यादा आत्मविश्वास मिला। सीख यह है कि महत्वाकांक्षा सिर्फ मेहनत और भागदौड़ के बारे में नहीं है। यह इस बात पर भी निर्भर करती है कि आप कहां रहते हैं। कुछ शहर आपकी सैलरी को पूरी तरह खत्म कर देते हैं। जबकि कुछ शहर आपको बड़े सपने देखने के लिए जगह देते हैं।

विधायक की गिरफ्तारी और उच्च स्तरीय जांच की मांग की भाजपा ने

जांजगीर चाम्पा, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चाम्पा और सक्ती जिले के विधायकों के अवैध उगाही और धोखाधड़ी के मामलों के बाद भाजपा ने इस मुद्दे को बड़ा बनाते हुए कार्रवाई की मांग की है। पार्टी के पदाधिकारियों ने एसपी कार्यालय में पहुंचकर जैजैपुर विधायक बालेश्वर साहू की गिरफ्तारी और निलंबन की कार्रवाई की मांग करते हुए राज्य सरकार से उच्च स्तरीय जांच की मांग भी की। भाजपा पदाधिकारियों ने एसपी कार्यालय में राजपाल के नाम ज्ञापन सौंपा और बालेश्वर साहू के खिलाफ एफआईआर के मद्देनजर उनकी गिरफ्तारी और विधानसभा अध्यक्ष से बर्खास्तगी की मांग की।

पूर्व नेता प्रतिपक्ष ने लगाए गंभीर आरोप

पूर्व नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने जैजगीर-चाम्पा और सक्ती जिले के कांग्रेसी विधायकों पर सीधे आरोप लगाए। उन्होंने बालेश्वर साहू पर अपराधिक प्रवृत्ति होने का दावा किया। साथ ही पामगढ़ विधायक शेषराज हरवंश के वायरल ऑडियो की जांच की मांग करते हुए आरोप लगाया कि उन्होंने रेत के अवैध कारोबार में रेत से तेल निकालने जैसी गतिविधियों में कलेक्टर और एसडीएम तक को शामिल किया।

चंदेल ने कांग्रेस पार्टी से सवाल किया कि राघवेन्द्र सिंह कौन है- क्या वह विधायक हैं या कोई और—और जांजगीर-चाम्पा विधायक पर अपराधियों से संबंध होने का आरोप भी लगाया। उन्होंने पूरे मामले में उच्च स्तरीय जांच की आवश्यकता पर जोर दिया।

भाजपा ने बनाया बड़ा मुद्दा

कांग्रेस विधायकों के खिलाफ लगातार प्रकरणों के सामने आने के बाद भाजपा ने इस मुद्दे को भुनाते हुए उच्च स्तरीय जांच की मांग की है और कार्रवाई की सख्ती पर जोर दिया है।

जुए में हारे पैसे छुपाने बनाया 1.29 करोड़ की चांदी लूट का झूठा ड्रामा, पुलिस ने 24 घंटे में किया खुलासा

रायपुर, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में चांदी के कारोबारी के बनाई गई फर्जी लूट की कहानी का पर्दाफाश हो गया। 1.29 करोड़ रुपए कीमत की चांदी की लूट का दावा करने वाले व्यापारी का झूठ पुलिस ने सिर्फ 24 घंटे में उजागर कर दिया। जांच में सामने आया कि व्यापारी ने जुए और सट्टे में भारी रकम गंवा दी थी और कर्ज से बचने के लिए उसने यह नाटक रचा था।

पुलिस को सूचना मिली थी कि कारोबारी राहुल गोयल के घर से 86 किलो चांदी के जेवर नकाबपोश लुटेरे ले भागे। राहुल ने बताया कि रात में दरवाजा खटखटाने पर उसने सोचा पड़ोसी कारोबारी होंगे और दरवाजा खोल

दिया। तभी दो लोग अंदर घुसे, कट्टा तान दिया, चाकू से हमला किया और उसे बेहोश कर रस्सी से बांध दिया। सुबह जब वह होश में आया तो जेवर और DVR दोनों गायब थे।

लेकिन जब पुलिस ने घटनास्थल की बारीकी से जांच की तो लूट का कोई सबूत नहीं मिला। न पड़ोसियों ने कुछ देखा, न ही किसी कैमरे में संदिग्ध गतिविधि मिली। इसके बाद व्यापारी से सख्ती से पूछताछ की गई, तो उसने पूरा सच कबूल कर लिया। मूल रूप से अलीगढ़ (यूपी) का रहने वाला राहुल गोयल रायपुर में शिवा ट्रेडर्स नाम से कारोबार करता है। वह आगरा से चांदी लाकर रायपुर में सप्लाई करता था और प्रति किलो पर कमीशन कमाता था। दिवाली सीजन के लिए वह 200 किलो चांदी लाया था, जिसमें से 100 किलो वापस भेज दी और कुछ बिक चुकी थी। बाकी 86 किलो चांदी का हिसाब उसने गायब बताकर लूट की झूठी रिपोर्ट दर्ज कराई।

दरअसल, राहुल ने जुए और सट्टे में लाखों गंवा दिए थे। इसी नुकसान से बचने और कंपनी को पैसे लौटाने से बचने के लिए उसने लूट की मनगढ़ंत कहानी गढ़ी। पुलिस ने मामले का भंडाफोड़ करते हुए बताया कि मोबाइल लोकेशन और आसपास के सीसीटीवी फुटेज में लूट जैसी कोई घटना नहीं दिखी। झूठ पकड़े जाने के बाद राहुल ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया।

हसदेव में डूबे 5 दोस्त, एक की लाश मिली, 2 लापता: 2 लोग बचाए गए

पिकनिक मनाने आए थे, नहाते समय हादसा; ड्रोन से तलाश जारी

बिलासपुर, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले में शनिवार को हसदेव नदी में 5 दोस्त डूब गए। इनमें एक युवक और एक युवती को बचा लिया गया। रविवार को अंकुर कुशवाहा का शव घटना स्थल से 15-17 किलोमीटर दूर कुदरी बैराज से पहले मिला है। 2 लोग स्वर्णरेखा और आशीष भोई अभी भी लापता हैं।

बताया जा रहा है कि पांचों दोस्त पिकनिक मनाने के लिए नदी किनारे आए थे। नहाते समय तेज बहाव में बह गए। शनिवार शाम अंधेरा होने के कारण रेस्क्यू ऑपरेशन रोक दिया गया था। रविवार सुबह से रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। साथ ही तलाशी में ड्रोन की मदद भी ली जा रही है। मामला पंतोरा चौकी क्षेत्र के देवरी गांव का है।

जानिए कैसे हुआ हादसा ?

दरअसल, शनिवार को 3 युवक और 2 युवतियां देवरी गांव पिकनिक स्पॉट आए थे। शाम करीब 6 बजे के आसपास पांचों लोग नदी में नहाने के लिए उतरे। इस दौरान हल्का अंधेरा होने की वजह से युवक-युवतियों को गहराई का अंदाजा नहीं हो सका, वह ज्यादा गहराई की ओर चले गए।

इस दौरान युवक-युवती नदी की तेज बहाव में बहने और गहराई में डूबने लगे। नदी किनारे मौजूद स्थानीय लोगों ने जैसे ही डूबते देखा तुरंत छलांग लगाई और बचाने की कोशिश की। स्थानीय लोगों ने सिर्फ एक युवती मोनिका सिन्हा और एक युवक लक्ष्मी शंकर को ही बचा पाए, जबकि 2 युवक और एक युवती तेज बहाव में बह गए।

एनीकेट के पास देखी गई एक लाश

पंतोरा चौकी प्रभारी दिलीप सिंह ने बताया कि रविवार सुबह 6 बजे से जिला बल और एसडीआरएफ की टीम ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। स्वर्णरेखा की लाश सतीगुड़ी एनीकेट के पास देखी गई थी, लेकिन पानी के तेज बहाव के कारण लाश आगे बह गई।

पंतोरा चौकी प्रभारी ने बताया कि कुदारी बैराज के पास स्थानीय गोताखोरों को तैनात किया गया है। 2-3 दिनों से हो रही बारिश से हसदेव नदी का जलस्तर बढ़ा हुआ है। कुदारी बैराज के भी 3 गेट खुले हुए हैं। नदी किनारे गांवों के सरपंचों को भी जानकारी दी गई है।

ड्रोन कैमरे की मदद से तलाश की जा रही

वहीं एएसपी उमेश कश्यप ने बताया कि शनिवार को स्वर्णरेखा की कार से सभी देवरी गांव के पिकनिक स्पॉट हसदेव नदी के पास पहुंचे थे। स्वर्णरेखा, अंकुर कुशवाहा, आशीष भोई ये बिसलपुर में पीएससी की कोचिंग कर रहे थे। साथ ही मोनिका सिन्हा भी तैयारी कर रही है।

इसके अलावा लक्ष्मी शंकर जांजगीर-चांपा जिले के अर्जुनी गांव में रेस्टोरेंट चलाता है। बिलासपुर से एसडीआरएफ की टीम को बुलाई गई है। ड्रोन कैमरे की मदद से तलाश की जा रही है। अंकुर कुशवाहा की डेडबॉडी मिल गई है, जबकि स्वर्णरेखा और आशीष भोई की तलाश की जा रही है।

150 करोड़ का जमीन घोटाला उजागर

रेरा ने खरीदी-बिक्री पर लगाई रोक

रायपुर, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में राज्य गठन के बाद का सबसे बड़ा जमीन घोटाला सामने आया है। यहां करीब 50 एकड़ सरकारी भूमि को पहले किसानों के नाम आवंटित किया गया और फिर योजनाबद्ध तरीके से इसे निजी कंपनियों और एक मल्टीनेशनल कंपनी को बेच दिया गया। इस पूरे खेल की कीमत लगभग 150 करोड़ रुपए बताई जा रही है।

सूत्रों के अनुसार, डोमा गांव (प.ह. नं. 84) की भूमि लंबे समय से राजस्व रिकॉर्ड में घास और चराई की जमीन के रूप में दर्ज थी। ऐसी भूमि किसी भी स्थिति में निजी स्वामित्व में नहीं दी जा सकती। इसके बावजूद कुछ किसानों को इसका आवंटन कर दिया गया। बाद में इन किसानों से दो नामी कंपनियों स्वास्तिक प्रोजेक्ट्स और रूपी रिसोर्सेस प्राइवेट लिमिटेड ने जमीन खरीद ली।

चौंकाने वाली बात यह रही कि अधिकारियों ने भी बिना किसी गहन जांच के यह ट्रांसफर मान्य कर दिया और करोड़ों की सरकारी जमीन निजी हाथों में पहुंच गई। इसके बाद यह भूमि एक बड़ी मल्टीनेशनल कंपनी को बेच दी गई, जिसने आगे प्लॉटिंग कर बिक्री की तैयारी शुरू कर दी।

बिना पंजीयन ही शुरू हुई बिक्री रेरा (रीयल एस्टेट रेग्युलेटरी अथॉरिटी) के मुताबिक, इस परियोजना का पंजीयन तक नहीं कराया गया था। इसके बावजूद सोशल मीडिया और विज्ञापनों के जरिए जमीन बेचने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई थी। शिकायत दर्ज होने पर रेरा ने जांच की और परियोजना की सभी गतिविधियों पर रोक लगा दी। रेरा ने इस मामले में तीन एजेंटों शशिकांत झा (पुणे), दीक्षा राजौर (मुंबई) और प्रॉपर्टी क्लाउड्स रियल्टी स्पेसिफायर प्राइवेट लिमिटेड (मुंबई) को नोटिस जारी किया है। इन पर नियमों के उल्लंघन का आरोप है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

गुमला में धार्मिक ढांचे को लेकर बीजेपी-जेएमएम आमने-सामने

बाबूलाल मरांडी ने सरकार पर लगाया तुष्टीकरण का आरोप

सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

रांची, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। झारखंड के गुमला जिले में कथित अवैध धार्मिक ढांचे को लेकर सियासत गरमा गई है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने हेमंत सोरेन सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि राज्य में अल्पसंख्यकों के तुष्टिकरण की राजनीति हो रही है। मरांडी ने चेतावनी दी है कि अगर इस मामले में कार्रवाई नहीं हुई तो भाजपा पूरे राज्य में आंदोलन करेगी।

वहीं, झामुमो ने भाजपा के आरोपों को पूरी तरह खारिज कर दिया है। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव और प्रवक्ता विनोद पांडेय ने कहा कि मरांडी हमेशा झूठ, अफवाह और सांप्रदायिक जहर फैलाकर राजनीति में बने रहना चाहते हैं। लेकिन झारखंड की जनता अब उनके बहकावे में आने वाली नहीं है।

नेता प्रतिपक्ष मरांडी ने हेमंत सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

मरांडी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को लिखे पत्र में आरोप लगाया कि गुमला नगर परिषद क्षेत्र के आजाद बस्ती, रजा कॉलोनी वार्ड 14 में एक राययती भूमि पर ताजिया रखने के लिए ईंट और बांस से ढांचा बनाया गया। यह निर्माण तीन हफ्ते से अधिक समय पहले हुआ था, लेकिन प्रशासन अब तक कार्रवाई नहीं कर पाया।

पत्र में दावा किया गया कि भूमि मालिक रूपेश कुमार सिंह की पुश्तैनी जमीन (0.71 एकड़) पर अतिक्रमण कर यह निर्माण किया गया। सिंह ने 9 सितंबर को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें झामुमो नेता मोहम्मद आरिफ अंसारी समेत अन्य लोगों पर अवैध निर्माण का आरोप लगाया गया था। मरांडी ने यह भी कहा कि जमीन पर कब्जे की जानकारी देने वालों को धमकाया गया और दंगे की चेतावनी दी गई। उन्होंने इसे ₹लैंड जिहाद₹ और ₹लव जिहाद₹ से जोड़ते हुए कहा कि राज्य में ऐसे मामलों की संख्या लगातार बढ़ रही है और यह सब सरकार की मौन स्वीकृति से हो रहा है।

उन्होंने सवाल उठाया कि क्या पुलिस पर राजनीतिक दबाव है, जिसकी वजह से न तो आरोपियों से पूछताछ हो रही है और न ही कार्रवाई। उन्होंने मांग की कि तुरंत इस ढांचे को हटाया जाए और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई हो।

घाटशिला उपचुनाव के लिए झामुमो का शंखनाद

मंत्रियों ने बूथ मजबूती का लिया संकल्प

घाटशिला, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। झारखंड के घाटशिला में झामुमो के विधानसभा स्तरीय प्रशिक्षण शिविर में उच्च तकनीकी शिक्षा मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू परिवहन मंत्री दीपक बिरूआ और सांसद जोबा माझी शामिल हुए। मंत्रियों ने कार्यकर्ताओं को बूथ मजबूत करने का संकल्प दिलाया और घाटशिला उपचुनाव के लिए शंखनाद किया। दीपक बिरूआ ने प्रत्येक बूथ में 500 वोट लाने का आह्वान किया।

जागरण संवाददाता, घाटशिला। घाटशिला के टाउन हॉल में झामुमो के विधानसभा स्तरीय प्रशिक्षण शिविर में झारखंड सरकार के उच्च तकनीकी शिक्षा मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू, परिवहन मंत्री दीपक बिरूआ, सांसद जोबा माझी समेत कई नेता पहुंचे। इस प्रशिक्षण शिविर में विधानसभा के विभिन्न प्रखंड से पार्टी के पदाधिकारी, बूथ स्तर से सक्रिय पांच पांच सदस्य पहुंचे।

कार्यक्रम में सैकड़ों लोगों के बीच मंत्रियों ने घाटशिला उप चुनाव के लिए शंखनाद करते हुए सभी को बूथ मजबूत करने का संकल्प लिया। मंत्रियों ने कार्यकर्ताओं के बीच जोश भरने का काम किया।

प्रशिक्षण शिविर में बहरागोड़ा के विधायक समीर मोहंती, पूर्व विधायक कुणाल सारंगी, लक्ष्मण टुडू, सोमेश सोरेन, मोहन कर्मकार, राजू गिरी, जिला परिषद चेयरमैन बारी मुर्मू समेत कई नेता मौजूद थे।

ने कहा जितना भी प्रयास भाजपा कर ले इस क्षेत्र से हमारे जड़ को हिलाना मुश्किल है। प्रत्येक बूथ में 500 वोट लाने का संकल्प लेना होगा। कोई भी घाटशिला से आपको हराने की चुनौती नहीं दे सकता है।

बोकारो की सबसे कम उम्र की मुखिया सपना रहस्यमय तरीके से लापता, पुलिस जांच में जुटी

रांची, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। बोकारो जिले के गोमिया प्रखंड अंतर्गत पलिहारी गुरुडीह पंचायत की सबसे कम उम्र की मुखिया सपना बीते 2 अक्टूबर की दोपहर से लापता हैं। जानकारी के अनुसार, सपना दोपहर में अपने घर से बाहर निकली थीं, लेकिन इसके बाद वह अब तक वापस नहीं लौटीं।

परिजनों ने आसपास के इलाकों, रिश्तेदारों और जान-पहचान वालों के यहां खोजबीन की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। आखिरकार उनके पति ने गोमिया थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सपना ने वर्ष 2022 के पंचायत चुनाव में अपने निकटतम प्रतिद्वंदी सुनीता को मात्र 19 वोटों से हराकर बोकारो जिले की सबसे कम उम्र की मुखिया बनने का गौरव हासिल किया था। शुरुआत में वह एक कर्मठ और सक्रिय जनप्रतिनिधि के रूप में जानी जाती थीं।

हालांकि, अब उनके अचानक लापता हो जाने से पूरे इलाके में तरह-तरह की चर्चाएं तेज हो गई हैं। त्योहारों की रौनक के बीच इस घटना ने लोगों को सकते में डाल दिया है। ग्रामीणों के बीच यह चर्चा है कि क्या यह सिर्फ एक संयोग है या इसके पीछे कोई गहरा रहस्य छिपा है। फिलहाल पुलिस मुखिया सपना की तलाश में जुटी है, वहीं परिजन और ग्रामीण बेहद परेशान हैं।

नशे में धुत युवकों ने पुलिसकर्मियों से की मारपीट,तीन गिरफ्तार:चिरमिरी में रावण दहन के दौरान हुई थी घटना, दो की तलाश जारी

भरतपुर, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के चिरमिरी थाना अंतर्गत कोरिया चौकी क्षेत्र में पुलिसकर्मियों से मारपीट के मामले में तीन युवकों को गिरफ्तार किया गया है। यह घटना पोखरी तिराहा में रावण दहन कार्यक्रम के दौरान हुई थी। इस मामले में दो अन्य आरोपी अभी भी फरार हैं।

पुलिस रिपोर्ट के अनुसार, 2 अक्टूबर को रावण दहन कार्यक्रम में सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई थी। इसी दौरान निखिल सिंह, रवि विश्वकर्मा, नितेश विश्वकर्मा, विकास प्रधान और ओम पांडेय नामक युवक कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे। वे शराब के नशे में डांस कर रहे थे। जब ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों ने उन्हें सार्वजनिक स्थल पर ऐसा करने से मना किया, तो युवकों ने तीन पुलिसकर्मियों के साथ मारपीट की। उन्होंने गाली-गलौज करते हुए जातिगत शब्दों का भी प्रयोग किया और जान से मारने की धमकी दी। पुलिसकर्मियों की शिकायत पर कोरिया चौकी पुलिस ने इन युवकों के विरुद्ध मामला दर्ज किया। पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि दो अन्य आरोपी अभी भी फरार बताए जा रहे हैं।

पुराने तहसील कार्यालय में मिला युवक का शव

चाकू से किए गए वार, सीसीटीवी कैमरे खंगाल रही पुलिस

जगदलपुर, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। जगदलपुर में पुराने तहसील कार्यालय में एक युवक का शव मिला है। घटनास्थल को देखने के बाद ऐसा अंदाजा लगाया जा रहा है कि युवक को दौड़ा-दौड़ाकर मारा गया है। वहीं, घटनास्थल में खून के धब्बे के साथ ही पैरों के निशान भी दिखाई दे रहे हैं। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। पुराने तहसील कार्यालय में 2 गुटों में अज्ञात कारणों के चलते झगड़ा हुआ, जिसमें एक युवक के ऊपर चाकू से हमला किया गया। जिससे उसकी मौत हो गई। विवाद क्यों हुआ, किसके बीच हुआ इस बात की जानकारी नही मिली है, लेकिन जिस युवक का शव मिला है, उसका नाम करन बघेल बताया जा रहा है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। आसपास लगे दुकानों के सीसीटीवी फुटेज भी चेक किया जा रहा है।

बाघचंडी मंदिर में तोड़फोड़, कोलेबिरा में भड़का जनाक्रोश, बंद रहीं दुकानें

रांची, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। झारखंड के सिमडेगा जिले के कोलेबिरा प्रखंड स्थित प्रसिद्ध बाघचंडी मंदिर में अज्ञात असामाजिक तत्वों ने तोड़फोड़ की घटना को अंजाम दिया। इस घटना से पूरे क्षेत्र में आक्रोश और तनाव का माहौल फैल गया है। घटना की जानकारी तब सामने आई जब रविवार सुबह मंदिर के पुजारी पंचम सिंह पूजा के लिए मंदिर पहुंचे। उन्होंने देखा कि मंदिर का मुख्य दरवाजा टूटा हुआ है, बाहर लगे त्रिशूल को उखाड़कर फेंक दिया गया है, और लाइटें, गेट व पूजा सामग्री को क्षतिग्रस्त कर दिया गया है।

पुजारी पंचम सिंह ने बताया कि मुख्य पूजा स्थल के साथ भी छेड़छाड़ की गई है। कई धार्मिक वस्तुएं तोड़ दी गई हैं, और ऐसा प्रतीत होता है कि मंदिर की पवित्रता को भंग करने का प्रयास किया गया है। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोग बड़ी संख्या में मंदिर परिसर में जुट गए। लोगों ने इस घटना को आस्था पर हमला बताया और प्रशासन से दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। इस बीच, कोलेबिरा विधायक विक्सल कोंगाड़ी, पूर्व विधायक विमला प्रधान, और कई राजनीतिक दलों के नेताओं ने इस घटना की कड़ी निंदा की है।

हिंदू ब्रिगेड ने इस घटना को जिले की साम्प्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की साजिश बताया है। संगठन ने कहा कि "कुछ असामाजिक तत्व जिले के शांतिपूर्ण वातावरण को खराब करने की कोशिश कर रहे हैं। पहले चर्च में हमला और अब मंदिर में तोड़फोड़, यह एक गहरी साजिश का संकेत है। ऐसे तत्वों को किसी भी सूरत में सफल नहीं होने दिया जाएगा।"

भाजपा के प्रदेश स्तरीय नेता अशोक बड़ाइक ने कहा, "यह केवल एक मंदिर पर हमला नहीं, बल्कि हमारी आस्था, संस्कृति और परंपरा पर सीधा प्रहार है। हेमंत सरकार में न सनातनी सुरक्षित हैं, न मंदिर, न सरना स्थलों की सुरक्षा बनी हुई है। यह श्रद्धा के केंद्र को अपवित्र करने का घृणित प्रयास है। दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी होनी चाहिए।"

भाजपा जिलाध्यक्ष लक्ष्मण बड़ाइक ने कहा कि "यह घटना धार्मिक भावना को ठेस पहुंचाने का प्रयास है। प्रशासन को तत्काल सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।" पूर्व मंत्री विमला प्रधान ने कहा, "वर्तमान सरकार में न मंदिर सुरक्षित हैं, न चर्च। यह हमारी आस्था का अपमान है, और भाजपा इसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं करेगी।"

घटना के विरोध में कोलेबिरा के व्यापारियों ने रविवार को स्वतः अपनी दुकानें बंद रखीं। स्थानीय लोगों ने सड़क पर उतरकर विरोध प्रदर्शन किया और दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस दल मौके पर पहुंचा और पूरे मंदिर परिसर का निरीक्षण किया। पुलिस ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है और दोषियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

मधुमक्खियों के हमले से 2 की मौत, 5 घायल

खेत में नाश्ता करते वक्त मधुमक्खियों ने किया अटैक, 4 महिलाएं, एक युवक अस्पताल में भर्ती

राजनांदगांव, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले में खेत में काम करने के दौरान मधुमक्खियों ने हमला कर दिया। हमले में एक पुरुष और एक महिला की मौत हो गई, जबकि 4 महिलाएं और एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। मामला चिखली पुलिस चौकी क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के मुताबिक मृतकों का नाम शिव यदु और सुशीला देवांगन है। दोनों बजरंगपुर नवागांव वार्ड के रहने वाले थे। वहीं माया डोंगरे, सुमित्रा साहू, सुनीता यादव, पार्वती साहू और शिव यदु के बेटे का इलाज जिला अस्पताल और मेडिकल कॉलेज में चल रहा है।

दरअसल, शनिवार सुबह बजरंगपुर की 5 महिलाएं और 2 पुरुष गांव के जिंदल साहू के खेत में काम करने गए थे। इस दौरान करीब 9 बजे महिलाएं टिफिन निकालकर नाश्ता करने लगीं, तभी मधुमक्खियों ने हमला कर दिया। इस दौरान 5 महिलाएं और 2 पुरुष गंभीर रूप से घायल हो गए।

मधुमक्खियों के हमले के बाद महिलाएं खेत में ही अपना सामान छोड़कर भाग गई थी। खेत में सुनीता यादव के रखे सामान को लेने शिव यदु अपने छोटे बेटे को लेने गया था। इस दौरान मधुमक्खियों के हमले से बचने के लिए वह अपने साथ कंबल भी ले गया था।

इसके बाद भी शिव यदु और उसका बेटा मधुमक्खियों के हमले के चपेट में आ गए। बेटे को मधुमक्खियों के हमले से बचाने के लिए शिव ने अपना कंबल उसे ओढ़ा दिया। इस दौरान मधुमक्खियों ने शिव यदु को भी डंक मारकर घायल कर दिया।

शिव यदु और सुशीला देवांगन की मौत

वहीं नवागांव वार्ड पार्षद राजा तिवारी ने बताया कि मेडिकल कॉलेज में डॉक्टरों ने शिव यदु और सुशीला देवांगन को मृत घोषित कर दिया, जबकि माया डोंगरे, सुमित्रा साहू, सुनीता यादव, पार्वती साहू और शिव यदु के बेटे का इलाज जिला अस्पताल और मेडिकल कॉलेज में जारी है। उनकी हालत भी बेहतर है।

मधुमक्खी के डंक से एलर्जी और हार्ट फेल का खतरा

मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल के प्रभारी डॉ. पवन जेठानी ने बताया कि नवागांव में मधुमक्खियों के हमले में 4 लोग घायल हुए थे। उन लोगों को शनिवार को अस्पताल में भर्ती के लिए लाया गया था। घायलों में दो लोगों की मौत हो गई है। बाकी 2 लोगों का इलाज अभी चल रहा है।

'आने वाले दिनों में गाजा से सभी बंधकों की रिहाई की घोषणा की जाएगी'

नेतन्याहू ने जताई ऐसी उम्मीद

गाजा, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि गाजा से सभी बंधकों की रिहाई की घोषणा 'आने वाले दिनों में' कर दी जाएगी। वहीं, सोमवार को मिस्र में हमास के साथ अप्रत्यक्ष बातचीत होनी है, जिसमें युद्ध समाप्त करने के लिए अमेरिका की नई योजना पर चर्चा होगी। नेतन्याहू ने एक संक्षिप्त बयान में कहा कि उन्होंने 'तकनीकी मामलों को अंतिम रूप देने के लिए' एक प्रतिनिधिमंडल मिस्र भेजा है। उन्होंने यह भी कहा, 'हमारा लक्ष्य है कि इन बातचीत को कुछ ही दिनों के भीतर पूरा किया जाए।' नेतन्याहू का यह बयान हमास द्वारा अमेरिकी योजना की कुछ शर्तों को स्वीकार करने की घोषणा के बाद आया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हमास के बयान का स्वागत किया, लेकिन शनिवार को चेतावनी दी कि 'हमास को जल्दी कदम उठाना होगा, नहीं तो सारी संभावना खत्म हो जाएगी।' बता दें कि इजरायल और गाजा पट्टी के बीच का युद्ध, जो मुख्य रूप से हमास और इजरायली सेना के बीच चल रहा है। अक्टूबर 2023 से दोनों के बीच जंग छिड़ी हुई है। इस हमले में लगभग 1,200 इजरायली मारे गए और 250 से अधिक बंधक बनाए गए। इजरायल की जवाबी कार्रवाई ने गाजा में व्यापक तबाही मचाई है।

टैरिफ, राष्ट्रपति की शक्तियां व नागरिकता

सुप्रीम कोर्ट के नए कार्यकाल में इन मामलों पर आना है फैसला

वॉशिंगटन, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिका में सुप्रीम कोर्ट का एक महत्वपूर्ण कार्यकाल सोमवार से शुरू हो रहा है। इस कार्यकाल में राष्ट्रपति की शक्तियों के परीक्षण के साथ-साथ मतदान और एलजीबीटीक्यू लोगों के अधिकारों से जुड़े महत्वपूर्ण मामलों पर सुनवाई होनी है। अदालत का रूढ़िवादी बहुमत अब तक कम से कम शुरुआती फैसलों में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कई आक्रामक अधिकार-प्रत्यारोपों के प्रति सकारात्मक रहा है। उदारवादी न्यायाधीश केतनजी ब्राउन जैक्सन ने कैल्विन एंड हॉब्स कॉमिक स्ट्रिप का हवाला देते हुए ऐसे ही एक फैसले में रिसर्च फंडिंग में 78.3 करोड़ डॉलर की कटौती की अनुमति दी थी। जैक्सन ने लिखा, यह कैल्विनबॉल न्यायशास्त्र का एक अनोखा पहलू है। कैल्विनबॉल का सिर्फ एक ही नियम है।

कोई निश्चित नियम नहीं हैं। हमारे पास दो नियम हैंः पहला, और दूसरा, यह प्रशासन हमेशा जीतता है। कंजर्वेटिव न्यायाधीश ट्रंप की कुछ नीतियों की गहन जांच करते समय अधिक संशयी हो सकते हैं। इनमें राष्ट्रपति की ओर से टैरिफ लगाना और जन्मजात नागरिकता पर उनके वांछित प्रतिबंध शामिल हैं। जॉर्जटाउन विश्वविद्यालय के विधि विद्यालय में सुप्रीम कोर्ट संस्थान के कार्यकारी निदेशक इरव गोर्नस्टीन के अनुसार यदि अदालत में रूढ़िवादी-उदारवादी विभाजन जारी रहता है तो हम अब तक के सबसे अधिक ध्रुवीकरण वाला दौर देखेंगे।

न्यायाधीश अगले 10 महीनों में ट्रंप के कुछ सबसे विवादास्पद प्रयासों पर फैसला सुनाएंगे। राष्ट्रपति की शक्तियों पर तीन प्रमुख मामले विचाराधीन हैं नवंबर की शुरुआत में न्यायाधीश ट्रंप के आर्थिक एजेंडे से जुड़े एक अहम मामले की सुनवाई कर रहे हैं। यहां वे कई तरह के व्यापक टैरिफ की वैधता पर विचार कर रहे हैं। दो निचली अदालतों ने पाया है कि रिपब्लिकन राष्ट्रपति के पास आपातकालीन शक्तियों वाले कानून के तहत एकतरफा व्यापक टैरिफ लगाने का अधिकार नहीं है।

राज्यों और छोटे व्यवसायों का तर्क है कि ट्रंप राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा करके और उनसे निपटने के लिए टैरिफ का उपयोग करके कांग्रेस की कराधान शक्तियों को नहीं हड़प सकते। हालांकि, प्रशासन का कहता है कि यह कानून राष्ट्रपति को आयात को विनियमित करने का अधिकार देता है, और इसमें टैरिफ जैसे शुल्क भी शामिल हैं। वाशिंगटन स्थित एक संघीय अपील अदालत के चार असहमत न्यायाधीशों ने इस तर्क को स्वीकार करते हुए उच्च न्यायालय में संभावित कानूनी रास्ता तैयार किया। दिसंबर में, न्यायाधीश स्वतंत्र एजेंसियों के सदस्यों को अपनी इच्छानुसार बर्खास्त करने के ट्रंप के अधिकार पर विचार करेंगे। यह एक ऐसा मामला है जो संभवतः अदालत को 90 साल पुराने फैसले को पलटने या उसे पूरी तरह से सीमित करने के लिए प्रेरित करेगा। इसके लिए राष्ट्रपति की सीनेट की ओर से अनुमोदित अधिकारियों को उनके पदों से हटाने से पहले कर्तव्य की उपेक्षा जैसे किसी कारण की आवश्यकता होती थी।

इस मामले में भी नतीजों पर स्थिति साफ नहीं है क्योंकि रूढ़िवादियों ने मामले की सुनवाई के दौरान अधिकारियों की बर्खास्तगी को जारी रखा है। इससे पहले निचली अदालत के न्यायाधीशों ने बर्खास्तगी को अवैध पाया था। एक अन्य मामला जो अदालत में पहुंचा है लेकिन जिस पर अभी तक विचार नहीं किया गया है वह ट्रंप के कार्यकारी आदेश से जुड़ा है। इस आदेश के तहत अमेरिका में जन्मे उन बच्चों को जन्मसिद्ध नागरिकता देने से रोक लगा दी गई है, जिनके माता-पिता अवैध रूप से या अस्थायी रूप से अमेरिका में रह रहे हैं। प्रशासन ने निचली अदालतों एक फैसले को असंवैधानिक बताते हुए इस मामले में अपील की है। प्रशासन के अनुसार यह कानून 125 से अधिक वर्षों की आम समझ और 1898 के सुप्रीम कोर्ट के फैसले का उल्लंघन है। इस मामले पर सर्दियों के अंत या बसंत की शुरुआत में बहस हो सकती है।

ग्रेटा थनबर्ग के साथ इजरायल की कैद में हुई प्रताड़ना? आरोपों पर इजरायली दूतावास ने तोड़ी चुप्पी

तेल अवीव, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। मशहूर पर्यावरण एक्टिविस्ट ग्रेटा थनबर्ग समेत मानवाधिकार के कई कार्यकर्ताओं को इजरायली सेना ने हिरासत में ले लिया था। वहीं, अब इजरायल पर ग्रेटा का गुस्सा फूट पड़ा है। उनका दावा है कि हिरासत में इजरायली सेना ने उनके साथ बेहद बुरा बर्ताव किया है। ग्रेटा ने स्वीडिश अधिकारियों के सामने इसका खुलासा किया है। ग्रेटा का यह बयान इजरायली एक्शन के बाद आया है। इजरायल ने गाजा के लिए खाद्य सामाग्री लेकर जा रहे 40 छोटे जहाजों को रोक लिया था।

इन जहाजों में ग्रेटा समेत 400 से ज्यादा मानवाधिकार कार्यकर्ता मौजूद थे। ग्रेटा ने स्वीडिश विदेश मंत्रालय को ईमेल लिखते हुए कहा कि इजरायल ने उन्हें एक ऐसी जेल में रखा था, जहां ढेर सारे खटमल थे। हिरासत के दौरान उन्हें पर्याप्त खाना और पानी नहीं दिया गया। इजरायली सेना ने शनिवार को 2 अन्य एक्टिविस्टों को भी रिहा किया है। उन्होंने भी ग्रेटा के दावों की पुष्टि की हैं। उनका कहना है कि इजरायली सेना के लोगों ने ग्रेटा को बाल पकड़कर घसीटा और इजरायल का झंडा चूमने के लिए भी मजबूर किया।

शेख हसीना का तख्ता पलटने वाले छात्रों की पार्टी को चुनाव में क्यों चाहिए यह फूल!

ढ़ाका, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। नाहिद इस्लाम के नेतृत्व वाली बांग्लादेश की नेशनल सिटीजन्स पार्टी (एनसीपी) ने धमकी दी है कि अगर उसे उसके द्वारा मांगे गए चिन्हों में से एक-लाल या सफेद शापला (वाटर लिली) आवंटित नहीं किया गया, तो वह फरवरी 2026 के आम चुनावों को रोक देगी। चुनाव आयोग (ईसी) ने पुष्टि की है कि एनसीपी ने शुरुआत में 'शापला,' कलम, या मोबाइल फोन के लिए आवेदन किया था, लेकिन बाद में उसने अपने अनुरोध को संशोधित कर दिया और बांग्लादेश के राष्ट्रीय पुष्प और राष्ट्रीय प्रतीक- 'शापला' को चुनाव चिन्ह के रूप में लेने पर अड़ी हुई है। एनसीपी के मुख्य आयोजक सरजिस आलम ने अपने सोशल मीडिया पर कहा, ₹चूंकि कोई कानूनी बाधा नहीं है, इसलिए एनसीपी का चिन्ह शापला ही होना चाहिए। कोई और विकल्प नहीं है।

वरना, हम यह भी देखेंगे कि चुनाव कैसे होते हैं और कौन सत्ता हासिल करने और लूट का आनंद लेने का सपना देखता है। 24 सितंबर को, एनसीपी संयोजक इस्लाम ने चुनाव आयोग को एक आवेदन ईमेल करके 'शापला' को चुनाव चिन्ह के रूप में देने का अनुरोध किया था। यह तब हुआ जब चुनाव आयोग ने उनका अनुरोध यह कहते हुए अस्वीकार कर दिया था कि पार्टी को यह चिन्ह आवंटित नहीं किया जाएगा। एनसीपी के आवेदन में कहा गया है कि 4 जून को एनसीपी के प्रतिनिधियों ने चुनाव आयोग कार्यालय में समिति के एक सदस्य से मुलाकात की थी, जहां उन्हें आश्वासन दिया गया था कि 'शापला' को अंतिम सूची में शामिल किया जाएगा। इसके बाद, 22 जून को, पार्टी ने चुनाव आयोग की 10 मार्च की सार्वजनिक अधिसूचना के अनुरूप राजनीतिक दल के रूप में पंजीकरण के लिए आवेदन किया और 'शापला' चुनाव चिन्ह आरक्षित करने की भी मांग की। हालाँकि, चुनाव आयोग ने इस अनुरोध को अस्वीकार कर दिया।

जॉर्जिया के चुनावों में सत्तारूढ़ पार्टी की जीत के बाद बड़े पैमाने पर हिंसा और विरोध प्रदर्शन, राष्ट्रपति भवन में घुसी भीड़

मॉस्को, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। जॉर्जिया के स्थानीय चुनावों में सत्तारूढ़ पार्टी की जीत के बाद देश भर में हिंसा और विरोध प्रदर्शनों से हालात बेकाबू हो गए हैं। आक्रोशित भीड़ राष्ट्रपति भवन में प्रवेश करने लगी। मगर मौके पर तैनात पुलिस ने प्रर्शनकारियों पर आंसू गैस और पानी की तोपों का इस्तेमाल किया। जॉर्जिया की सड़कों पर हजारों लोग लोकतंत्र बचाने के लिए विपक्ष के आह्वान पर एकत्रित हुए हैं। सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन उस समय शुरू हुए जब कुछ विपक्षी नेताओं ने जॉर्जियन ड्रीम पार्टी की नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ "शांतिपूर्ण क्रांति" का आह्वान किया।

सत्तारूढ़ पार्टी पर रूसी समर्थक और अधिनायकवादी होने का आरोप है। देश का पश्चिम समर्थक विपक्ष पिछले साल तभी से प्रदर्शन कर रहा है, जब जॉर्जियन ड्रीम ने चुनाव जीता था। आलोचक कहते हैं कि जॉर्जियन ड्रीम ने धोखाधड़ी से चुनाव जीता था और उसके बाद जॉर्जियन ड्रीम ने जॉर्जिया की यूरोपीय संघ में सदस्यता वार्ता को रोक दिया, जो एक लंबे समय से चला आ रहा राष्ट्रीय लक्ष्य था। जॉर्जिया में पुलिस और सरकार विरोधी प्रदर्शनकारियों के बीच राजधानी त्बिलिसी में राष्ट्रपति महल पर धावा बोलने की कोशिश के दौरान झड़पें हुईं। सुरक्षा बलों ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए पानी की तोपों और मिर्ची स्प्रे का इस्तेमाल किया। काकेशस देश तब से संकट में है जबसे सत्तारूढ़ जॉर्जियन ड्रीम पार्टी ने पिछले साल हुए संसदीय चुनाव में जीत का दावा किया, जिसे प्रो-यूरोपीय संघ विपक्ष ने वोट चोरी करार दिया था। तब से सरकार ने यूरोपीय संघ में शामिल होने की वार्ता रोक दी है।

अचानक क्यों सड़कों पर उतरे लोग

ताजा प्रदर्शन स्थानीय चुनावों में सत्तारूढ़ पार्टी की जीत के बाद शुरू हुआ है। विपक्ष ने बड़े पैमाने पर इसका बहिष्कार किया है। आरोप है कि सरकार की दमनकारी कार्रवाई के चलते ऐसा हुआ है। एक आयोजक ने पहले जॉर्जियन ड्रीम पार्टी के नेताओं को गिरफ्तार करने की मांग की थी। इसके बाद देश के लोगों से सरकार की तानाशाही के खिलाफ सड़क पर उतरने का आह्वान किया।

पाक आर्मी बोली-अब भारत से युद्ध हुआ तो तबाही होगी:पीछे नहीं हटेंगे

इस्लामाबाद, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान सेना ने को भारत को चेतावनी देते हुए कहा- अगर अब दोनों देशों के बीच युद्ध हुआ तो विनाशकारी तबाही होगी। यदि शत्रुता का एक नया दौर शुरू हुआ तो पाकिस्तान पीछे नहीं हटेगा। हम बिना किसी हिचकिचाहट से जवाब देंगे। पाकिस्तानी सेना के मीडिया विंग आईएसपीआर ने ऑफिशियल स्टेटमेंट जारी कर कहा कि भारतीय रक्षामंत्री और सेना के अधिकारियों के गैर-जिम्मेदाराना बयान आक्रामकता को बढ़ावा देने का प्रयास है। इससे दक्षिण एशिया में शांति और स्थिरता को गंभीर खतरा हो सकता है। साथ ही आर्मी चीफ उपेंद्र द्विवेदी के 'पाकिस्तान को सोचना पड़ेगा, भूगोल में रहना है या नहीं' बयान पर जवाब दिया कि जहां तक पाकिस्तान को नक्शे से मिटाने की बातें हैं। भारत को पता होना चाहिए कि ऐसी स्थिति आती है, तो मिटना दोनों तरफ से होगा। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह (3 अक्तूबर): जब भी भारत के गौरव और सम्मान की बात आएगी, देश कभी समझौता नहीं करेगा। भारत अपनी एकता और अखंडता की रक्षा के लिए जरूरत पड़ने पर किसी भी सीमा को पार कर सकता है। आर्मी चीफ उपेंद्र द्विवेदी (3 अक्टूबर): जिस तरह से भारत ने ऑपरेशन सिंदूर 1.0 में संयम रखा है, अबकी बार भारत ये संयम नहीं रखेगा। इस बार हम आगे की कार्रवाई करेंगे और कुछ इस तरह की कार्रवाई करेंगे कि पाकिस्तान को सोचना पड़ेगा कि उसे भूगोल में रहना है या नहीं। अगर पाकिस्तान को भूगोल में अपनी जगह बनानी है, तो उसे अब आतंकवाद को संरक्षण देना बंद करना पड़ेगा। वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह (3 अक्तूबर): ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान के करीब 12 से 13 विमान तबाह किए गए थे। भारतीय सेना ने पाकिस्तान के पांच फाइटर जेट और एक सी-130 (ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट) को जमीन पर तबाह किया।

अटलांटिक महासागर में अलार्म! 8850 किलोमीटर लंबा 'भूरा रिबन' बढ़ा

अटलांटिक, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। पिछले 15 सालों से अटलांटिक महासागर में शैवालों की एक अद्भुत लेकिन चिंताजनक पट्टी लगातार बढ़ रही है। अंतरिक्ष से देखने पर यह अफ्रीका के पश्चिमी तट से लेकर मेक्सिको की खाड़ी तक फैला एक विशाल भूरा रिबन सा दिखता है। कभी केवल सार्गासो सागर तक सीमित रहने वाला यह शैवाल अब अटलांटिक महासागर के बड़े हिस्से में फैल गया है। वैज्ञानिकों ने इस घटना को ग्रेट अटलांटिक सार्गासम बेल्ट (जीएएसबी) नाम दिया है।

मई में प्राप्त उपग्रह चित्रों से पता चला कि यह बेल्ट अब 37.5 मिलियन टन वजनी है और इसकी लंबाई लगभग 8,850 किलोमीटर तक पहुंच चुकी है। 2011 में इसका पहला बड़ा प्रस्फुटन देखा गया था, और तब से यह लगातार बढ़ रहा है। आज इसकी चौड़ाई अमेरिका महाद्वीप की चौड़ाई से लगभग दोगुनी हो गई है। सार्गासम आमतौर पर सार्गासो सागर के गर्म और पोषक तत्वों से खाली पानी में पाया जाता था। लेकिन हाल के वर्षों में यह पोषक तत्वों से भरपूर पानी में भी तेजी से फैल रहा है। इसका मुख्य कारण नाइट्रोजन और फास्फोरस जैसे पोषक तत्वों की बढ़ती मात्रा है, जो प्रमुख नदियों और मानवजनित स्रोतों जैसे कृषि अपवाह, अपशिष्ट जल और वायुजनित प्रदूषण के माध्यम से महासागर में पहुंच रहे हैं।

फ्लोरिडा अटलांटिक विश्वविद्यालय के हार्बर ब्रांच ओशनोग्राफिक इंस्टीट्यूट द्वारा किए गए वैज्ञानिक अध्ययन "हानिकारक शैवाल" के अनुसार, 1980 और 2020 के बीच सार्गासम ऊतक में नाइट्रोजन की मात्रा 55 प्रतिशत और नाइट्रोजन-फॉस्फोरस अनुपात 50 प्रतिशत बढ़ गया। विशेष रूप से अमेजन नदी से आने वाले पोषक तत्व इस वृद्धि में अहम भूमिका निभा रहे हैं। इसके बाद, ग्लूफ धारा और लूप धारा जैसी प्राकृतिक समुद्री धाराएं इस शैवाल को पूरे महाद्वीप में फैला देती हैं। सार्गासम बेल्ट मछली, केकड़ा, झींगा, ईल, कछुआ और कई अकशेरुकी जीवों के लिए एक विविध और जटिल पारिस्थितिकी तंत्र प्रदान करता है।

नेपाल में लगातार बारिश ने मचाई तबाही, भूस्खलन में 18 लोगों की मौत; कई इलाकों से टूटा संपर्क

काठमांडू, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। पूर्वी नेपाल के कोशी प्रांत में रात से हो रही भारी बारिश ने भारी तबाही मचाई है। भीषण बारिश के चलते हुए भूस्खलन में कम से कम 18 लोगों की मौत हो गई है। पुलिस ने बताया कि इलम जिले के सूर्योदय नगर पालिका के मानेभंज्यांग में पांच लोगों की मौत हो गई। नेपाल के इलाकों में लगातार भारी बारिश हो रही है। कोशी प्रांत पुलिस कार्यालय के प्रवक्ता एसएसपी दीपक पोखरेल के बताया, आज सुबह तक सूर्योदय नगर पालिका में भूस्खलन में कम से कम पांच लोग, मंगसेबुंग नगर पालिका में तीन और इलम नगर पालिका में छह लोगों की मौत हो चुकी है। देउमई नगर पालिका में तीन और फक्फोकथुम ग्राम परिषद में एक व्यक्ति की मौत हुई है।

एसएसपी पोखरेल ने बताया, मृतकों की संख्या बढ़ सकती है क्योंकि हम नुकसान का आकलन कर रहे हैं। अभी तक हमारे पास नुकसान की अभी प्रारंभिक जानकारी है। फिलहाल नेपाल सेना, सशस्त्र पुलिस बल और नेपाल पुलिस को मौके पर तैनात कर दिया गया है। नेपाल सेना ने बचाव कार्यों के लिए एक हेलीकॉप्टर भेजा है। हालांकि, खराब मौसम के कारण बचाव कार्य में बाधा आ रही है। नेपाल के सात प्रांतों में से पांच में मानसून सक्रिय है। जिनमें कोशी, मधेशी, बागमती, गंडकी और लुम्बिनी शामिल हैं।

सुबह से ही प्रमुख नदियों के किनारे बसे इलाकों में खोज और बचाव अभियान शुरू किया गया। स्थानीय लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है। मौसम विज्ञान विभाग ने बताया कि बागमती, हनुमंत, मनोहरा, धोबी खोला, विष्णुमती, नक्कु और बाल्खु नदियों का जलस्तर बढ़ रहा है। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि बाढ़ सड़कों तक पहुंच सकती है और बस्तियों में पानी घुस सकता है। मौसम विभाग की भविष्यवाणी के अनुसार, सुनसरी, उदयपुर, सप्तरी, सिराहा, धनुषा, महोत्तरी, सरलाही, रौतहट, बारा, परसा, सिंधुली, दोलखा, रामेछाप, सिंधुपालचोक, कवरेपालंचोक, काठमांडू, ललितपुर, भक्तपुर, मकवानपुर और चितवन सहित कई जिलों में बाढ़ और भूस्खलन का बहुत अधिक खतरा है। नेपाल ने इस वर्ष पहले औसत से अधिक मानसून की उम्मीद की थी, लेकिन वर्षा का पैटर्न बदल गया। मानसून का मौसम आमतौर पर जून से सितंबर के अंत तक रहता है, लेकिन पुनः सक्रिय होने से वापसी के चरण के दौरान भी भारी बारिश हो रही है। नेशनल डिजास्टर रिस्क रिडक्शन एंड मैनेजमेंट अथॉरिटी ने अनुमान लगाया है कि इस वर्ष लगभग 20 लाख लोग (1,997,731) और 457,145 परिवार मानसून से संबंधित आपदाओं से प्रभावित हो सकते हैं।

अमृतसर से बर्मिंघम जा रही एअर इंडिया की फ्लाइट में अचानक क्यों मचा हड़कंप

बर्मिंघम, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। एअर इंडिया के विमानों में तकनीकी खराबी के मामले कम होने का नाम नहीं ले रहे हैं। आए दिन किसी न किसी विमान में इस तरह की समस्याएं सामने आती रहती हैं। ऐसा ही कुछ अमृतसर से बर्मिंघम जा रहे विमान के साथ हुआ। जब लैंडिंग से पहले विमान का टर्बाइनएक्टिव हो गया, जिसके बाद सभी डर गए। हालांकि बाद में जांच के दौरान सब कुछ सामान्य पाया गया है। विमान से अचानक मिले इस सिग्नल के बाद विमान को जांच के लिए ग्राउंडेड किया गया, यही कारण है कि बर्मिंघम से दिल्ली जाने वाली उड़ान एआई114 कैंसिल कर दी गई है। हालांकि एअर इंडिया यात्रियों के लिए उनकी यात्रा पूरी करने की दूसरी व्यवस्था कर रही है। यात्रियों को दूसरी फ्लाइट का ऑप्शन दिया जा रहा है। लैंडिंग से पहले इस तरह एक्टिव हुए आरएटी ने हर किसी को परेशान कर दिया। आम तौर पर यह इमरजेंसी सिचुएशन में ऑन होता है। इसको पायलट खुद भी ऑन कर सकते हैं। अमृतसर से बर्मिंघम जा रहे एयर इंडिया ड्रीमलाइनर के रैम एयर टर्बाइन को 400 फीट की ऊंचाई पर अचानक आरएटी ऑन हो गया। इसके तुरंत बाद क्रू मेंबर ने विमान सुरक्षित रूप से लैंडिग कराया।

विमान कंपनी ने कहा कि विमान को आगे की जांच के लिए जमीन पर उतार दिया गया है। एआई 117 ने 4 अक्टूबर को दोपहर 12.52 बजे अमृतसर से उड़ान भरी थी और बर्मिंघम में शाम 7.07 बजे लैंड हुआ है। विमान में किसी तकनीकी खराबी को बताने के लिए आरएटी यानी रैम एयर टर्बाइन होता है। इसमें इलेक्ट्रिकल फेलियर, हाइड्रॉलिक सिस्टम फेलियर और दोनों इंजन फेल होने पर ये प्लेन से निचले हिस्से से बाहर निकल आता है। ये सिस्टम ऊंचाई में विमान की सहायता के लिए लगा होता है, जब ऊंचाई पर कोई तकनीकी खराबी आ जाती है तो ये कम्युनिकेशन और बिजली को स्थिर रखने में मदद करता है।

शिकागो में क्यों मचा बवाल, ट्रंप ने किए 300 गार्ड तैनात

शिकागो, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप गाजा युद्ध में अहम भूमिका निभा रहे हैं। जहां वो गाजा युद्ध को समाप्त करने के लिए एक्टिव मोड में हैं। वहीं, खुद उन्हीं के देश में शिकागो में हालात बिगड़ते जा रहे हैं। शिकागो एक बार फिर सुर्खियों में बना हुआ है। बिगड़ते हालात के चलते राष्ट्रपति ट्रंप ने रविवार को 300 नेशनल गार्ड सैनिकों की तैनाती का आदेश दिया है।

हालांकि, इलिनॉइस के गवर्नर जे.बी। प्रिट्ज़कर ने इस कदम का विरोध किया है। ट्रंप ने नेशनल गार्ड को तैनात करने का निर्णय उस घटना के बाद लिया जिसमें संघीय आव्रजन एजेंटों और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प हो गई थी। इस झड़प के दौरान एक महिला को गोली लग गई।

यह झड़प ब्राइटन पार्क इलाके में हुई, जहां यूएस बॉर्डर पेट्रोल एजेंटों ने दावा किया कि प्रदर्शनकारियों के करीब 10 वाहनों ने उनके वाहनों को घेर लिया और टक्कर मारी। एजेंटों के मुताबिक, एक महिला ने उन पर अर्ध-स्वचालित हथियार तान दिया, जिसके बाद एजेंटों ने जवाबी फायरिंग की। गोली लगने के बाद वो महिला, जो अमेरिकी नागरिक है, खुद ही अस्पताल पहुंची, लेकिन उसकी हालत के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई। किसी संघीय अधिकारी को गंभीर चोट नहीं आई है।

होमलैंड सिक्योरिटी सेक्रेटरी क्रिस्टी नोएम ने कहा कि क्षेत्र में सुरक्षा बनाए रखने के लिए विशेष ऑपरेशन टीमों को भेजा जा रहा है। उन्होंने हमले को बिना उकसावे और हिंसक कार्रवाई बताया। इस बीच, शिकागो में आव्रजन अधिकारियों की बढ़ती मौजूदगी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन तेज हो गए है। प्रदर्शनकारियों ने आईसीई केंद्रों के बाहर वाहनों का रास्ता रोका, जिसके जवाब में एजेंटों ने पेपर स्प्रे और रबर की गोलियों का इस्तेमाल किया।

गवर्नर और व्हाइट हाउस में टकराव गवर्नर प्रिट्ज़कर नेशनल गार्ड को तैनात करने के खिलाफ थे। गवर्नर प्रिट्ज़कर ने ट्रंप के फैसले की कड़ी निंदा करते हुए कहा, यह पूरी तरह से अस्वीकार्य और गैर-अमेरिकी है कि एक राष्ट्रपति किसी राज्य के गवर्नर की इच्छा के विरुद्ध उसकी सीमाओं के अंदर सैन्य बलों की तैनाती का आदेश दे।

यह गोलीबारी ऐसे समय में हुई है जब शिकागो, न्यूयॉर्क, लॉस एंजिलिस और पोर्टलैंड जैसे बड़े शहरों में लगातार विरोध-प्रदर्शन हो रहे हैं। पिछले हफ्ते ब्रॉडव्यू आईसीई केंद्र के बाहर भी पुलिस और प्रदर्शनकारियों में झड़प हुई थी, जहां हिरासत में लिए गए प्रवासियों के परिवहन को रोकने की कोशिश की गई थी। देशभर में प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि संघीय एजेंसियां अत्यधिक बल का इस्तेमाल कर रही हैं और लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन हो रहा है।

भारत में ब्रिटिश राज पर मस्क का जवाब वायरल, सोशल मीडिया पर गुस्सा

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क ने हाल ही में एक्स पर ब्रिटिश राज पर एक वायरल पोस्ट पर सोचने वाले इमोजी की प्रतिक्रिया दी है। जिसने सोशल मीडिया पर लोगों को भड़का दिया है। इसे लेकर तमाम भारतीय यूजर एलन मस्क की जमकर आलोचना कर रहे हैं। यह पोस्ट फ्रीडोमेन - विथ स्टीफन मोलिनेक्स, एमए नाम के एक यूजर ने शेयर की थी। पोस्ट में लिखा था- 'अगर भारतीय इंग्लैंड जाएं और अंग्रेज बन जाएं, तो जो अंग्रेज भारत आए, वे भारतीय बन गए। इसलिए अंग्रेजों ने भारत पर शासन नहीं किया।' इस पोस्ट को अब तक 23 मिलियन से ज्यादा लोग देख चुके हैं, और एलन मस्क की तरफ से हल्की प्रतिक्रिया में जवाब देने के बाद कई लोग नाराज हो गए हैं। भारतीय यूजर्स ने एलन मस्क की आलोचना करते हुए कहा कि उपनिवेशीकरण और आव्रजन बिल्कुल अलग चीजें हैं। कई लोगों ने एलन मस्क को यह याद दिलाया कि अंग्रेजों ने भारत में शासन करते समय लाखों लोगों का शोषण और अत्याचार किया। एक यूजर ने लिखा- अगर आप इसके बचाव में हैं, तो यह मान लें कि आप कॉलोनाइजेशन के पीछे की नस्लीय सोच से सहमत हैं।'

राहुल गांधी पर शेखावत ने साधा निशाना

कहा- भाषण में कहे जाने से कोई जननायक नहीं बन जाता

जोधपुर, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को लेकर चुटकी ली कि आज की परिस्थिति में राहुल गांधी की अपनी पार्टी में भी उन्हें नायक मानने को लेकर ऊहापोह की स्थिति है। रविवार को अपने आवास पर मीडिया से बातचीत में केंद्रीय मंत्री शेखावत ने राहुल गांधी से जुड़े एक सवाल पर कहा कि जननायक की पहचान व्यक्तिगत रूप के प्रयास से हासिल नहीं होती। जननायक बनने की पहचान जनता के स्नेह से मिलती है।

उन्होंने कहा कि किसी के विषय में कागज पर लिखा जाने या भाषण में कहा जाने से कोई व्यक्ति जननायक नहीं बन जाता। जननायक तो जनता बनाती है। वह अपने स्नेह, अपने विश्वास और अपने निर्णय से किसी को नेता बनाती है। शेखावत ने कहा कि मैं हमेशा यह कहता हूं कि किसी व्यक्ति को नेता न कोई दल बना सकता है, न कोई दूसरा नेता। नेता वही बनता है, जिसे जनता अपना मानती है। अगर जनता राहुल गांधी को नायक के रूप में स्वीकार करेगी, तभी उन्हें वह विश्वास और समर्थन मिलेगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कथन कि राष्ट्रीय जनता दल और कांग्रेस ने मिलकर बिहार की शिक्षण प्रणाली को बर्बाद कर दिया है, से जुड़े सवाल पर शेखावत ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि इस कथन में किसी प्रकार की अतिशयोक्ति है। प्रधानमंत्री ने बिल्कुल सही कहा है। वह बिहार, जिसने कभी विश्वगुरु का दर्जा प्राप्त किया था। वह बिहार, जो ज्ञान और अध्ययन का केंद्र हुआ करता था। यदि हम बहुत पुरानी नहीं, केवल पिछले 50–60 वर्षों की बात करें तो उस समय बिहार के विश्वविद्यालय देश के प्रमुखतम विश्वविद्यालयों में गिने जाते थे, लेकिन आज बिहार की शिक्षा व्यवस्था की स्थिति सबके सामने है।

'एनडीए सरकार के आने के बाद हुए सुधार'

उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में एनडीए सरकार के आने के बाद कुछ सुधार अवश्य हुए हैं, परंतु यह भी सत्य है कि एक समय ज्ञान, धर्म और अहिंसा की भूमि, भगवान बुद्ध और भगवान महावीर स्वामी की धरती की पहचान अपराध, बंदूक और भ्रष्टाचार जैसी नकारात्मक छवियों से जुड़ गई थी। शेखावत ने कहा कि हाल के वर्षों में कुछ सुधार दिखाई दे रहे हैं, लेकिन अभी भी व्यापक परिवर्तन की आवश्यकता है। यह उम्मीद की जानी चाहिए कि बिहार की जनता इस वास्तविकता को समझते हुए आने वाले चुनाव में अपने निर्णय से राज्य के भविष्य की दिशा तय करेगी।

कोल्ड्रिक कफ सिरप से जुड़े सवाल पर शेखावत ने कहा कि अगर किसी भी दवा को देखें तो भारत सहित पूरी दुनिया में दवाओं के मानकीकरण का एक निश्चित प्रोटोकॉल निर्धारित है। इसके लिए एक सुव्यवस्थित प्रक्रिया बनी हुई है। किसी भी दवा को मानव उपभोग के लिए अनुमति देने से पहले उसे एक कठोर परीक्षण प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है। लाइसेंसिंग, प्रत्येक बैच की पहचान और टेस्टिंग, इन सभी के लिए सख्त नियम बनाए गए हैं।

अस्पताल प्रशासन ने नहीं कराया पुलिस केस

कलेक्टर बोले : मामला गंभीर, बीसीएमएचओ और पीएमओ के बयान भी अलग अलग

जयपुर, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। सरकारी अस्पताल में एक्सपायरी डेट और रनिंग डेट की दवाओं के स्टॉक को जलाया गया है। मामला किशनगढ़ रेनवाल उप जिला चिकित्सालय का है। दवाओं को किसने जलाया, यह अस्पताल प्रशासन को मालूम नहीं है। अज्ञात व्यक्ति को जिम्मेदार ठहराया गया है। लेकिन अस्पताल प्रशासन की ओर से अब तक अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज नहीं कराया गया है। पूरे मामले में अस्पताल प्रशासन सवालों के घेरे में है।

बीसीएमएचओ डॉ कैलाश कुमावत का कहना है कि कल पीएमओ डॉ राजेंद्र प्रसाद सेपट मौके पर थे, वह मामले की जांच कर रहें है। वहीं पीएमओ डॉ राजेंद्र प्रसाद सेपट का कहना है कि कल वह मौके पर थे ही नहीं। कल वह छुट्टी पर थे। ऐसे में अधिकारियों के भी अलग अलग बयान है।

वहीं बीसीएमएचओ का कहना है कि रनिंग डेट दवाओं को नहीं जलाया गया। हो सकता है कि वहां रनिंग डेट दवा का कोई रेफर हो। वहीं पीएमओ मान रहे है कि मौके पर रनिंग डेट की दवाएं भी जली है। जिसे किसी अज्ञात ने जलाया है।

कलक्टर जितेंद्र सोनी ने कहा, जांच होगी...

इस मामले में पत्रिका ने कलक्टर जितेंद्र सोनी से बात की। उन्होंने कहा कि सूचना मिली थी कि अस्पताल में आग लगी है। बाद में आग को बुझाने की जानकारी मिली। जो बॉयोवेस्ट का मामला था। लेकिन रनिंग डेट की दवाईयों को जलाया गया है। यह मामला गंभीर है। इसकी जांच कराई जाएगी।

सीएमएचओ बोले : जांच रिपोर्ट आने दो, फिर देखते है..

सीएमएचओ डॉ मनीष मित्तल ने कहा कि रनिंग डेट की दवा जलने की जानकारी नहीं है। अभी जांच कमेटी की रिपोर्ट आने दीजिए। फिर देखते है कि दोषी कौन है, उसके आधार पर कार्रवाई होगी।

ऐसे खुली पोल रनिंग डेट दवाईयां जलने की...

कल उप जिला अस्पताल में एक्सपायरी डेट दवाईयां जलने का मामला सामने आया। आस पास के लोगों को दवाईयों की गंध से परेशानी हुई तो मौके पर पहुंचे। जहां देखा तो मालूम चला कि रनिंग डेट की दवाईयों को भी जलाया गया है।

'सरकार की तरफ से कोई लापरवाही नहीं हुई'

स्वास्थ्य मंत्री का बयान; कहा- चार स्तर पर जांच हो चुकी

जोधपुर, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने जोधपुर सर्किट हाउस में खांसी की दवा सेवन से हुई मौतों के सवाल पर साफ किया कि सरकार की ओर से कोई लापरवाही नहीं हुई है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि जांच में अब तक दवा में कोई जानलेवा तत्व नहीं पाया गया है।

मंत्री खींवसर ने बताया कि इस माह करीब 1 लाख 33 हजार लोगों ने उक्त दवा का सेवन किया, लेकिन ऐसा कोई मामला सामने नहीं आया, जिसमें डॉक्टर द्वारा लिखी गई दवा के सेवन से किसी की मौत हुई हो। उन्होंने कहा कि दवा की चार स्तर पर जांच हो चुकी है। पहली बार निर्माण के दौरान, दूसरी बार खरीद के समय, तीसरी बार हादसे के बाद और चौथी बार पुनः विस्तृत जांच।

मंत्री ने कहा कि दवा में जानलेवा तत्व नहीं मिला और जैसे ही पहली मौत का मामला सामने आया, सरकार ने तुरंत दवा को वापस (विथड्रॉ) ले लिया। केंद्र सरकार द्वारा जिस फार्मूले पर बैन लगाया गया है, उस पर मंत्री ने कहा कि यदि कोई अन्य ब्रांड उसी फार्मूले से बनी दवा बेच रहा है तो उसकी जांच होगी। मंत्री ने यह भी कहा कि आगे सर्दी-जुकाम और खांसी के मरीजों की संख्या बढ़ सकती है, इसलिए सरकार ने नई पॉलिसी लागू की है, जिसके तहत गर्भवती महिलाओं और बच्चों को दी जाने वाली बोतल पर चेतावनी अंकित की जाएगी।

एसओजी जांच पर हनुमान बेनीवाल के बयान को लेकर मंत्री ने कहा कि वे तो हर प्रकरण की एसओजी से जांच की मांग करते हैं, लेकिन इस मामले में मुख्यमंत्री ने पहले ही निर्देश दिए हैं कि पूरी सूक्ष्मता और निष्पक्षता से जांच हो। ड्रग कंट्रोलर राजाराम को एपीओ करने के मामले को लेकर कहा कि इस केस से कोई लिंक नहीं है, उसका मामला अलग है, ऐसा भी मंत्री ने स्पष्ट किया। मंत्री खींवसर ने कहा कि सरकार पारदर्शिता और गंभीरता से काम कर रही है और यदि कहीं भी गड़बड़ी पाई गई तो कड़ी कार्रवाई होगी। वहीं बच्चे की आंखे निकालने के सवाल पर जवाब दिए बगैर ही मंत्री खींवसर सर्किट हाउस से रवाना हो गए।

हाईकोर्ट ने पूर्व राजपरिवार को दी चेतावनी

कहा- महाराज और प्रिंसेस शब्दों को हटाएं नहीं तो याचिका खारिज मानी जाएगी

जयपुर, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान हाईकोर्ट ने याचिका में जयपुर के पूर्व राजपरिवार के सदस्यों के नाम के आगे महाराज व प्रिंसेज लिखने पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि इन शब्दों का प्रयोग कैसे किया जा रहा है। साथ ही चेताया कि याचिका में नाम के आगे लिखे महाराजा व प्रिंसेस शब्दों को हटाया जाए नहीं तो याचिका खारिज मानी जाएगी। अब 13 अक्टूबर को सुनवाई होगी।

याचिकाओं में गृह कर वसूली को दी गई थी चुनौती

न्यायाधीश महेन्द्र कुमार गोयल ने दिवंगत जगत सिंह व पृथ्वीराज सिंह के कानूनी वारिसों की ओर से दायर दो याचिकाओं पर यह आदेश दिया। वर्ष 2001 में दायर इन याचिकाओं में गृह कर वसूली को चुनौती दी गई, जिसमें जगत सिंह व पृथ्वीराज सिंह को महाराज और उनके कानूनी वारिसों के नाम के आगे प्रिंसेज जैसे शब्द लिखे गए हैं। ये याचिकाएं हाईकोर्ट में अब भी लंबित हैं।

याचिकाकर्ताओं को हाईकोर्ट का निर्देश

इन याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं को निर्देश दिया कि अगली सुनवाई तक महाराज और प्रिंसेस शब्द हटाकर संशोधित याचिका पेश की जाए।

विद्यालय निर्माण में घटिया सामग्री के उपयोग पर भड़के विधायक बैरवा, औचक निरीक्षण में खुलासा

भीलवाड़ा, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। भीलवाड़ा जिले के शाहपुरा विधानसभा क्षेत्र में ग्राम पंचायत डाबला चांदा में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के लगभग 4.20 करोड़ रुपये की लागत से डीएमएफटी फंड द्वारा निर्माणाधीन भवन में घटिया निर्माण सामग्री के उपयोग की शिकायतों के बाद शाहपुरा विधायक डॉ. लालाराम बैरवा ने मौके पर औचक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान विधायक ने पाया कि भवन निर्माण में मानक से कम गुणवत्ता की ईंटें, सीमेंट और बालू का उपयोग किया जा रहा है। दीवारों की चुनाई भी ठीक ढंग से नहीं की गई थी। इस पर नाराज विधायक ने कहा कि झालावाड़ हादसे के बाद भी अभियंताओं ने सबक नहीं लिया। इतनी बड़ी धनराशि के कार्य में इस प्रकार की लापरवाही अस्वीकार्य है।

विधायक बैरवा ने तुरंत जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधु को दूरभाष पर स्थिति से अवगत कराया और घटिया निर्माण सामग्री के उपयोग पर तत्काल जांच और सख्त कार्रवाई की मांग की। कलेक्टर ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने शिक्षा मंत्री मदन दिलावर को भी पूरे प्रकरण की जानकारी देते हुए दोषी ठेकेदार और कार्यकारी एजेंसी को बदलने की मांग की।

इस दौरान गांव के कई ग्रामीणों ने विधायक के समक्ष अपनी शिकायतें रखीं। उन्होंने बताया कि पिछले कई महीनों से निर्माण कार्य में घटिया सामग्री का उपयोग हो रहा है, बावजूद इसके संबंधित विभाग ने अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। सरपंच प्रतिनिधि अजय प्रताप सिंह ने कहा कि ग्रामीण लगातार निर्माण की गुणवत्ता को लेकर विरोध कर रहे थे, लेकिन सुनवाई नहीं हुई।

विधायक बैरवा ने कहा कि यह विद्यालय आने वाले समय में सैकड़ों विद्यार्थियों की शिक्षा का केंद्र बनेगा, इसलिए निर्माण की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जा सकता। विधायक के औचक निरीक्षण के बाद विभागीय अधिकारियों में हड़कंप मच गया है। बताया गया है कि डाबला चांदा में निर्माणाधीन इस विद्यालय की जांच अब जिला प्रशासन की निगरानी में की जाएगी।

पुलिस ने कार में छिपी 45.6 किलोग्राम चांदी और 10 लाख रुपये किए बरामद

आरोपी को किया गिरफ्तार

सिरोही, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। आबूरोड रीको पुलिस ने गुजरात जा रही एक कार से 45.600 किलोग्राम चांदी और 10 लाख रुपए की नकदी बरामद कर एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने पुलिस को चकमा देने के लिए कार में गुप्त बॉक्स बनाकर चांदी और नकदी छिपाई थी, लेकिन उसे पकड़ने में पुलिस सफल रही। प्रारंभिक पूछताछ में पता चला कि यह सामान जोधपुर से अहमदाबाद ले जाया जा रहा था। आबूरोड रीको थानाधिकारी लक्ष्मणसिंह चंपावत ने बताया कि जिले में शराब तस्करी और अवैध कामों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत सीमावर्ती मावल चौकी पर नाकाबंदी की गई थी। इस दौरान आबूरोड की ओर जा रही एक कार को रोका गया और तलाशी के दौरान कार में बनाए गए गुप्त बॉक्स में 45.600 किलोग्राम चांदी और 10 लाख रुपए की नकदी बरामद हुई।

पूछताछ में संतोषजनक जवाब न देने पर पुलिस ने चांदी, नकदी और कार को जब्त कर बिलाड़ा, जोधपुर निवासी मिश्रीलाल पुत्र नारायणलाल सीरवी को गिरफ्तार कर लिया।कार्रवाई में आबूरोड रीको पुलिस के सहायक उपनिरीक्षक प्रमोद कुमार चौधरी, कांस्टेबल जयंतीलाल, प्रकाश, प्रवीण सिंह और मालदेव शामिल रहे। सहायक उपनिरीक्षक प्रमोद कुमार चौधरी ने बताया कि बरामद चांदी और नकदी अहमदाबाद ले जाई जा रही थी। इससे पहले कि कार चालक गुजरात सीमा में प्रवेश कर पाता, उसे पकड़ लिया गया। आरोपी से पूछताछ जारी है और पुलिस हर पहलू की बारीकी से जांच कर रही है।

कोटा में ग्रामीण सेवा शिविर में खाली पड़ी कुर्सियां

भड़के मंत्री मदन दिलावर; एसडीएम को लगाई फटकार

कोटा, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान के शिक्षा और पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने कोटा जिले की लाडपुरा पंचायत समिति के अंतर्गत ग्राम पंचायत बोराबास में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर का औचक निरीक्षण किया। शिविर में अव्यवस्था और कर्मचारियों की लापरवाही देखकर मंत्री का गुस्सा फूट पड़ा। उन्होंने मौके पर ही एसडीएम को फोन पर फटकार लगाई और उपस्थिति रजिस्टर में नोट लिखकर लापरवाह कर्मचारियों की जवाबदेही तय की। शिविर का निर्धारित समय सुबह 9:30 बजे से शाम 6:00 बजे तक था, लेकिन जब मंत्री सुबह 10:15 बजे शिविर स्थल पर पहुंचे तो वहां का दृश्य निराशाजनक था। टेंट तो लगा हुआ था, लेकिन कुर्सियां खाली पड़ी थीं और अधिकतर कर्मचारी नदारद थे। 18 विभागों के कर्मचारियों को शिविर में उपस्थित रहना था, लेकिन केवल 3-4 विभागों के कर्मचारी ही मौके पर मौजूद मिले। यह देखकर मंत्री ने तुरंत कार्रवाई शुरू की।

मंत्री दिलावर ने मौके से ही उपखंड अधिकारी गजेंद्र सिंह को फोन किया और शिविर की स्थिति पर सवाल उठाए। उन्होंने पूछा कि शिविर का समय क्या है? शिविर अभी तक शुरू नहीं हुआ। कोई जिम्मेदार अधिकारी मौके पर मौजूद नहीं है।

नायब तहसीलदार की भी ली क्लास

शिविर में मौजूद मंडाना के नायब तहसीलदार लेखराज स्वामी ने सफाई दी कि वे समय पर पहुंच गए थे, लेकिन पंचायत कार्यालय के कमरे में बैठे थे, क्योंकि ग्रामीणों के आने का इंतजार कर रहे थे। इस पर मंत्री ने कड़ा रुख अपनाते हुए सवाल किया कि क्या शिविर कमरे में आयोजित करने के निर्देश हैं? नायब तहसीलदार के पास कोई संतोषजनक जवाब नहीं था।

इसके बाद मंत्री ने उपस्थिति रजिस्टर मांगा और उसमें नोट लिखा कि 10:27 बजे तक केवल उपरोक्त कर्मचारी ही उपस्थित थे, वे भी कमरे के अंदर बैठे थे। रजिस्टर पर हस्ताक्षर कर समय भी अंकित किया।

शिविर में अव्यवस्था का आलम

निरीक्षण के दौरान शिविर स्थल पर अव्यवस्था साफ नजर आई। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताएं मंत्री को देखकर आनन-फानन में कुर्सियों के पीछे बैनर लगाने में जुट गईं। कर्मचारियों की अनुपस्थिति और शिविर के देरी से शुरू होने की वजह से ग्रामीणों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा। हालांकि, मंत्री के पहुंचने के बाद कर्मचारी जल्दबाजी में शिविर स्थल पर पहुंचे और व्यवस्था बनाने की कोशिश की।

मंत्री ने सुनी ग्रामीणों की समस्याएं

मंत्री दिलावर लगभग एक घंटे तक शिविर में मौजूद रहे। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और उनके समाधान के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। शिविर में सरपंच अर्जुन गुंजल, सहायक खंड विकास अधिकारी सत्येंद्र मीणा और ग्राम विकास अधिकारी सौरभ शर्मा भी मौके पर पहुंचे। इसके बाद शिविर औपचारिक रूप से 10:37 बजे शुरू हुआ।

पत्नी के मरते ही पति ने भी दी जान

एक ही चिता पर हुआ अंतिम संस्कार

नागौर, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। लाडनूं उपखंड क्षेत्र के ग्राम चक गोरेड़ी निवासी दंपती ने देर शाम अपने फार्महाउस में कीटनाशक का सेवन कर आत्महत्या कर ली। दोनों का पोस्टमार्टम कराने के बाद एक ही चिता पर अंतिम संस्कार किया गया। आत्महत्या के कारण का फिलहाल पता नहीं चल पाया है, पुलिस मामले की जांच कर रही है।

लाडनूं थाने के हेड कांस्टेबल अनिल कुमार ने बताया कि रामदेवराम झूरिया (57) और उसकी पत्नी रामी देवी (55) ने लाडनूं-निंबी जोधा रोड स्थित अपने फार्महाउस में कीटनाशक का सेवन किया। पहले रामीदेवी ने विषैला पदार्थ निगला।

तबीयत बिगड़ने पर पति और अन्य परिजनों ने उसे राजकीय चिकित्सालय पहुंचाया। हालत गम्भीर देख चिकित्सकों ने उसे सीकर रैफर कर दिया। लेकिन रास्ते में नेछवा के उसने दम तोड़ दिया।

पत्नी की मृत्यु होने पर घर लौटे रामदेवराम ने भी कीटनाशक खा लिया। तबीयत बिगड़ने पर परिजने रामदेव को रात करीब 8:30 बजे अस्पताल लेकर गए। गंभीर हालत देख चिकित्सकों ने उसे भी सीकर रैफर किया। रास्ते में रात करीब 10:30 बजे रामदेवराम की भी मौत हो गई। रामदेवराम भाइयों में सबसे छोटा था। उसके एक बेटा और एक बेटी है, दोनों की शादी हो चुकी है।

पति-पत्नी की अर्थी एक साथ उठी और दोनों का एक ही चिता पर अंतिम संस्कार किया गया। पुत्र नरेन्द्र ने माता-पिता को एक साथ मुखाग्नि दी, जिससे पूरे गांव का माहौल गमगीन हो गया। पुलिस ने मृतक के बड़े भाई हरिनारायण झूरिया की रिपोर्ट पर मर्ग दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

'मैंने दुकान के तहखाने में गाड़ दिया',पत्नी की हत्या के बाद छठे दिन थाने पहुंचा पति; कबूला जुर्म

बांसवाड़ा, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। डूंगरपुर जिले के चौरासी थाना क्षेत्र के सुराता गांव से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां एक पति ने चरित्र के संदेह में रस्सी से गला घोट कर अपनी पत्नी की हत्या कर दी। इसके बाद खुद की दुकान में ही 5 दिन तक शव को दफना दिया। आत्मग्लानि होने पर स्वयं थाने पर पहुंचा और घटना की जानकारी दी। पुलिस ने शुक्रवार शाम को शव को बाहर निकाला। शनिवार को पोस्टमार्टम की कार्रवाई हुई।

जानकारी के अनुसार सुराता गांव निवासी आरोपी ने थाने पर पहुंचकर सूचना दी कि पांच दिन पहले 27 और 28 सितंबर की दरम्यानी रात उसने अपनी पत्नी की रस्सी से गला घोंटकर हत्या कर दी। शव को वहीं पड़े रखा। 2 दिन बाद 29 सितंबर को उसने घर से सटी दुकान में गड्ढा खोदकर शव को दफना दिया। यह सुनकर एकबारगी पुलिस भी सन्न रह गई। आरोपी पति को तत्काल हिरासत में ले लिया।

पुलिस के अनुसार आरंभिक पूछताछ में पति ने बताया कि उसकी पत्नी कई बार दो-तीन दिनों तक घर से बाहर रहती थी। उसे अपनी पत्नी के चरित्र पर संदेह था। इसी कारण दोनों में आए दिन विवाद भी होता था। 27 सितंबर की रात को उसकी पत्नी डूंगरपुर गई थी। वह भी डूंगरपुर पहुंचा और पत्नी को मोटरसाइकिल पर लेकर अपने गांव सुराता पहुंचा। वहां दोनों के बीच विवाद हुआ, इसी दौरान गुस्से में आकर पति ने रस्सी से पत्नी का गला घोट कर हत्या कर दी। उसके बाद दो दिन तक शव को दुकान में ही पड़े रखा।

लूणी नदी ने दो और मासूम जानें लीं

बालोतरा, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान के बालोतरा जिले में लूणी नदी एक बार फिर दो जिंदगियां निगल गई। बालोतरा से जसोल की दिशा में जा रहे एक दंपती की बाइक लूणी नदी की रपट पार करते वक्त तेज बहाव में बह गई। सिविल डिफेंस की टीम और स्थानीय तैराकों ने कड़ी मशक्कत के बाद दोनों को नदी से बाहर निकाला, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। जिला अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान लालाराम (34) पुत्र हजारीराम और उनकी पत्नी देवू देवी, निवासी सरली कला के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, दंपती किसी काम से बालोतरा से जसोल की ओर जा रहे थे। जब वे चतुर्थ रेलवे क्रॉसिंग के पास स्थित लूणी नदी की रपट पर पहुंचे, तब नदी में पानी का बहाव काफी तेज था। बावजूद इसके उन्होंने बाइक से रपट पार करने की कोशिश की, लेकिन रपट के बीच पहुंचते ही बाइक असंतुलित हो गई और दोनों तेज धारा में बह गए। पास के ग्रामीणों ने यह हादसा देखा तो तुरंत पुलिस और प्रशासन को सूचना दी। कुछ ही मिनटों में सिविल डिफेंस की टीम और स्थानीय तैराक मौके पर पहुंचे और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। करीब आधे घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद दोनों को बाहर निकाला गया और बालोतरा के जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

40 लड़कियों से ठगी करने वाला शातिर गिरफ्तार

मॉडलिंग और फिल्म में काम के बहाने जाल में फंसाता था

कोटा, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। साइबर क्राइम थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए फर्जी कास्टिंग कंपनी बनाकर लड़कियों को मॉडलिंग और फिल्म में काम दिलाने का झांसा देकर ठगी करने वाले शातिर आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से दो मोबाइल फोन बरामद किए हैं, जिनमें कई लड़कियों से की गई चैट और साइबर ठगी से जुड़े लेनदेन का रिकॉर्ड मिला है। आरोपी अब तक करीब 10 लाख रुपए की ठगी कर चुका है।

पुलिस ने बताया कि विज्ञान नगर थाने में दर्ज मामले में आरोपी दीपक मीणा उर्फ दक्ष (27) निवासी ग्राम झाड़गांव थाना बूढ़ादीत, हाल श्यामनगर रावतभाटा रोड कोटा को गिरफ्तार किया गया। आरोपी के खिलाफ डी आईटी एक्ट के तहत मामला दर्ज है।

परिवादी समीर पुत्र साबिर हुसैन निवासी विज्ञान नगर ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि दीपक मीणा नामक युवक उसकी ई-मित्र दुकान पर आता था और अपने खातों में ऑनलाइन राशि जमा करवाकर नकद ले जाता था। बाद में विभिन्न बैंकों से साइबर फ्रॉड की शिकायतें आने लगीं और राशि उसके खाते से रिफंड हो गई। बैंक जांच में सामने आया कि ये ट्रांजेक्शन दीपक मीणा द्वारा किए गए थे।

आरोपी ने अपने मोबाइल में नकली फिल्म निर्माण कंपनियों के नाम से खाते बनाए थे। वह खुद को नंदिनी श्रीकांत और यश नागरकोटी जैसे झूठे नामों से परिचित कराता था।

मोबाइल संदेश अनुप्रयोग के माध्यम से वह 18 से 25 वर्ष की युवतियों से संपर्क कर उन्हें फिल्मों व मॉडलिंग में काम दिलाने का झांसा देता था। इस बहाने वह उनसे रुपए ठगता और उन्हें नजदीकी ई-मित्र केंद्रों के जरिये नकद राशि दिलवा देता था।

विधायक दानम नागेंद्र ने इस्तीफे की अफवाहों को बताया झूठा

हैदराबाद, 5 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। खैरताबाद के कांग्रेस विधायक दानम नागेंद्र ने रविवार को अपने इस्तीफे की खबरों को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि उनके इस्तीफे को लेकर सोशल मीडिया पर फैल रही अफवाहें पूरी तरह निराधार हैं और समर्थकों से अपील की कि वे ऐसी खबरों पर विश्वास न करें। इस्तीफे की अटकलें तब तेज हुईं जब विधानसभा अध्यक्ष जी. प्रसाद कुमार ने अयोग्यता मामले में कुछ बीआरएस विधायकों से जिरह पूरी की। माना जा रहा था कि बीआरएस से अलग हुए 10 विधायकों में से नागेंद्र भी पद छोड़ सकते हैं।

दलबदल करने वाले 10 विधायकों में से आठ ने पहले ही बीआरएस के प्रति निष्ठा की पुष्टि करते हुए अपने हलफनामे जमा कर दिए हैं। जबकि नागेंद्र और स्टेशनघनपुर के विधायक कडियम श्रीहरि ने हलफनामे दाखिल करने के लिए अतिरिक्त समय मांगा था।

इन घटनाक्रमों के बीच सोशल मीडिया पर खबरें फैलीं कि नागेंद्र जल्द इस्तीफा देंगे।

इससे पहले भी ऐसी अटकलें लगाई गई थीं कि नागेंद्र, कडियम श्रीहरि, तेलम वेंकट राव और पोचारम श्रीनिवास रेड्डी जुबली हिल्स उपचुनाव की अधिसूचना जारी होने से पहले इस्तीफा दे सकते हैं। अफवाहों पर प्रतिक्रिया देते हुए नागेंद्र ने कहा, यह झूठी खबर है। कुछ निहित स्वार्थी तत्व मेरे इस्तीफे के बारे में गलत प्रचार कर रहे हैं।

टीजीईएपीसीईटी 2025 बीआईपीसी प्रवेश काउंसलिंग शुरू

हैदराबाद, 5 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना इंजीनियरिंग, कृषि और फार्मेसी कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (टीजीईएपीसीईटी) 2025 के लिए बीआईपीसी उम्मीदवारों की प्रवेश काउंसलिंग रविवार से शुरू हो गई। पंजीकरण, भुगतान प्रक्रिया और प्रमाण पत्र सत्यापन के लिए स्लॉट बुकिंग की अंतिम तिथि 8 अक्टूबर है। पहले से बुक किए गए स्लॉट के लिए प्रमाणपत्र सत्यापन 7 से 9 अक्टूबर के बीच होगा, और वेब विकल्प 7 से 10 अक्टूबर तक इस्तेमाल किए जा सकते हैं। पहले चरण का अनंतिम सीट आवंटन 13 अक्टूबर को या उससे पहले किया जाएगा। उम्मीदवारों को बेहतर कॉलेज और कोर्स में आवंटन पाने के लिए अधिक से अधिक विकल्प भरने की सलाह दी गई है।

अग्रसेन को-ऑप. अर्बन बैंक की बंजारा हिल्स शाखा में 6वां एटीएम केंद्र शुरू

उद्योगपति, समाजसेवी नरेंद्र कुमार गोयल ने किया एटीएम केंद्र का उद्घाटन
बैंक का कुल कारोबार 1100 करोड़ रुपये के पार : प्रमोद कुमार केडिया

हैदराबाद, 5 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने में तत्पर अग्रसेन को-ऑप. अर्बन बैंक की बंजारा हिल्स शाखा में 6वां एटीएम केंद्र का शुभारंभ किया गया।

इस अवसर पर उद्योगपति और समाजसेवी नरेंद्र कुमार गोयल ने एटीएम केंद्र का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में मनोज अग्रवाल, हजारीलाल केडिया, सीए ऋषभ अग्रवाल सहित कई विशिष्ट अतिथि भी मौजूद थे। चेयरमैन प्रमोद कुमार केडिया, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सीए नवीन कुमार अग्रवाल, उपाध्यक्ष सुरेश कुमार अग्रवाल और निदेशकगण मोहन अग्रवाल, गोपाल चंद अग्रवाल, पंकज कुमार अग्रवाल, बैंक ऑफ महाराष्ट्र के सदस्य महावीर पित्ती भी उपस्थित हुए और उन्होंने सभी अतिथियों का स्वागत किया।

इस अवसर अग्रसेन बैंक चेयरमैन प्रमोद कुमार केडिया ने बताया कि, बैंक इस महीने के अंत में ग्रेटर हैदराबाद के माधापुर में एक नई शाखा खोलने जा रहा है और इस वित्तीय वर्ष के अंत तक एफएसडब्ल्यूएम श्रेणी के तहत एक और शाखा खोली जाएगी। फलस्वरूप वित्तीय वर्ष के अंत तक बैंक की शाखाओं की कुल संख्या 12 तक पहुंच जाएगी और इसके साथ ही ग्रेटर हैदराबाद में 8 एटीएम केंद्र होंगे। उन्होंने यह भी घोषणा की कि 30 सितंबर 2025 तक बैंक का कुल कारोबार 1100 करोड़ रुपये को पार कर चुका है। उन्होंने यह आश्वासन दिया कि बैंक वर्ष के अंत तक नए कीर्तिमान स्थापित करेगा। इसके चलते उन्होंने सभी शेयरधारकों, ग्राहकों और शुभचिंतकों से बैंक द्वारा प्रदान की जाने वाली विभिन्न सुविधाओं का लाभ उठाकर बैंक के विकास पथ में बड़े पैमाने पर शामिल होने का आग्रह किया।

उद्घाटन अवसर पर, तत्संबंधित बैंक के महाप्रबंधक/सीईओ सी.वी. राव, उप महाप्रबंधक आनंद अग्रवाल, शाखा प्रबंधकगण रमेश बजाज, प्रसाद गोलेगांवकर, शंकर चंद्र रेड्डी, गोपाल कृष्ण, गोपाल तिवारी और अन्य कर्मचारी भी उपस्थित थे।

हैदराबाद के छात्र की हत्या, जांच और शव प्रत्यर्पण की मांग

मजलिस बचाओ तहरीक ने की राज्य सरकार से हस्तक्षेप की अपील

हैदराबाद, 5 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मजलिस बचाओ तहरीक पार्टी के प्रवक्ता अमजदुल्ला खान ने अमेरिका के डलास में एक गैस स्टेशन पर अज्ञात बंदूकधारी द्वारा हैदराबाद के छात्र चंद्रशेखर पोल (26) की हत्या की जांच और शव को हैदराबाद लाने की मांग की है।

चंद्रशेखर ने हैदराबाद से डेंटल सर्जरी (बीडीएस) की डिग्री पूरी की थी और दो साल पहले टेक्सास विश्वविद्यालय से मास्टर डिग्री करने के लिए अमेरिका गए थे। उनके भाई दामोदर ने बताया कि उन्होंने छह महीने पहले ही डिग्री पूरी की थी और नौकरी की तलाश में थे। घटना शुक्रवार रात हुई, जब चंद्रशेखर गैस स्टेशन पर अंशकालिक काम कर रहे थे। अमजदुल्ला खान ने राज्य सरकार से अपील की है कि वे संबंधित अधिकारियों के साथ इस मामले को उठाएं और सरकारी खर्च पर शव को हैदराबाद वापस लाने में मदद करें।

भारत ने लगातार चौथे संडे पाकिस्तान को हराया

विमेंस वर्ल्ड कप में 88 रन से जीती टीम इंडिया, क्रांति-दीप्ति को 3-3 विकेट

कोलंबो, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत ने विमेंस वर्ल्ड कप में रविवार को पाकिस्तान पर 88 रन से एकतरफा जीत दर्ज की। इसके साथ ही भारतीय टीम दो मैचों से चार पॉइंट्स के साथ टेबल में टॉप पर पहुंच गई है।

पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। भारतीय टीम 50 ओवर में 247 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। हरलीन देओल ने सबसे ज्यादा 46 रन बनाए। जवाब में पाकिस्तान की टीम 43 ओवर में 159 रन बनाकर सिमट गई। सिदरा अमीन ने 81 रन बनाए। भारत की ओर से क्रांति गौड़ और दीप्ति शर्मा ने 3-3 विकेट झटके। स्नेह राणा को 2 विकेट मिले।

भारत ने क्रिकेट में लगातार चौथे रविवार को पाकिस्तान को मात दी है। इससे पहले 14, 21 और 28 सितंबर को मेंस एशिया कप में टीम इंडिया ने पाकिस्तान को लगातार तीन मैचों में हराया था।

मैच रेफरी की गलती से भारत टॉस हारा

टॉस के दौरान रेफरी की गलती से भारत टॉस हार गया। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने सिक्का उछाला, तो पाकिस्तानी कप्तान फातिमा सना ने टेल्स बोला। सिक्का जमीन पर हेड्स गिरा। साउथ अफ्रीका की मैच रेफरी शांद्रे फ्रिट्ज ने गलती से सना की कॉल को हेड्स सुन लिया था। उन्होंने पाकिस्तान को टॉस की विजेता घोषित किया।

महिलाओं से बदतमीजी की तो कपड़े उतार देंगे...

आज आसिफाबाद बाजार बंद का आह्वान ...

आसिफाबाद, 5 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कोमराम भीम आसिफाबाद में कांग्रेस पार्टी के जिला अध्यक्ष कोक्किराला विश्व प्रसाद राव ने कहा कि जो भी महिलाओं से बदतमीजी करेगा, उसके कपड़े उतार दिए जाएंगे। कोक्किराला विश्व प्रसाद राव विश्व हिंदू परिषद, गणेश दुर्गा माता उत्सव समिति के सदस्यों और श्रद्धालुओं द्वारा आयोजित एक विशेष बैठक में शामिल हुए थे।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सभी लोग कानून का पालन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस कुछ अज्ञानी ग्रामीण लोगों पर अत्यधिक अत्याचार कर रही है। दुर्गा माता के विसर्जन के दौरान महिलाओं से बदतमीजी करने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए एसपी से व्यापक स्तर पर अनुरोध किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अगर एक व्यक्ति के साथ ऐसा होता है, तो कस्बे में आने वाले अन्य लोग सावधान हो जाएंगे। उन्होंने सुझाव दिया कि हिंदू उत्सव समिति के सदस्यों और डीजे वालों के खिलाफ दर्ज मुकदमे तुरंत वापस लिए जाएं और डीजे वालों को रिहा किया जाए। सभी समितियां ने सह समिति से सोमवार के दिन 6 अक्टूबर को आसिफाबाद मार्केट बंद का ऐलान किया है।

अपनी सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाते रहना है : वेंकटेशम

हैदराबाद, 5 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। रविन्द्र भारती में आयोजित बतुकम्मा कार्यक्रम की सफलता पर रविवार को एक उच्च-स्तरीय समीक्षा बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता परमानंद शर्मा ने की।

बुर्रा वेंकटेशम आईएएस अध्यक्ष तेलंगाना पब्लिक सर्विस कमीशन ने सभी समितियों और स्वयंसेवकों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा, दर्शकों की प्रतिक्रिया यह दर्शाती है कि हमें अपनी सांस्कृतिक विरासत को इसी प्रकार बढ़ावा देते रहना है। प्रबंधन टीम ने भविष्य के आयोजनों में बेहतर अनुशासन, समय प्रबंधन और तकनीकी व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए तत्काल कार्रवाई करने का निर्णय लिया। अगले कार्यक्रम के लिए बजट योजना को और अधिक प्रभावी बनाया जाएगा।

समीक्षा के साथ ही, आगे आयोजित होने वाले अगले कार्यक्रमों की प्राथमिक रूपरेखा पर भी चर्चा की गई। सांस्कृतिक विभाग को एक व्यापक कार्य योजना तैयार करने का निर्देश दिया गया है। बैठक में सभी राज्यों के संस्थाओं के अन्य महत्वपूर्ण सदस्यों प्रमुख समिति प्रमुखों और वरिष्ठ सदस्यों ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती वीणा रेड्डी ने किया। बैठक में बिहार राज्य से हेमंत सिंह एवं संजय सिंह, केरल से अजित एवं मनोहरण, उत्तराखंड से आरोही एवं जयपाल सिंह, बंगाल से अभिजीत भट्टाचार्य एवं मौशमी शर्मा, कर्नाटक से विट्ठल जोशी एवं सुरेंद, महाराष्ट्र से डा श्याम सुंदर,त्रिपुरा से विजयदेवरमा, गुजरात से कल्पेश शाह, तमिलनाडु से रामालिंगम एवं राज कुमार उपस्थित थे।

बतुकम्मा के पश्चात नवविवाहिता की मौत

भैंसा, 5 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार रात भैंसा मंडल के वानलपाड़ गांव में बतुकम्मा खेलने के पश्चात एक नव विवाहिता का निधन हो गया। खबरों के अनुसार नरसापुर (जी) मंडल के गोल्लमाडा गांव की निवासी ऋषिता की शादी मई महीने में भैंसा मंडल के वानलपाड़ गांव के निवासी वटोली राजू से हुई थी। मामूली स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रही ऋषिता ने शनिवार को गांव में आयोजित बतुकम्मा समारोह में हिस्सा लिया।

गांव में शाम सात बजे शुरू हुए समारोह के दौरान उसने महिलाओं के साथ बतुकम्मा खेल और गीत गाए। उसी दौरान सिरदर्द से पीड़ित नवविवाहिता ने खेल और गीत रोक दिए और घर चली गई। वहां जाते ही उसका सिरदर्द तेज हो गया और वह गंभीर रूप से बीमार पड़ गई। इसके चलते परिजन उसे इलाज के लिए वानलपाड़ गांव के एक निजी चिकित्सक के पास ले गए। हालांकि, उसकी सेहत में जरा भी सुधार नहीं हुआ। नतीजतन, वहां के निजी चिकित्सक की सलाह पर पीड़िता को भैंसा के एक निजी अस्पताल में ले जाया गया। इलाज मिलने से पहले ही नवविवाहिता की मौत हो गई। नवविवाहिता की मौत से गांव में मातम छा गया है।

पित्ती ट्रस्ट-लोहिया समता न्यास द्वारा सत्तर लाख की छात्रवृत्ति दी जाएगी

आज से पहले आओ-पहले पाओ आधार पर दिए जाएंगे आवेदन-पत्र

हैदराबाद, 5 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट, राममनोहर लोहिया समता न्यास तथा अग्रवाल सेवा दल द्वारा प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे मेधावी विद्यार्थियों को सत्तर लाख की छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। आवेदन-पत्र सोमवार, 6 अक्टूबर से पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर वितरित किए जाएंगे।

अग्रवाल सेवा दल के प्रचार संयोजक अजित गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस वर्ष डिग्री तथा पोस्ट ग्रेजुएट की शिक्षा प्राप्त कर रहे 600 विद्यार्थियों को प्रति विद्यार्थी 8,000 से 27,000 रुपये तक की छात्रवृत्ति (निर्धारित नियमानुसार) प्रदान की जाएगी। यह छात्रवृत्ति सभी धर्म एवं जातियों के विद्यार्थियों को प्रदान की जाएगी। उन्होंने बताया कि छात्रवृत्ति केवल 80 प्रतिशत अथवा उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विधार्थियो को ही दी जाएगी। छात्रवृत्ति हेतु आवेदन-पत्र सोमवार, 6 अक्टूबर से पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर वितरित किए जाएंगे। आवेदन पत्र केवल विद्यार्थियों अथवा उनके अभिभावकों को विद्यार्थी के आधार कार्ड तथा अंकतालिका की मूल प्रति जांचने के बाद दिए जाएंगे। आवेदन पत्र दोपहर 2 से शाम 6 बजेतक ट्रस्ट के सोमाजीगुड़ा स्थित कार्यालय, कैलाश केडिया (श्याम कुंज, आदर्शनगर), उर्मिला अग्रवाल (बंजारा हिल्स), प्रदीप अग्रवाल (तंबाकू बाजार सिकंदराबाद), सुधीर गुप्ता (मोजमजाही मार्केट), सुरेंद्र गोयल (काचीगुड़ा), दीपक गुप्ता (नवीन इंटरप्राइजेज, तुरूप बाजार) से प्राप्त किए जा सकते हैं। अग्रवाल समाज तेलंगाना के 100 सदस्यों को आवेदन पत्र समाज के जरिये जारी किये जाएंगे। अग्रवाल शिक्षा समिति, अविनाश कॉलेज ऑफ़ कॉमर्स, बद्रुका ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन्स, केशव मेमोरियल ग्रुप ऑफ़ कॉलेज, सेंट जोसेफ डिग्री एंड पीजी कॉलेज, तपस्या डिग्री कॉलेज तथा सरोजिनी नायुडू वनिता डिग्री कॉलेज के छात्र-छात्राओं को आवेदन पत्र केवल ट्रस्ट के सोमजीगुडा स्थित कार्यालय से ही जारी किये जाएंगे। पूर्ण रूप से भरे हुए आवेदन-पत्र सोमवार, 13 अक्टूबर तक स्वीकार किए जाएंगे।

बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट, राममनोहर लोहिया समता न्यास के चेयरमैन तथा अग्रवाल सेवा दल के परामर्शदाता, समाजसेवी शरद बी. पित्ती ने विद्यार्थियों से उपरोक्त शिक्षा छात्रवृत्ति योजना का लाभ उठाने का आग्रह किया। अधिक जानकारी हेतु ट्रस्ट के कार्यालय से फोन नं 23311056 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

सिरप से हुई...

उन्होंने सभी दवा निर्माताओं को संशोधित शेड्यूल एम का सख्ती से पालन करने और नियमों का उल्लंघन करने वाले कारखानों के लाइसेंस रद्द करने का निर्देश दिया। साथ ही, खासकर बच्चों में खांसी की दवाओं का सही और सीमित उपयोग सुनिश्चित करने को कहा गया, क्योंकि अधिकांश खांसी स्वयं ही ठीक हो जाती है और दवाइयों की जरूरत नहीं होती। इस दौरान राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को बेहतर निगरानी, समय पर रिपोर्टिंग, आईडीएसपी-आईएचआईपी की रिपोर्टिंग टूल का व्यापक प्रचार और सूचनाओं के आदान-प्रदान व संयुक्त कार्रवाई के लिए मजबूत समन्वय बनाए रखने की सलाह दी गई।

केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने सरेशान फार्मास्यूटिकल्स की तरफ से बनाई गई खांसी की दवा कोल्ड्रिफ के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का निर्णय लिया है। यह कदम उस समय उठाया गया जब कई बच्चे इस दवा पीने के बाद मृत पाए गए। सीडीएससीओ तमिलनाडु के फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन को पत्र लिखकर कंपनी के खिलाफ सख्त कदम उठाने के लिए कहेगा। मृत बच्चों में मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा, राजस्थान के बच्चे शामिल हैं। इसके अलावा केरल और तेलंगाना ने भी इस दवा का उपयोग रोकने के लिए जनता को चेतावनी जारी की है।

कफ सिरप का उत्पादन करने वाली कंपनी पर लटकी तलवार :

वहीं दूसरी ओर सरकार कफ सिरप का उत्पादन करने वाली कंपनी पर सख्य कार्रवाई करने की तैयारी कर रही है। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) तमिलनाडु एफडीए (खाद्य एवं औषधि प्रशासन) को 'कोल्ड्रिफ' सिरप निर्माता के खिलाफ सबसे गंभीर अपराधों के तहत सख्त कार्रवाई करने के लिए कहेगा। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, गुजरात, तमिलनाडु, मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र में उन फैक्ट्रियों की जांच शुरू कर दी है जहां से संदिग्ध दवाएं बनी थीं। बता दें कि मामले में सीडीएससीओ ने 19 दवाओं के सैंपल इकट्ठे किए हैं, जिनमें खांसी की सिरप, एंटीबायोटिक और बुखार की दवाएं शामिल हैं।

मध्य प्रदेश में एक और कंपनी नेक्स्ट्रो डीएस के खांसी की दवा के नमूनों की जांच अभी चल रही है। कुल 19 नमूने लिए गए हैं, जिनमें सिरप, एंटीबायोटिक, बुखार की दवा और ओन्डान्सेट्रॉन शामिल हैं। मध्य प्रदेश सरकार ने तुरंत कोल्ड्रिफ और नेक्स्ट्रो डीएस सिरप की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया है और इसी कंपनी के अन्य उत्पादों की बिक्री भी रोक दी है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने इस प्रतिबंध की घोषणा की।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सभी राज्यों को सलाह दी है कि दो साल से कम उम्र के बच्चों को कफ सिरप न दी जाए। वहीं पांच साल से कम उम्र के बच्चों के लिए कफ सिरप का इस्तेमाल डॉक्टर की सलाह, सीमित मात्रा और सावधानी के साथ किया जाए। इसके साथ ही गर्भवती महिलाओं और बच्चों के लिए नुकसानदेह दवाओं पर अब चेतावनी लेबल लगाना अनिवार्य होगा।

क्या है खतरा :

मामले में तेलंगाना सरकार की तरफ से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, कोल्ड्रिफ सिरप के इस बैच में डायएथिलीन ग्लाइकोल (डीईजी) नाम का जहरीला रसायन मिला है, जो शरीर के गुर्दों (किडनी) को गंभीर नुकसान पहुंचा सकता है और जानलेवा साबित हो सकता है। इसी कारण तेलंगाना में इस सिरप को लेकर लोगों को उपयोग तुरंत बंद करने की चेतावनी दी गई है।

यूआईडी नागरिकता ...

बूथ लेवल ऑफिसर्स के साथ तमाम अधिकारी, जो इस काम को करते हैं- उनका मानदेय भी बढ़ाया गया। खास तौर पर एआरओ और एईआरओ को भी मानदेय की व्यवस्था की गई। चुनाव आयोग ने वोटर कार्ड के 15 दिनों के अंदर मिलने की व्यवस्था की। बीएलओ को मतदाता सुगमता से पहचाने जा सकें, इसके लिए आईडी भी दिए गए।

सभी 90 हजार मतदान केंद्रों पर मोबाइल रखने की व्यवस्था :

इस बार बूथ के कमरे के ठीक बाहर मतदाताओं को सभी 90 हजार मतदान केंद्रों पर मोबाइल रखने की व्यवस्था रहेगी। वोटर स्लिप में इस बार बूथ की संख्या और पता बड़े फॉन्ट में रखा जा रहा है, ताकि आसानी से पढ़ा जा सके। चुनाव आयोग ने तकनीक का सहारा बहुत पहले से ले रहा है। 40 एप्लिकेशन थे। उसकी जगह अब वन स्टॉप डिजिटल प्लेटफॉर्म- ईसीआईएनईटी लाया गया। बिहार चुनाव में यह प्लेटफॉर्म सक्रिय रहेगा। चूंकि 1500 से ज्यादा मतदाताओं वाले मतदान केंद्रों में लंबी भीड़ रहती थी और परेशानी ज्यादा होती थी, इसलिए अब 1200 से ज्यादा किसी भी बूथ पर वोटर नहीं रहेंगे।

करूर भगदड़ मामले...

हाल ही में मदुरै बेंच ऑफ मद्रास हाई कोर्ट ने भी विजय की घटना स्थल छोड़कर जाने की आलोचना की और पार्टी की ओर से पश्चाताप न दिखाने पर टिप्पणी की। कोर्ट के आदेश सीनियर आईपीएस अधिकारी आसरा गर्ग की अध्यक्षता में विशेष जांच टीम (एसआईटी) गठित की गई है, जो स्टैम्पेड की गहन जांच कर रही है।

करूर से संबंधित दस्तावेज चेन्नई ट्रांसफर किए गए हैं। कोर्ट टीवीके नेताओं की अग्रिम जमानत याचिकाओं की समीक्षा कर रही है और राजनीतिक रैलियों के लिए कड़े दिशा-निर्देशों पर विचार कर रही है। बता दें कि यह भगदड़ करूर-एरोड हाईवे के वेलुसामीपुरम में हुई, जब विजय के काफिले की ओर समर्थक बढ़ने लगे। आरोप है कि अनुमति 10,000 लोगों के लिए दी गई थी, लेकिन लगभग 25,000-27,000 लोग जमा हो गए, जबकि कुछ आकलन दर्शकों की संख्या को अनुमानित से दोगुना बता रहे हैं।

ड्रग तस्करी पर रोक अब भी बड़ी चुनौती

राज्य में गांजा और सिंथेटिक ड्रग्स की तस्करी जारी

हैदराबाद, 5 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद नारकोटिक्स प्रवर्तन शाखा (एच-न्यू), ईगल टास्क फोर्स और आबकारी विभाग द्वारा लगातार छापेमार कार्रवाई के बावजूद, तेलंगाना में मादक पदार्थों पर नियंत्रण अब भी एक बड़ी चुनौती बना हुआ है। अपनी अंतरराष्ट्रीय परिवहन कनेक्टिविटी के कारण, हैदराबाद पूरे देश में मादक पदार्थों की तस्करी और वितरण का केंद्र बन गया है। कोकीन, हेरोइन, एमडीएमए और एक्स्टसी गोलियों सहित नशीले पदार्थों की आपूर्ति हैदराबाद से देश के अन्य हिस्सों में की जा रही है। अधिकारियों के अनुसार, पारंपरिक और सिंथेटिक दोनों तरह के नशीले पदार्थ कई रास्तों से राज्य में प्रवेश कर रहे हैं।

आंध्र प्रदेश, ओडिशा और छत्तीसगढ़ से बड़ी मात्रा में गांजा की तस्करी होती है। मुख्य मार्ग भद्राचलम, मुलुगु, वारंगल, करीमनगर, जगतियाल और निर्मल से होकर महाराष्ट्र के नांदेड़ तक जाता है।

दूसरा प्रमुख मार्ग विजयवाड़ा, सूर्यापेट और नलगोंडा से होकर हैदराबाद तक पहुंचता है। एमडीएमए, एलएसडी और एक्स्टसी जैसी सिंथेटिक ड्रग्स मुख्य रूप से गोवा, कर्नाटक, महाराष्ट्र और तमिलनाडु से सड़क और रेल मार्गों के जरिए लाई जाती हैं। इनका निर्माण कुछ स्थानीय फार्मा और केमिकल कंपनियों में भी किया जा रहा है।

राजस्थान से अफीम आधारित पदार्थ आदिलाबाद, निर्मल, निजामाबाद, कामारेड्डी और मेदक के रास्ते राज्य में पहुंचते हैं और फिर स्थानीय एजेंटों के जरिए वितरित किए जाते हैं।

भारी बारिश से शहर में जलभराव और ट्रैफिक जाम

हैदराबाद, 5 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार तड़के हैदराबाद के कई इलाकों में लगातार भारी बारिश हुई, जिससे कॉलोनियां और सड़कें जलमग्न हो गईं और दैनिक जीवन प्रभावित हुआ। खैरताबाद, पंजागुट्टा, यूसुफगुडा, बंजारा हिल्स, जुबली हिल्स, बोरबंडा, अमीरपेट, एसआर नगर, हिमायतनगर, नारायणगुडा, भरतनगर, बेगमपेट, रसूलपुरा, मेरेडपल्ली, बोइनपल्ली, यापराल, वनस्थलीपुरम, माधापुर और अन्य स्थानों में बाढ़ की सूचना मिली। दशहरा की छुट्टियों से लौट रहे लोगों के कारण शहर की प्रमुख सड़कों पर भी भारी ट्रैफिक जाम देखा गया। एलबी नगर, दिलसुख नगर, एबिड्स, लकड़ी-का-पुल, पुंजागुट्टा, सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन रोड, बेगमपेट, कुकटपल्ली, निजामपेट, मियापुर, हाई-टेक सिटी, माधापुर, गच्चीबोवली और मणिकोंडा सहित मुख्य मार्गों पर वाहनों की लंबी कतारें लगी रहीं।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

होटल से लिए गए खाने के सैंपल, खिलाड़ियों की अचानक बिगड़ी तबीयत, एक्शन में बीसीसीआई

कानपुर, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया की ए टीम इस समय भारत के दौरे पर आ रही है. वह इंडिया ए के खिलाफ 3 वनडे मैचों की सीरीज खेल रही है. इस सीरीज के बीच एक चौंकाने वाली खबर आमने आई. कानपुर में ऑस्ट्रेलिया के 4 खिलाड़ी अचानक बीमार पड़ गए. खिलाड़ियों को अचानक तेज पेट दर्द और गंभीर संक्रमण की शिकायत हुई. ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज हेनरी थॉर्नटन को तो अस्पताल में भर्ती करवाया गया. इस घटना पर अब बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला का बड़ा बयान सामने आया है.

खिलाड़ियों की अचानक बिगड़ी तबीयत

ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों की तबीयत बिगड़ने के बार खबरें सामने आईं कि उन्हें होटल का खाना खाने के चलते पेट के संक्रमण का सामना करना पड़ा. हेनरी थॉर्नटन को 2 दिन तक डाक्टरों की देखरेख में रखा गया और अब वे पूरी तरह से स्वस्थ हैं. वहीं, बाकी खिलाड़ियों को भी अस्पताल ले जाया गया और जांच के बाद छुट्टी दे दी गई. बता दें, ऑस्ट्रेलिया की ए टीम कानपुर के लैंडमार्क होटल में रुकी है और उन्हें इसी होटल का खाना खिलाया जा रहा है. जिसके चलते खाद्य विभाग सक्रिय हो गया है और होटल से खाने के सैंपल ले लिए गए हैं.

इस घटना पर मीडिया के बात करते हुए बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा, 'लैंडमार्क होटल कानपुर का सबसे बेहतरीन होटल है. अगर खाने में कोई कमी होती तो सभी खिलाड़ी बीमार पड़ सकते थे, लेकिन ऐसा नहीं है. ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को अच्छे होटल का खाना दिया जा रहा है. सभी खिलाड़ी वही खाना खा रहे हैं.

हो सकता है कि 2-4 खिलाड़ी किसी और जगह से संक्रमित हुए हों.' वहीं, होटल मैनेजमेंट का कहना है कि ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों की तबीयत भोजन की वजह से खराब नहीं हुई, बल्कि मौसम में बदलाव के कारण उन्हें परेशानी हो सकती है.

बता दें, भारत और ऑस्ट्रेलिया की ए टीमों के बीच 3 वनडे मैच फिलहाल 1-1 की बराबरी पर है. इससे पहले दोनों टीमों के बीच 2 अनऑफिशियल टेस्ट मैच भी खेले गए थे. इस सीरीज में भारतीय टीम ने 1-0 से बाजी मारी थी.

भारतीय टीम में सिर्फ रोहित शर्मा के साथ हुआ ऐसा अन्याय?

आईसीसी ट्रॉफी भारत के लिए लकी, लेकिन हिटमैन के लिए पनौती क्यों?

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन मैचों की वनडे और पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए टीम का ऐलान 04 अक्टूबर को किया गया। टी20 टीम में तो सब कुछ अच्छा लग रहा था, लेकिन हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींचा वनडे स्क्वाड ने। दरअसल वनडे टीम में रोहित शर्मा का नाम तो था, लेकिन रोहित शर्मा इस बार टीम के कप्तान नहीं थे। रोहित शर्मा की जगह कप्तानी मिली शुभमन गिल को। फैंस को इस बात से काफी हैरानी हुई। हर किसी के दिमाग में एक ही सवाल था कि भला ऐसा क्यों? टीम इंडिया में सब कुछ तो अच्छा चल ही रहा था।

टीम का ऐलान होती ही भारतीय टीम के चीफ सेरेक्टर अजित अगरकर प्रेस कॉन्फ्रेंस के लिए पहुंचे। प्रेस कॉन्फ्रेंस में अजित अगरकर अभी बैठे ही थे कि सवालों ने उन्हें पूरी तरह से घेर लिया। एक के बाद एक सवाल पूछे गए। पूछा गया कि रोहित शर्मा के साथ ये अन्याय क्यों। फिर उन्होंने जवाब दिया कि वह शुभमन गिल को 2027 वनडे वर्ल्ड कप से पहले बतौर कप्तान तैयार करना चाहते हैं और उन्हें समय की जरूरत है। अजित अगरकर की इन बातों में दम तो था। मगर जिस कप्तान ने कुछ महीने पहले आईसीसी टूर्नामेंट में भारत को चैंपियन बनाया हो उसे कप्तानी से हटाना कितना सही था, ये सवाल अभी भी है।

आईसीसी ट्रॉफी टीम इंडिया के लिए लकी, लेकिन रोहित के लिए पनौती

टीम इंडिया 11 सालों से आईसीसी ट्रॉफी की तलाश में थी। कप्तान बदले, लेकिन रिजल्ट हर बार एक ही था। फाइनल या सेमीफाइनल में जाकर टीम इंडिया का चोक करना। फिर बतौर कप्तान एंट्री हुई रोहित शर्मा की। रोहित शर्मा की कप्तानी में भी टीम इंडिया का हाल ऐसा ही था, लेकिन 2022 टी20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में इंग्लैंड से मिली हार के बाद रोहित शर्मा ने अपने गेम को पूरी तरह से बदल दिया। इसके बाद भारत ने जीता टी20 वर्ल्ड कप 2024 और फिर जीता चैंपियंस ट्रॉफी 2025। भारत ने वनडे वर्ल्ड कप 2023 में भी लगभग ट्रॉफी का स्वाद चख ही लिया था, लेकिन फाइनल में भारत चूक गया।

रोहित शर्मा की कप्तानी में जब-जब भारत चैंपियन बना। देश तो खुश हुआ, लेकिन बीसीसीआई ने रोहित शर्मा के साथ अन्याय किया। टी20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद रोहित शर्मा ने संन्यास ले लिया। हालांकि यह उनका निजी फैसला था। फिर भी कहीं न कहीं चैंपियन बनने के बाद एक कप्तान का संन्यास लेना काफी अजीब का अहसास करवा जाता है। चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद रोहित खुद को 2027 वनडे वर्ल्ड कप के लिए तैयार कर रहे थे, लेकिन सेलेक्टर्स तो कुछ अलग ही गेम करने के प्लान में थे।

\चैंपियंस ट्रॉफी भारत तो जीत गया, लेकिन रोहित कप्तानी हार गए। कुल मिलाकर यह कहना गलत नहीं होगा कि रोहित शर्मा के लिए आईसीसी ट्रॉफी पनौती है। इससे पहले एमएस धोनी, कपिल देव, सौरव गांगूली ने भी भारत के लिए आईसीसी ट्रॉफी जीता, लेकिन उनके साथ कभी ऐसा नहीं हुआ।

'वो टीम इंडिया में क्यों हैं?', इस खिलाड़ी के सिलेक्शन पर तिलमिलाए दिग्गज, गंभीर-अगरकर को लताड़ा!

मुंबई, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारत की वनडे और टी20 टीम का ऐलान हो गया है. इसी बीच कुछ फैसले काफी चर्चा का विषय बने हैं. रोहित शर्मा अब वनडे कप्तान नहीं हैं और शुभमन गिल को बड़ी जिम्मेदारी सौंप दी गई है. वनडे और टी20 टीम में हर्षित राणा को जगह मिली है और अब पूर्व भारतीय कप्तान के श्रीकांत ने इस फैसले की आलोचना की है. वो राणा के सिलेक्शन पर तिलमिलाए और उन्होंने गंभीर-अगरकर को भी अपने फैसलों के लिए लताड़ा.

'हर्षित राणा टीम में क्यों हैं?'

के श्रीकांत ने अपने यूट्यूब चैनल पर टीम इंडिया के सिलेक्शन के बारे में बात की. उन्होंने बताया कि भारतीय टीम में किसी की जगह तय नहीं है. लगातार बदलाव होते जा रहे हैं. उन्होंने हर्षित राणा के सिलेक्शन पर भी बात की. उन्होंने कहा, 'इस तरह के फैसले लगातार लेकर आप खिलाड़ियों को कन्फ्यूज कर रहे हैं. उन्हें भी नहीं पता है कि उनका सिलेक्शन होगा या नहीं. अचानक से यशस्वी जायसवाल आ गए हैं और अगली बार वो नहीं होंगे. सिर्फ टीम में एक ही परमानेंट सदस्य है, हर्षित राणा. किसी को नहीं पता कि वो (हर्षित राणा) टीम में क्यों हैं. लोगों को हटाने और टीम में लगातार बदलाव करने से आप खिलाड़ियों का आत्मविश्वास कम कर रहे हैं.'

गौतम गंभीर को बनाया निशाना

के श्रीकांत ने बताया कि हर्षित राणा सिर्फ इसी वजह से टीम में है, क्योंकि वो गौतम गंभीर की बातें मानते हैं. उन्होंने कहा कि ऐसा चलता रहा, तो भारत ट्रॉफी नहीं जीत पाएगा. उन्होंने कहा, 'आप कुछ प्लेयर्स को नहीं चुनते, जो अच्छा करते हैं और उन्हें ले लेते हैं, जो कुछ नहीं कर रहे हैं. हर्षित राणा की तरह बनो और गौतम गंभीर की बातों पर लगातार हां बोलो. आपको 2027 के वर्ल्ड कप पर फोकस करना चाहिए. मुझे लगता है कि उन्होंने अब तक ऐसा नहीं किया है. हर्षित राणा और नीतीश कुमार रेड्डी को अगर आप चुनते रहेंगे, तो फिर आप ट्रॉफी को अलविदा कह रहे हैं.'

महिला वनडे वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलिया-श्रीलंका मैच रद्द

दोनों टीमों को मिला एक-एक अंक

कोलंबो, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। महिला वनडे वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका के बीच खेले जाने वाला मुकाबला बारिश के कारण रद्द हो गया। मैच कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में होना था, लेकिन बारिश के कारण एक भी बॉल नहीं फेंकी जा सकी। दोनों टीमों को एक-एक प्वाइंट दिया गया। श्रीलंका ने इस टूर्नामेंट का पहला मैच भारत के खिलाफ 59 रन से गंवाया था। वहीं, ऑस्ट्रेलिया ने अपने पहले मैच में न्यूजीलैंड को 89 रन से हराया था।

मैं निराश हूं! रोहित शर्मा को कप्तानी से हटाए जाने पर छलका हरभजन सिंह का दर्द

शुभमन गिल के लिए कही बडी बात

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा है कि रोहित शर्मा का बतौर कप्तान ऑस्ट्रेलिया दौरे पर न जाना बेहद चौंकाने वाला है। जियोहॉटस्टार पर बात करते हुए हरभजन ने कहा, 'शुभमन गिल को बधाई। वह टेस्ट क्रिकेट में टीम का अच्छा नेतृत्व कर रहे हैं। अब उन्हें वनडे का कप्तान भी बना दिया गया है। सच कहूं तो, रोहित को कप्तान न बनते देखना मेरे लिए थोड़ा चौंकाने वाला है। अगर आप रोहित शर्मा को चुन रहे हैं, तो उन्हें कप्तान जरूर चुनें, क्योंकि उन्होंने हाल ही में आपको आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जिताई है।'

हरभजन ने कहा, 'रोहित सीमित ओवरों के प्रारूपों में भारतीय क्रिकेट के स्तंभों में से एक रहे हैं। मुझे लगता है कि उन्हें कम से कम इस दौरे पर तो मौका मिलना ही चाहिए था। अगर चयनकर्ता 2027 के वनडे विश्व कप के बारे में सोच रहे हैं, तो वह अभी बहुत दूर है।' पूर्व स्पिनर ने कहा, 'शुभमन के पास वनडे कप्तान की भूमिका में ढलने के लिए अभी बहुत समय है। उन्हें जो मौका दिया गया है, इसमें थोड़ी देरी हो सकती थी। वह छह से आठ महीने या एक साल भी इंतजार कर सकते थे। मैं शुभमन के लिए खुश हूं, लेकिन साथ ही, रोहित शर्मा के कप्तान न होने से थोड़ा निराश भी हूं।'

रोहित शर्मा का रिकॉर्ड है शानदार-हरभजन सिंह

रोहित के वनडे करियर पर हरभजन सिंह ने कहा, 'अगर आप रोहित के वनडे रिकॉर्ड पर नजर डालें, तो उनका औसत लगभग 50 के आसपास है। यह दर्शाता है कि वह कितने निरंतर रहे हैं और एक सलामी बल्लेबाज के रूप में कितना योगदान देते हैं। भारत के लिए खेलने के मामले में उनके प्रदर्शन और उनके दृष्टिकोण पर कोई संदेह नहीं है। वह एक अद्भुत खिलाड़ी रहे हैं, और यह बात नहीं बदलेगी।'

उन्होंने कहा, 'रोहित कप्तान हों या नहीं, टीम में हमेशा नेतृत्व की भूमिका में रहेंगे। जरूरत पड़ने पर वह शुभमन या किसी और को सलाह देते रहेंगे। एक बल्लेबाज के रूप में, रोहित अपना दृष्टिकोण नहीं बदलेंगे। वह पहले की तरह निडर रहेंगे, और विराट कोहली भी। ये दोनों शीर्ष खिलाड़ी भारतीय क्रिकेट को आगे बढ़ाते रहेंगे, और हम सभी उन्हें टीम इंडिया के लिए मैच जीतते हुए देखने के लिए उत्सुक हैं।' बता दें कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भारत की टीम घोषित कर दी गई है। रोहित की जगह शुभमन गिल को नया कप्तान बनाया गया है। वहीं, गिल की जगह उप-कप्तानी श्रेयस अय्यर को दी गई है।

चैंपियनशिप से पहले वजन बढ़ने से हो गई थीं परेशान

खाना छोड़ा; कोच और बच्चों से मिली प्रेरणाः चानू

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। विश्व चैंपियनशिप से पहले दो दिन तक मीराबाई खुद से लड़ाई लड़ रही थीं। उनका वजन काबू नहीं आ रहा था। उन्हें 48 किलो भार वर्ग में खेलना था और वजन 50 के आसपास था। नॉर्वे में कड़ाके की सर्दी थी और तापमान सात से नौ डिग्री सेल्सियस के बीच था। वजन कम नहीं होते देख मीरा ने दो दिन पहले ही खाने का त्याग कर दिया। मीरा अमर उजाला को बताती हैं कि उन्होंने अपने पूरे कॅरिअर में वजन कम करने को लेकर इस तरह कठिनाई नहीं देखी। उनके पास खाना छोड़ने के अलावा कोई चारा नहीं था। वह गला तर करने के लिए सिर्फ थोड़ा सा पानी और सूप ही ले रहीं थीं। इसके बाद ही वह बमुश्किल 48 किलो पर पहुंचीं और कंपटीशन में उतरीं। बावजूद इसके उन्होंने 199 किलो वजन उठाया।

पसंदीदा इरोंबा और चावल भी छोड़ दिया

बीते वर्ष ही अंतरराष्ट्रीय महासंघ ने भारवर्गों में फेरबदल किया था। मीरा बताती हैं कि उनके पास 48 और 53 किलो में ही खेलने के विकल्प थे। कोच की सलाह पर वह वापस 48 किलो में आईं, लेकिन यह आसान नहीं था। उनका शरीर 49 किलो के हिसाब से ढल चुका था। 48 किलो पर आना उनके लिए मुश्किल हो रहा था। इसके लिए उन्होंने पसंदीदा भोजन इरोंबा और चावल का भी त्याग कर दिया।

उनकी डायटीशियन ने बोला उन्हें कार्बोहाइड्रेट बिल्कुल नहीं लेने हैं। उन्होंने यही किया। मीरा कहती हैं कि उनके लिए यह पदक बहुत बड़ा है। इसने उनके अंदर वापस विश्वास जगाया है कि वह कुछ कर सकती हैं। इसे वह अपने कोच विजय शर्मा और अपने परिवार को समर्पित करती हैं। उन्होंने ही पेरिस ओलंपिक के बाद उन्हें टूटने नहीं दिया और हौसला जगाकर रखा।

विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025: जीतने के जुनून ने किसान के बेटे निशाद कुमार को बनाया वर्ल्ड चैंपियन

अंब (ऊना), 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। जीतने के जुनून ने किसान के बेटे को वर्ल्ड चैंपियन बना दिया। वह भी उस दिन, जब उसका जन्मदिन था। अपने जन्मदिन का इससे बेहतर तोहफा कोई इससे बेहतर क्या दे सकता है। यह तोहफा पैरा एथलीट निशाद कुमार ने देश और खुद को दिया है।

3 अक्तूबर 1999 को जन्मे निशाद ने अपनी जिंदगी के सिल्वर जुबली वर्ष में देश के नाम सोने का तमगा जीत कर अपने जन्मदिन की खुशियों को वर्ल्ड चैंपियन के खिताब के साथ मनाया। इसमें सोने पर सुहागा यह रहा कि पहली बार किसी बड़ी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में उनके पिता रछपाल सिंह, माता पुष्पा देवी और बहन रमा स्टेडियम में मौजूद रहे। पहली बार ऐसा हुआ कि अमेरिका का राड्रिक टांसेंट, जो कि टोक्यो और पेरिस पैरालंपिक में स्वर्ण पदक विजेता रहा, वह निशाद से पराजित हुआ। टांसेंट ने तीसरा स्थान हासिल किया।

जब भी किसी बड़ी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता का जिक्र होता था, तो निशाद की यह जिद नजर आती थी। नई दिल्ली में पहली बार आयोजित की जा रही प्रतियोगिता में हिमाचल के लाल ने 2.14 मीटर की ऊंची कूद लगाकर वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में देश के नाम गोल्ड मेडल हासिल किया। शुक्रवार शाम को टी-47 श्रेणी के मुकाबले में निशाद ने यह उपलब्धि हासिल कर देश और प्रदेश का पूरी दुनिया में नाम रोशन कर वर्ल्ड चैंपियन का खिताब हासिल कर लिया।

वैसे तो निशाद खेलों की दुनिया में पहले ही पहचान बन चुके हैं। उन्होंने टोक्यो और पेरिस पैरालंपिक में लगातार रजत पदक जीतकर देश का परचम दुनिया भर में लहरा दिया। जिला ऊना के छोटे से गांव बदाऊं का लाल आज पैरालंपिक खेलों में देश के लिए मेडल की गारंटी बन चुका है। महज छह साल की उम्र में चारा काटने की मशीन में हाथ गंवाने से लेकर वर्ल्ड चैंपियन बनने तक के सफर में निशाद और परिवार ने बहुत संघर्ष किया।

निरंतर अभ्यास के बाद वह पहली बार फाजा वर्ल्ड ग्रैंड प्रिंक्स में खेलने गए, जहां स्वर्ण पदक जीता।

उसी मैदान में नवंबर 2019 को अपनी पहली वर्ल्ड चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता। इसके बाद भारत को टोक्यो पैरालंपिक का कोटा मिला, जहां रजत पदक हासिल किया। सितंबर 2024 में पेरिस पैरालंपिक में भी वही कारनामा दोहरा कर खेलों के क्षेत्र में हिमाचल और देश की शान बढ़ाई।

उनके पिता एक राज मिस्त्री का काम करते थे और माता गृहिणी हैं। अंब स्कूल में जमा दो तक की पढ़ाई के बाद खेलों के लिए उनका जुनून उन्हें पंचकूला के ताऊ देवीलाल स्टेडियम ले गया, जहां कोच नसीम अहमद ने उनकी प्रतिभा को पहचाना और निखारा।

उसैन बोल्ट से थे प्रभावित

वर्तमान में विश्व रैंकिंग में दूसरा स्थान रखने वाले निशाद बचपन में जमैका के एथलीट उसैन बोल्ट से प्रभावित थे। इसके लिए उन्होंने खूब दौड़ लगाई, लेकिन बाद में उन्होंने पाया कि वह हाई जंप के लिए ज्यादा फिट हैं।

मुक्केबाज : मंजू, अंकुशिता, अरुंधति, प्रिया और परवीन का जलवा

बीएफआई कप के सेमीफाइनल में पहुंचे

नई दिल्ली, 5 अक्टूबर (एजेंसियां)। विश्व चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता मुक्केबाज मंजू रानी (रेलवे) ने बीएफआई कप के शुरुआती सत्र में 5-0 की प्रभावशाली जीत के साथ सेमीफाइनल में प्रवेश किया। विश्व युवा चैंपियन अंकुशिता बोरो (असम), पूर्व युवा विश्व चैंपियन अरुंधति चौधरी (सेना), अंडर-22 रजत पदक विजेता प्रिया (हरियाणा) और विश्व चैंपियनशिप कांस्य पदक विजेता परवीन हुड्डा (साइ) भी अंतिम चार में पहुंच गए। पुरुष वर्ग में विश्व कप कांस्य पदक विजेता मनीष राठौर (एआईपी), अंडर-22 एशियाई कांस्य पदक विजेता रॉकी (एआईपी) और एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता अमित पंघाल (सेना) ने अपनी शानदार फॉर्म जारी रखते हुए सुरक्षा बलों से जुड़ी टीमों का दबदबा कायम रखा।

सरकार पेरिका जाति के विकास के लिए प्रतिबद्ध : मुत्तिनेनी वीरैया

पेरिका समाज का अलई-बलई कार्यक्रम आयोजित

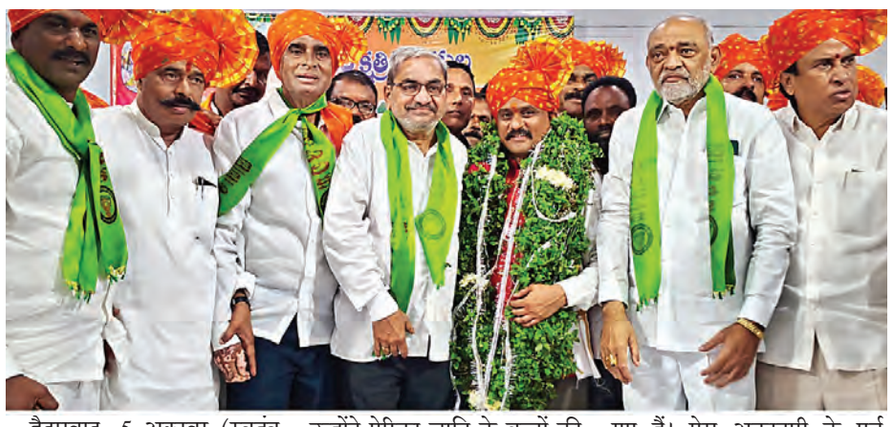

हैदराबाद, 5 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य भर के पेरिका (पुरागिरि) जाति बंधुओं की एकता के तहत, मुत्तिनेनी वीरैया के तत्वावधान में अंडोल मैसम्मा के पास एक गार्डन में पेरिका अलई-बलई कार्यक्रम बड़े धूमधाम से आयोजित किया गया। इस अवसर पर राज्य विकलांग निगम के अध्यक्ष मुत्तिनेनी वीरैया ने कहा कि जल्द ही राज्य भर के पेरिका जाति बंधुओं के लिए एक विशेष समिति बनाई जाएगी और उन्होंने पेरिका जाति के बच्चों की समस्याओं के समाधान का वादा किया। उन्होंने कहा कि पेरिका जाति कल्याण समिति ने राज्य का दौरा किया और जाति एकता और जाति विकास के लिए काम किया।

मुत्तिनेनी वीरैया ने कहा कि सरकार पेरिका जाति के विकास के लिए प्रतिबद्ध है और इसी के तहत पेरिका जाति के लिए एक निगम की स्थापना की गई है और 50 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। प्रेस अकादमी के पूर्व अध्यक्ष अल्लम नारायण ने कहा कि पेरिका जाति की एकता के लिए अलई-बलई कार्यक्रम आयोजित करने के लिए मुत्तिनेनी वीरैया सराहना के पात्र हैं। कुलम पयाला शंकर कि वीरैया की सेवाओं का उपयोग करके विकास करना चाहिए। पेरिका जाति के प्रदेश अध्यक्ष मड्डा लिंगैया ने कहा कि पेरिका जाति की एकता के लिए मुत्तिनेनी वीरैया को हर साल इस कार्यक्रम को जारी रखना चाहिए। पूर्व विधायक श्रीराम भद्रैया ने कहा कि पेरिका जाति का इतिहास हजारों साल पुराना है और सभी को जाति के विकास के लिए काम करना चाहिए। पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष कलसाकोंडा सत्यनारायण ने कहा कि खैरताबाद और कई अन्य स्थानों पर जाति के छात्रों के लिए छात्रावासों के निर्माण का जाति का एक शानदार इतिहास रहा है। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दसारी मल्लेशम ने कहा कि युवाओं को जाति के विकास के लिए कमर कसनी चाहिए। पेरिका जाति निगम साधना समिति के सह-अध्यक्ष कोटा मल्लिकार्जुन राव ने कहा कि पिछड़ी जातियों के आत्मीय रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में पेरिका जाति निगम का गठन किया गया था। कांग्रेस सरकार ने पेरिका जाति के वर्षों पुराने सपने को साकार किया है। कार्यक्रम में 33 जिला जाति संघ अध्यक्षों, सभी दलों के जाति प्रतिनिधियों और राज्य के लगभग सभी हिस्सों से सैकड़ों जाति प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

मंत्री पोन्नम प्रभाकर आज नए स्कूल भवनों का उद्घाटन करेंगे

हैदराबाद, 5 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के एर्रा मंजिल में नवनिर्मित सरकारी प्राथमिक और उच्च विद्यालय भवन का उद्घाटन सोमवार को होगा। यह विद्यालय वर्तमान में नवनिर्मित निम्स को आवंटित क्षेत्र में स्थित पुराने भवन में संचालित हो रहा था। निम्स के विस्तार के अंतर्गत नए ब्लॉकों के निर्माण के संदर्भ में, विद्यालय के लिए भी नए भवनों के निर्माण का निर्णय लिया गया है। इसके अंतर्गत, 40 कमरों वाला एक नया दो मंजिला भवन निर्मित किया है। दो मंजिलों पर प्राथमिक और उच्च विद्यालय के प्रधानाचार्यों के लिए अलग-अलग कमरे, एक पुस्तकालय, एक प्रयोगशाला आदि का निर्माण किया गया है। वर्तमान में इस विद्यालय में चार सौ छात्र अध्ययन कर रहे हैं। छात्रों की संख्या तीन सौ बढ़ने पर भी इस नए भवन का निर्माण बिना किसी समस्या के हुआ। इसका डिजाइन भविष्य में दो और मंजिलों के निर्माण की सुविधा प्रदान करने के लिए बनाया गया है। इसी क्षेत्र में स्थित रवींद्र निकेतन सहायता प्राप्त विद्यालय के लिए भी एक नए भवन का निर्माण किया जा रहा है। इस विद्यालय में दो सौ छात्र अध्ययन कर रहे हैं। इसका डिजाइन भविष्य में छात्रों की संख्या बढ़ने पर भी दो और मंजिलों के निर्माण की सुविधा प्रदान करने के लिए बनाया गया है।

कांग्रेस के दिग्गज नेता जी. वेंकटस्वामी की जयंती पर श्रद्धांजलि

हैदराबाद, 5 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राजनीतिक हलकों में 'काका' के नाम से मशहूर, वरिष्ठ कांग्रेस नेता स्वर्गीय जी. वेंकटस्वामी को रविवार को उनकी 96वीं जयंती पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। मंत्री पोन्नम प्रभाकर, वक्ति श्रीहरि, विवेक वेंकट स्वामी और टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने टैंक बंड स्थित सागर पार्क में स्थित उनकी प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम के दौरान, मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि काका वेंकट स्वामी सभी नेताओं के लिए प्रेरणा स्रोत थे और उन्होंने तेलंगाना राज्य आंदोलन में उनके योगदान का महत्वपूर्ण योगदान बताया। उन्होंने विनम्रता की मिसाल कायम की और वंचितों के कल्याण के लिए प्रतिबद्धता दिखाई, ऐसे गुण जिनसे आज के राजनेता बहुत लाभान्वित हो सकते हैं। उनकी विरासत आज के युवा राजनेताओं के लिए एक आदर्श है। काका ने हमें दिखाया कि कड़ी मेहनत और समर्पण से कोई भी व्यक्ति साधारण पृष्ठभूमि से राजनीति में ऊंचाइयों को छू सकता है। इस बीच, काका की जयंती के अवसर पर हैदराबाद के रवींद्र भारती में एक अलग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मंत्री पोन्नम प्रभाकर, जुपल्ली कृष्ण राव, विवेक वेंकट स्वामी, राज्यसभा सदस्य अनिल कुमार यादव, लोकसभा सांसद वामसी कृष्ण और अन्य प्रमुख नेताओं ने भाग लिया।

आरटीसी किराया वृद्धि तत्काल वापस ली जाए : सीपीएम राज्य सचिव जॉन वेस्ली

हैदराबाद, 5 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सीपीएम राज्य सचिव जॉन वेस्ली टॉफ्ट्स ने कहा कि उनकी पार्टी हैदराबाद और सिकंदराबाद शहरों में सरकारी आरटीसी किराए में पहले तीन चरणों के लिए 5 रुपये और चौथे चरण के लिए 10 रुपये की वृद्धि के सरकार के फैसले का कड़ा विरोध करती है और बढ़े हुए किराए के फैसले को तुरंत वापस लेने की मांग करती है। उन्होंने एक बयान में कहा कि राज्य सरकार का यह कहना हास्यास्पद है कि बढ़े हुए किराए के साथ नए डिपो और नए चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने पर 392 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे, जबकि वह लोगों से सहयोग करने का आग्रह कर रही है। उन्होंने याद दिलाया कि कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद, उसने हैदराबाद में इलेक्ट्रिक बसों के किराए और बस पास के किराए में भारी वृद्धि की थी और कहा कि 50 प्रतिशत अतिरिक्त त्योहारों के नाम पर राज्य की विशेष बसों से किराया वसूला जा रहा था। ऐसी खबरें हैं कि आरटीसी अपनी लोकप्रिय कार्गो सेवाओं का निजीकरण करने की कोशिश कर रहा है, जॉन वेस्ले ने मांग की कि कार्गो सेवाओं के निजीकरण के प्रयासों को छोड़ दिया जाए और कार्गो सेवाओं को आरटीसी के भीतर जारी रखा जाए, जनता के लिए और अधिक सुलभ बनाया जाए, और जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त कर्मचारियों की भर्ती की जाए।

कांग्रेस ने जमीन आवंटन का वादा पूरा किया : शब्बीर अली

हैदराबाद, 5 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार के सलाहकार और वरिष्ठ कांग्रेस नेता मोहम्मद अली शब्बीर ने रविवार को दावा किया कि कांग्रेस सरकार ने जुबली हिल्स में मुस्लिम कब्रिस्तान के लिए जमीन आवंटित करने का अपना चुनावी वादा पूरा किया है। वह शेखपेट में मस्जिद (गैराबाद) के पास एक एकड़ पांच गुंटा जमीन की औपचारिक घोषणा और औपचारिक हस्तांतरण के अवसर पर बोल रहे थे। यह जमीन रहमत नगर, एर्रागड्डा, बोराबंडा और आसपास के इलाकों के निवासियों के लिए है। यह घोषणा जुबली हिल्स के रहमत नगर स्थित एच.एफ. कम्युनिटी हॉल में आयोजित एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में की गई। इस दौरान मंत्री पोन्नम प्रभाकर और जी विवेक वेंकटस्वामी, तेलंगाना राज्य वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष सैयद अजमतुल्लाह हुसैनी, टीपीसीसी के कार्यकारी अध्यक्ष मोहम्मद अजहरुद्दीन, टीएमआरईआईएस के अध्यक्ष फहीम कुरैशी और कई निगम अध्यक्ष मौजूद थे। शब्बीर अली ने कहा कि आवंटित भूमि को एक कार्यात्मक कब्रिस्तान के रूप में विकसित किया जाएगा, जिसमें आवश्यक सुविधाएं होंगी, जैसे कि चारदीवारी, चौकीदारों के लिए आवास, और स्नान व शवों को गुस्ल व कफ़न देने की व्यवस्था। एक स्थानीय सामुदायिक समिति इस स्थल के विकास और रखरखाव की देखरेख करेगी। उन्होंने आगे कहा कि एक निकटवर्ती भूखंड, जो वर्तमान में पहुंच संबंधी समस्याओं का सामना कर रहा है, तकनीकी चुनौतियों का समाधान होने के बाद उसे भी सौंप दिया जाएगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह आवंटन केवल एक राजनीतिक इशारा नहीं है, बल्कि वंचित समुदायों के सम्मान और न्याय की दिशा में एक कदम है। उन्होंने कहा, यह दान नहीं है। यह एक अधिकार है। हमारे घोषणापत्र में इसका वादा किया गया था और अब हम इसे पूरा कर रहे हैं। विपक्षी दलों की आलोचना का जवाब देते हुए, शब्बीर अली ने जोर देकर कहा कि कांग्रेस सरकार समावेशी विकास कर रही है। उन्होंने कहा, चाहे महिलाओं के लिए मुफ़्त बस यात्रा हो, राशन कार्ड हो या बढ़िया चावल, ये लाभ हिंदुओं, मुसलमानों, ईसाइयों और सभी समुदायों को समान रूप से मिल रहे हैं। शिक्षा क्षेत्र में, उन्होंने निजामाबाद में एक आधुनिक सुविधा सहित 65 नए आईटीआई कॉलेज खोलने के सरकार के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा, ये कॉलेज युवाओं को रोबोटिक वेल्डिंग, गारमेंट ऑटोमेशन और खाद्य प्रसंस्करण जैसे उन्नत कौशल से लैस कर रहे हैं। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज जैसी कंपनियों ने पहले ही इन संस्थानों से छात्रों को सीधे भर्ती करने की पेशकश की है।

मंत्रियों ने अल्पसंख्यक आवासीय जूनियर कॉलेज का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 5 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। समावेशी शिक्षा के प्रति तेलंगाना की प्रतिबद्धता में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री अदलुरी लक्ष्मण कुमार ने श्रम मंत्री जी. विवेक वेंकटस्वामी के साथ रविवार को हैदराबाद के एर्रागड्डा में एक अल्पसंख्यक आवासीय जूनियर कॉलेज (सीओई) का उद्घाटन किया। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री लक्ष्मण कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार अल्पसंख्यक शिक्षा के क्षेत्र में परिवर्तनकारी सुधार ला रही है। उन्होंने कहा, हमारा उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि मुस्लिम और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों का प्रत्येक छात्र उच्च शिक्षा प्राप्त करने और उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए सशक्त हो। मंत्री ने एर्रागड्डा संस्थान को तेलंगाना में अल्पसंख्यक शिक्षा के पुनरुद्धार में एक मील का पत्थर बताया और कहा कि यह स्वयं मुख्यमंत्री द्वारा परिकल्पित अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है। उन्होंने कहा, शिक्षा सामाजिक समानता और आर्थिक सशक्तिकरण की प्रेरक शक्ति है। राज्य सरकार द्वारा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर दिए जा रहे ध्यान पर प्रकाश डालते हुए, उन्होंने कहा कि आईआईटी-जेईई, नीट, क्लैट, एनडीए और सीयूईटी जैसी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं के इच्छुक अल्पसंख्यक छात्रों को गहन प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) स्थापित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि सांख्यिकीय आंकड़े पिछले वर्षों की तुलना में व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में अल्पसंख्यक छात्रों के नामांकन में 22 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाते हैं। मंत्री लक्ष्मण कुमार ने निष्कर्ष निकालते हुए कहा, यह देखकर खुशी होती है कि हमारे छात्र अब सरकारी सेवाओं, प्रौद्योगिकी क्षेत्रों और सिविल सेवाओं में अपनी पहचान बना रहे हैं। शिक्षा सामाजिक उन्नति का माध्यम होनी चाहिए और यही मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की सरकार का मूल दृष्टिकोण है।

हैदराबाद के लिए 1050 विशेष बसों की व्यवस्था

हैदराबाद, 5 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीजीएसआरटीसी दशहरा उत्सव की वापसी यात्रा के मद्देनजर लोगों को परिवहन संबंधी किसी भी असुविधा का सामना न करना पड़े, इसके लिए विशेष उपाय कर रहा है। रविवार को, कंपनी ने शाम 4 बजे तक विभिन्न स्थानों से हैदराबाद के लिए 1050 विशेष बसों की व्यवस्था की है। इनमें से 229 विशेष सेवाएं वारंगल क्षेत्र से, 211 करीमनगर से और 137 नलगोंडा से चलाई गईं। रविवार को रात 9 बजे तक यात्रियों की भीड़ बनी रहेगी। इसी तरह, सोमवार को भी हैदराबाद जाने वाले यात्रियों की भारी भीड़ रहेगी। आरटीसी अधिकारियों ने बताया कि भीड़ के अनुसार विशेष बसें उपलब्ध कराई जा रही हैं।

भाजपा का नारा 'सबका साथ, सबका विकास' नहीं, बल्कि शुद्ध बकवास है : हरीश राव

पूर्व मंत्री ने निजामाबाद में बीआरएस कार्यकर्ताओं को संबोधित किया

हैदराबाद, 5 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और बीआरएस विधायक टी. हरीश राव ने तेलंगाना के साथ कई तरह से भेदभाव करने के लिए भाजपा की कड़ी आलोचना की। रविवार को येलारेड्डी निर्वाचन क्षेत्र के गांधारी मंडल में आयोजित बीआरएस कार्यकर्ताओं की एक विशाल बैठक में बोलते हुए, उन्होंने तेलंगाना के साथ न्याय की पूरी तरह अनदेखी करते हुए "राष्ट्र" और "धर्म" के बारे में बड़े-बड़े संवाद करने के लिए भाजपा की आलोचना की। प्रधानमंत्री मोदी "सबका साथ, सबका विकास" कहते हैं, लेकिन वास्तव में यह "शुद्ध बकवास" है। हरीश राव की उपस्थिति में कई भाजपा नेता और कार्यकर्ता औपचारिक रूप से बीआरएस में शामिल हुए। पूर्व मंत्री ने विशेष रूप से आंदोलन के नेता तानाजी और भाजपा से बीआरएस में वापस आए 150 पूर्व सरपंचों और एमपीटीसी का स्वागत किया। हरीश राव ने कहा कि तेलंगाना के लोग समझ गए हैं कि कौन सी सरकार वास्तव में काम करती है। जब पूछा गया कि सत्ता में कौन वापसी करेगा, तो लोग साफ तौर पर बीआरएस का नाम ले रहे थे। बीआरएस विधायक ने कहा कि भाजपा कभी भी गरीबों, किसानों या दलितों के साथ खड़ी नहीं हुई। वह सिर्फ़ उत्तर भारत के लिए काम करती है। तेलंगाना के साथ ऐसा व्यवहार क्यों किया जाता है जैसे वह भारत का हिस्सा ही न हो? गोदावरी नदी पहले तेलंगाना में बहती थी, फिर भी भाजपा ने 2027 गोदावरी पुष्करलु के लिए आंध्र प्रदेश को 100 करोड़ रुपये दिए, लेकिन तेलंगाना को एक भी रुपया नहीं दिया। उन्होंने सवाल किया कि तेलंगाना ने भाजपा के 8 सांसद चुने, फिर भी उसे एक भी नहीं मिला। क्या यह भेदभाव नहीं है? जब आंध्र प्रदेश ने चुनाव जीता, तो भाजपा ने टीडीपी की मदद करने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा दिया। हरीश राव ने बताया कि अगर बीआरएस के सांसद जीतते, तो हम दिल्ली पर तेलंगाना को उचित धनराशि आवंटित करने का दबाव बनाते। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने 157 नए मेडिकल कॉलेजों की घोषणा की, लेकिन तेलंगाना को एक भी नहीं दिया गया। निजामाबाद जिला तेलंगाना का चावल का कटोरा कहा जाता है। पिछले 10 वर्षों में केसीआर के नेतृत्व में तेलंगाना देश का अन्न भंडार बन गया है। कभी चावल के आयात पर निर्भर रहने वाला तेलंगाना अब आधे देश का पेट भरता है। हरीश राव ने आरोप लगाया कि भाजपा को वोट देने के कारण किसानों को भारी नुकसान हो रहा है।

तेलंगाना भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने चंद्रशेखर के परिजनों से मुलाकात की

हैदराबाद, 5 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री रामचंद्र राव ने अमेरिका में गोलीबारी में मारे गए तेलंगाना के छात्र पोल चंद्रशेखर के परिवार से मुलाकात की। उन्होंने एलबी नगर स्थित उनके आवास का दौरा किया और चंद्रशेखर के माता-पिता के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। इस अवसर पर उन्होंने कहा, शिक्षा के लिए अमेरिका गए एक युवक की नृशंस मृत्यु अत्यंत हृदयविदारक है। भाजपा पार्टी इस दुख की घड़ी में चंद्रशेखर के परिवार के साथ है। हम विश्वास दिलाते हैं कि हम इस मामले को केंद्र सरकार के ध्यान में लाएंगे और चंद्रशेखर के पार्थिव शरीर को जल्द से जल्द देश वापस लाने का पूरा प्रयास करेंगे।

विजयवाड़ा मंडल ने अब तक का सर्वाधिक यात्री संचालन और राजस्व प्राप्त किया

एक ही दिन में स्टेशन पर कुल 1.7 लाख यात्रियों का आवागमन

विजयवाड़ा, 5 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के विजयवाड़ा मंडल ने चार अक्टूबर को अब तक का सर्वाधिक यात्री संचालन और राजस्व प्राप्त करके यात्री परिवहन में एक नया मील का पत्थर स्थापित किया है। मंडल ने एक ही दिन में 2.8 लाख बाहरी यात्रियों का संचालन किया और 5 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया। आने वाले यात्रियों को मिलाकर, मंडल के भीतर कुल यात्री आवागमन 5.5 लाख तक पहुंच गया, जो इसके परिचालन इतिहास में एक अभूतपूर्व उपलब्धि है। इस उपलब्धि के केंद्र में, विजयवाड़ा स्टेशन ने एक ही दिन में 0.82 लाख बाहरी यात्रियों का संचालन करके और 2 करोड़ का राजस्व अर्जित करके उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की। स्टेशन पर कुल 1.7 लाख यात्रियों की आवक और जावक दर्ज की गई, जो विजयवाड़ा में एक दिन में अब तक की सबसे अधिक संख्या है। यात्री यातायात में वृद्धि को कुशलतापूर्वक प्रबंधित करने के लिए, मंडल ने कई सक्रिय कदम उठाए हैं। इनमें रूप से प्रमुख स्टेशनों पर 25 अतिरिक्त बुकिंग और आरक्षण काउंटर खोलना, 72 स्वचालित टिकट वेंडिंग मशीनों (एटीवीएम) का संचालन शुरू करना, यात्रियों की सहायता और कतारों को कम करने के लिए चौबीसों घंटे 110 एटीवीएम सुविधा प्रदाताओं की तैनाती आदि की गई। इन समन्वित प्रयासों ने चरम मांग के दौरान भी यात्रियों के लिए सुगम और परेशानी मुक्त यात्रा सुनिश्चित की। यह उपलब्धि 'यात्री प्रथम' के दृष्टिकोण के अनुरूप, दक्षता, यात्री सुविधा और उत्कृष्ट सेवा के प्रति मंडल की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

मंडल रेल प्रबंधक, विजयवाड़ा मंडल, मोहित सोनकिया ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को उनकी टीम वर्क और समर्पण के लिए बधाई दी। उन्होंने जोर देकर कहा कि ये रिकॉर्ड तोड़ आंकड़े भारतीय रेलवे में यात्रियों के भरोसे और विश्वास को दर्शाते हैं और विजयवाड़ा मंडल की देश के सबसे व्यस्त और यात्री-अनुकूल मंडलों में से एक होने की स्थिति की पुष्टि करते हैं।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.